



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 93]

नई दिल्ली, मंगलवार मार्च 19, 2019/फाल्गुन 28, 1940

No. 93]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 19, 2019/PHALGUNA 28, 1940

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 मार्च, 2019

अंतिम जाँच परिणाम

(परिवंचना रोधी जाँच)

**विषय :** बंगलादेश से जूट के बोरो के आयातों पर लागू पाटनरोधी शुल्क की कथित परिवंचना से संबंधित परिवंचना रोधी जांच

**क. मामले की पृष्ठभूमि**

**फा. सं. 7/3/2018-डीजीएडी.--** समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए,

- यतः निर्दिष्ट प्राधिकारी ने इंडियन जूट मिल्स एसोसिएशन के अनुरोध पर “जूट उत्पाद” अर्थात् – जूट यार्न/दिवन (मल्टिपल फोल्डेड/केबलड और सिंगल), हेसियन फेब्रिक और जूट सेकिंग बैग्स, विचाराधीन उत्पाद के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की थी और अधिसूचना सं. 14/19/2015-डीजीएडी दिनांक 20 अक्टूबर, 2016 द्वारा निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क (एडीडी) लगाने की सिफारिश की थी जिसे वित्त मंत्रालय द्वारा उनकी दिनांक 5 जनवरी, 2017 की सीमा-शुल्क अधिसूचना सं. 01/2017- सीमा-शुल्क (एडीडी) द्वारा लगाया गया था और दिनांक 3 अप्रैल, 2017 की सीमा-शुल्क अधिसूचना सं. 11/2017-सीमा-शुल्क द्वारा आगे संशोधित किया गया था।

3. और यतः जूट सेकिंग क्लाय जूट के बोरो के उत्पादन में एक अनिमित, अधूरा और केवल उपांत्य रूप के आयातों के संबंध में चल रही परिवचना रोधी जांच में, इंडियन जूट मिल्स एसोसिएशन (आईजेएमए) (जिसे आगे याचिकाकर्ता या आवेदक एसोसिएशन कहा गया है) ने सीमा-शुल्क टैरिफ (पाठित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1995 (एडी नियम) के नियम 26(1) के साथ पठित अधिनियम की धारा 9 के अनुसार बंगलादेश (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित जूट सेकिंग बैग के उपांत्य स्तर जूट सेकिंग बैग (जिसे आगे विचाराधीन उत्पाद या पीयूआई भी कहा गया है) के आयातों से संबंधित परिवचना रोधी जांच की शुरुआत करने के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया है। याचिकाकर्ता ने संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित पीयूसी के उपांत्य स्तर के उत्पाद पीयूआई के लिए जूट सेकिंग बैग के आयातों पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क का विस्तार करने का अनुरोध किया है।
4. यतः नियम 26(1) के अधीन याचिकाकर्ता द्वारा दायर विधिवत रूप से साक्ष्यांकित आवेदन को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी ने अधिसूचना सं 7/3/2018-डीजीएडी दिनांक 20 मार्च, 2018 द्वारा जांच की शुरुआत की ताकि संगत पाटनरोधी नियमों के अनुसार लगाए गए एडीडी की कथित परिवचना की मौजूदगी और प्रभाव को निर्धारित किया जा सके और जूट सेकिंग क्लाय के आयातों में जूट सेकिंग बैग के आयातों पर एडीडी के विस्तार की सिफारिश करने पर विचार किया जा सके।

#### ख. प्रक्रिया

5. जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है :
- प्राधिकारी ने अधिसूचना सं 7/3/2018-डीजीएडी दिनांक 20 मार्च, 2018 द्वारा परिवचना रोधी जांच की शुरुआत करते हुए अधिसूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया गया।
  - प्राधिकारी ने याचिका में उपलब्ध सूचना के अनुसार भारत में बांग्लादेश उच्चायोग, बांग्लादेश में पीयूआई के ज्ञात निर्यातक और भारत में पीयूआई के ज्ञात आयातकों को जांचशुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रति भेजी।
  - प्राधिकारी ने पीयूसी/पीयूआई के निर्यातकों/उत्पादकों को पत्र लिखा और उनसे विहित प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत करने और विहित समय सीमा के भीतर अपने विचारों से लिखित में अवगत कराने का अनुरोध किया। निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की प्रतियां बांग्लादेश उच्चायोग को भी ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची के साथ भेजी और उनसे विहित समय-सीमा के भीतर प्राधिकारी को उत्तर देने के लिए बांग्लादेश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह देने का अनुरोध किया।
  - याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आवेदन के अगोपनीय अंश की एक-एक प्रति ज्ञात बांग्लादेशी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और बांग्लादेश सरकार को भेजी गई थी आवेदन के अगोपनीय अंश की एक-एक प्रति सार्वजनिक फाइल के माध्यम से हितवृद्ध पक्षों को अनुरोध करने पर उपलब्ध कराई गई थी।
  - प्राधिकारी ने परिवचना रोधी जांचकी शुरुआत करने वाली सार्वजनिक सूचना की एक प्रति बांग्लादेश के निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को भेजी थीं और पाटनरोधी नियमावली के अनुसार पत्र की तारीख से 40 दिनों के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अवसर प्रदान किया:

कोरोफिन जूट कार्पो., बांग्लादेश	शमशेर जूट मिल्स लि. बांग्लादेश
शाइनपुकर होल्डिंग्स लि., बांग्लादेश	वर्ल्ड ट्रेडिंग कार्पो., बांग्लादेश
सोनाली आंस ट्रेडिंग (प्रा.) लि. बांग्लादेश	अबिर इंटरनेशनल, बांग्लादेश
एटीएमएमआर एंटरप्राइज, बांग्लादेश	आलम ट्रेड इंटरनेशनल बांग्लादेश
अलिफ इंटरनेशनल, बांग्लादेश	एलिस इंटरनेशनल, बांग्लादेश
अमानत इंटरनेशनल, बांग्लादेश	अंस कार्पो. (प्रा.) लि., बांग्लादेश
एबीसी एजेंसी, बांग्लादेश	एसीएमई ट्रेड इंटरनेशनल, बांग्लादेश
अनिका ओवरसीज डिस्कवरी सर्विस, बांग्लादेश	आरके एंड कयार एसोसिएट्स, बांग्लादेश
असिमपेक्स ट्रेडिंग कार्पो. लि. बांग्लादेश	अमिन जूट प्राइडर्स, बांग्लादेश

बेनगल्फ ट्रेडिंग कं. लि., बंगलादेश	बंगाल ब्रेडेड रग्स लि., बंगलादेश
ब्लू बैल एंटरप्राइज, बंगलादेश	बोनी इंटरनेशनल लि., बंगलादेश
बंगाल जूट एंड बरलप एजेंसीज, बंगलादेश	बीबीआई जूट एंड प्राइकट एक्सपोर्ट लि., बंगलादेश
बैग एंड बरलप इंटरनेशनल लि., बंगलादेश	बंगलादेश अलायड बिजनेस एसो., बंगलादेश
बी.एन. ट्रेडिंग, बंगलादेश	बेनकोर इंटरनेशनल कार्पोरेशन, बंगलादेश
बांगलार अंस (प्रा.) लि., बंगलादेश	बंगलादेश जूट प्रोसेसिंग कं., बंगलादेश
बीको इंटरनेशनल लि., बंगलादेश	भुइयान इंटरनेशनल कार्पो., बंगलादेश
बल्क ट्रेड इंटरनेशनल, बंगलादेश	बिजलाइन कार्पोरेट लि., बंगलादेश
बरलप वर्ल्ड लि., बंगलादेश	ब्रादर्स इंटरनेशनल, बंगलादेश
बंगलादेश जूट डाइवर्सिफिकेशन सेंटर, बंगलादेश	बंगलादेश इंटरनेशनल ट्रेड, बंगलादेश
बेहेथी एक्सपोर्ट एंड इम्पोर्ट, बंगलादेश	बंगलादेश एक्सपोर्ट लिमिटेड, बंगलादेश
सीडीआर ट्रेड इंटरनेशनल, बंगलादेश	कम्पिनपेक्स, बंगलादेश
कांफिडेंट जूट एंड बैग लि., बंगलादेश	कंक्रीट फाइवर्स इंटरनेशनल, बंगलादेश
कंसोलिडेटेड कमडिटीज, बंगलादेश	क्रिएशन (प्रा.) लि., बंगलादेश
कोर-दि जूट वर्क्स, बंगलादेश	क्रिफू इंटरट्रेड लि., बंगलादेश
कोरोफिन जूटेक्स कार्पोरेशन, बंगलादेश	कोस्मोटिक, बंगलादेश
दुबई जूट एंड बैग कार्पोरेशन, बंगलादेश	कंटिनेंटल ट्रेड एक्सचेंज लि., बंगलादेश
दीपाली एजेंसीज, बंगलादेश	डेलका बंगलादेश लि., बंगलादेश
दीवन एक्सपोर्ट इंटरनेशनल, बंगलादेश	देश बिदेश एंटरप्राइज, बंगलादेश
दीवान ट्रेड इंटरनेशनल बंगलादेश	ईस्टर्न ट्रेड इंटरनेशनल, बंगलादेश
एंरस ट्रेड इंटरनेशनल लि., बंगलादेश	इकोट्रेड इंटरनेशनल, बंगलादेश
ईस्ट एशियन बिजनेस एसोसिएट्स, बंगलादेश	एक्सिम एन. ट्रेड, बंगलादेश
इरब लिमिटेड, बंगलादेश	एसेस एक्सपोर्टर्स लि., बंगलादेश
इनाम एंड संस, बंगलादेश	ईहम इंटरनेशनल लि., बंगलादेश
एक्स्ट्रा पेस लाजिस्टिक्स लि., बंगलादेश	इनम एक्सप्रेस लि., बंगलादेश
एज ट्रेडिंग, बंगलादेश	अर्ली बर्ड कार्पोरेशन, बंगलादेश
फैजल ट्रेडिंग कं., बंगलादेश	फरहाना स्टाइल लि., बंगलादेश
फाइवर्स इंटरनेशनल लि., बंगलादेश	एहसाना जूट प्रोडक्स्ट्स, बंगलादेश
फूड ग्रेड जूट ट्रेडर्स, बंगलादेश	फाइबर डील्स लिमिटेड, बंगलादेश
फैमेक्स ट्रेड इंटरनेशनल, बंगलादेश	फेयर ट्रेडिंग कंपनी, बंगलादेश
ग्लोबल जूट गुड्स, बंगलादेश	ग्लोब सोलिडैरिटी लि., बंगलादेश
गोल्डेन जूड डाइवर्सिफिकेशन सेंटर लि., बंगलादेश	ग्लोबल जूट ट्रेडिंग लि., बंगलादेश
एच. एफ. एक्सपोर्टर्स, बंगलादेश	हमोना ट्रेडिंग कार्पोरेशन, बंगलादेश
हुनिफ इम्पेक्स इंटरनेशनल, बंगलादेश	हुसैन जूटन ट्रेडिंग कं., बंगलादेश
एचएन एंटरप्राइज, बंगलादेश	इंटरनेशनल ट्रेड एक्सचेंज, बंगलादेश
इंटरनेशनल बरलप सप्लायर, बंगलादेश	इंडस एंटरप्राइज, बंगलादेश
इमेंस ट्रेडिंग हाउस, बंगलादेश	जूट एक्सपो ट्रेडिंग लि., बंगलादेश
जूट एंड बैग्स एक्सपोर्ट कार्पोरेशन, बंगलादेश	जूट हेवेन, बंगलादेश
जूटेक्स बंगलादेश, बंगलादेश	जूट एक्सपोर्ट कार्पोरेशन, बंगलादेश

जैनेक्स इंटरनेशनल, बंगलादेश	जूटेक्स इंटरनेशनल, बंगलादेश
जहां ट्रेडर, बंगलादेश	जहां इंटरनेशनल ट्रेडिंग कं., बंगलादेश
जूट मेट पैकेजिंग कं., बंगलादेश	जूट एक्सपोर्ट ट्रेडिंग कार्पोरेशन, बंगलादेश
जेबीएल इंटरनेशनल, बंगलादेश	जूपिटर जूट लैडर कार्पोरेशन, बंगलादेश
जहां एंटरप्राइज, बंगलादेश	किरोन एंटरप्राइज, बंगलादेश
नाफ इंटरनेशनल, बंगलादेश	किंगशुक लिमिटेड, बंगलादेश
खान संस इंटरनेशनल (बीडीव्ही लि., बंगलादेश)	लुपा इंटरनेशनल, बंगलादेश
लोटस इंटरनेशनल, बंगलादेश	लूइस ड्रेफस कं. लि., बंगलादेश
मेट्रोपालिटन एक्सपोर्ट कार्प, बंगलादेश	लिफ्टन जूट ट्रेड इंटरनेशनल, बंगलादेश
मोनामी इंटरनेशनल लि., बंगलादेश	एम.एफ इंटरनेशनल, बंगलादेश
माइको जूट एंड बैग कार्पोरेशन, बंगलादेश	मास्क एसोसिएट(प्रा.) लि., बंगलादेश
मेरियम एंटरप्राइज, बंगलादेश	मीम इंटरनेशनल, बंगलादेश
मौलिक ट्रेड एंड सर्विसेस लि., बंगलादेश	मोनिर ट्रेडिंग कार्पोरेशन, बंगलादेश
मोहाजन ट्रेड इंटरनेशनल, बंगलादेश	एम.आर. एसोसिएट्स, बंगलादेश
एम. रहमान एंड कं., बंगलादेश	एम. एच ट्रेडिंग, बंगलादेश
मिकुनी कार्पोरेशन, बंगलादेश	मोवाडा ट्रेडर्स, बंगलादेश
मार्ट ओवरसीज, बंगलादेश	मंसूर एंड ब्रदर्स, बंगलादेश
मी ट्रेडिंग कार्पोरेशन, बंगलादेश	एम.एम इंटरनेशनल, बंगलादेश
मार्डन इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट, बंगलादेश	नेफ्चून एंटरप्राइज, बंगलादेश
नरसिंगडी जूट ट्रेडर्स, बंगलादेश	नैचूरल जूट प्रोडक्ट्स, बंगलादेश
नॅचुरल फाइबर सर्विसेज लि., बंगलादेश	न्यू एजेंसीज, बंगलादेश
ओरिएंट ट्रेड इंटरनेशनल, बंगलादेश	ओमेगा फैशन लिमिटेड, बंगलादेश
नीटी एंटरप्राइज, बंगलादेश	आनलाइन लिमिटेड, बंगलादेश
प्राइम एंटरप्राइज, बंगलादेश	रेनबो एसोसिएट्स, बंगलादेश
पास्को जूट, बंगलादेश	रेलिबल ट्रेड इंटरनेशनल, बंगलादेश
रोज कार्नर (प्रा.) लि., बंगलादेश	रीमेक्स एंटरप्राइज, बंगलादेश
रश एक्सपोर्ट इंटरनेशनल लि., बंगलादेश	रीन ट्रेड इंटरनेशनल, बंगलादेश
आर.ई.बी. एजेंसीज, बंगलादेश	रफीक ट्रेड इंटरनेशनल, बंगलादेश
राज फाइबर्स लि., बंगलादेश	सीटेक्स इंटरनेशनल, बंगलादेश
स्विफ्ट ट्रेड इम्पेक्स, बंगलादेश	साथी एक्सपोर्ट इंटरनेशनल लि., बंगलादेश
समी एंटरप्राइज, बंगलादेश	शेम्स ट्रेड इंटरनेशनल लि., बंगलादेश
सीलेंड एक्सपोर्ट इंटरनेशनल, बंगलादेश	एसडब्ल्यूएसट्रेड लाइंस (प्रा.) लि., बंगलादेश
सोनाली आंस ट्रेडिंग(प्रा.) लि., बंगलादेश	सागरिका इंटरनेशनल, बंगलादेश
श्यामोल बांग्ला जूटेक्स लि., बंगलादेश	सोनाली फाइबर्स ट्रेडिंग कं., बंगलादेश
सी-रोक कंसोर्टियम, बंगलादेश	सोनारगांव फाइबर्स, बंगलादेश
सोनजेस इंटरनेशनल, बंगलादेश	एसएमएसएन ट्रेड इंटरनेशनल, बंगलादेश
सादी एंटरप्राइज, बंगलादेश	स्काइलैंड एंड फैम लि., बंगलादेश
सादत ट्रेडिंग कं. लि., बंगलादेश	समसेर एंटरप्राइज, बंगलादेश
सादिआ जूट ट्रेडिंग, बंगलादेश	शुदीप्ता ट्रेड कं., बंगलादेश

शरीफपुर ट्रेडिंग एजेंसी, बंगलादेश	सुतापा इम्पेक्स, बंगलादेश
सेक्स एक्सपोर्ट एंड ट्रेडिंग इंटेल, बंगलादेश	एस. इस्लाम एंड संस, बंगलादेश
एसएस इंजीनियरिंग वर्क्स, बंगलादेश	एस.एस. एंटरप्राइज, बंगलादेश
तकावा माह एंटरप्राइज लि., बंगलादेश	दि ग्लोब ट्रेडर्स, बंगलादेश
दि गोल्डेन फाइबर ट्रेड सेंटर लि., बंगलादेश	ट्रेड इंटरनेशनल, बंगलादेश
टाउरस लिमिटेड, बंगलादेश	ट्रेड इम्पेक्स, बंगलादेश
तमारा ट्रेडिंग एजेंसीज लि., बंगलादेश	यूनि एक्सिम, बंगलादेश
उजाला ट्रेडिंग कार्पोरेशन, बंगलादेश	विकार इंटरनेशनल, बंगलादेश
विकट्री एंटरप्राइज लि., बंगलादेश	वैराइटी जूट ट्रेडिंग कं., बंगलादेश
वरटैक्स इंटरनेशनल लि., बंगलादेश	विलियम एजेंसी, बंगलादेश
याकूब अली (फरीदपुर) लि., बंगलादेश	विजार्ड इनकार्पोरेशन, बंगलादेश
बंगाल कार्पेट लि., बंगलादेश	सलेत कार्पेट मिल्स लि., बंगलादेश
अर्कू इंडस्ट्रीज मैनुफैक्चरिंग लि., बंगलादेश	बंगलादेश एक्सपोर्ट लि., बंगलादेश
लालमाई फुटवियर लि., बंगलादेश	मेट्रोपालिटन एक्सपोर्ट कार्पोरेशन, बंगलादेश
सोनाली आंस इंडस्ट्रीज लि., बंगलादेश	ट्रेडवाइंड, बंगलादेश
अफजल जूट इंडस्ट्रीज लि., बंगलादेश	बाइको इंटरनेशनल, बंगलादेश
अलीजान जूट मिल्स लि., बंगलादेश	बी.आर. कार्पोरेशन, बंगलादेश
रूपसा इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट लि., बंगलादेश	विलियम एजेंसीज, बंगलादेश
ए.आर.ए. जूट मिल्स लि., बंगलादेश	एबीसी एजेंसी, बंगलादेश
अहद जूट मिल्स लि., बंगलादेश	अकीज जूट मिल्स लि., बंगलादेश
अल-हज अमीनुद्दीन जूट मिल्स लि., बंगलादेश	अलीजान जूट मिल्स लि., बंगलादेश
अनवार जूट स्पिनिंग मिल्स लि., बंगलादेश	अजीज फाइबर्स लि., बंगलादेश
बंगलादेश जूट एसोसिएशन, बंगलादेश	बंगलादेश जूट मिल्स कार्पोरेशन, बंगलादेश
बी.एस. जूट स्पिनर्स लि., बंगलादेश	बंगाल जूट इंडस्ट्रीज लि., बंगलादेश
चटगांव जूट मेनु. कं. लि., बंगलादेश	चारमुंगरिया जूट मिल्स लि., बंगलादेश
फिरदौस जूट मिल्स लि., बंगलादेश	इस्लाम खान जूट मिल्स लि., बंगलादेश
जनता जूट मिल्स लि., बंगलादेश	जूट स्पिनर्स लि., बंगलादेश
केरानीगंज जूट फाइबर्स लि., बंगलादेश	लिटन जूट मिल्स लि., बंगलादेश
करीम जूट स्पिनर्स लि., बंगलादेश	मेट्रोपालीटन एक्सपोर्ट्स कार्पोरेशन, बंगलादेश
न्यू ढाका इंडस्ट्रीज लि., बंगलादेश	निसान जूट मिल्स लि., बंगलादेश
नवाब अब्दुल मलिक जूट मिल्स (बंगलादेश) लि., बंगलादेश	म्युचुअल जूटन स्पिनर्स लि., बंगलादेश
नार्दर्न जूट मेन्युफैक्चरिंग कं. लि., बंगलादेश	नोवापारा जूट मिल्स लि., बंगलादेश
पापुलर जूट मिल्स लि., बंगलादेश	पतुआखली जूट मिल्स लि., बंगलादेश
सादत जूट इंडस्ट्रीज लि., बंगलादेश	सादत ट्रेडिंग कं. लि., बंगलादेश
सईद जूट स्पिनिंग लि., बंगलादेश	सागर जूट स्पिनिंग लि. बंगलादेश
सरवर जूट मिल्स लि., बंगलादेश	शमशेर जूट मिल्स लि., बंगलादेश
शरीफ जूट मिल्स लि., बंगलादेश	शिहाब जूट स्पिनर्स लि., बंगलादेश
श्यामल बंगला जूटेक्स लि., बंगलादेश	शीनेपुकर होल्डिंग्स लि., बंगलादेश
सिडला टैक्सटाइल (बंगलादेश) लि. बंगलादेश	सोनाली आंस इंडस्ट्रीज लि., बंगलादेश

स्पेशलाइज्ड जूट यार्न एंड ट्वाइन मेनु. कं. लि., बंगलादेश	सुप्रीम जूट एंड निटेक्स लि., बंगलादेश
ट्रांसओसन फाइबर्स प्रासेसर्स (बीडी) लि., बंगलादेश	ऊषा जूट स्पिनर्स लि., बंगलादेश
वर्ल्ड ट्रेडिंग कार्पोरेशन, बंगलादेश	विकट्री जूट प्रोडक्ट्स लि. बंगलादेश

- vi. बंगलादेश से पीयूसी/पीयूआई के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने प्राधिकारी को उत्तर दिया है और विहित ढ़ग और तरीके से प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। इसके अलावा, विभिन्न वकीलों ने नीचे यथा उल्लिखित उत्पादकों/निर्यातकों/व्यापारियों का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्राधिकार प्रस्तुत किए हैं :

**क. मेसर्स वर्ल्ड ट्रेड कंसल्टेंट्स एंड एडवोकेट्स**

1. मेसर्स मोतहर हुसैन चौधरी जूट मिल्स लिमिटेड बांगलादेश
2. मेसर्स मोहिनी नबील जूट मिल्स लिमिटेड बांगलादेश
3. मेसर्स मिर्जा जूट मिल्स लिमिटेड बांगलादेश
4. मै. ए एन इंटरनेशनल, बांगलादेश
5. मेसर्स बंगला जूट मिल्स लिमिटेड बांगलादेश
6. मेसर्स ग्लोरी जूट लि.
7. मेसर्स हसीन जूट इंडस्ट्रीज लि.
8. मेसर्स जी ट्रेडर्स
9. मेसर्स जेम जूट लि.
10. मेसर्स रानू एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड बांगलादेश
11. मेसर्स रहमान जूट मिल्स (प्रा.) लिमिटेड बांगलादेश
12. मेसर्स सागर जूट स्पिनिंग मिल्स लिमिटेड बांगलादेश
13. मेसर्स अरुण जूट मिल्स लिमिटेड बांगलादेश
14. मेसर्स जमुना जूट इंडस्ट्रीज लिमिटेड बांगलादेश
15. मेसर्स अब्रा जूट एंड ट्विन इंडस्ट्रीज लिमिटेड बांगलादेश
16. मेसर्स रबेया जूट मिल्स बांगलादेश
17. मैसर्स इकोट्रेड इंटरनेशनल
18. मेसर्स एरेंस ट्रेड इंटरनेशनल लि.
19. मेसर्स मौना जूट मिल्स लि.
20. मेसर्स उत्तरा जूट फाइबर्स एंड इंडस्ट्रीज लि.
21. मेसर्स नवरुन जूट मिल्स लिमिटेड

**ख. मैसर्स प्राइसवाटरहाउस कूपर्स प्राइवेट लिमिटेड**

1. अफिल जूट विविंग मिल्स लि.
2. सोनाली जूट मिल्स लि.
3. जोबेदा करीम जूट मिल्स लि.
4. आर. एम. जूट डाइवर्सिफिकेशन मिल्स लि.

**ग. मेसर्स एम.एस. पोथल और एसोसिएट्स**

1. मेसर्स पार्टिक्स जूट मिल्स लिमिटेड बांग्लादेश
2. मेसर्स सिडला टेक्सटाइल्स (बांग्लादेश) लिमिटेड
3. मेसर्स नौहट्टा जूट मिल्स लि.
4. मेसर्स कुरीग्राम जूट प्रोसेसिंग वर्क्स बांग्लादेश
5. मेसर्स सारा कम्पोजिट मिल्स लिमिटेड बांग्लादेश
6. मेसर्स माइमेनसिंह जूट मिल्स लि.
7. मेसर्स आशा जूट इंडस्ट्रीज लिमिटेड
8. मेसर्स पूरबी ट्रेडिंग

**घ. मेसर्स ट्रेकोलेगल- एडवोकेट्स एंड कंसलटेंट्स**

1. मेसर्स जूट टेक्सटाइल मिल्स लि.

**ङ. उत्पादकों / निर्यातकों द्वारा सीधे दायर की गई प्रतिक्रियाएँ**

1. मेसर्स नॉर्थन जूट मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
2. मेसर्स अलीजान जूट मिल्स लिमिटेड
3. मेसर्स सोनाली आंश इंडस्ट्रीज लिमिटेड
4. मेसर्स साउथ ट्रेड इंटरनेशनल
5. मेसर्स राजबारी जूट मिल्स लि.
6. मेसर्स अहयन जूट मिल्स लि.
7. मेसर्स हाफिज जूट मिल्स लि.
8. मेसर्स रहमान मुस्तफ़िज़हक एंड कंपनी  
(इंटरलिक इंटरनेशनल)
9. मेसर्स लतीफबावनी जूट मिल्स लिमिटेड
10. मेसर्स जेटियो जूट मिल्स लि.
11. मेसर्स ईस्टर्न जूट मिल्स लिमिटेड ने केवल बिना हस्ताक्षर की हार्ड कॉपी के साथ ईमेल के माध्यम से अपूर्ण प्रतिक्रिया दर्ज की।

- vii. नियमावली के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी गई थी।

आयातक का नाम	
अहमद एक्पोर्ट, पश्चिमी बंगाल	के. एल. जूट प्रोडक्ट्स प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
कमल कुमार गोयल पश्चिमी बंगाल	आर. हरीलाल एंड कं. (कलकत्ता), पश्चिमी बंगाल
नवीन गुप्ता पश्चिमी बंगाल	शिव कुमार अग्रवाल पश्चिमी बंगाल
अशीम कार एंड इंडस्ट्रीज प्रा.लि., पश्चिमी बंगाल	कोस्टल पैकेजर्स प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
नरेश कुमार अग्रवाल, पश्चिमी बंगाल	चुरीवाल कमर्शियल कं. (प्रा.) लि. पश्चिमी बंगाल

एआई चंपडनी इंडस्ट्रीज लि. पश्चिमी बंगाल	गंगेज जूट प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
मोहन जूट लि. पश्चिमी बंगाल	युकान एक्सपोर्ट्स प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
एच.आर. इंटरनेशनल लि., पश्चिमी बंगाल	भगवती सेल्स एजेंसी, महाराष्ट्र
एस एल पैकेजिंग प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल	तराई ओवरसीज लि., पश्चिमी बंगाल
तरुण दोकानिया, पश्चिमी बंगाल	जी एम जूट एक्सपोर्ट्स कं. पश्चिमी बंगाल
जयवर्धन बंसल, पश्चिमी बंगाल	संडोज मर्चेन्ट्स प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
रमीज़ अहमद, पश्चिमी बंगाल	निर्मल खंडेलवाल, पश्चिमी बंगाल
सारदा ट्रेडिंग कं., पश्चिमी बंगाल	हुगली इंफ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
विजयकुमार एंड कं. जूट प्रा. पश्चिमी बंगाल	आदित्य ट्रांसलिक प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
रोमी एंटरप्राइज, महाराष्ट्र	जे. के. संस एंड कं., पश्चिमी बंगाल
राजेश ट्रेडिंग कं. हरियाणा	नरेन्द्र कुमार रुइया हफ, पश्चिमी बंगाल
कृष्णा ट्रेडिंग कं., हरियाणा	रामसरन एंड संस, पश्चिमी बंगाल
अनिल ट्रेडर्स, हरियाणा	राम किशोर लुहारीवाला एंड अदर्स, पश्चिमी बंगाल
एल जी डब्लू लि., पश्चिमी बंगाल	खंडेलवाल जूटेक्स प्रा. लि. पश्चिमी बंगाल
गोल्डेन फ्लोर फर्निशिंग प्रा. लि., नई दिल्ली	मैग्नम मार्केटिंग, पश्चिमी बंगाल
शिल्पी साहा, पश्चिमी बंगाल	श्री उद्योग, पश्चिमी बंगाल
मीरा गोयल, पश्चिमी बंगाल	इंडस्ट्रीज एसोसिएट्स (जूट) प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
गोपीराम गुप्ता एंड कं. प्रा.लि., पश्चिमी बंगाल	कैलाश ट्रेडर्स, कर्णाटक
प्रताप कुमार बनर्जी, पश्चिमी बंगाल	जिंदल फाइबर्स लि., पंजाब
मोहन जूट बैग्स मेनु कं., पश्चिमी बंगाल	बर्धमान प्लास्टिक्स प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
गणपति रोप वर्क्स, पश्चिमी बंगाल	इंडो काटस्पिन लि. हरियाणा
श्री गिरीराजजी एंड कंपनी, पश्चिमी बंगाल	अब्दुल मजीद सरदार, पश्चिमी बंगाल
श्री बजरंग जूट मिल्स लि., पश्चिमी बंगाल	हरियाणा बारदाना ट्रेडिंग कं., हरियाणा
इम्पैक्स प्रा. लि. पश्चिमी बंगाल	राधा कृष्णा जूट प्राडक्स्ट्स प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
श्रीनिवास जूट मिल्स (प्रा.) लि., आंध्र प्रदेश	एसडीजे इंटरनेशनल, पश्चिमी बंगाल
विवेक एंड कंपनी, पश्चिमी बंगाल	नार्थब्रुक जूट कंपनी लि., पश्चिमी बंगाल
गोयल ट्रेडिंग कंपनी, पश्चिमी बंगाल	जैन एसोसिएट, असम
एम. एन. एसोसिएट्स, मध्य प्रदेश	रमेश चन्द्र अग्रवाल, पश्चिमी बंगाल
मेघराज मदनलाल गढ़ानी, राजस्थान	जेके संस जूट कं. प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
ग्लोबल एक्सिम प्रा. लि. पश्चिमी बंगाल	फ्रेंकटैक्स एंटरप्राइजेस प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
एमएमबी जूट उद्योग, मध्य प्रदेश	जय वर्धन बंसल, पश्चिमी बंगाल
प्रवीर मित्रा, पश्चिमी बंगाल	श्री आनंद जूट सेंटर, हरियाणा
सैफुद्दीन अहमद, पश्चिमी बंगाल	विशाल जूट प्रा.लि., पश्चिमी बंगाल

शिफा इम्पेक्स, गुजरात	तिरुपति पैकेजर्स, कर्णाटक
मनोज कुमार बजोरिया, पश्चिमी बंगाल	विवेक गुप्ता, पश्चिमी बंगाल
सत्येन्द्र पैकेजिंग प्रा. लि., गुजरात	कैम वर्थ, पश्चिमी बंगाल
तराई ओवरसीज प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल	एस.एन. ब्रदर्स. केरल
छाजू राम नितिन कुमार, हरियाणा	बालकृष्ण गुप्ता, पश्चिमी बंगाल
रिवेरा होम फर्निशिंग, दिल्ली	जीएमजूट एक्पोटर्स कं., पश्चिमी बंगाल
जयकृष्णदास मल जूट प्रोडक्ट्स (प्रा.) लि., ओडिशा	जागृति ट्रेड सर्विसेज प्रा. लि., पश्चिमी बंगाल
रिलायंस जूट मिल्स (इंटरनेशनल) लि., पश्चिमी बंगाल	भागतारा जूट इंडस्ट्रीज(प्रा.) लि., महाराष्ट्र
हावड़ा मिल्स कं. लि. पश्चिमी बंगाल	रामदेव इंडस्ट्रीज लि., आंध्र प्रदेश
रामा ट्रेडिंग कंपनी, दिल्ली	राजधानी बारदाना कार्पोरेशन, राजस्थान

- viii. तथापि पीयूआई के एक आयातक अर्थात् मै. मेघराज मदनलाल गट्टानी ने यह बताते हुए प्राधिकारी द्वारा जारी प्रश्नावली का उत्तर दिया है कि उसने पीओआई और पूर्ववर्ती वर्षों में संबद्ध देश से पीयूआई का आयात नहीं किया है।
- ix. प्राधिकारी ने कतिपय उत्पादक/निर्यातकों के अनुरोध पर प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने के लिए समय-सीमा को 8 जून, 2018 तक बढ़ा दिया। इसके अलावा, बंगलादेश सरकार के अनुरोध पर, प्राधिकारी ने 15 जून, 2018 तक आकड़ों में छिटपुट कमी को पूरा करने का समय दिया।
- x. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(6) के अनुसार प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को 28 अगस्त, 2018 को आयोजित आम सुनवाई में अपना दृष्टिकोण मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर दिया। 28 अगस्त, 2018 की सार्वजनिक सुनवाई में घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षों ने भाग लिया। मौखिक सुनवाई में अपने विचार प्रस्तुत करने वाले सभी पक्षकारों से अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने अनुरोध लिखित रूप में प्रस्तुत करें।
- xi. प्राधिकारी ने संबंधित हितबद्ध पक्षों को दिनांक 7 मार्च, 2019 को प्रकटन विवरण जारी किया। प्रकटन विवरण के संबंध में 14 मार्च, 2019 तक टिप्पणियां प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया और इस जांचपरिणाम में संगत समझी गई सीमा तक प्राधिकारी द्वारा उन पर विचार किया गया।
- xii. प्राधिकारी ने बंगलादेश से संबंधित उत्पादकों/निर्यातकों को की टिप्पणियां लेने के लिए बंगलादेश उच्चायोग को प्रकटन विवरण भेजा था। बंगलादेश उच्चायोग से समय बढ़ाने की भी मांग की गई थी क्योंकि अंतिम तिथि निकट आ गई थी और सामान्य प्रावधानों से आगे कोई समय देना संभव नहीं था।
- xiii. तथापि, प्राधिकारी ने कतिपय उत्पादकों/निर्यातकों जिन्होंने कुछ मुद्दों पर संपर्क किया था, की ओर से उत्तर सहित बंगलादेश उच्चायोग द्वारा प्रस्तुत उत्तर पर विचार किया है।
- xiv. ऐसे निर्यातक, आयातक, अन्य घरेलू उत्पादक और अन्य हितबद्ध पक्ष जिन्होंने प्राधिकारी को न तो उत्तर दिया है और न ही इस जांच से संगत सूचना प्रस्तुत की है को असहयोगी हितबद्ध पक्ष माना गया है।
- xv. अप्रैल 2014 - मार्च 2015, अप्रैल 2015 - मार्च 2016, अप्रैल 2016 - मार्च 2017 की अवधि तथा जांच की अवधि अक्टूबर 2016 - दिसंबर, 2017 (15 महीने) के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्योरे के लिए ऊपर उल्लिखित अवधि हेतु डीजीसीआईएस से अनुरोध किया गया था।
- xvi. इस जांच की प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों पर इस जांचपरिणाम में संगत पाई गई सीमा तक प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है।
- xvii. आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना और आकड़ों के संबंध में आवश्यक समझी गई सीमा तक मौके पर सत्यापन किया गया था। इसके अलावा, डेस्क अध्ययन सत्यापन याचिकाकर्ता द्वारा भरे गए आकड़ों पर किया गया था। जनवरी, 2019 के दौरान प्राधिकारी द्वारा सहयोगी निर्यातकों द्वारा दायर आकड़ों का भी मौके पर सत्यापन किया गया था।
- xviii. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच उनके गोपनीयता के दावे के पर्याप्त होने के संबंध में की गई। संतुष्ट होने पर इस प्राधिकारी ने जहां भी आवश्यक हुआ गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और इस प्रकार की सूचना को

गोपनीय माना गया है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं बताया गया है। जहां भी संभव हुआ गोपनीय आधार पर सूचना देने वाले पक्षकारों को निर्देश दिया गया है कि वे गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय भाग उपलब्ध करायें।

- xix. जहां भी किसी हितबद्ध पक्ष ने वर्तमान जाँच की प्रक्रिया के दौरान आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया या जांच में अत्यधिक बाधा डाली तो प्राधिकारी ने ऐसे पक्षों को असहयोगी माना है और अपने पास "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर जाँच परिणामों को दर्ज किया है।
- xx. \*\*\* चिह्न हितबद्ध पक्षों/किसी अन्य पक्ष द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और नियमावली के अधीन प्राधिकारी द्वारा गोपनीय मानी गई सूचना को दर्शाता है।
- xxi. पीओआई के दौरान प्रचलित 1 अमरीकी डॉलर = 66.50 रुपये की औसत विनिमय दर इस जांचपरिणाम के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनायी गई है।

### **ग. विचाराधीन उत्पाद/जाँचाधीन उत्पाद और समान वस्तु**

#### **विचाराधीन उत्पाद**

6. इस जांच में विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) बंगलादेश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित 'जूट सैकिंग बैग्स' हैं। जूट सैकिंग बैग्स को सीमा-शुल्क शीर्ष 6305 के अधीन वर्गीकृत किया जाता है। जूट सैकिंग बैग्स दिनांक 20 अक्टूबर, 2016 की मूल जांचके अंतिम जांचपरिणामों में यथा अभिज्ञात विचाराधीन उत्पाद का एक प्रकार है।

#### **जांचाधीन उत्पाद**

7. जांच के अधीन उत्पाद 'जूट सैकिंग बैग' है जिसमें कथित रूप से पाटनरोधी शुल्क की परिवर्चना की गई है। परिवर्चना वाला उत्पाद जूट के सैकिंग बैग के उपयोग में महत्वपूर्ण रूप से जाता है और जांच के अधीन उत्पाद का कोई अन्य महत्वपूर्ण उपयोग प्राधिकारी के ध्यान में नहीं लाया गया है। जांच के अधीन उत्पाद को सीमा-शुल्क शीर्ष 5310 कस्टम हेडिंग के अधीन वर्गीकृत किया गया है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और इस जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

### **ग.1 निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार**

8. अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं –

- i. पूर्ववर्ती जांच में पीयूआई को जानबूझकर पीयूसी के दायरे में शामिल नहीं किया गया था और इसलिए यह एस्टोपेल के नियम से प्रभावित है क्योंकि यह अब जूट सैकिंग क्लॉथ की परिवर्चना का आरोप नहीं लगा सकता है। इससे पहले भी उसी के आयात के बावजूद इसे पिछली जांच में शामिल नहीं किया गया था। नियम 25 (1) के प्रावधान को लागू नहीं किया जा सकता है क्योंकि यह जूट के बोरे बनाने के लिए एक आवश्यक उत्पाद है, यह अभी भी भारत में निर्मित किया जा रहा है, यह एक नया या परिवर्तित उत्पाद नहीं है और इसे पिछली जांच से स्पष्ट रूप से बाहर रखा गया था। जूट सैकिंग क्लॉथ को हटाने के लिए कोई तर्क नहीं था क्योंकि यह यार्न और जूट सैकिंग बैग के बीच का उत्पाद है और इसके बिना बोरे नहीं बनाए जा सकते हैं।
- ii. परिवर्चना जांच अव्यवहार्य है क्योंकि 'जूट सैकिंग क्लॉथ' को मूल जांच में पीयूसी से विशेष रूप से बाहर रखा गया था, यहां तक कि उस समय भी इसका बोरी की तुलना में कम कीमत पर आयात किया जा रहा था। जांच से बाहर रखी गई वस्तु को इस प्रकार के लिए अलग मार्जिन की मांग करने के लिए निर्यातकों के अधिकारों को कम करते हुए परिवर्चना उपबंध के जरिए शामिल नहीं किया जा सकता है।
- iii. मूल जांच में जूट यार्न को शामिल किया गया था, हेसियन फैब्रिक को शामिल किया गया था, लेकिन जूट सैकिंग क्लॉथ जो जूट की बोरी बनाने के लिए एक कच्ची सामग्री है, को शामिल नहीं किया गया था, । इसके अलावा, जूट यार्न का कोई वर्गीकरण नहीं था जो मूल जांच के अधीन आते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि सभी प्रकार के जूट यार्न को कवर किया गया था और जूट यार्न का उत्पाद कवरेज बहुत व्यापक था क्योंकि जूट यार्न का उपयोग करके सभी प्रकार के जूट उत्पादों का निर्माण किया जाता है। पाटन और क्षति के आरोपों के संबंध में, घरेलू उद्योग बहुत ही चयनात्मक था और इसमें अन्य सभी उत्पादों को जांच से बाहर रखने के लिए केवल हेसियन फैब्रिक और जूट सैकिंग बैग शामिल थे। जूट सैकिंग क्लॉथ कोई नया या संशोधित उत्पाद नहीं है और यहां तक कि घरेलू उद्योग भी इसे आवश्यक रूप से निर्मित कर रहा है। भारत में पाटनरोधी जांच में जूट के सैकिंग क्लॉथ का निर्माण पहले किया जा रहा था और अब इसका निर्माण किया जा रहा है, क्योंकि जूट के सैकिंग क्लॉथ के उत्पादन के बिना जूट के सैकिंग

बैग का निर्माण नहीं किया जा सकता है। इसलिए, अनुच्छेद 25 (1) के प्रावधानों को वर्तमान जांच में लागू नहीं किया जा सकता है।

- iv. अगर मूल जांच के समय पीयूआई भारत में आयात किया गया होता, तो मामला अलग होता। तथापि, अब अपनाया गया दृष्टिकोण अत्यधिक विवादपूर्ण है और परिवर्चना-रोधी प्रावधान का दुरुपयोग है।
- v. परिवर्चना-रोधी प्रावधान एक उत्पाद और आयात के खिलाफ झूठ नहीं बोल सकते हैं जो कि मूल जांच में ही याचिकाकर्ता डीआई और प्राधिकारी के संज्ञान में था। डीआई ने जब उनके पास विचाराधीन उत्पाद के दायरे में जूट के सैकिंग कपड़े के विशिष्ट समावेश का प्रस्ताव करने का अवसर था तो तीन प्रकार के जूट उत्पाद सूचीबद्ध किए हैं।
- vi. जूट सैकिंग कपड़े के उत्पादकों/निर्यातकों को मूल मामले के अनुसार पीयूसी से बाहर रखी गई किस्म के निर्यात पर परिवर्चना के अधीन नहीं किया जा सकता है। वास्तव में, उत्पादक/निर्यातक एक उत्पाद का निर्यात कर रहे थे जिसे भारत द्वारा शुल्क के दायरे से बाहर रखा गया था। ऐसे परिदृश्य में परिवर्चना का आरोप बिल्कुल उचित नहीं है।
- vii. यदि मूल मामले में कपड़े को पीयूसी के दायरे में शामिल किया गया था, तो उत्पादक/निर्यातक ऐसे प्रकार के लिए अलग-अलग मार्जिन का दावा कर सकते थे जो अब संभव नहीं है। वर्तमान दृष्टिकोण निर्यातकों के अधिकारों को कम करता है और पाटनरोधी समझौते के अनुसार अलग-अलग मार्जिन प्राप्त करने पर अंकुश लगाता है और उन्हें उपचारहीन बना देता है जो उचित स्थिति नहीं है।

## ग.2 घरेलू उद्योग के विचार

9. घरेलू उद्योग ने पीयूआई के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए हैं –

- i. परिवर्चना की वस्तु बनाने वाला उत्पाद "जूट सैकिंग क्लाथ" है।
- ii. इस मामले में जांच के अधीन उत्पाद मूल जांच में पीयूसी का अनिर्मित, अधूरा और उपांत्य चरण/रूप की वस्तु के अलावा कुछ नहीं है और इसके पीयूसी में रूपांतरण के लिए न्यूनतम मूल्य वर्धन की आवश्यकता है।
- iii. पीयूसी में रूपांतरण के लिए इसमें न्यूनतम मूल्यवर्धन की आवश्यकता होती है और आगे एकमात्र शामिल प्रक्रिया कपड़े की सिलाई की है।
- iv. जूट सैकिंग क्लाथ के रूप में आयात के द्वारा जूट सैकिंग बैग के आयात के जरिए शुल्क की परिवर्चना हो रही है जिससे लगाये गए पाटनरोधी शुल्क का उपचारात्मक प्रभाव कम हो रहा है। वर्तमान जांच का पीयूआई और मूल जांच के पीयूसी अलग रूप में बिल्कुल समान उत्पाद हैं। इसके अलावा, जांच के अधीन उत्पाद का पीयूसी के उत्पादन के लिए प्रयोग के अलावा कोई अन्य प्रयोग नहीं है।
- v. जांच के अधीन उत्पाद सीमा-शुल्क शीर्ष 5310 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और इस जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।
- vi. बोरी को बोरी के कपड़े से बनाया जाता है और बोरी का रूप देने के लिए सैकिंग क्लाथ को आकार/रूप देने के लिए शामिल एकमात्र प्रक्रिया सिलाई की प्रक्रिया है जो हाथ से या मशीन द्वारा हो सकती है। सैकिंग क्लाथ का अपने आप में बाजार नहीं है। जूट सैकिंग कपड़े का उत्पादन जूट सैकिंग बैग की प्रक्रिया में एक अंत से पहले का चरण है। कल्पना करके भी यह तर्क नहीं दिया जा सकता है कि विचाराधीन उत्पाद का परिवर्चित उत्पाद एक अलग उत्पाद है।
- vii. घरेलू उद्योग द्वारा यह अनुमान नहीं किया जा सकता था कि पीयूसी पर शुल्क लगाने पर, पीयूआई के आयात में वृद्धि होगी। इस तरह के एक कदाचार की दूरदर्शिता के बिना, पीयूआई को मूल जांच में शामिल नहीं किया जा सकता था। परिवर्चना को कोई मामला केवल किसी नये या परिवर्तित उत्पाद तक सीमित नहीं है, बल्कि ऐसा कोई भी उत्पाद शामिल होगा जो ऐसे शुल्क के उपचारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए ही पीयूसी पर लागू शुल्क की परिवर्चना करता हो। विबंधन के शासन का उल्लेख संदर्भ से बाहर किया गया है, क्योंकि यह केवल साक्ष्य की स्वीकार्यता से संबंधित है जिसे पूर्ववर्ती विचारण में सक्षम न्यायालय द्वारा अभिलिखित तथ्य निष्कर्ष से बचने के लिए डिजाइन किया गया था। नियम वहां लागू होता है जहां एक ही मुद्दा साफ़ तौर पर उठाया गया हो और अनिवार्य रूप से एक ही पक्षकारों के बीच पहले की कार्यवाही में फैसला हुआ हो। तथापि, किसी भी जांच में इस तरह कोई समस्या का आरोप नहीं लगाया गया है।
- viii. मूल जांच के समय यह आशंका बिल्कुल नहीं थी कि पीयूसी पर शुल्क लगाने पर निर्यातक भारत में पीयूआई के पाटन के कदाचार का सहारा लेंगे। घरेलू उद्योग ने केवल उन्हीं उत्पादों के लिए राहत ली और उसका दावा किया जिसका वह उत्पादन करता है और न कि जिसका उत्पादन वह नहीं करता है।

### ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

10. विचाराधीन उत्पाद जिस पर पाटनरोधी शुल्क लागू है जूट सेकिंग बैग है। जांचके अधीन उत्पाद 'जूट सेकिंग क्लाथ' है (जिसे जॉचाधीन उत्पाद' या पीयूआई कहा गया है) जिसके अनिमित्त, अधूरे और जूट सेकिंग बैग (जिसे विचाराधीन उत्पाद या पीयूसी भी कहा गया है) के उत्पादन में उपांत्य स्तर के होने का दावा किया गया है। विचाराधीन उत्पाद की जांचकी गई और इसे मूल जांचमें निर्दिष्ट प्राधिकारी ने निम्नानुसार रिकॉर्ड किया है :

वर्तमान जांचमें विचाराधीन उत्पाद "जूट उत्पाद" हैं जिसमें – जूट यार्न/ट्विन (मल्टिपल फोल्डेड/केबल्ड और सिंगल), हेसियन फेब्रिक और जूट सेकिंग बैग्स शामिल हैं। जांचशुरुआत के समय, 1975 के अधिनियम के अध्याय 53 और 63 के अंतर्गत और इसके अलावा सीमा-शुल्क शीर्षों 5307, 5310 और 6305 के अंतर्गत उप-वर्गीकृत किये जाने पर विचार किया गया था। यह बताया गया था कि उक्त सीमा-शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांचके दायरे पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है। तथापि, बाद में नेपाल से उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत किए गए आकड़ों से यह नोट किया गया कि सीमा-शुल्क शीर्ष सं. 5607 जिसमें ट्वाइन, कोर्डेज, रस्सी और केबल, चाहें प्लेटेड या ब्रेडेड हो अथवा नहीं और चाहें रबड़ और प्लास्टिक से इम्प्रेगनेटेड, कोटेड, कवर्ड या शीथ्ड हो अथवा नहीं, शामिल हैं।

11. वर्तमान मामले में चूंकि परिवंचनारोधी उत्पाद केवल एक प्रकार का विचाराधीन उत्पाद अर्थात् जूट सेकिंग बैग है, इसलिए इस जांच में पीयूसी केवल सेकिंग बैग उत्पाद प्रकार तक प्रतिबंधित है। जांचके अधीन उत्पाद (पीयूआई) जूट सैकिंग क्लॉथ है। यह घरेलू उत्पादकों और निर्यातकों के परिसर में सत्यापन से देखा गया है कि पीयूआई के चरण से पीयूसी तक की प्रक्रिया में लगभग 5% का मूल्यवर्धन होता है जिसमें सैकिंग कपड़े को आकार/संरचना देना शामिल होता है और उसे बोरी के रूप में परिवर्तित करना शामिल होता है इसमें बोरी बैग और सबसे आम तौर पर सिलाई की प्रक्रिया शामिल है, जो या तो मैनुअल रूप से या मशीन द्वारा होती है। इस प्रकार सैकिंग कपड़ा जूट की बोरी बनाने की प्रक्रिया में एक चरण है। जूट सैकिंग क्लॉथ को अध्याय 53 के उपशीर्ष 5310 के अधीन वर्गीकृत किया गया है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और जांच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।
12. जैसा कि इस विवाद के संबंध में है कि जूट सैकिंग क्लॉथ को विशेष रूप से मूल जांच में शामिल नहीं किया गया था और यह एक नया उत्पाद नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पाद प्रकार (जांचाधीन उत्पाद) के रूप में पाटनरोधी शुल्क की परिवंचना का अर्थ यह नहीं है उत्पाद प्रकार (जांचाधीन उत्पाद) एक नया उत्पाद होना चाहिए। नियम 25 (1) (क) में उपबंध है कि पीयूसी पर उपाय के लागू होने के बाद पीयूआई का आयात शुरू होता है या बढ़ जाता है तो यह परिवंचना है। यह इंगित करता है कि पीयूआई विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लागू होने से पहले भी मौजूद था और आयात किया जा सकता है। इस संबंध में प्राधिकारी डायक्लोफेनैक सोडियम डीएफएस के मामले में दिनांक 15.02.2017 के अपने अंतिम जांचपरिणाम को भी स्मरण करते हैं, जिसमें उपांत्य चरण उत्पाद की परिवंचना के लिए जांच की गई थी, यद्यपि पीयूसी के उत्पादन के लिए घरेलू उद्योग द्वारा उसी का उत्पादन किया गया था।

### घ. घरेलू उद्योग का दायरा और स्थिति

#### घ.1 निर्यातकों, आयातकों, उपभोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार

13. घरेलू उद्योग के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार निम्नानुसार हैं :
- आरंभ की गई जांच भारत में पाटनरोधी कानून के अनुसार नहीं है। नियम 26 विशेष रूप से यह बताता है कि परिवंचना जांच के लिए आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से होना चाहिए, जबकि आवेदक एसोसिएशन द्वारा प्रस्तुत किया गया आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से नहीं है क्योंकि केवल भारतीय जूट मिल्स एसोसिएशन के एक प्राधिकार से है और एसोसिएशन की 35 सदस्य मिलों की सूची प्रदान की गई है। आवेदक एसोसिएशन ने घरेलू उत्पादकों की संख्या और उत्पादकों की संख्या की पहचान नहीं की है जो एसोसिएशन के सदस्य हैं। उन्होंने विचाराधीन उत्पाद के कुल घरेलू उत्पादन का ब्योरा और साथ ही एसोसिएशन के सदस्य मिलों के उत्पादन का विवरण भी प्रदान नहीं किया है। उन्होंने यह भी निर्दिष्ट नहीं किया है कि वर्तमान जांचके पक्ष में कितने सदस्य हैं क्योंकि कितने सदस्य वर्तमान आवेदन के विरुद्ध हैं क्योंकि एसोसिएशन के किसी सदस्य द्वारा रिकार्ड में कोई प्राधिकार नहीं है। एसोसिएशन का कोई विशिष्ट संकल्प भी रिकार्ड में नहीं है जो वर्तमान जांचकी शुरुआत के लिए आवेदन प्रस्तुत करने को प्राधिकृत करता हो।
  - अनुबंध च से यह स्पष्ट है कि आवेदक का हिस्सा 30% -40% की रेंज में है। यह समझा जा सकता है कि नियम 5 (3) के साथ-साथ प्राधिकारी की निरंतर परिपाटी के संदर्भ में, कोई जांच केवल तभी शुरू की जाती है जब आवेदक का कुल घरेलू उत्पादन में

- प्रमुख हिस्सा बनता हो। नियम 5 (3) के संदर्भ में प्रमुख हिस्सा और परिपाटी के अनुसार प्रमुख हिस्सा तभी बनता है जब आवेदक का देश में कुल उत्पादन का कम से कम 50 प्रतिशत हिस्सा हो।
- iii. आवेदक ने अपने आवेदन के पैरा 12 में केवल एक खोखला दावा किया है कि उनके पास प्रमुख हिस्सा है, और इसलिए, पाटनरोधी नियमावली, 1995 के नियम 2 (ख) के संदर्भ में वह घरेलू उद्योग का गठन करता है।
  - iv. आवेदक ने मूल आवेदन में आसानी से मान लिया है कि आवेदक संघ के सभी सदस्यों ने याचिका का समर्थन किया है, जबकि संशोधित आवेदन के पैरा 4.1.2, पैरा 4.1.3 और पैरा 4.3 में दी गई जानकारी में यह स्पष्ट है कि केवल 13 मिलों ने आवेदन का समर्थन किया है।
  - v. आवेदक ने 8 जून, 2018 को संशोधित आवेदन को नए विवरणों जैसे आवेदक मिलों के नाम और उत्पादन, क्षति विवरण आदि के साथ प्रस्तुत किया है और आधारहीन रूप से मान लिया है कि चूंकि यह आवेदन जूट मिल्स एसोसिएशन द्वारा दायर किया गया है इसलिए यह स्थिति संबंधी अपेक्षाओं को पूरा करता है। नियम 5 (3) के संदर्भ में प्रमुख हिस्सा और परिपाटी के अनुसार प्रमुख हिस्सा तभी बनता है जब आवेदक का देश में कुल उत्पादन का कम से कम 50 प्रतिशत हिस्सा हो।
  - vi. वर्तमान जांच कानून के अनुसार नहीं है क्योंकि रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों और साक्ष्यों के अनुसार यह स्पष्ट है कि एसोसिएशन द्वारा दायर की गई याचिका घरेलू उद्योग की ओर से नहीं है। एसोसिएशन की ओर से केवल एक प्राधिकार और 35 सदस्यीय मिलों की एक सूची प्रदान की गई है।
  - vii. पीयूसी के कुल घरेलू उत्पादन और सदस्य मिलों के उत्पादन का विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया है। वर्तमान याचिका दायर करने वाले किसी सदस्य द्वारा प्राधिकार और उसे प्राधिकृत करने वाले एसोसिएशन के किसी संकल्प का भी अभाव है। एक विशिष्ट संकल्प के अभाव में यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है कि आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से है।

## घ.2 घरेलू उद्योग के विचार

### 14. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं -

- i. याचिकाकर्ता भारतीय जूट उद्योग का एक संघ है जो भारत में जूट उत्पादों के निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करता है। वर्तमान में इसके 34 सदस्य हैं। भारतीय जूट मिल्स एसोसिएशन [आईजेएमए] द्वारा और संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों की ओर से याचिका दायर की गई है। संघ के संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों द्वारा, उनके लिए और उनके सहयोग से होने के कारण, यह स्थिति से संबंधित आवश्यकताओं को धारण करता है। अन्यथा भी, भाग लेने वाली कंपनियों के उत्पादन का कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है।
- ii. सूचना प्रदान करने वाली सदस्य कंपनियों ने संबद्ध वस्तु का आयात नहीं किया है, वे संबंधित उत्पाद के किसी भी निर्यातक या आयातक से संबंधित हैं।
- iii. आवेदक संघ द्वारा कोई संशोधित आवेदन दायर नहीं किया गया है। दिनांक 8 जून, 2018 का अनुरोध प्राधिकारी द्वारा घरेलू उत्पादकों को जारी की गई प्रश्नावली के उत्तर में था और प्राधिकारी द्वारा अनुमत समय सीमा के काफी पहले दायर किया गया था।
- iv. यह दावा कि हिस्सा कम से कम 50% होना चाहिए, गलत है। करार के अनुच्छेद 4.1 और नियमों के नियम 2 (ख) का मतलब यह नहीं है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन का हिस्सा घरेलू उत्पादन का "एक प्रमुख हिस्सा" बनाने के लिए 50% या उससे अधिक होना चाहिए। ब्राजील से पोल्ट्री पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क में और लुब्रीजोल (इंडिया) प्राइवेट लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में अर्जेंटीना संबंधी डब्ल्यूटीओ पैनल रिपोर्ट पर भरोसा रखा गया है। जैसी प्राधिकारी की परिपाटी रही है ऐसे उदाहरण हैं, जहां वर्तमान मामले से कम के स्तर वाले उद्योगों द्वारा घरेलू उद्योग का गठन का निर्णय दिया गया है।
- v. परिवंचना के किसी मामले में, पीयूसी के घरेलू उत्पादन का ब्योरा या किसी अन्य आकड़े का प्राथमिक महत्व नहीं होता है क्योंकि परिवंचना जांचका आधार वह तरीका होता है जिससे लागू शुल्क के उपचारात्मक प्रभावों को कम किया जा रहा है और जिस तरीके से विचाराधीन उत्पाद पर लगाये गये शुल्क से बचा जा रहा है।
- vi. यह दावा कि हिस्सा कम से कम 50% होने की आवश्यकता है, गलत है और बिना किसी कानूनी आधार के है। याचिकाकर्ता ने बताया कि पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 4.1 और पाटनरोधी नियमावली के नियम 2 (ख) का यह अर्थ नहीं है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन का हिस्सा घरेलू उत्पादन का "एक प्रमुख हिस्सा" बनाने के लिए 50% या उससे अधिक होना चाहिए। इसके अलावा, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने विभिन्न मामलों में 50% से कम हिस्से को भारतीय उत्पादन का एक प्रमुख हिस्सा माना है।

- vii. एसोसिएशन देश के कानून के अधीन एक पंजीकृत एसोसिएशन है और यह भारतीय जूट उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाला देश का सर्वोच्च संगठन है। उसी के मद्देनजर और उद्योग के लिए काम करते समय, यह अनिवार्य नहीं है कि प्रत्येक सदस्य उत्पादक की ओर से प्राधिकार पत्र दायर किए जाएं। इसके अलावा, जब उत्पादकों ने याचिका दायर करने के लिए अपने आकड़ें दिए हैं, तो यह माना जाना चाहिए कि इन उत्पादकों ने याचिका दायर की है।

### **घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच**

15. प्राधिकारी नोट करते हैं कि परिवर्चना रोधी जांच और जूट सेकिंग बैग के आयातों पर माजूदा एडीडी का जूट सेकिंग क्लार्थ तक विस्तार करने के लिए याचिका भारतीय जूट मिल्स एसोसिएशन (आईजेएमए) द्वारा घरेलू उद्योग की ओर से नियम 26 (1) के अनुसार दायर की गई है जिसका पाठ निम्नानुसार है
- "(1) नीचे यथा उपबंधित को छोड़कर, निर्दिष्ट प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा या उसकी ओर से लिखित आवेदन की प्राप्ति पर अधिनियम की धारा 9 के अधीन लागू पाटनरोधी शुल्क की कथित परिवर्चना की मौजूदगी और प्रभाव के निर्धारण के लिए जांच की शुरुआत कर सकते हैं।"*
16. प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 26 (1) में यह अपेक्षित है कि परिवर्चना-रोधी आवेदन पीयूसी जिस पर पाटनरोधी शुल्क लागू है का प्रतिनिधित्व करने वाले घरेलू उद्योग द्वारा दायर किया जाए। इस जांच में, विचाराधीन उत्पाद के निम्नलिखित 13 घरेलू उत्पादकों ने अपेक्षित जानकारी प्रदान की है।

क. आरडीबी टेक्सटाइल्स लि.

ख. केविएट कं. लिमिटेड

ग. बिड़ला कॉर्पोरेशन लि.

घ. बज बज कं. लिमिटेड

ङ. ग्लस्टर लिमिटेड

च. नैहाटी जूट मिल्स कंपनी लिमिटेड

छ. कमरहट्टी कंपनी लिमिटेड

ज. हेस्टिंग्स

झ. रिलायंस जूट मिल्स (आईएनटीएल) लि.

ञ. बोवरेह जूट मिल्स प्रा. लिमिटेड

ट. हुगली इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड

ठ. लुडलो जूट एंड स्पेशलिटीज लिमिटेड

ड. इंडिया जूट मिल्स

17. वर्तमान जांच में भाग लेने वाले सदस्य उत्पादक विचाराधीन उत्पाद या जांचाधीन उत्पाद के किसी भी निर्यातक या भारत में उसके आयातक से संबंधित (प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से) नहीं हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक संघ के सदस्य उत्पादकों ने जांच की अवधि के दौरान बांग्लादेश से पीयूसी या पीयूआई का आयात किया है। आगे यह कहा गया है कि जिन 17 कंपनियों ने मूल जांच में भाग लिया, वे कुल भारतीय उत्पादन का 42.78% हिस्सा बनती थीं। वर्तमान जांच में याचिकाकर्ता कंपनियों ने भी भाग लिया था और मूल जांच में भी भाग लिया था। इन उत्पादकों का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का 36% है। मौजूदा जांच में किसी अन्य उत्पादक ने घरेलू उद्योग के आवेदन का कोई विरोध नहीं किया है। इस प्रकार, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उत्पादकों का कुल भारतीय उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा बनता है और उन्हें नियम 2 (ख) के अनुसार एक पात्र घरेलू उद्योग माना जाता है।
18. किसी भी मामले में, नियम 26 के अधीन शुरू की गई जांच के लिए 25% और 50% का परीक्षण लागू नहीं होता है।

### **झ. विविध अनुरोध**

#### **झ.1 निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार**

19. घरेलू उद्योग के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार निम्नानुसार हैं -
- i. चयनित जाँच अवधि अर्थात् 1 अक्टूबर 2016 से 30 सितंबर 2017 तक के आधार पर वर्तमान जांच की शुरुआत मौलिक और कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण है। जूट उत्पादों पर पाटन रोधी शुल्क 05 जनवरी 2017 को सीमा शुल्क अधिसूचना 01/2017-सीमा

शुल्क (पाटनरोधी शुल्क) द्वारा लगाए गए थे और चयनित जाँच अवधि 1 अक्टूबर 2016 से 30 सितंबर 2017 तक की अवधि को शामिल करता है और इसमें 1 अक्टूबर 2016 से 04 जनवरी 2017 की अवधि शामिल है, जिसके लिए जूट उत्पादों पर कोई पाटनरोधी शुल्क अस्तित्व में नहीं था। इसलिए, उपरोक्त अवधि अर्थात् 1 अक्टूबर 2016 से 04 जनवरी 2017 (3 महीने से अधिक) जो पीओआई का अभिन्न अंग रही, के लिए परिवर्चना के आरोप की जांच के लिए कोई कानूनी आधार नहीं है।

- ii. माननीय प्राधिकारी ने जूट उत्पादों के प्रत्येक प्रकार/वर्ग के लिए पाटन और क्षति का पृथक् विश्लेषण किया और जूट उत्पादों के प्रत्येक प्रकार/वर्ग के लिए अलग शुल्क की सिफारिश भी की। मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा का बचाव करने के दांचे या तर्काधार या कारण की जांचके भीतर मूल जांच में जूट सेकिंग क्लॉथ को शामिल किए जाने का कोई कारण नहीं था क्योंकि वह एक मध्यवर्ती उत्पाद है और उसमें जूट यार्न से काफी कम वृद्धिशील लागत लगती है जो जूट यार्न से जूट सेकिंग बैग के विनिर्माण में वृद्धिशील लागत से भी कम है। जूट सेकिंग क्लॉथ को मूल जांचकी पीओआई में भी आयात किया गया था। वास्तव में घरेलू उद्योग ने मूल जांच में रिकार्ड करने का कोई कारण नहीं दिया न ही जूट सेकिंग क्लॉथ को मूल जांच को वर्तमान परिवर्चना रोधी जांचके दायरे से बाहर रखने का कोई कारण बताया।
- iii. अगर जूट के सेकिंग क्लॉथ को मूल जांच में शामिल किया जाता, तो पाटन और क्षति का अलग विश्लेषण होता और पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के सकारात्मक निष्कर्षों पर अलग-अलग पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता। वर्तमान परिवर्चना जांच की शुरुआत के साथ, घरेलू उद्योग ने चतुराई से पाटन, क्षति, कारणात्मक संबंध और जूट सेकिंग क्लॉथ पर एक अलग शुल्क के विश्लेषण से स्वयं को बचाया है जो अन्यथा मूल जांच में संभव नहीं था।
- iv. जांच के अधीन उत्पाद न केवल भारत को निर्यात किया जाता है, बल्कि इसे अन्य देशों में निर्यात किया जा रहा है। मूल जांच से पहले ही जांच के अधीन उत्पाद भी निर्यात किया गया था। यह स्पष्ट है कि उत्पाद का निर्यात और बिक्री स्पष्ट और अस्तित्व में है और पाटनरोधी शुल्कों का अधिरोपण भारत को जांच के अधीन उत्पाद के निर्यात का कारण नहीं है। इस प्रकार, बांग्लादेश पर पाटन रोधी शुल्क लगाए जाने के कारण भारत को जांचाधीन उत्पाद के निर्यात के संबंध में आवेदक संघ के आरोप मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के अधीन सही नहीं हैं।
- v. आयात करने की जानकारी और लिखित अनुरोध में दिए गए पंहुच मूल्यों के आधार पर दर्शाए गए उपायों को कम करने का आरोप घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए आवेदन की तुलना में काफी अलग-अलग है। यह स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि वर्तमान जांच की शुरुआत गलत सूचना के आधार पर की गई थी और घरेलू उद्योग मामले की जरूरतों के अनुरूप अपनी इच्छा से आकड़े बदल रहा है।
- vi. जूट मिलें आपूर्ति आदेशों को पूरा करने में असमर्थ थीं। सरकारी आपूर्ति की मांग और भारतीय जूट मिलों द्वारा उन्हें पूरा करने के बीच एक व्यापक अंतर है। इसी विचार से, जूट आयुक्त के कार्यालय ने विभिन्न आदेशों के माध्यम से, भारतीय जूट मिलों को किसी भी प्रकार से, बी टिवल जूट बैग को उत्पादन नियंत्रण सह बिक्री आदेश के अनुसार उत्पादन में विपथन नहीं करने का निर्देश दिया है। परिणामस्वरूप, भारतीय जूट मिल्स खुले बाजार में बी. टिवल जूट उत्पादों को बेचने के लिए अधिकृत नहीं हैं। इस प्रकार, संबद्ध देशों से आयात भारत में उत्पादित वस्तुओं के साथ प्रतिस्पर्धी नहीं है और इस तरह से घरेलू उद्योग को किसी भी तरह से क्षति नहीं पहुंचाता है।
- vii. जूट आयुक्त ने सभी जूट मिलों को न केवल सरकार को ऐसे एक भी बैग की आपूर्ति करने की चेतावनी दी है जो विदेश से खरीदा गया हो, अधिकारी न केवल संबंधित संगठनों को दो (2) वर्षों की अवधि के लिए सरकार को आपूर्ति करने से काली सूची में डाल देगा बल्कि कंपनी के मालिकों और निदेशकों के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही शुरू कर देगा।
- viii. आवेदक ने 8 जून 2018 अर्थात् 20 मार्च, 2018 को जांचकी शुरुआत के तीन महीने बाद और दिसंबर 2017 में मूल आवेदन के छह महीने बाद संशोधित आवेदन को नए विवरणों जैसे आवेदक मिलों के नाम और उत्पादन, क्षति विवरण आदि के साथ प्रस्तुत किया है। आवेदक को इन विवरणों को मूल आवेदन के साथ प्रस्तुत करना चाहिए था। प्रतिवादी ने प्राधिकारी से अनुरोध किया है कि वह जांच के अंतिम समय में संशोधित आवेदन को स्वीकार न करे क्योंकि इससे हितवद्ध पक्षों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा और आवेदकों को उनके दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करेगा।
- ix. प्रतिवादी ने ट्रेड नोटिस 7/2018 दिनांक 15 मार्च, 2018 के पैरा 2 (vi) के अनुरूप 27 अगस्त, 2018 को एक पत्र प्रस्तुत किया है। तथापि, अभी तक हमें डीजीटीआर को आवेदक द्वारा प्रस्तुत आयात आकड़े (संसाधित/परिवर्तित आकड़े) साफ्ट या हार्ड प्रतियों में प्राप्त नहीं हुए हैं जो अनुरोध करके डीजीटीआर को आवेदक नहीं मिला है। ट्रेड नोटिस 7/2018 का पैरा 2 (vi) प्राधिकारी के त्वरित संदर्भ के लिए नीचे पुनः प्रस्तुत किया गया है।

"vi. आवेदक/याचिकाकर्ता उद्योग द्वारा आवेदन प्रस्तुत करते समय डीजीएडी को प्रस्तुत किए गए आयात आकड़ों (संसाधित/परिवर्तित आकड़ों) की हार्ड कॉपी हितबद्ध पक्षों द्वारा अनुबंध - I के अनुसार जांच अधिकारी (एनओ) के पास घोषणा/वचनबद्धता प्रदान किए जाने के बाद ही दी जाएगी।"

- x. जांचशुरूआत में उन कारकों का सारांश होगा जिन पर क्षति का आरोप आधारित होता है। तथापि, चूंकि नियम 6 (1) (iv) आवश्यक संशोधनों के साथ परिवर्चना जांच पर लागू होता है, इसलिए नियम 6 (1) (iv) को "उन कारकों के सारांश के रूप में पढ़ा जाना चाहिए कि जिनके आधार पर क्या यह आरोप या निष्कर्ष निकाला गया था कि पाटनरोधी शुल्क को निष्प्रभावी बना दिया है।"
- xi. उत्पादन, बिक्री, क्षमता, लाभ जैसे कारकों का कोई सारांश नहीं है जिनके आधार पर यह आरोप लगाया गया है या निष्कर्ष निकाला गया है कि लगाए गए पाटनरोधी शुल्क अप्रभावी कर दिए गए हैं जो आवेदक या जांचशुरूआत संबंधी अधिसूचना में प्रदान किए गए हैं।
- xii. अन्य देशों से जूट के बोरे का आयात कम कीमत पर जूट के कुल आयात का 69% बनता है।
- xiii. जूट आयुक्त खुले बाजार में जूट सैकिंग बैगों की आपूर्ति को प्रतिबंधित करता है। जूट आयुक्त ने अपने आदेश सं. जूट (विपणन)/2/2003 दिनांक 14 फरवरी, 2018 को किसी भी एजेंसी को कोई भी जूट के कपड़े या बैग बेचने से पहले सभी जूट मिलों को अपने कार्यालय से पूर्व अनुमति प्राप्त करने का निर्देश दिया।
- xiv. आवेदक द्वारा अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है। अपूर्ण जानकारी दी गई है क्योंकि पीओआई अक्टूबर 2016 से दिसंबर 2017 तक की है परंतु सूचना केवल अक्टूबर 2016 से सितंबर 2017 के लिए प्रदान की गई है; मूल/कच्चे सौदावार आकड़ों की प्रतिलिपि प्रदान नहीं की गई है। सौदावार छांटे गए आयात आकड़े और बाहर रखे गए आयात की सूची प्रदान नहीं की गई है; पीयूसी और पीयूआई के घरेलू उत्पादकों के नाम प्रदान नहीं किए गए हैं; घरेलू उत्पादन, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का विवरण नहीं दिया गया है।
- xv. भारतीय जूट मिल्स खुले बाजार में बी टिवल जूट उत्पादों को बेचने के लिए अधिकृत नहीं हैं। संबद्ध देशों के आयात भारत में उत्पादित वस्तुओं के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं करते हैं और किसी भी तरीके से घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचाते हैं।
- xvi. जूट बैग के सबसे बड़े खरीदार पंजाब सरकार ने बताया कि जूट मिलें खराब गुणवत्ता, घटिया और दूसरे पुराने बैग की आपूर्ति मूल कीमत से लगभग दोगुनी कीमत पर कर रही हैं, जिसके परिणामस्वरूप पश्चिम बंगाल की सात जूट मिलों को ब्लैकलिस्ट किया गया है।
- xvii. कपड़े से लेकर बैग तक की प्रक्रिया में कई चरण शामिल हैं और यह शुल्क लगाने से पहले भी प्रचलित था। कपड़े पर शुल्क बढ़ाने से इस उद्योग की बेरोजगारी बढ़ेगी।

## **ड. 2 घरेलू उद्योग के अनुरोध**

20. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :-

- i. जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में परिवर्चना के साक्ष्यों की प्रथम दृष्टया संतुष्टि के लिए संगत समझे गए कारकों को दर्शाने वाली पर्याप्त सूचना है और यह पहले से लगाए गए पाटनरोधी शुल्क के उपचारात्मक प्रभाव को कम कर रही है।
- ii. यह साक्ष्य कि समान उत्पादों की कीमत और गुणवत्ता के अनुसार शुल्कों के उपचारात्मक प्रभाव कम किया जाता है नियम 25 (3) के अधीन आने के मामलों में ही लागू होती है। नियम 25 (1) के अधीन आने वाली परिवर्चना के लिए, निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह जांचने की आवश्यकता नहीं है कि पाटनरोधी शुल्कों के उपचारात्मक प्रभावों को कम किया जा रहा है या नहीं। परिवर्चना जांचके अधीन नियम 11 (2) और अनुबंध II के अधीन निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार क्षति सिद्ध करने की कोई आवश्यकता नहीं है। ऐसे मानकों जैसे उत्पादन बिक्री आदि का विश्लेषण परिवर्चना आवेदन में आवश्यक नहीं है जो वैश्विक रूप से तथा प्राधिकारी द्वारा आपनाई जाने वाली परिपाटीसे सिद्ध होता है।
- iii. अन्य देशों के सैकिंग बैग का आयात समान स्तरों पर बना हुआ है। इनमें से अधिकांश नेपाल से हैं जिस पर पहले से ही पाटनरोधी शुल्क लागू है।
- iv. यह कहते हुए कि जूट आयुक्त कार्यालय के आदेश जूट मिलों को स्थानीय बाजार और निर्यात बाजार में आपूर्ति करने से रोकते हैं, गलत है। जूट उत्पादक/मिलें खुले बाजार में बेचने के लिए स्वतंत्र हैं बशर्ते वे सरकारी आपूर्ति के आदेशों का पालन करें।
- v. समस्त जानकारी एक सूचकांक या रेंज के आधार पर प्रदान की गई है या दायर की गई किसी भी जानकारी के लिए पूरी तरह से गोपनीयता का दावा नहीं किया गया है। निर्यातकों को उत्तर देकर दायर की गई जानकारी सभी गोपनीयता मानदंडों का

उल्लंघन है। महत्वपूर्ण जानकारी चिह्नित (\*) की गई है जिससे घरेलू उद्योग उन पर टिप्पणी करने में असहाय और अक्षम हो गया है। याचिका में 16 अक्टूबर से 17 सितंबर तक की जानकारी थी। प्राधिकारी ने जांच शुरू की और दिसंबर तक जाँच अवधि को बढ़ाया। बाद में 8 जून 2018 को घरेलू उद्योग द्वारा दायर पत्र पूरी पीओआई के लिए सभी जानकारी प्रदान करता है। विभाग द्वारा प्राधिकार प्राप्त करने के बाद हितबद्ध पक्षों द्वारा सौदावार आकड़ों की मांग की जा सकती है। छांटे गए आकड़ों को हितबद्ध पक्ष द्वारा ट्रेड नोटिस के अनुसार स्पष्ट वचनबद्धता के बिना शेयर नहीं किया जा सकता है।

- vi. जूट के सैकिंग बैग के आयात में वृद्धि हुई थी और जूट के बोरे के कपड़े के आयात में वृद्धि हुई थी, जो कि सैकिंग करने वाले बैग का केवल एक उपांत्य चरण है। सैकिंग कपड़े से बैग तक का मूल्यवर्धन निर्धारित स्तरों से नीचे है। सैकिंग कलाथ और बैग के संबंध में 2014-15 से पीओआई के व्यापार के रूझान में स्पष्ट बदलाव आया है। जांच शुरू होने के बाद, फिर से एक नाटकीय बदलाव आया है, क्योंकि सैकिंग बैग के आयात को पुनर्जीवित किया गया है और कपड़े के आयात में की कमी हो गई है।
- vii. प्राधिकारी ने मूल जांच में, केवल खुले बाजार के लिए सैकिंग बैगों के लिए क्षति को अलग करके अलग-अलग बाजार खंडों के बारे में बहस को सुलझा दिया था।
- viii. पंजाब सरकार द्वारा खरीद संबंधी दलील के संबंध में, अखबार के एक लेख में स्वयं कहा गया है कि आईजेएमए ने फैसले का कड़ा विरोध किया क्योंकि उन्हें पंजाब सरकार से एक भी शिकायत नहीं मिली थी और पूरी तरह से जांच और निष्पक्ष जांच के अवसर के बिना उनके साथ अन्याय किया गया था।
- ix. जूट बैग के उत्पादन में 20 चरण शामिल हैं। कपड़े के उत्पादन के बाद बस 5 चरण बचते हैं। बंडलिंग, ब्रांडिंग, बेल प्रेस जैसे कदम वास्तव में उत्पाद के लिए अद्वितीय उत्पादन कदम नहीं हैं। ये अधिकांशतः उत्पाद के परिवहन को सक्षम करने के लिए पैकिंग गतिविधियों की प्रकृति में हैं। जहां तक उत्पाद और इसके उपयोग पर विचार किया जाए, यह सिलाई के बाद उपयोग के लिए तैयार होता है।

### **इ. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच**

21. प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए दावों और विचारों का विश्लेषण और उनपर विचार किया है। हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए संगत अनुरोधों का नीचे समाधान किया गया है।
  - i. अन्य हितबद्ध पक्षों की दलीलों के संबंध में कि जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में आरोपों का सारांश नहीं है, यह नोट किया जाता है कि जांचशुरूआत संबंधी अधिसूचना में उन सभी मापदंडों का सारांश है जो प्राधिकारी द्वारा विचार किए गए थे जो लगाए गए शुल्क की परिवर्चना की प्रथम दृष्टया मौजूदगी का साक्ष्य हैं और जिसके अनुसरण में वर्तमान जांच शुरू की गई थी। प्राधिकारी द्वारा प्राथमिक कारकों पर विचार करने के लिए परिवर्चना के अस्तित्व की एक प्राथमिक संतुष्टि पर पहुंचने के लिए कारकों को जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में सूचीबद्ध किया गया है और प्राधिकारी तदनुसार जांच के साथ आगे बढ़े।
  - ii. जहां तक उत्पादन, बिक्री, क्षमता, लाभ जैसे कारकों जिनके आधार पर यह आरोप लगाया गया है या यह निष्कर्ष है कि लगाया गया पाटन रोधी शुल्क निष्प्रभावी हो गया है, के अभाव संबंधी दलील का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उपचारात्मक प्रभावों को कम करने की जाँच पाटन रोधी शुल्क को मूल्य और/या गुणवत्ता पर प्रभाव के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क के कम प्रभाव का विश्लेषण इस जांचपरिणाम में किया गया है जिसमें शुल्क का क्षरण, घरेलू उद्योग और समग्र रूप से भारतीय उद्योग की बाजार हिस्सेदारी पर प्रभाव और घरेलू उद्योग की कीमतों पर कीमत कटौती प्रभाव का विश्लेषण शामिल है।
  - iii. अन्य देशों से आयाता मात्राओं के कम कीमत पर अधिक होने संबंधी तर्कों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांचअवधि के आयात आकड़ों के आधार पर इनमें से अधिकांश हिस्सा नेपाल से आया है जिस पर पहले से पाटनरोधी शुल्क लागू है। बंगलादेश से आयात काफी अधिक हैं।
  - iv. जहां तक जूट के बोरे की आपूर्ति को प्रतिबंधित करने के जूट आयुक्त के आदेश के संबंध में दी गई दलीलों का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जूट आयुक्त तर्कसंगत आदेश जारी करता है जिसमें वर्ष में 3-4 महीने के दौरान सरकार की आपूर्ति को बरीयता देनी होती है। जूट उत्पादक/मिलें खुले बाजार में बेचने के लिए स्वतंत्र हैं बशर्ते वे सरकारी आपूर्ति के लिए गए आदेशों का पालन करें।
  - v. सामान्य मूल्य की गणना संबंधी उठाए गए मुद्दे के संबंध में, प्राधिकारी ने अपने आकड़े के अनुसार सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के मानदंड का मूल्यांकन किया है और नियम 6 (8) के अनुसार इसके अनुरूप प्रथा के अनुसार सामान्य मूल्य का परिकलन किया है।

- vi. जहां तक अत्यधिक गोपनीयता के मुद्दे संबंधी तर्क का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जहां उचित पाया गया गोपनीयता की अनुमति ऐसे दावों के आवश्यक सत्यापन के बाद दी गई।
- vii. पंजाब सरकार की टिप्पणियों संबंधी अनुरोधों के संबंध में, प्राधिकारी ने नोट किया है कि ऐसी जांचके अधीन खुले बाजार में घरेलू उद्योग की बिक्रियों के होने पर परिवर्चनाकारी उत्पाद के कम करने के प्रभाव का मूल्यांकन करने पर ध्यान रहता है और सरकारी संविदा के अधीन आपूर्ति के मुद्दे इस जांच के क्षेत्र में नहीं आते हैं।
- viii. इस संबंध में कि आवेदक ने एक संशोधित आवेदन दायर किया है प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता द्वारा दायर कोई संशोधित आवेदन नहीं दिया गया था। दिनांक 8 जून, 2018 का अनुरोध प्राधिकारी द्वारा घरेलू उत्पादकों को जारी की गई प्रश्नावली के जवाब में था और प्राधिकारी द्वारा अनुमत समय सीमा के काफी भीतर दायर किया गया था।

#### **च. परिवर्चना के साक्ष्य**

##### **च.1 निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षों/अन्य पक्षों के अनुरोध**

22. परिवर्चना के साक्ष्य के संबंध में हितबद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोध निम्नानुसार हैं :-

- i. घरेलू उद्योग ने कहा है कि भारतीय पाटनरोधी नियम 25 (3) के अधीन की गई परिवर्चना जांच में व्यापार रूझान में बदलाव की जांचकी जाए और यह भी कहा है कि पाटनरोधी शुल्कों के उपचारात्मक प्रभाव को कम किए जाने की जांच की जानी आवश्यक है लेकिन वर्तमान जांच में ऐसा नहीं है क्योंकि यह नियम 25 (1) के अधीन शुरू की गई है। घरेलू उद्योग ने एक ओर आरोप लगाया है कि पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव को कम करने का मापदंड की वर्तमान जांचमें जांच नहीं की जानी है क्योंकि वर्तमान जांच नियम 25(1) के अधीन की जानी है। इस संबंध में, यह भी उल्लेख करना अनुचित नहीं है कि घरेलू उद्योग ने व्यापार प्रवृत्ति में बदलाव पर विस्तृत अनुरोध किए हैं। तथापि, घरेलू उद्योग यह समझाने में विफल रहा कि व्यापार प्रवृत्ति में बदलाव नियम 25 (3) में भी शामिल है, अपितु नियम 25 (1) में नहीं।

- ii. वर्तमान जांच में, सभी कंपनियां जो मूल पीओआई के बाद अस्तित्व में आई हैं, ने मूल पीओआई के बाद संबद्ध वस्तु का उत्पादन शुरू किया है या संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है वह परिवर्चना की श्रेणी में नहीं आता है।

##### **iii. व्यापार की प्रवृत्ति में कोई परिवर्तन नहीं**

**- मैसर्स आफिल जूट वीविंग मिल्स लिमिटेड के व्यापार की प्रवृत्ति में कोई बदलाव नहीं हुआ है।**

- क. प्रतिवादी ने असंबंधित कंपनियों की मांग के आधार पर भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है। तदनुसार, निर्यातक को इस बात की जानकारी नहीं है कि हमारे द्वारा भारत में निर्यात किए गए पीयूआई को अंतिम उपयोग में लाने से पहले भारत में या तीसरे देश में पीयूसी में परिवर्तित किया जा रहा है या नहीं।

- ख. प्रतिवादी ने असंबंधित ग्राहकों को अपनी मांग के आधार पर मूल जांच की जाँच अवधि के दौरान और पीओआई के बाद के दौरान भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात भी किया है। प्रतिवादी ने अपनी मांग के आधार पर अन्य देशों को भी जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है।

- ग. निर्यातक ने बांग्लादेश से जूट के सेकिंग बैग के आयात पर लगाए गए पाटन रोधी शुल्क की परिवर्चना के लिए व्यापार की प्रवृत्ति को नहीं बदला है। इसलिए, यह अनुरोध किया जाता है कि प्रतिवादी ने पाटनरोधी नियमावली, 1995 के नियम 25 (1) के संदर्भ में बांग्लादेश से विचाराधीन उत्पाद के आयात पर लगाए गए शुल्क को कम नहीं किया है।

**- मै. जोबैदा करीम जूट मिल्स लि. के व्यापार की प्रवृत्ति में कोई बदलाव नहीं हुआ है**

- घ. प्रतिवादी ने असंबंधित कंपनी की मांग के आधार पर भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है। यह नोट किया जा सकता है कि प्रतिवादी ने जाँच अवधि के दौरान भारत को केवल जांचाधीन उत्पाद की एक खेप का निर्यात किया है। यह भी ध्यान दिया जा सकता है कि जाँच अवधि के दौरान कंपनी ने अपनी मांग के आधार पर जांचाधीन उत्पाद को दूसरे देश को निर्यात भी किया है। प्रतिवादी ने जाँच अवधि से पहले या बाद में भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है। हालाँकि, कंपनी ने अपनी मांग के आधार पर जाँच अवधि के बाद के दौरान अन्य देश को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है।

- ड. ऊपर दी गई जानकारी से यह पर्याप्त रूप से स्पष्ट है कि प्रतिवादी ने पाटनरोधी नियमावली, 1995 के नियम 25(1) के अनुसार बांग्लादेश से पीयूसी के आयातों पर लागू शुल्क की परिवर्चना नहीं की है।

- iv. निर्यातक ने बांग्लादेश से जूट की बोरी के आयात पर पाटन रोधी शुल्क को कम करने के लिए व्यापार के पैटर्न को नहीं बदला है।

- v. जांच के अधीन उत्पाद न केवल भारत को, बल्कि अन्य देशों को भी निर्यात किया जाता है। चूंकि पीयूआई को भी मूल जांच से पहले निर्यात किया गया था इसलिए यह कहा नहीं जा सकता है कि पीयूआई के उत्पादन और निर्यात पाटनरोधी शुल्क लगाने का परिणाम हैं।
- vi. वे सभी कंपनियां जो मूल जाँच अवधि के बाद अस्तित्व में आई हैं या मूल पीओआई के बाद संबद्ध वस्तु का उत्पादन शुरू किया है या संबद्ध वस्तु का निर्यात शुरू किया है परिवर्चना की श्रेणी में नहीं आती हैं।
- vii. पीयूआई के निर्यात में नियमों के अधीन परिवर्चना के घटक नहीं हैं क्योंकि यह केवल एक पूर्व निर्यात गतिविधि की निरंतरता है। पीयूआई एक वस्तु के रूप ऐतिहासिक दृष्टि से आयात किया गया था फिर भी यह मूल मामले से बाहर रखा गया था और इसलिए यह नहीं कहा जा सकता है कि पीयूआई के आयात, बिना जोड़े गए, अनिर्मित या अधूरे रूप में बोरियों के आयात के अलावा कुछ नहीं है।
- viii. प्राधिकारी ने इस तथ्य को नोट किया है कि भारत में पूरी तरह से एकीकृत निर्माता थे और कुछ पीछे की ओर समग्र रूप से थे जिसमें सैकिंग क्लथ और सामग्री को खरीदने के बाद सैकिंग बैग के निर्माण में शामिल थे।

### च.2 घरेलू उद्योग के अनुरोध

23. परिवर्चना के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं –

- i. परिवर्चना सिद्ध हुई – बंगलादेश से उत्पादकों द्वारा अधूरे रूप (अर्थात् कपड़ा) में जूट सैकिंग बैगों के निर्यात के रूप में, जिसे भारत में पूरा किया जा रहा है; पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद बंगलादेश से उपांत्य रूप सैकिंग कपड़े का निर्यात बढ़ गया और सैकिंग कपड़े से सैकिंग बैग में पूरा करने की प्रक्रिया के परिणामस्वरूप मूल्य मामूली है।
- ii. पाटनरोधी शुल्क लागू होने के बाद, इस निष्कर्ष पर कि यार्न, सैकिंग बैग और हेसियन फेब्रिक पर एडीडी लागू है बंगलादेश के उत्पादकों ने बैग के बजाय कपड़े का निर्यात शुरू कर दिया।
- iii. मूल जांच में जाँच अवधि 2014-15 में जूट की बोरी के कपड़े का आयात केवल लगभग 3000 मीट्रिक टन था। शुल्क लगाये जाने के बाद आयात में वृद्धि हुई और तेजी आई है। सैकिंग क्लथ के लिए सूचित की गई आयात कीमत लागत में संगत बदलाव के बिना सैकिंग बैग की आयात कीमत से काफी कम है। कीमत और मात्रा दोनों के संबंध में व्यापार की प्रवृत्ति में भारी बदलाव आया है क्योंकि सैकिंग बैग के आयात को व्यावहारिक रूप में काफी कम कीमत पर सैकिंग क्लथ के आयात ने प्रतिस्थापित कर दिया है।
- iv. निर्यातकों जिन्होंने क्षमता, उत्पादन और पीयूसी और पीयूआई साक्ष्य के निर्यात के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई है कि पीयूआई अर्थात् सैकिंग क्लथ का उत्पादन और बिक्री शुल्क लगाये जाने के बाद शुरू हुआ। इससे यह भी पता चलता है कि पीयूआई के निर्यात केवल भारत को हुए हैं, जिसने पीयूसी, अर्थात् सैकिंग बैग पर शुल्क लगा रखा है।
- v. प्रति मीट्रिक टन कपड़े से बैग बनाने में शामिल मूल्य वृद्धि न्यूनतम है। कपड़े से बैग बनाने में शामिल मूल्यवर्धन नगण्य है (लगभग \*\*\*) और निश्चित रूप से परिवर्चना उपबंधों के अधीन विहित सीमाओं से काफी कम है।
- vi. सैकिंग कपड़े से बोरी बैग तक उत्पादन प्रक्रिया परिवर्चना नियमों के अर्थ के भीतर एक नगण्य प्रक्रिया का गठन करती है। कपड़े से बैग के चरण में शामिल एकमात्र प्रक्रिया सिलाई की आवश्यकता होती है।
- vii. हितबद्ध पक्ष का दावा ही परिवर्चना की मौजूदगी को स्थापित करता है। प्रतिवादी निर्यातकों जिनका प्रतिनिधित्व ट्राको लीगल कर रहे हैं, ने उत्पादन, बिक्री और निर्यात पर सूचकांक संबंधी जानकारी प्रदान की है। यह स्पष्ट रूप से देखा गया है कि पीयूआई की संबद्ध वस्तु का उत्पादन और बिक्री जनवरी 2017 में पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के बाद शुरू हुई है।

### च.3 प्राधिकारी द्वारा जाँच

24. प्राधिकारी ने पूर्वोक्त अनुरोधों और संगत अधिनियम/नियमों अर्थात् सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 क (1) और पाटनरोधी नियम के नियम 25 के अधीन कथित परिवर्चना की समस्या की जांच की है, जो निम्नानुसार हैं –

*‘सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9क(1क) जहां केन्द्र सरकार, ऐसी जांच जो वह आवश्यक समझे, की राय यह हो कि उप-धारा (1) के अधीन लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की परिवर्चना, पाटनरोधी शुल्क के अधीन वस्तु के वर्णन या नाम या संघटन में बदलाव करके या उत्पाद के अनएकत्रित रूप या बिखरे रूप का आयात करके या किसी अन्य तरह से मूलता या निर्यात के देश में बदलाव करके हुई है, जिसके द्वारा इस प्रकार लागू पाटनरोधी शुल्क को निष्प्रभावी कर दिया गया है, वह पाटनरोधी शुल्क को ऐसी वस्तु या मूलता या निर्यात के ऐसे देश, जैसा भी मामला हो, तक बढ़ा सकते हैं।’*

25. पाटनरोधी नियमावली का नियम 25 पाटनरोधी शुल्क की परिवर्चना से संबंधित है जो निम्नानुसार है :

(1) जब पाटनरोधी शुल्क के अधीन कोई वस्तु पाटनरोधी शुल्क को लगाने के प्रयोजनार्थ अधिसूचित मूलता के देश या निर्यात के देश सहित किसी देश से भारत में असंयोजित, एकत्रित, अनिर्मित या अधूरे रूप में आयात की जाती है और भारत या ऐसे अन्य देश में संयोजित, तैयार या पूरी की जाती है तो ऐसे संयोजन, तैयार करने या पूरा करने को पाटनरोधी शुल्क की परिवर्चना माना जाएगा यदि,

(क) पाटनरोधी जांच से पहले या उसके बाद प्रचालन शुरू किया गया है या उससे पहले बढ़ा दिया गया है, और पाटनरोधी शुल्क लगाने के प्रयोजनार्थ अधिसूचित मूलता के देश या निर्यात के देश से भागों और घटकों को आयात किया जाता है; और

(ख) संयोजन, तैयार करने या पूर्णता संचालन के परिणामस्वरूप होने वाला मूल्य संयोजित, तैयार या पूर्ण वस्तु की लागत के पैंतीस प्रतिशत से कम है।

स्पष्टीकरण I - 'मूल्य' का अर्थ आयातित भागों और घटकों के मूल्य ऋण संयोजित, पूर्ण या तैयार वस्तु की लागत है।

स्पष्टीकरण II - 'मूल्य' की गणना के प्रयोजनों के लिए, बौद्धिक संपदा अधिकारों, रॉयल्टी, तकनीकी जानकारी शुल्क और परामर्श प्रभार से संबंधित भुगतानों के खर्च पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

(2) ....

(3).....!

स्पष्टीकरण - इस उप-नियम के प्रयोजनों के लिए, यह सिद्ध किया जाएगा कि यदि निम्नलिखित शर्तों को संतुष्ट किया जाता है, तो व्यापार प्रक्रिया, व्यापार प्रवृत्ति या बिक्री शृंखला में परिवर्तन आया है:

(क) पाटनरोधी शुल्क लगाने के अलावा, किसी औचित्य, आर्थिक या अन्यथा की अनुपस्थिति;

(ख) साक्ष्य है कि पाटनरोधी शुल्कों के उपचारात्मक प्रभाव को कीमत और उत्पादों की गुणवत्ता के संदर्भ में कम किया गया है।

26. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय उत्पादक/निर्यातक विशिष्ट होते हैं और किसी परिवर्चना जांचमें, पाटनरोधी जांचके अधीन रखे गए उत्पादकों/निर्यातकों को आकड़े प्रदान करने होते हैं ताकि उपाय को लगाए जाने के बाद उनके द्वारा व्यापार प्रवृत्ति में विशिष्ट रूप से बदलाव आने का मूल्यांकन किया जा सके। इसके अलावा पीयूआई को पीयूसी में बदलने से संबंधित मूल्यवर्धन की गणना करनी होती है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पूर्वगामी पैरा में उल्लिखित के अनुसार बड़ी संख्या में उत्पादकों/निर्यातकों ने वर्तमान जांचमें उत्तर दिया। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने पीयूआई से पीयूसी में रूपांतरण की लागत के बारे में भी जानकारी दी है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग सहित सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रदान किए गए आकड़ों के आधार पर पीयूसी से पीयूआई में उल्लिखित ट्रेड पैटर्न शिफ्ट, पीयूआई को पीयूआई में परिवर्तित करने के लिए मूल्य वर्धन पर विचार किया जो परवर्ती पैरा में उल्लिखित है।

#### क. व्यापार की प्रवृत्ति में परिवर्तन

27. प्राधिकारी ने व्यापार की प्रवृत्ति में परिवर्तन, पीयूसी से पीयूआई में मूल्यवर्धन संबंधी निर्धारित मानदंडों की जांच की है, क्या नियम 25(1) के अनुसार व्यापार की प्रवृत्ति में परिवर्तन आर्थिक औचित्य से उद्भूत हुआ या एडीडी लगाए जाने के कारण हुआ है।

28. प्राधिकारी ने पीयूसी और पीयूआई के आयात की मात्रा का विश्लेषण करके 2014-15 से पीओआई की अवधि तक व्यापार की प्रवृत्ति में बदलाव की जांच की है। इसके अलावा, पीयूसी और पीयूआई दोनों के आयात का मासिक विश्लेषण भी अक्टूबर 2016 से दिसंबर 2017 तक जांच की अवधि के लिए किया गया है।

29. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह ध्यान दिलाया गया है कि 2014-15 के आयात में सभी आईटीसी एचएस कोड को आयात शामिल नहीं है। समग्र आयात आकड़ों को संशोधित किया गया है और तदनुसार, व्यापार प्रवृत्ति और उपचारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए मूल्यांकन के अधीन पैराओं में समुचित परिवर्तन किए गए हैं।

#### 2014-15 से पीओआई तक संबद्ध देश से पीयूआई/पीयूसीके व्यापार की प्रवृत्ति

अवधि	सेकिंग बैग	सेकिंग क्लाथ	कुल एसवी+एससी	मात्रा अनुपात	
	मात्रा एमटी में	मात्रा एमटी में		पीयूसी	पीयूआई
2014-15	45,036	3,028	48,064	94%	6%
2015-16	60,151	10,424	70,575	85%	15%
2016-17	33,796	11,442	45,238	75%	25%
पीओआई	12,828	39,469	52,297	25%	75%

## पीओआई के दौरान संबद्ध देश से पीयूआई/पीयूसी की मासिक व्यापार प्रवृत्ति

अवधि	सेकिंग बैग (एसबी)	सेकिंग क्लॉथ (एससी)	कुल एसबी+एससी	मात्रा अनुपात	
	(एमटी)	(एमटी)	(एमटी)	पीयूसी	पीयूआई
अक्तू.-2016	2,992	196	3,188	94%	6%
नव.-2016	2,626	248	2,874	91%	9%
दिस.-2016	3,179	109	3,288	97%	3%
जन.-2017	1,981	656	2,637	75%	25%
फर.-2017	667	2,774	3,442	19%	81%
मार्च-2017	192	1,437	1,630	12%	88%
अप्रैल-2017	267	3,877	4,144	6%	94%
मई-2017	75	2,943	3,018	2%	98%
जून-2017	120	2,395	2,514	5%	95%
जुलाई-2017	59	2,230	2,289	3%	97%
अग.-2017	123	4,759	4,882	3%	97%
सित.-2017	77	2,277	2,354	3%	97%
अक्टू.-2017	139	5,557	5,695	2%	98%
नव.-2017	154	5,226	5,380	3%	97%
दिस.-2017	177	4,785	4,961	4%	96%

30. यह नोट किया जाता है कि बांग्लादेश से जूट के सेकिंग बैग (पीयूसी) के आयात की मात्रा में निश्चयात्मक एंडीडी के बाद की गिरावट आई, जबकि उसके बाद बांग्लादेश से जूट के सेकिंग क्लॉथ (पीयूआई) का आयात बढ़ा। पीयूसी और पीयूआई दोनों के कुल आयात में पीयूआई की हिस्सेदारी 2014-15 के 6% से बढ़कर वर्तमान जांचकी पीओआई में 75% हो गई है, जबकि पीयूसी की हिस्सेदारी 2014-15 में 94% से घटकर पीओआई में 25% रह गई। आयात के मासिक विश्लेषण से पता चलता है कि अक्टूबर 2016 के महीने में बांग्लादेश से जांचाधीन उत्पाद का आयात 6% था, जो दिसंबर 2017 में बढ़कर 96% हो गया, जबकि विचाराधीन उत्पाद का हिस्सा अक्टूबर 2016 में 94% से घटकर दिसंबर 2017 में 4% रह गया।

**सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के आंकड़ों के साथ तुलनात्मक व्यापार प्रवृत्ति निम्नानुसार है:**

समग्र आधार पर और सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा यथासंबंधित संबद्ध देश से पीयूसी/पीयूआई की व्यापार प्रवृत्ति की सूचना दी। \*

	पीयूसी समग्र (% में)	पीयूआई (%) (समग्र)	पीयूसी सहयोगी (% में)	पीयूआई (%) (सहयोगी)
2014-2015	92	8	96	4
2015-2016	85	15	87	13
2016-2017	75	25	69	31
पीओआई	24	76	19	81

\*पीओआई के दौरान भारत को पीयूसी/पीयूआई के समग्र निर्यातों का लगभग 50 प्रतिशत बनता है।

इस प्रकार दो व्यापार पैटर्न काफी मेल खाते हैं

31. भारत में परिवर्चना कानून में उल्लेख है कि पाटन रोधी जांच के तुरंत बाद में या पहले प्रचालन शुरू हुआ या बढ़ा,....।' वर्तमान मामले में, उपायों के लागू होने के बाद से, पीयूआई के आयात में वृद्धि के साथ-साथ पीयूसी के आयात में कमी आई है, यह वही सिद्ध करता है।
32. नीचे दी गई तालिका में खुले बाजार अर्थात् पीयूसी की सरकारी खरीद के बाहर के बाजार में, घरेलू उद्योग और संबद्ध देश और गैर-संबद्ध देशों द्वारा विचाराधीन उत्पाद और जांचाधीन उत्पाद के बिक्री पैटर्न को दर्शाया गया है।

अवधि	घरेलू उद्योग (13 कंपनियां) (एमटी)		बंगलादेश से आयात (एमटी)		आयात - अन्य देश (एमटी)	
	पीयूसी	पीयूआई	पीयूसी	पीयूआई	पीयूसी	पीयूआई
2014-15	69,193	4,889	45,036	3,028	28,411	45
2015-16	34,104	3,173	60,151	10,424	21,646	6
2016-17	19,995	4,401	33,796	11,442	15,190	-
अक्तू. 16- दिस.-17 (पीओआई)	30,784	2,876	12,828	39,469	27,936	51
पीओआई वार्षिकीकृत	24,627	2,301	10,262	31,575	22,349	41

33. उपर्युक्त से, यह नोट किया जाता है कि भारत में किसी भी अन्य देश से सेकिंग कपड़े (पीयूआई) का व्यावहारिक रूप से कोई आयात नहीं हुआ है। 2014-15 में, खुले बाजार में पीयूआई की कुल बिक्री लगभग 8000 मिलियन टन है, जो पीओआई से लगभग चार गुना है। प्राधिकारी का मानना है कि पीयूसी पर पाटनरोधी शुल्कों के लागू होने के बाद से पीयूआई के नए उपयोग के बिना विशेष रूप से संबद्ध देश से आयात का पैटर्न बदल गया है जो अंतिम उत्पाद के उपयोग में वास्तविक बदलाव का संकेत करता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि 2014-15 में पीयूआई की बिक्री कम मात्रा में हुई थी और कुछ गैर-पीयूसी अनुप्रयोग क्षेत्रों में उपयोग के लिए अर्थात् गैर सेकिंग बैग रूपांतरण अनुप्रयोगों में उपयोग के लिए खुले बाजार में पीयूआई की कुछ बिक्री हो सकती है। इस प्रकार प्राधिकारी ने पल्टन प्राधिकरणों को उचित प्रशासनिक निगरानी और नियंत्रण के अधीन पीयूआई के ऐसे सदाशय वाले आयात की छूट दी है।

#### **ख. पूरी वस्तु के संयोजन, तैयारी की लागत का 35% से कम मूल्य वर्धन**

34. पाटनरोधी नियमों के नियम 25 (1) (ख) के लिए आवश्यक है कि "संयोजन, पूर्णता या पूर्ण संचालन के परिणामस्वरूप मूल्य संयोजन, पूर्ण या पूर्ण वस्तु की लागत के पैंतीस प्रतिशत से कम है"। यह नोट किया जाता है कि सैकिंग बैग को सेकिंग कपड़े से बनाया जाता है और एकमात्र प्रक्रिया में थैले के रूप/ आकार देना होता है, जो या तो मैन्युअल रूप से या मशीन द्वारा किया जाता है। निर्यातकों के साथ-साथ घरेलू उत्पादकों के ऑनसाइट सत्यापन से पता चलता है कि घरेलू उद्योग और निर्यातकों के मूल्यवर्धन के आकड़े औसतन लगभग 5% के साथ 3% से 8% तक है।
35. प्राधिकारी नोट करते हैं कि व्यापार की प्रवृत्ति में परिवर्तन और और उपायों के लागू होने के बीच संयोग सेकिंग बैग के बजाय सैकिंग कपड़े के उत्पादन और निर्यात से होने वाले आर्थिक लाभ/लागत बचत से नियंत्रित होता प्रतीत होता है। प्राधिकारी ने बाद के पैराग्राफ में पाटनरोधी शुल्क की प्रभावकारिता के क्षरण की जांचके अधीन इससे होने वाले लाभ को बताया है।
36. इसलिए, मूल्यवर्धन की वजह से व्यापार प्रवृत्ति में बदलाव पीयूसी की तुलना में पीयूआई के निर्यात को विहित रूप से प्रेरित किया जाने से काफी कम है जो परिवर्चना के पहलू को आगे सिद्ध करता है।

#### **छ. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण**

37. प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 26 (4) में यह भी स्थापित करने की आवश्यकता है कि वस्तु मौजूदा एडीडी की परिवर्चना करता है अर्थात् पीयूसी को पाटित किया गया है। इसके अलावा नियम 26 (5) में कहा गया है कि इस नियम के अधीन की गई जांच के लिए नियम 6 की प्रक्रिया आवश्यकताएं आवश्यक संशोधनों के साथ लागू होंगी।

#### **छ.1 निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षों के विचार**

38. अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :

- (i) घरेलू उद्योग द्वारा किए गए पाटन का आरोप गलत आधार पर है। परिवंचना जांचमें सामान्य मूल्य को ऐसे उत्पाद जो मूल जांच में पीयूसी की समान वस्तु नहीं है के लिए सामान्य मूल्य के रूप में अब घरेलू उद्योग की लागत के आधार पर निर्धारित नहीं किया जा सकता है और जबकि पीयूसी और पीयूआई दोनों अलग-अलग एचएसएन कोड के अधीन आती हैं। इसके अलावा, जब घरेलू उद्योग ने जानबूझकर जूट के कपड़े को पीयूसी के समान वस्तु न मानते हुए पीयूसी से बाहर कर दिया था तो पीयूआई को अब परिवंचना जांच के अधीन नहीं लाया जा सकता है। इसके लिए कई उदाहरण हैं, घरेलू उद्योग को एमडीएफ बोर्ड पर शुल्क मिला और डोर स्किन के लिए कोई शुल्क नहीं लगाया गया। डीआई डोर स्किन के लिए परिवंचना के लिए आरोप लगा सकता है और इस उत्पाद पर विस्तारित शुल्क प्राप्त कर सकता है।
- (ii) सभी उत्पादकों/निर्यातकों ने प्राधिकारी के साथ पूर्ण डाटा/प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। प्राधिकारी विश्लेषण कर सकते हैं कि बांग्लादेश से वस्तु पाटित हो रही है या नहीं। हम यहां दावा कर रहे हैं कि हम भारत में क्लार्थ पाटित नहीं कर रहे हैं। इसलिए हमें आवेदकों द्वारा दावा की गई परिवंचनारोधी जांच के अधीन शुल्क के अधीन नहीं किया जा सकता है।
- (iii) याचिकाकर्ता द्वारा गणना किया गया पाटन मार्जिन परिकलित सामान्य मूल्य पर आधारित है। निर्यातकों की संख्या का वास्तविक आकड़े उपलब्ध होने पर हम यह समझने में असमर्थ हैं कि परिकलित सामान्य मूल्य की गणना का कोई मतलब नहीं है। निर्यातकों ने प्राधिकारी के पास पूर्ण प्रतिक्रिया प्रस्तुत की है, सामान्य मूल्य की गणना उसी के आधार पर की जानी चाहिए। हमारी जानकारी के अनुसार, जांच के अधीन उत्पाद भारत में पाटित नहीं किया जा रहा है और घरेलू उद्योग को क्षति नहीं पहुंचा रहा है।
- (iv) प्रतिवादी ने जांच की अवधि (अक्टूबर 2016 से दिसंबर 2017) के दौरान घरेलू बाजार में पीयूआई (जूट सेकिंग क्लॉथ) को नहीं बेचा है। तदनुसार, प्रतिवादी सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9 क के प्रावधानों में पीयूआई के लिए सामान्य मूल्य के परिकलन के अधिकार का अनुरोध करता है।
- (v) निर्यातक सत्यापन रिपोर्ट के उत्तर में, उत्पादक/निर्यातक उन असाइनमेंट को विभिन्न ग्रेड और कटिंग में जमा करते हैं। इसलिए, उत्पादक/निर्यातक विभिन्न प्रकार के मिश्रित कच्चे जूटों के आरंभिक और अंतिम स्टॉक को बनाए रखता है। जांच दल ने ऑन-स्पॉट सत्यापन के दौरान कच्चे जूट की मिश्रित गुणवत्ता की खरीद और खपत रिकॉर्ड प्रदान करने का अनुरोध किया। उत्पादक/निर्यातक ने दोहराया है कि किसी कंपनी या किसी अन्य जूट मिल के लिए ऐसी आंतरिक प्रक्रिया का उत्पादन करना संभव नहीं है, जिसके परिणामस्वरूप कच्चे जूट और कटिंग के विभिन्न ग्रेड मिलते हैं। इसलिए, उत्पादक/निर्यातक ने पीयूसी और पीयूआई की लागत को संशोधित किया और पीयूसी और पीयूआई के उत्पादन में खपत होने वाले कच्चे जूट की सबसे कम गुणवत्ता को देखते हुए इसका उपयोग किया। इसलिए, मिश्रित गुणवत्ता वाले कच्चे जूट के ग्रेड वार खरीद विवरण उपलब्ध नहीं हैं। तथापि, जैसा कि सत्यापन रिपोर्ट में कहा गया है, कच्चे जूट के आरंभिक और अंतिम स्टॉक और समग्रता में खपत का विवरण प्रदान किया गया था और ऑडिट विवरण के साथ बढ़ाया गया था। उत्पादक/निर्यातक ने कच्चे जूट की खरीद का ग्रेडवार विवरण भी प्रदान किया। कच्चे जूट की कुल खरीद जाँच अवधि के लेखा परीक्षा विवरण से भी मेल खाती है।

## छ.2 प्राधिकारी द्वारा जांच

39. ढाका में 26-30 जनवरी 2019 को जांच टीम द्वारा निर्यातक का मौके पर सत्यापन किया गया। उत्पादकों/निर्यातकों/व्यापारियों द्वारा दायर 44 प्रतिक्रियाओं में से 34 विभिन्न अधिवक्ताओं द्वारा दायर किए गए और 10 सीधे उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा जो निम्नानुसार हैं:

### क. मैसर्स वर्ल्ड ट्रेड कंसल्टेंट्स एंड एडवोकेट्स द्वारा दायर प्रश्नावली का उत्तर

- (i) मैसर्स मोतहर हुसैन चौधरी जूट मिल्स लि. बांग्लादेश
- (ii) मैसर्स मोहिनी नबील जूट मिल्स लि. बांग्लादेश
- (iii) मैसर्स रानू एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड बांग्लादेश
- (iv) मैसर्स मिर्जा जूट मिल्स लि. बांग्लादेश
- (v) मैसर्स रहमान जूट मिल्स (प्रा.) लि. बांग्लादेश
- (vi) मैसर्स सागर जूट स्पनिंग मिल्स लिमिटेड बांग्लादेश
- (vii) मैसर्स ए. एन. इंटरनेशनल, बांग्लादेश
- (viii) मैसर्स अरुण जूट मिल्स लि. बांग्लादेश
- (ix) मैसर्स जमुना जूट इंडस्ट्रीज लि. बांग्लादेश

- (x) मेसर्स अबा जूट एंड टिवन इंडस्ट्रीज लि. बांग्लादेश
- (xi) मेसर्स रबेया जूट मिल्स बांग्लादेश
- (xii) मेसर्स बंगला जूट मिल्स लि. बांग्लादेश
- (xiii) मेसर्स ग्लोरी जूट लि.
- (xiv) मेसर्स हसीन जूट इंडस्ट्रीज लि.
- (xv) मेसर्स इकोट्रेड इंटरनेशनल
- (xvi) मेसर्स एरेंस ट्रेड इंटरनेशनल लि.
- (xvii) मेसर्स जी ट्रेडर्स
- (xviii) मेसर्स मौना जूट मिल्स लि.
- (xix) मेसर्स जेम जूट लि.
- (xx) मेसर्स उत्तरा जूट फाइवर्स एंड इंडस्ट्रीज लि.
- (xxi) मेसर्स नबरुन जूट मिल्स लिमिटेड

**ख. मेसर्स एम. एस. पोथल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड अकाउंटेंट्स द्वारा दायर प्रश्नावली का उत्तर**

- (i) मेसर्स पार्टिक्स जूट मिल्स लिमिटेड बांग्लादेश
- (ii) मेसर्स सिडला टेक्सटाइल्स (बांग्लादेश) लिमिटेड
- (iii) मेसर्स नौहट्टा जूट मिल्स लि.
- (iv) मेसर्स कुरीग्राम जूट प्रोसेसिंग वर्क्स बांग्लादेश
- (v) मेसर्स सारा कम्पोजिट मिल्स लिमिटेड बांग्लादेश
- (vi) मेसर्स पूरबी ट्रेडिंग
- (vii) मेसर्स माइमसिंह जूट मिल्स लि.
- (viii) मेसर्स आशा जूट इंडस्ट्रीज लिमिटेड

**ग. मेसर्स प्राइसवाटरहाउस कूपर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा दायर प्रश्नावली का उत्तर**

- (i) मेसर्स आर. एम. जूट डाइवर्सिफिकेशन मिल्स लि.
- (ii) मेसर्स जोबैदा करीम जूट मिल्स लि.
- (iii) मेसर्स आफिल जूट वीविंग मिल्स लि.
- (iv) मेसर्स सोनाली जूट मिल्स लिमिटेड

**घ. मेसर्स ट्रेको लीगल - एडवोकेट्स एंड कंसल्टेंट्स द्वारा दायर प्रश्नावली का उत्तर**

- (i) मेसर्स जूट टेक्सटाइल मिल्स लि.

**ङ. निम्नलिखित उत्तर उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा सीधे प्रस्तुत किए गए**

- (i) मेसर्स अलीजान जूट मिल्स लिमिटेड
- (ii) मेसर्स सोनाली आंश इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- (iii) मै. अह्मन जूट मिल्स लि
- (iv) मेसर्स हाफिज जूट मिल्स लिमिटेड
- (v) मेसर्स इंटरलिक इंटरनेशनल
- (vi) मेसर्स जटियो जूट मिल्स लिमिटेड
- (vii) मेसर्स लतीफबावनी जूट मिल्स लिमिटेड

(viii) मेसर्स नॉर्दन जूट मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड

(ix) मेसर्स राजबारी जूट मिल्स लिमिटेड

(x) मेसर्स साउथ ट्रेड इंटरनेशनल

- च. मेसर्स डब्ल्यूटीसी द्वारा दायर उक्त 21 उत्पादकों/निर्यातकों में से 12 उत्पादकों/निर्यातकों के आकड़े केवल सत्यापन के लिए प्रस्तुत किए गए थे। नीचे दिए गए अनुसार 9 उत्पादकों/निर्यातकों के लिए मै. डब्ल्यूटीसी ने अधिवक्ता के रूप में अपना नाम वापस ले लिया क्योंकि इन उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा आवश्यक आकड़े उनके द्वारा नहीं प्रदान किए गए थे। ये 9 उत्पादक/निर्यातक मेसर्स बंगला जूट मिल्स लिमिटेड, मेसर्स ग्लोरी जूट लिमिटेड, मेसर्स हसीन जूट इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मेसर्स मिर्जा जूट मिल्स लिमिटेड, मेसर्स मोहिनी नबील जूट मिल्स लिमिटेड, मै. मोतहर हुसैन चौधरी जूट मिल्स लि., मै. जी. ट्रेडर, मै. जेम जूट लि. और मै. ए. एन. इंटरनेशनल हैं। तथापि इन 9 में से, मै. मिर्जा जूट और मै. ग्लोरी ने दल को कतिपय दस्तावेज दिए जिनमें बिक्री दस्तावेजों की नमूना प्रति थी परंतु पीयूआई/पीयूसी की उत्पादन लागत सहित प्रश्नावली के विभिन्न पहलुओं के लिए बैंक अप रिकार्ड का कोई सत्यापन नहीं हो सका था।
- छ. मेसर्स पीडब्लूसी द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए 4 उत्पादकों/निर्यातकों में से मेसर्स आर.एम. जूट डाइवर्सिफिकेशन मिल्स लिमिटेड, मेसर्स जोबेदा करीम जूट मिल्स लिमिटेड, और मेसर्स अफिल जूट वीविंग मिल्स लिमिटेड ने मौके पर सत्यापन में भाग लिया। मेसर्स सोनाली जूट मिल्स लिमिटेड गैर सहयोगी रहा।
- ज. 8 उत्पादकों/निर्यातकों ने मेसर्स एम.एस. पोथल और एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ने निर्यात, घरेलू बिक्री और उत्पादन की लागत पर ऑन-स्पॉट सत्यापन पर आकड़े प्रदान किया। ये थे मेसर्स पार्टिक्स जूट मिल्स लिमिटेड बांग्लादेश, मेसर्स सियालॉव टेक्सटाइल्स (बांग्लादेश) लिमिटेड, मेसर्स नौहट्टा जूट मिल्स लिमिटेड, मेसर्स कुरीग्राम जूट प्रोसेसिंग वर्क्स बांग्लादेश, मेसर्स सराहित मिलिट्स लिमिटेड बांग्लादेश, मेसर्स एस पुरबी ट्रेडिंग, मेसर्स मेमनसिंह जूट मिल्स लि. और मेसर्स आशा जूट इंडस्ट्रीज लिमिटेड।
- झ. मेसर्स जूट टेक्सटाइल मिल्स लिमिटेड का प्रतिनिधित्व करने वाले मेसर्स ट्रैकोलीगल करता मौके पर सत्यापन के दौरान प्रासंगिक आकड़े प्रदान किए हैं।
- ञ. 10 प्रत्यक्ष प्रतिक्रियाओं के संबंध में, सत्यापन और सहयोग के तथ्यों की स्थिति निम्नानुसार है।
- मेसर्स अलीजान जूट और मेसर्स सोनाली अनस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (संबंधित कंपनियों) ने मौके पर सत्यापन में भाग लिया और कुछ आकड़े प्रस्तुत किए, जिसके बाद ईमेल के जरिए कुछ अतिरिक्त आकड़े दिए गए परंतु किए गए दावे के सत्यापन के लिए सत्यापन टीम द्वारा अपेक्षित सीमा तक नहीं है।
  - बांग्लादेश जूट मिल कांपरिशन, वस्त्र मंत्रालय के अधीन एक सरकारी मिल मेसर्स जटियो जूट मिल्स लिमिटेड, द्वारा दिनांक 29/1/2019 के पत्र के माध्यम से बताया गया कि उनके रिकॉर्ड आग में क्षतिग्रस्त हो गए हैं और एक महीने के समय का अनुरोध किया। 2 अन्य सरकारी मिलों मेसर्स लतीफबावनी जूट मिल्स लिमिटेड और मेसर्स हाफिज जूट मिल्स लिमिटेड ने ऑन-स्पॉट सत्यापन में भाग नहीं लिया और सत्यापन के लिए आकड़े प्रस्तुत किये। बीजेएमसी, वस्त्र मंत्रालय के साथ एक बैठक में टीम ने निगम को उनके संयंत्रों द्वारा आकड़े के दाखिल और सत्यापन के बारे में सूचित किया। हालांकि 10 दिन का समय दिया गया था कोई आकड़े दायर नहीं किए गए। पूर्वगामी पैरा में कहा गया है, बीजेएमसी की एक और मिल मेसर्स ईस्टर्न जूट मिल्स लि., ने बिना किसी हार्ड कॉपी के ईमेल के माध्यम से अपूर्ण प्रश्नावली भेजी।
  - मेसर्स राजबारी जूट मिल्स लिमिटेड और मेसर्स नॉर्दन जूट मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड, के लिए यह नोट किया जाता है कि भारत में जाँच अवधि के दौरान जांचाधीन उत्पाद की कोई बिक्री नहीं हुई है।
  - मै. साउथ ट्रेड इंटरनेशनल और मै. इंटरलिक इंटरनेशनल उन व्यापारियों के रूप में देखे जाते हैं जिन्होंने जाँच अवधि के दौरान भारत को जांचाधीन उत्पाद निर्यात नहीं किया था। मेसर्स अहयन जूट मिल्स लि. जाँच अवधि के दौरान भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया गया, बल्कि केवल भारत को जूट यार्न का निर्यात किया।
- ट. मौके पर सत्यापन के बाद प्राधिकारी ने संबंधित उत्पादकों/निर्यातक अर्थात् उत्पादकों/निर्यातकों जिन्होंने सत्यापन के लिए आंकड़े प्रस्तुत किए थे द्वारा प्रदान किए गए दस्तावेजों को बताते हुए और गैर-भागीदारी के बारे में तथ्य जिन्होंने मौके पर सत्यापन में भाग नहीं लिया को बताते हुए सत्यापन रिपोर्ट के तथ्यों पर प्रासंगिक रिपोर्ट जारी की। उपरोक्त रिपोर्ट में संबंधित उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा की गई टिप्पणियों पर उचित रूप से ध्यान दिया गया है।

ठ. प्राधिकारी ने उत्पादकों/निर्यातकों के लिए व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का मूल्यांकन किया है, जिन्होंने प्राधिकारी का सहयोग किया है और शेष/असहयोगियों के लिए प्राधिकारी ने नियम 6 (8) को लागू किया है, जिसमें इसकी निरंतर परिपाटी के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी को अपनाने का उल्लेख है। सहयोगी और असहयोगी उत्पादक/निर्यातक दोनों के लिए जाँच अवधि के दौरान जांचाधीन उत्पाद के लिए पाटन मार्जिन का निम्नानुसार मूल्यांकन किया जाता है:

40. पाटन मार्जिन मूल्यांकन और व्यापार की प्रवृत्ति में परिवर्तन:

**क. सहयोगी उत्पादक/निर्यातक:**

क) मेसर्स वर्ल्ड ट्रेड कंसल्टेंट्स द्वारा प्रस्तुत उत्पादकों/निर्यातकों के व्यापार की प्रवृत्ति में परिवर्तन और पाटन मार्जिन मूल्यांकन निम्नानुसार है:

**1. मेसर्स सागर जूट स्पिनिंग मिल्स लिमिटेड, (उत्पादक/निर्यातक) बांग्लादेश**

**(i) पीयूसी और पीयूआई के व्यापार का प्रवृत्ति:**

व्यापार की प्रवृत्ति विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद जांचाधीन उत्पाद में परिवर्तन को दर्शाता है।

**व्यापार प्रवृत्ति –अगोपनीय (सूचीबद्ध)– सागर जूट**

अवधि	घरेलू बिक्रियां		भारत को निर्यात		तीसरे देशों को बिक्रियां	
	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)
2014-15	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2015-16	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2016-17	100.00	100.00	163.35	23.64	0.00	0.00
पीओआई (एडीडी से पहले)- 1 अक्टू., 2016-4 जन., 2017	0.00	0.00	87.95	0.00	0.00	0.00
पीओआई (एडीडी के बाद)- 5 जन., 2017-31 दिस., 2017	100.00	100.00	12.05	100.00	100.00	0.00
<b>पीओआई (समग्र)</b>	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	0.00

**(ii) सामान्य मूल्य**

उत्पादक/निर्यातक ने घरेलू बाजार में जाँच अवधि के दौरान \*\*\* एमटी जांचाधीन उत्पाद की \*\*\* बीडीटी/एमटी की औसत कीमत पर मिल द्वार पर नकद में बेचा है, जो भारत को जांचाधीन उत्पाद के निर्यात का \*\*\*% है। कंपनी ने अन्य देशों को पीयूआई का निर्यात नहीं किया है।

पीओआई में दावा की गई कुल बिक्री मूल्य पीओआई के लिए लेखा परीक्षित पी/एल खातों के साथ समेकित किया गया है। कुल निर्यात बिक्री जाँच अवधि के लिए बैंक प्रमाणपत्र के साथ इएक्स्पी के सभी विवरणों के साथ सामंजस्य स्थापित करती है। इन दो तुलनाओं के साथ घरेलू, भारत को निर्यात और तीसरे देश की बिक्री सहित कुल बिक्री को प्रश्नावली प्रतिक्रिया के साथ समेकित किया गया है।

पीओआई के दौरान पीओयू के लिए सीओपी का अंतर्देशीय भाड़ा और बैंक शुल्क सहित \*\*\* बीडीटी /एमटी के रूप में मूल्यांकन किया गया है। सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए, अंतर्देशीय वस्तु दुलाई और बैंक शुल्कों को छोड़कर उत्पादन की लागत को देखते हुए ओसीटी परीक्षण किया गया है जिसके आधार पर सभी बिक्री नुकसान में बताई गई है। इसलिए सामान्य मूल्य की गणना जाँच अवधि के दौरान कंपनी की उत्पादन लागत के आधार पर \*\*\* % लाभ सहित की गई है। सामान्य मूल्य \*\*\* बीडीटी/एमटी है।

**(iii) निर्यात कीमत**

उत्पादक/निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान \*\*\* \$ \*\*\* (\*\*\*) अमडा./एमटी) (सीएनएफ) के बीजक मूल्य पर \*\*\* एमटी की मात्रा तक भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है। अंतर्देशीय भाड़ा, ऋण लागत और बैंक शुल्कों पर किए गए वास्तविक खर्चों पर क्रमशः \*\*\*, \*\*\* और \*\*\* डा./एमटी की सीमा तक समायोजन का दावा किया गया है। चूंकि कंपनी ने कहा है कि यह खातों के अलग-अलग प्रमुखों के रूप में

अंतर्देशीय वस्तु और बैंक शुल्कों की रिपोर्ट नहीं करता है, इसलिए केवल ऋण लागत को छोड़कर उचित स्तर पर निर्यात कीमत \*\*\* डा./एमटी अर्थात् \*\*\* बीडीटी / एमटी है।

#### (iv) पाटन मार्जिन:

प्राधिकारी ने व्यापार के समान स्तर पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना करके पाटन मार्जिन का मूल्यांकन किया है और 7.3.2019 के प्रकटीकरण वक्तव्य में उसी का खुलासा किया। यह निम्नानुसार है:

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	10-20

उक्त पाटन मार्जिन को प्रकटन के पश्चात की टिप्पणियों के आधार पर बाद के पैराओं में पुनः परिकलित किया गया है।

## 2. मै. मौना जूट मिल्स लि. (उत्पादक/निर्यातक) बंगलादेश

### (i) पीयूसी और पीयूआई के व्यापार की प्रवृत्ति

व्यापार की प्रवृत्ति पीयूसी पर एडीडी के लागू होने के बाद पीयूआई के लिए परिवर्तन को दर्शाती है।

#### व्यापार प्रवृत्ति – अगोपनीय (सूचीबद्ध)-मौना जूट

अवधि	घरेलू बिक्रियां		भारत को निर्यात		तीसरे देशों को बिक्रियां	
	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)
2014-15	57.97	0.00	641.63	0.00	47.09	0.00
2015-16	77.29	0.00	83.43	0.00	62.49	0.00
2016-17	63.50	0.00	245.58	14.27	115.20	0.00
पीओआई (एडीडी से पहले)- 1 अक्टू., 2016-4 जन., 2017	13.72	0.00	100.00	0.00	26.01	0.00
पीओआई (एडीडी के बाद)- 5 जन., 2017-31 दिस., 2017	86.28	0.00	0.00	100.00	73.99	0.00
<b>पीओआई (समग्र)</b>	<b>100.00</b>	<b>0.00</b>	<b>100.00</b>	<b>100.00</b>	<b>100.00</b>	<b>0.00</b>

### (ii) सामान्य मूल्य

पीओआई में दावा की गई कुल बिक्री मूल्य पीओआई के लिए लेखा परीक्षित पी/एल खातों के साथ समेकित किया गया है। कुल निर्यात बिक्री जाँच अवधि के लिए बैंक प्रमाणपत्र के साथ इएक्सपी के सभी विवरणों के साथ सामंजस्य स्थापित करती है। इन दो तुलनाओं के साथ घरेलू, भारत को निर्यात और तीसरे देश की बिक्री सहित कुल बिक्री को प्रश्नावली प्रतिक्रिया के साथ समेकित किया गया है।

कंपनी ने घरेलू बाजार में या भारत से इतर देशों को पीयूआई की बिक्री या निर्यात नहीं किया है। पीयूआई के लिए पीओआई के दौरान सीओपी में अंतरदेशीय भाड़ा, बैंक प्रभार और अन्य वित्तीय समायोजन शामिल हैं। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य की गणना जाँच अवधि के दौरान कंपनी की उत्पादन लागत के आधार पर \*\*\* % लाभ सहित की है। सामान्य मूल्य \*\*\* बीडीटी/एमटी है।

### (iii) निर्यात कीमत

उत्पादक/निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान \*\*\* \$ \*\*\* (\*\*\* अमडा./एमटी) (एफओबी) के बीजक मूल्य पर \*\*\* एमटी की मात्रा तक भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है। अंतर्देशीय भाड़ा, ऋण लागत, बैंक प्रभारों और अन्य निर्यात दस्तावेजीकरण पर किए गए वास्तविक खर्चों पर क्रमशः \*\*\*, \*\*\*, और \*\*\* डा./एमटी की सीमा तक समायोजन का दावा किया गया है। कंपनी ने पीओआई के दौरान

इको ट्रेड इंटरनेशनल और ईआरएनएस ट्रेड इंटरनेशनल लिमिटेड नामक दो संबंधित व्यापारियों के माध्यम से भारत में पीयूसी और पीयूआई का निर्यात किया है जिन्होंने मार्कअप के साथ भारत को निर्यात किया है। क्रेडिट लागत को छोड़कर एक उपयुक्त स्तर पर कारखाना द्वार निर्यात कीमत \*\*\* बीडीटी/एमटी है।

#### (iv) पाटन मार्जिन:

प्राधिकारी ने व्यापार के समान स्तर पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना करके पाटन मार्जिन का मूल्यांकन किया है और 7.3.2019 के प्रकटीकरण वक्तव्य में उसी का खुलासा किया। पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है:

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	0-10

उक्त पाटन मार्जिन को प्रकटन के पश्चात की टिप्पणियों के आधार पर बाद के पैराओं में पुनः परिकलित किया गया है।

### 3. मै. राबेया जूट मिल्स, (उत्पादक/निर्यातक) बंगलादेश

#### (i) पीयूसी और पीयूआई के व्यापार की प्रवृत्ति

व्यापार की प्रवृत्ति पीयूसी पर एडीडी के लागू होने के बाद पीयूआई के लिए परिवर्तन को दर्शाती है।

#### व्यापार प्रवृत्ति- अगोपनीय (सूचीबद्ध )-राबेया जूट

अवधि	घरेलू बिक्रियां		भारत को निर्यात		तीसरे देशों को बिक्रियां	
	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)
2014-15	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2015-16	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2016-17	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
पीओआई (एडीडी से पहले)- 1 अक्टू., 2016-4 जन., 2017	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
पीओआई (एडीडी के बाद)- 5 जन., 2017-31 दिस., 2017	0.00	0.00	0.00	100.00	0.00	0.00
<b>पीओआई (समग्र)</b>	0.00	0.00	0.00	<b>100.00</b>	0.00	0.00

#### (ii) सामान्य मूल्य

पीओआई में दावा की गई कुल बिक्री मूल्य पीओआई के लिए लेखा परीक्षित पी/एल खातों के साथ समेकित किया गया है। कुल निर्यात बिक्री जाँच अवधि के लिए बैंक प्रमाणपत्र के साथ इएक्स्पी के सभी विवरणों के साथ सामंजस्य स्थापित करती है। इन दो तुलनाओं के साथ घरेलू, भारत को निर्यात और तीसरे देश की बिक्री सहित कुल बिक्री को प्रश्नावली प्रतिक्रिया के साथ समेकित किया गया है।

कंपनी ने घरेलू बाजार में या भारत से इतर देशों को पीयूआई की बिक्री या निर्यात नहीं किया है। पीयूआई के लिए पीओआई के दौरान सीओपी में अंतरदेशीय भाड़ा और बैंक प्रभार शामिल हैं। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य की गणना जाँच अवधि के दौरान कंपनी की उत्पादन लागत के आधार पर \*\*\* % लाभ सहित की है। सामान्य मूल्य \*\*\* बीडीटी/एमटी है।

#### (iii) निर्यात कीमत

उत्पादक/निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान \*\*\* \$ \*\*\* (\*\*\* अमडा./एमटी) (एफओबी) के बीजक मूल्य पर \*\*\* एमटी की मात्रा तक भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है। ऋण लागत, अंतर्देशीय भाड़ा और बैंक प्रभारों पर किए गए वास्तविक खर्चों पर क्रमशः

\*\*\*, \*\*\* और \*\*\* डा./एमटी की सीमा तक समायोजन का दावा किया गया है। क्रेडिट लागत को छोड़कर एक उपयुक्त स्तर पर कारखाना द्वारा निर्यात कीमत \*\*\* बीडीटी / एमटी है।

#### (iv) पाटन मार्जिन:

प्राधिकारी ने व्यापार के समान स्तर पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना करके पाटन मार्जिन का मूल्यांकन किया है और 7.3.2019 के प्रकटीकरण वक्तव्य में उसी का खुलासा किया। पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है:

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	0-10

उत्पादक/निर्यातक ने प्रकटन के लिए कोई टिप्पणी प्रस्तुत नहीं की है। तथापि, लाभ मार्जिन के संबंध में उत्पादकों/निर्यातकों तथा बंगलादेश उच्चायोग के अनुरोध के आलोक में उत्पादक/निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन बाद के पैराग्राफों में पुनः परिकलित किया गया है।

#### 4. मै. रानू एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड, (उत्पादक/निर्यातक), बंगलादेश

##### i) पीयूसी और पीयूआई के व्यापार की प्रवृत्ति

व्यापार की प्रवृत्ति पीयूसी पर एडीडी के लागू होने के बाद पीयूआई के लिए परिवर्तन को दर्शाती है।

##### व्यापार प्रवृत्ति – अगोपनीय (सूचीबद्ध) - रानू एग्रो जूट

अवधि	घरेलू बिक्रियां		भारत को निर्यात		तीसरे देशों को बिक्रियां	
	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)
2014-15	23.12	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2015-16	29.67	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2016-17	30.96	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
पीओआई (एडीडी से पहले)- 1 अक्टू., 2016-4 जन., 2017	22.07	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
पीओआई (एडीडी के बाद)- 5 जन., 2017-31 दिस., 2017	77.93	0.00	0.00	100.00	0.00	0.00
<b>पीओआई (समग्र)</b>	<b>100.00</b>	0.00	0.00	<b>100.00</b>	0.00	0.00

#### (ii) सामान्य मूल्य

पीओआई में दावा की गई कुल बिक्री मूल्य पीओआई के लिए लेखा परीक्षित पी/एल खातों के साथ समेकित किया गया है। कुल निर्यात बिक्री जाँच अवधि के लिए बैंक प्रमाणपत्र के साथ इएक्स्पी के सभी विवरणों के साथ सामंजस्य स्थापित करती है। इन दो तुलनाओं के साथ घरेलू और भारत को निर्यात की बिक्री सहित कुल बिक्री को प्रश्नावली प्रतिक्रिया के साथ समेकित किया गया है।

कंपनी ने घरेलू बाजार में या भारत से इतर देशों को पीयूआई की बिक्री या निर्यात नहीं किया है। पीयूआई के लिए पीओआई के दौरान सीओपी का सत्यापन/अधिप्रमाणन नहीं हो पाया और इसलिए सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए उच्चतम सामान्य मूल्य और सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए औसत लाभ \*\*\* % अपनाया गया है। सामान्य मूल्य \*\*\* बीडीटी/एमटी है।

#### (iii) निर्यात कीमत

उत्पादक/निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान \*\*\* \$ \*\*\* (\*\*\* अमडा./एमटी) (सीएनएफ) के बीजक मूल्य पर \*\*\* एमटी की मात्रा तक भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है। अंतर्देशीय भाड़ा पर किए गए वास्तविक खर्चों पर क्रमशः \*\*\* डा./एमटी की सीमा तक समायोजन का दावा किया गया है। एक उपयुक्त स्तर पर कारखाना द्वारा निर्यात कीमत \*\*\* बीडीटी / एमटी मानी गई है।

**(iv) पाटन मार्जिन:**

प्राधिकारी व्यापार के समान स्तर पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना करके पाटन मार्जिन का मूल्यांकन करते हैं और 7.3.2019 के प्रकटीकरण वक्तव्य में उसी का खुलासा किया। पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है:

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	30-40

उक्त पाटन मार्जिन को प्रकटन के पश्चात की टिप्पणियों के आधार पर बाद के पैराओं में पुनः परिकलित किया गया है।

**5. मै. रहमान जूट मिल्स (प्रा.) लि., (उत्पादक/निर्यातक) बंगलादेश****(i) पीयूसी और पीयूआई के व्यापार की प्रवृत्ति**

व्यापार की प्रवृत्ति पीयूसी पर एडीडी के लागू होने के बाद पीयूआई के लिए परिवर्तन को दर्शाती है।

**व्यापार प्रवृत्ति – अगोपनीय (सूचीबद्ध) – रहमान जूट**

अवधि	घरेलू बिक्रियां		भारत को निर्यात		तीसरे देशों को बिक्रियां	
	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)
2014-15	0.00	0.00	804.71	0.00	86.58	0.00
2015-16	0.00	0.00	513.61	0.00	0.00	0.00
2016-17	50.00	66.67	103.73	22.96	39.47	0.00
पीओआई (एडीडी से पहले)- 1 अक्टू., 2016-4 जन., 2017	0.00	26.67	100.00	0.00	0.00	0.00
पीओआई (एडीडी के बाद)- 5 जन., 2017-31 दिस., 2017	100.00	73.33	0.00	100.00	100.00	0.00
<b>पीओआई (समग्र)</b>	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	0.00

**(ii) सामान्य मूल्य**

पीओआई में दावा किए गए कुल बिक्री मूल्य पीओआई के लिए लेखा परीक्षित पी/एल खातों के साथ समेकित किया गया है। कुल निर्यात बिक्री जाँच अवधि के लिए बैंक प्रमाणपत्र के साथ इएक्स्पी के सभी विवरणों के साथ सामंजस्य स्थापित करती है। इन दो तुलनाओं के साथ घरेलू, भारत को निर्यात और तीसरे देश की बिक्री सहित कुल बिक्री को प्रभावली प्रतिक्रिया के साथ समेकित किया गया है।

उत्पादक/निर्यातक ने घरेलू बाजार में जाँच अवधि में पीयूआई की \*\*\* मीट्रिक टन \*\*\* बीडीटी (\*\*\* बीडीटी/एमटी) की कीमत पर पूर्व मिलों को नकद में बेची है। घरेलू बिक्री मूल्य का पीओआई के लिए लेखा परीक्षित पी/एल खाते के साथ मिलान किया गया है।

चूंकि घरेलू बाजार में पीयूआई की बिक्री भारत को निर्यात का केवल \*\*\*% है, जो कि पीयूआई के भारत को निर्यात बिक्री का \*\*\*% से कम है, प्राधिकारी सामान्य मूल्य का मूल्यांकन करने के लिए पीयूआई की घरेलू बिक्री पर विचार करने का प्रस्ताव नहीं करते हैं।

प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए जाँच अवधि के दौरान कंपनी की उत्पादन लागत जमा \*\*\* प्रतिशत लाभ के आधार पर सामान्य मूल्य को अपनाया है। सामान्य मूल्य \*\*\* बीडीटी/एमटी है।

**(iii) निर्यात कीमत**

उत्पादक/निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान \*\*\* \$ \*\*\* (\*\*\* अमडा./एमटी) (एफओबी) के बीजक मूल्य पर \*\*\* एमटी की मात्रा तक भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है। ऋण लागत और अंतर्देशीय भाड़ा पर किए गए वास्तविक खर्चों पर क्रमशः \*\*\* और \*\*\*

डा./एमटी की सीमा तक समायोजन का दावा किया गया है। चूंकि कंपनी ने दावा किया है कि वह अलग खाता शीर्ष में बैंक प्रभारों की सूचना नहीं देती है इसलिए निर्यात कीमत को एक उपयुक्त स्तर पर ऋण लागत को छोड़कर \*\*\* बीडीटी / एमटी माना गया है।

#### (iv) पाटन मार्जिन:

प्राधिकारी ने व्यापार के समान स्तर पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना करके पाटन मार्जिन का मूल्यांकन किया है और 7.3.2019 के प्रकटीकरण वक्तव्य में उसी का खुलासा किया। पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है:

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	0-10

उक्त पाटन मार्जिन को प्रकटन के पश्चात की टिप्पणियों के आधार पर बाद के पैराओं में पुनः परिकलित किया गया है।

### 6. मै. नबरुन जूट मिलस लिमिटेड, (उत्पादक/निर्यातक) बंगलादेश

#### (i) पीयूसी और पीयूआई के व्यापार की प्रवृत्ति

व्यापार की प्रवृत्ति पीयूसी पर एडीडी के लागू होने के बाद पीयूआई के लिए परिवर्तन को दर्शाती है।

#### व्यापार प्रवृत्ति – अगोपनीय (सूचीबद्ध) - नबरुन जूट

अवधि	घरेलू बिक्रियां		भारत को निर्यात		तीसरे देशों की बिक्रियां	
	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)
2014-15	35.67	0.00	750.57	0.00	298.51	0.00
2015-16	64.21	0.00	1030.06	0.00	63.02	0.00
2016-17	3.12	0.00	293.11	4.20	66.83	0.00
पीओआई (एडीडी से पहले)- 1 अक्टू., 2016-4 जन., 2017	3.12	0.00	66.10	0.00	3.09	0.00
पीओआई (एडीडी के बाद)- 5 जन., 2017-31 दिस., 2017	96.88	0.00	33.90	100.00	96.91	0.00
<b>पीओआई (समग्र)</b>	<b>100.00</b>	<b>0.00</b>	<b>100.00</b>	<b>100.00</b>	<b>100.00</b>	<b>0.00</b>

#### (ii) सामान्य मूल्य

पीओआई में दावा की गई कुल बिक्री मूल्य पीओआई के लिए लेखा परीक्षित पी/एल खातों के साथ समेकित किया गया है। कुल निर्यात बिक्री जाँच अवधि के लिए बैंक प्रमाणपत्र के साथ इएक्स्पी के सभी विवरणों के साथ सामंजस्य स्थापित करती है। इन दो तुलनाओं के साथ घरेलू और भारत को निर्यात और तीसरे देशों की बिक्री सहित कुल बिक्री को प्रश्नावली प्रतिक्रिया के साथ समेकित किया गया है।

कंपनी ने घरेलू बाजार में या भारत से इतर देशों को पीयूआई की बिक्री या निर्यात नहीं किया है। पीयूआई के लिए पीओआई के दौरान सीओपी में अंतरदेशीय भाड़ा और बैंक प्रभार शामिल हैं। प्राधिकारी ने उत्पादन लागत जमा तर्कसंगत लाभ \*\*\* % (\*\*\* % से उच्चतर और \*\*\* % से कंपनी का वास्तविक) के आधार पर सामान्य मूल्य का मूल्यांकन किया है। सामान्य मूल्य \*\*\* बीडीटी/एमटी है।

#### (iii) निर्यात कीमत

उत्पादक/निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान \*\*\* \$ \*\*\* (\*\*\* अमडा./एमटी) (एफओबी) के बीजक मूल्य पर \*\*\* एमटी की मात्रा तक भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है। अंतर्देशीय भाड़ा, ऋण लागत और बैंक प्रभारों पर किए गए वास्तविक खर्चों पर क्रमशः

\*\*\*, \*\*\* और \*\*\* डा./एमटी की सीमा तक समायोजन का दावा किया गया है। उपयुक्त स्तर पर कारखाना द्वारा निर्यात कीमत \*\*\* अमडा./एमटी अर्थात् \*\*\* बीडीटी / एमटी मानी गई है।

**(iv) पाटन मार्जिन:**

प्राधिकारी ने व्यापार के समान स्तर पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना करके पाटन मार्जिन का मूल्यांकन किया है और 7.3.2019 के प्रकटीकरण वक्तव्य में उसी का खुलासा किया। पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है:

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	0-10

उक्त पाटन मार्जिन को प्रकटन के पश्चात की टिप्पणियों के आधार पर बाद के पैराओं में पुनः परिकलित किया गया है।

**7. मै. जमुना जूट इंडस्ट्रीज लि., (उत्पादक/निर्यातक) बंगलादेश**

**(i) पीयूसी और पीयूआई के व्यापार की प्रवृत्ति**

व्यापार की प्रवृत्ति पीयूसी पर एडीडी के लागू होने के बाद पीयूआई के लिए परिवर्तन को दर्शाती है।

**व्यापार प्रवृत्ति – अगोपनीय (सूचीबद्ध) - जमुना जूट**

अवधि	घरेलू बिक्रियां		भारत को निर्यात		तीसरे देशों को बिक्रियां	
	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)
2014-15	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2015-16	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2016-17	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
पीओआई (एडीडी से पहले)- 1 अक्टू., 2016 - 4 जन., 2017	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
पीओआई (एडीडी के बाद)- 5 जन., 2017-31 दिस., 2017	0.00	0.00	0.00	100.00	0.00	0.00
<b>पीओआई (समग्र)</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>100.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>

**(ii) सामान्य मूल्य**

पीओआई में दावा की गई कुल बिक्री मूल्य पीओआई के लिए लेखा परीक्षित पी/एल खातों के साथ समेकित किया गया है। कुल निर्यात बिक्री जाँच अवधि के लिए बैंक प्रमाणपत्र के साथ इएक्सपी के सभी विवरणों के साथ सामंजस्य स्थापित करती है। इन दो तुलनाओं के साथ घरेलू और भारत को निर्यात और तीसरे देशों को बिक्री सहित कुल बिक्री को प्रभावली प्रतिक्रिया के साथ समेकित किया गया है।

कंपनी ने घरेलू बाजार में या भारत से इतर देशों को पीयूआई की बिक्री या निर्यात नहीं किया है। पीयूआई के लिए पीओआई के दौरान सीओपी में अंतरदेशीय भाड़ा और बैंक प्रभार शामिल हैं। प्राधिकारी ने उत्पादन लागत जमा तर्कसंगत लाभ के आधार पर सामान्य मूल्य का मूल्यांकन किया है। सामान्य मूल्य का परिकलन उत्पादक/निर्यातक (\*\*\* %) की उत्पादन लागत \*\*\* % लाभ या समग्र लाभ सहित जो भी अधिक हो, पर किया गया है। \*\*\* % लाभ के साथ सामान्य मूल्य \*\*\* बीडीटी/एमटी है।

**(iii) निर्यात कीमत**

उत्पादक/निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान \*\*\* \$ \*\*\* (\*\*\* अमडा./एमटी) (सीएनएफ) के बीजक मूल्य पर \*\*\* एमटी की मात्रा तक भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है। अंतर्देशीय भाड़ा और बैंक प्रभारों पर किए गए वास्तविक खर्चों पर क्रमशः \*\*\* और \*\*\*

डा./एमटी की सीमा तक समायोजन का दावा किया गया है। कंपनी ने ऋण लागत का दावा नहीं किया है क्योंकि भुगतान अग्रिम के रूप में प्राप्त हुआ था। उपयुक्त स्तर पर ऋण लागत को छोड़कर कारखाना द्वारा निर्यात कीमत \*\*\* अमडा./एमटी अर्थात् \*\*\* बीडीटी / एमटी मानी गई है।

**(iv) पाटन मार्जिन:**

प्राधिकारी ने व्यापार के समान स्तर पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना करके पाटन मार्जिन का मूल्यांकन किया और 7.3.2019 के प्रकटीकरण वक्तव्य में उसी का खुलासा किया। पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है:

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	0-10

उक्त पाटन मार्जिन को प्रकटन के पश्चात की टिप्पणियों के आधार पर बाद के पैराओं में पुनः परिकलित किया गया है।

**8. अर्जुन जूट मिल्स लि., (उत्पादक/निर्यातक) बंगलादेश**

**(i) पीयूसी और पीयूआई के व्यापार की प्रवृत्ति**

व्यापार की प्रवृत्ति पीयूसी पर एडीडी के लागू होने के बाद पीयूआई के लिए परिवर्तन को दर्शाती है।

**व्यापार प्रवृत्ति – अगोपनीय (सूचीबद्ध) - अर्जुन जूट**

अवधि	घरेलू बिक्रियां		भारत को निर्यात		तीसरे देशों को बिक्रियां	
	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)
2014-15	255.07	0.00	9.13	0.00	0.00	0.00
2015-16	134.45	0.00	157.54	2.69	0.00	0.00
2016-17	74.01	0.00	409.95	27.70	0.00	0.00
पीओआई (एडीडी से पहले)- 1 अक्टू., 2016 - 4 जन., 2017	13.92	0.00	100.00	0.84	0.00	0.00
पीओआई (एडीडी के बाद)- 5 जन., 2017-31 दिस., 2017	86.08	0.00	0.00	99.16	0.00	0.00
<b>पीओआई (समग्र)</b>	<b>100.00</b>	<b>0.00</b>	<b>100.00</b>	<b>100.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>

**(ii) सामान्य मूल्य**

पीओआई में दावा की गई कुल बिक्री मूल्य पीओआई के लिए लेखा परीक्षित पी/एल खातों के साथ समेकित किया गया है। कुल निर्यात बिक्री जाँच अवधि के लिए बैंक प्रमाणपत्र के साथ इएक्सपी के सभी विवरणों के साथ सामंजस्य स्थापित करती है। इन दो तुलनाओं के साथ घरेलू और भारत को निर्यात बिक्री सहित कुल बिक्री को प्रश्नावली प्रतिक्रिया के साथ समेकित किया गया है।

कंपनी ने घरेलू बाजार में या भारत से इतर देशों को पीयूआई की बिक्री या निर्यात नहीं किया है। पीयूआई के लिए पीओआई के दौरान सीओपी में अंतरदेशीय भाड़ा, सीएनएफ और दस्तावेज प्रभार तथा बैंक प्रभार शामिल हैं। प्राधिकारी ने समग्र रूप से कंपनी के लिए उत्पादन लागत जमा \*\*\* % तर्कसंगत लाभ के आधार पर सामान्य मूल्य का मूल्यांकन किया है। सामान्य मूल्य \*\*\* बीडीटी/एमटी है।

**(iii) निर्यात कीमत**

उत्पादक/निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान \*\*\* \$ \*\*\* (\*\*\* अमडा./एमटी) (सीएनएफ) के बीजक मूल्य पर \*\*\* एमटी की मात्रा तक भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है। अंतर्देशीय भाड़ा, सीएनएफ और दस्तावेज शुल्क और बैंक प्रभारों पर किए गए वास्तविक खर्चों पर क्रमशः \*\*\*, \*\*\*, और \*\*\* डा./एमटी की सीमा तक समायोजन का दावा किया गया है। कंपनी ने ऋण लागत का दावा नहीं किया है क्योंकि भुगतान अग्रिम के रूप में प्राप्त हुआ था। उपयुक्त स्तर पर ऋण लागत को छोड़कर कारखाना द्वारा निर्यात कीमत \*\*\* अमडा./एमटी अर्थात् \*\*\* बीडीटी / एमटी मानी गई है।

**(iv) पाटन मार्जिन:**

प्राधिकारी ने व्यापार के समान स्तर पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना करके पाटन मार्जिन का मूल्यांकन किया है और 7.3.2019 के प्रकटीकरण वक्तव्य में उसी का खुलासा किया। पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है:

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	2 प्रतिशत से कम

उत्पादक/निर्यातक ने प्रकटन विवरण के लिए कोई टिप्पणी प्रस्तुत नहीं की है।

**9. मै. अबा जूट एंड ट्वाइन इंडस्ट्रीज लि., (उत्पादक/निर्यातक) बंगलादेश****i) पीयूसी और पीयूआई के व्यापार की प्रवृत्ति**

व्यापार की प्रवृत्ति पीयूसी पर एडीडी के लागू होने के बाद पीयूआई के लिए परिवर्तन को दर्शाती है।

**व्यापार प्रवृत्ति – अगोपनीय (सूचीबद्ध) - अबा जूट**

अवधि	घरेलू बिक्रियां		भारत को निर्यात		तीसरे देशों को बिक्रियां	
	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)
2014-15	0	0	0	0	0	0
2015-16	0	0	0	0	0	0
2016-17	0	0	0	0	0	0
पीओआई (एडीडी से पहले)- 1 अक्टू., 2016 - 4 जन., 2017	0	0	0	0	0	0
पीओआई (एडीडी के बाद)- 5 जन., 2017-31 दिस., 2017	100	0	0	100	0	0
<b>पीओआई (समग्र)</b>	100	0	0	100	0	0

**(ii) सामान्य मूल्य**

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
--------------------------------	------------------------------------	-------------------------------	------------------	--------------------------

सत्यापन रिपोर्ट में उत्पादक/निर्यातक को सूचित किया गया कि वे निर्यात बिक्री के लिए अपने बैंक द्वारा जारी कुल ईएक्सपी प्रपत्रों की सूची और बैंक द्वारा सत्यापित प्रतियों को भी प्रदान करें। तथापि, वह उपलब्ध नहीं कराया गया।

कंपनी ने न तो घरेलू बाजार में न ही अन्य देशों में निर्यातों में पीयूआई की बिक्री की है। सत्यापन के दौरान यह देखा गया कि कंपनी द्वारा दावा की गई श्रम लागत बंगलादेश में अन्य जूट मिलों की तुलना में काफी कम है और उसे उपलब्ध रिकार्डों से भी सत्यापित नहीं किया जा सका। 2016-17 की तुलना में 2017-18 में कंपनी की वित्तीय लागत में कमी के ब्योरे, कारण/औचित्य सत्यापन के दौरान कंपनी द्वारा नहीं दिया जा सका। यह नोट किया जाता है कि यद्यपि उत्पादन और बिक्री में अंतर है तथापि उसे कंपनी द्वारा प्रस्तुत परिशिष्ट 7 और 8 में तैयार वस्तुओं के स्टॉक समायोजन के रूप में प्रदर्शित नहीं किया गया है। इसके अलावा, कंपनी द्वारा दावा की गई श्रम लागत बंगलादेश में अन्य जूट मिलों की तुलना में काफी कम है और उसे उपलब्ध रिकार्डों से भी सत्यापित नहीं किया जा सका। अतः, कंपनी द्वारा दावा की गई उत्पादन लागत को अधिप्रमाणित नहीं किया जा सका, सत्यापन के समय प्रदत्त रिकार्ड के आधार पर सत्यापित नहीं किया जा सका।

तदनुसार, उत्पादक/निर्यातक के लिए सामान्य मूल्य का मूल्यांकन सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर करने का प्रस्ताव है अर्थात् भागीदार/सत्यापित निर्यातकों के संबंध में उच्चतम सामान्य मूल्य तथा \*\*\* % का औसत लाभ। इस प्रकार पीओआई के दौरान अपनाया गया सामान्य मूल्य \*\*\* बीडीटी/एमटी है।

### (iii) निर्यात कीमत

उत्पादक/निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान \*\*\* \$ \*\*\* (\*\*\* अमडा./एमटी) (सीएनएफ) के बीजक मूल्य पर \*\*\* एमटी की मात्रा तक भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है। अंतर्देशीय भाड़ा और बैंक प्रभारों पर किए गए वास्तविक खर्चों पर क्रमशः \*\*\* और \*\*\* डा./एमटी की सीमा तक समायोजन का दावा किया गया है। कारखाना द्वार निर्यात कीमत \*\*\* अमडा./एमटी मानी गई है।

### (iv) पाटन मार्जिन:

प्राधिकारी ने व्यापार के समान स्तर पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना करके पाटन मार्जिन का मूल्यांकन किया है और 7.3.2019 के प्रकटीकरण वक्तव्य में उसी का खुलासा किया। पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है:

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	50-60

उत्पादक/निर्यातक ने प्रकट करने के लिए कोई टिप्पणियां प्रस्तुत नहीं की है और इस कारण से उत्पादन की लागत की पुष्टि की जाती है। हालांकि, बंगलादेश उच्चायोग द्वारा प्रकटन पश्चात टिप्पणियों के आलोक में, पाटन मार्जिन की फिर से गणना बाद के पैराओं में की गई है।

## 10. मै. उत्तरा जूट फाइबरस एंड इंडस्ट्रीज लि., (उत्पादक/निर्यातक) बंगलादेश

### i) पीयूसी और पीयूआई के व्यापार की प्रवृत्ति

व्यापार की प्रवृत्ति पीयूसी पर एडीडी के लागू होने के बाद पीयूआई के लिए परिवर्तन को दर्शाती है।

#### व्यापार प्रवृत्ति – अगोपनीय (सूचीबद्ध) - उत्तरा जूट

अवधि	घरेलू बिक्रियां		भारत को निर्यात		तीसरे देशों को बिक्रियां	
	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)	पीयूसी मात्रा (एमटी)	पीयूआई मात्रा (एमटी)
2014-15	313.27	0.00	593.60	-	176.12	0.00
2015-16	381.89	0.00	247.16	-	19.43	0.00
2016-17	78.38	0.00	610.42	5.02	42.10	0.00
पीओआई (एडीडी से पहले)- 1 अक्टू., 2016 - 4 जन., 2017	4.44	0.00	50.18	5.02	10.01	0.00

पीओआई (एडीडी के बाद)- 5 जन., 2017-31 दिस., 2017	95.56	0.00	49.82	94.98	89.99	0.00
<b>पीओआई (समग्र)</b>	100.00	0.00	100.00	100.00	100.00	0.00

## (II) सामान्य मूल्य

सत्यापन रिपोर्ट में उत्पादक/निर्यातक को सूचित किया गया कि वे निर्यात बिक्री के लिए अपने बैंक द्वारा जारी कुल ईएक्सपी प्रपत्रों की सूची और बैंक द्वारा सत्यापित प्रतियों को भी प्रदान करें। तथापि, वह उपलब्ध नहीं कराया गया।

उत्पादक/निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान घरेलू बाजार में जांचाधीन उत्पाद को नहीं बेचा है। 2017-18 के लेखा परीक्षित खातों के साथ 2017-18 के लेखा परीक्षित खातों की तुलना पर यह देखा गया है कि 2017-18 में कुल कारखाना ओवरहेड बीडीटी \*\*\* की तुलना में केवल बीडीटी \*\*\* है और प्रत्यक्ष श्रम लागत बीडीटी \*\*\* के मुकाबले, 2017-18 में केवल बीडीटी \*\*\* है। हालांकि 2017-18 और 2016-17 में बिक्री आय लगभग समान स्तर पर रहा है। बिजली, गैस और बिजली की लागत, अप्रत्यक्ष सामग्री की लागत, जूट अवशोषण व्यय, मरम्मत और रखरखाव, वेतन और भत्ते आदि की लागत वर्ष 2017-18 में शून्य दिखाई गई है। तैयार वस्तु स्टॉक समायोजन में काफी अंतर है। सत्यापन के दौरान इतने व्यापक बदलाव का कारण स्पष्ट नहीं किया जा सका। इसलिए, जाँच अवधि के लिए वित्तीय खातों और उत्पादन की लागत को प्रमाणित/सत्यापित नहीं किया जा सकता है।

तदनुसार, प्राधिकारी ने इसकी लागत पर विचार नहीं किया है और भागीदार और विधिवत रूप से सत्यापित उत्पादकों/निर्यातकों के लिए आकलित उच्चतम सामान्य मूल्य तथा \*\*\* % का औसत लाभ अपनाया है। यह \*\*\* बीडीटी/एमटी बनता है।

## (III) निर्यात कीमत

उत्पादक/निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान \*\*\* \$ \*\*\* (\*\*\* अमडा./एमटी) (एफओबी) के बीजक मूल्य पर \*\*\* एमटी की मात्रा तक भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है। अंतर्देशीय भाड़ा, ऋण लागत और बैंक प्रभारों पर किए गए वास्तविक खर्चों पर क्रमशः \*\*\*, \*\*\* और \*\*\* डा./एमटी की सीमा तक समायोजन का दावा किया गया है। उपयुक्त स्तर पर कारखाना द्वारा निर्यात कीमत \*\*\* अमडा./एमटी मानी गई है।

## (IV) पाटन मार्जिन:

प्राधिकारी ने व्यापार के समान स्तर पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना करके पाटन मार्जिन का मूल्यांकन किया है और 7.3.2019 के प्रकटीकरण वक्तव्य में उसी का खुलासा किया। पाटन मार्जिन निम्नानुसार बनता है:

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	निबल निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	10-20

उत्पादक/निर्यातक ने प्रकट करने के लिए कोई टिप्पणियां प्रस्तुत नहीं की हैं और इस कारण से उत्पादन की लागत की पुष्टि की जाती है। हालांकि, बंगलादेश उच्चायोग द्वारा प्रकटन पश्चात टिप्पणियों के आलोक में, पाटन मार्जिन की फिर से गणना बाद के पैराओं में की गई है।

## 11. मै. जी. ट्रेडर्स लि. और मै. ए. एन. इंटरनेशनल :

मै. जी. ट्रेडर्स लि. और मै. ए. एन. इंटरनेशनल ने सत्यापन रिपोर्ट का उत्तर दिया है कि उन्होंने अपने अधिवक्ता मेसर्स वलर्ड ट्रेड कंसल्टेंट्स को आकड़े प्रदान किए हैं। चूंकि मेसर्स डब्ल्यूटीसी स्वयं को हटा लिया और सत्यापन नहीं किया जा सका, इसलिए प्राधिकारी ने इन व्यापारियों के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी पर विचार किया। किसी भी मामले में, विचार किए गए उपाय के विस्तार को संबद्ध निर्माता पर लागू माना जाएगा।

**ख) मैसर्स एम. एस. पोथल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट के प्रतिनिधित्व वाले उत्पादकों/निर्यातकों के व्यापार की प्रवृत्ति में परिवर्तन और पाटन मार्जिन का मूल्यांकन निम्नानुसार है:**

**1. आशा जूट इंडस्ट्रीज लि.****i) पीयूसी और पीयूआई के व्यापार की प्रवृत्ति**

व्यापार की प्रवृत्ति पीयूसी पर एडीडी के लागू होने के बाद पीयूआई के लिए परिवर्तन को दर्शाती है।

अवधि	घरेलू बिक्रियां (सूचीबद्ध)		भारत को बिक्रियां (सूचीबद्ध)		तीसरे देशों को बिक्रियां (सूचीबद्ध)	
	पीयूसी	पीयूआई	पीयूसी	पीयूआई	पीयूसी	पीयूआई
अप्रैल 2014 से मार्च 2015	-	-	-	-	-	-
अप्रैल 2015 से मार्च 2016	-	-	-	-	-	-
अप्रैल 2016 से 4 जनवरी 2017	100	100	-	-	-	-
5 जनवरी 2017 से मार्च 2017	50	-	-	-	-	-
अप्रैल 2017 से मार्च 2018	90	136	-	-	-	-
पीओआई (अक्टूबर 2016 से दिसम्बर 2017)	146	174	-	100	100	-

**(ii) सामान्य मूल्य**

उत्पादक/निर्यातक ने घरेलू बाजार में जाँच अवधि के दौरान \*\*\* बीडीटी की कुल कीमत (औसत मूल्य बीडीटी \*\*\* प्रति एमटी) के दौरान \*\*\* एमटी जांचाधीन उत्पाद बेचा है। बिक्री की शर्तें नकद में मिल-द्वार पर हैं। कुल घरेलू बिक्री मूल्य जाँच अवधि के लिए लेखा परीक्षित लाभ और हानि खाते में दिखाई देता है। पीओआई के दौरान घरेलू बाजार में पीयूसी और पीयूआई के बीच मूल्य अंतर उचित मूल्य वर्धन को दर्शाता है। सामान्य मूल्य की तुलना करने के लिए, व्यापार की सामान्य प्रक्रिया (ओसीटी) परीक्षण किया गया है। ओसीटी परीक्षण के प्रयोजनार्थ उत्पादन की कारखाना-द्वार लागत पर विचार किया गया है। ओसीटी परीक्षण के आधार पर \*\*\*% बिक्री लाभदायक पाई जाती है। सामान्य मूल्य \*\*\* बीडीटी/एमटी है।

**(iii) निर्यात कीमत**

उत्पादक/निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान सीएफआर शर्तों पर \*\*\* अमडा. (\*\*\* अमडा./एमटी) के बीजक मूल्य पर \*\*\* एमटी की मात्रा तक भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है। अंतर्देशीय भाड़ा (\*\*\* अमडा./एमटी), निकासी और अग्रेषण प्रभार (\*\*\* अमडा./एमटी) और बैंक प्रभारों (\*\*\* अमडा./एमटी) पर किए गए (\*\*\* अमडा./एमटी) कुल \*\*\* अमडा./एमटी के वास्तविक खर्चों के आधार पर समायोजन का दावा किया गया है। कारखाना द्वार निर्यात कीमत \*\*\* बीडीटी/एमटी मानी गई है।

**(iv) पाटन मार्जिन**

पाटन मार्जिन तुलना के उद्देश्य से ऊपर यथा उल्लिखित भारित औसत सामान्य मूल्य और भारित औसत निर्यात कीमत पर व्यापार के समान स्तर पर विचार किया गया था। उसकी गणना निम्नानुसार की जाती है:

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	ऋणात्मक

**2. मैमनसिंह जूट मिल्स लि.****i) पीयूसी और पीयूआई के व्यापार की प्रवृत्ति**

व्यापार की प्रवृत्ति पीयूसी पर एडीडी के लागू होने के बाद पीयूआई के लिए परिवर्तन को दर्शाती है।

अवधि	घरेलू बिक्रियां (सूचीबद्ध)		भारत को बिक्रियां (सूचीबद्ध)		तीसरे देशों को बिक्रियां (सूचीबद्ध)	
	पीयूसी	पीयूआई	पीयूसी	पीयूआई	पीयूसी	पीयूआई

अप्रैल 2014 से मार्च 2015	-	-	100	100	100	-
अप्रैल 2015 से मार्च 2016	100	-	481	168	-	-
अप्रैल 2016 से 4 जनवरी 2017	850	-	140	53	433	-
5 जनवरी 2017 से मार्च 2017	69	-	-	-	354	-
अप्रैल 2017 से मार्च 2018	419	-	-	321	983	100
पीओआई (अक्टूबर 2016 से दिसम्बर 2017)	331	100	-	13	1,610	298

### (ii) सामान्य मूल्य

उत्पादक/निर्यातक ने घरेलू बाजार में जाँच अवधि के दौरान \*\*\* बीडीटी की कुल कीमत (औसत मूल्य बीडीटी \*\*\* प्रति एमटी) के दौरान \*\*\* एमटी जांचाधीन उत्पाद बेचा है। बिक्री की शर्तें मिल-द्वार पर नकद में हैं। कुल घरेलू बिक्री मूल्य जाँच अवधि के लिए लेखा परीक्षित लाभ और हानि खाते में दिखाई देता है। पीओआई के दौरान घरेलू बाजार में पीयूसी और पीयूआई के बीच मूल्य अंतर उचित मूल्य वर्धन को दर्शाता है। सामान्य मूल्य की तुलना करने के लिए, व्यापार की सामान्य प्रक्रिया (ओसीटी) परीक्षण किया गया है। ओसीटी परीक्षण के प्रयोजनार्थ उत्पादन की कारखाना-द्वार लागत पर विचार किया गया है। ओसीटी परीक्षण के आधार पर \*\*\*% बिक्री लाभदायक पाई जाती है। इस प्रकार कंपनी का \*\*\*% समग्र लाभ जोड़ने के बाद सामान्य मूल्य \*\*\* बीडीटी/एमटी बनता है।

### (iii) निर्यात कीमत

उत्पादक/निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान सीएफआर शर्तों पर \*\*\* अमडा. (\*\*\* अमडा./एमटी) के बीजक मूल्य पर \*\*\* एमटी की मात्रा तक भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है। अंतर्देशीय भाड़ा (\*\*\* अमडा./एमटी), निकासी और अग्रेषण प्रभार (\*\*\* अमडा./एमटी) और बैंक प्रभारों (\*\*\* अमडा./एमटी) पर किए गए (\*\*\* अमडा./एमटी) कुल \*\*\* अमडा./एमटी के वास्तविक खर्चों के आधार पर समायोजन का दावा किया गया है। कारखाना द्वार निर्यात कीमत \*\*\* बीडीटी/एमटी मानी गई है।

### (iv) पाटन मार्जिन

पाटन मार्जिन तुलना के उद्देश्य से ऊपर यथा उल्लिखित भारित औसत सामान्य मूल्य और भारित औसत निर्यात कीमत पर व्यापार के समान स्तर पर विचार किया गया था। उसका मूल्यांकन निम्नानुसार किया गया है:

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	ऋणात्मक

## 3. नवहाटा जूट मिल्स लि.

### i) पीयूसी और पीयूआई के व्यापार की प्रवृत्ति

व्यापार की प्रवृत्ति पीयूसी पर एडीडी के लागू होने के बाद पीयूआई के लिए परिवर्तन को दर्शाती है।

अवधि	घरेलू बिक्रियां (सूचीबद्ध)		भारत को बिक्रियां (सूचीबद्ध)		तीसरे देशों को बिक्रियां (सूचीबद्ध)	
	पीयूसी	पीयूआई	पीयूसी	पीयूआई	पीयूसी	पीयूआई
अप्रैल 2014 से मार्च 2015	100	-	100	-	-	-
अप्रैल 2015 से मार्च 2016	133	-	52	100	-	-
अप्रैल 2016 से 4 जनवरी 2017	377	100	22	38	-	-
5 जनवरी 2017 से मार्च 2017	127	18	3	9	-	-
अप्रैल 2017 से मार्च 2018	255	69	20	79	-	-

पीओआई (अक्टूबर 2016 से दिसम्बर 2017)	244	71	20	184	-	-
--------------------------------------	-----	----	----	-----	---	---

**(ii) सामान्य मूल्य**

उत्पादक/निर्यातक ने घरेलू बाजार में जाँच अवधि के दौरान \*\*\* बीडीटी की कुल कीमत (औसत मूल्य बीडीटी \*\*\* प्रति एमटी) के दौरान \*\*\* एमटी जांचाधीन उत्पाद बेचा है। बिक्री की शर्तें मिल-द्वार पर नकद में हैं। कुल घरेलू बिक्री मूल्य जाँच अवधि के लिए लेखा परीक्षित लाभ और हानि खाते में दिखाई देता है। पीओआई के दौरान घरेलू बाजार में पीयूसी और पीयूआई के बीच मूल्य अंतर उचित मूल्य वर्धन को दर्शाता है। सामान्य मूल्य की तुलना करने के लिए, व्यापार की सामान्य प्रक्रिया (ओसीटी) परीक्षण किया गया है। ओसीटी परीक्षण के प्रयोजनार्थ उत्पादन की कारखाना-द्वार लागत पर विचार किया गया है। ओसीटी परीक्षण के आधार पर \*\*\*% बिक्री लाभदायक पाई जाती है। इस प्रकार सामान्य मूल्य \*\*\* बीडीटी/एमटी बनता है।

**(iii) निर्यात कीमत**

उत्पादक/निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान सीएफआर शर्तों पर \*\*\* अमडा. (\*\*\* अमडा./एमटी) के बीजक मूल्य पर \*\*\* एमटी की मात्रा तक भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है। अंतर्देशीय भाड़ा (\*\*\* अमडा./एमटी) और बैंक प्रभारों (\*\*\* अमडा./एमटी) पर किए गए कुल \*\*\* अमडा./एमटी के वास्तविक खर्चों के आधार पर समायोजन का दावा किया गया है। चूंकि निर्यातक ने सीएंडएफ प्रभारों का दावा नहीं किया है इसलिए \*\*\* अमडा./एमटी के औसत सीएंडएफ प्रभारों को निवल निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए अलग रखा गया है। कारखाना द्वार निर्यात कीमत \*\*\* बीडीटी/एमटी मानी गई है।

**(iv) पाटन मार्जिन**

पाटन मार्जिन तुलना के उद्देश्य से ऊपर यथा उल्लिखित भारित औसत सामान्य मूल्य और भारित औसत निर्यात कीमत पर व्यापार के समान स्तर पर विचार किया गया था। उसका मूल्यांकन निम्नानुसार किया गया है:

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	ऋणात्मक

**4. पारटेक्स जूट मिल्स लि.****i) पीयूसी और पीयूआई के व्यापार की प्रवृत्ति**

व्यापार की प्रवृत्ति पीयूसी पर एडीडी के लागू होने के बाद पीयूआई के लिए परिवर्तन को दर्शाती है।

अवधि	घरेलू बिक्रियां (सूचीबद्ध)		भारत को बिक्रियां (सूचीबद्ध)		तीसरे देशों को बिक्रियां (सूचीबद्ध)	
	पीयूसी	पीयूआई	पीयूसी	पीयूआई	पीयूसी	पीयूआई
अप्रैल 2014 से मार्च 2015	-	-	-	-	-	-
अप्रैल 2015 से मार्च 2016	-	-	-	-	-	-
अप्रैल 2016 से 4 जनवरी 2017	100	100	100	100	100	-
5 जनवरी 2017 से मार्च 2017	33	-	-	1,712	62	-
अप्रैल 2017 से मार्च 2018	152	276	-	3,259	342	-
पीओआई (अक्टूबर 2016 से दिसम्बर 2017)	127	306	31	2,181	455	-

**(ii) सामान्य मूल्य**

उत्पादक/निर्यातक ने घरेलू बाजार में जाँच अवधि के दौरान \*\*\* बीडीटी की कुल कीमत (औसत मूल्य बीडीटी \*\*\* प्रति एमटी) के दौरान \*\*\* एमटी जांचाधीन उत्पाद बेचा है। बिक्री की शर्तें मिल-द्वार पर नकद में हैं। कुल घरेलू बिक्री मूल्य जाँच अवधि के लिए लेखा परीक्षित लाभ और हानि खाते में दिखाई देता है। पीओआई के दौरान घरेलू बाजार में पीयूसी और पीयूआई के बीच मूल्य अंतर उचित मूल्य वर्धन को दर्शाता है। सामान्य मूल्य की तुलना करने के लिए, व्यापार की सामान्य प्रक्रिया (ओसीटी) परीक्षण किया गया है। ओसीटी परीक्षण के प्रयोजनार्थ उत्पादन की कारखाना-द्वारा लागत पर विचार किया गया है। ओसीटी परीक्षण के आधार पर \*\*\*% बिक्री लाभदायक पाई जाती है। इस प्रकार सामान्य मूल्य \*\*\* बीडीटी/एमटी बनता है।

**(iii) निर्यात कीमत**

उत्पादक/निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान सीएफआर शर्तों पर \*\*\* अमडा. (\*\*\* अमडा./एमटी) के बीजक मूल्य पर \*\*\* एमटी की मात्रा तक भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है। अंतर्देशीय भाड़ा (\*\*\* अमडा./एमटी), निकासी और अग्रेषण प्रभार (\*\*\* अमडा./एमटी), कमीशन (\*\*\* अमडा./एमटी) और बैंक प्रभारों (\*\*\* अमडा./एमटी) और \*\*\* अमडा./एमटी की सीसी पर किए गए कुल \*\*\* अमडा./एमटी के वास्तविक खर्चों के आधार पर समायोजन का दावा किया गया है। कारखाना द्वार निर्यात कीमत \*\*\* अम.डा./एमटी (\*\*\* बीडीटी/एमटी) मानी गई है।

**(iv) पाटन मार्जिन**

पाटन मार्जिन तुलना के उद्देश्य से ऊपर यथा उल्लिखित भारित औसत सामान्य मूल्य और भारित औसत निर्यात कीमत पर व्यापार के समान स्तर पर विचार किया गया था। उसका मूल्यांकन निम्नानुसार किया गया है:

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	ऋणात्मक

**5. सिडलॉ टैक्सटाइलस (बंगलादेश) लि.****i) पीयूसी और पीयूआई के व्यापार की प्रवृत्ति**

व्यापार की प्रवृत्ति पीयूसी पर एडीडी के लागू होने के बाद पीयूआई के लिए परिवर्तन को दर्शाती है।

अवधि	घरेलू बिक्रियां (सूचीबद्ध)		भारत को बिक्रियां (सूचीबद्ध)		तीसरे देशों को बिक्रियां (सूचीबद्ध)	
	पीयूसी	पीयूआई	पीयूसी	पीयूआई	पीयूसी	पीयूआई
अप्रैल 2014 से मार्च 2015	-	-	100	-	-	-
अप्रैल 2015 से मार्च 2016	-	-	95	-	-	-
अप्रैल 2016 से 4 जनवरी 2017	100	100	49	100	-	-
5 जनवरी 2017 से मार्च 2017	21	21	3	860	-	-
अप्रैल 2017 से मार्च 2018	53	31	-	3,296	100	-
पीओआई (अक्टूबर 2016 से दिसम्बर 2017)	74	138	23	2,922	100	-

**(ii) सामान्य मूल्य**

उत्पादक/निर्यातक ने घरेलू बाजार में जाँच अवधि के दौरान \*\*\* बीडीटी की कुल कीमत (औसत मूल्य बीडीटी \*\*\* प्रति एमटी) के दौरान \*\*\* एमटी जांचाधीन उत्पाद बेचा है। बिक्री की शर्तें मिल-द्वार पर नकद में हैं। कुल घरेलू बिक्री मूल्य जाँच अवधि के लिए लेखा परीक्षित लाभ और हानि खाते में दिखाई देता है। पीओआई के दौरान घरेलू बाजार में पीयूसी और पीयूआई के बीच मूल्य अंतर उचित मूल्य वर्धन को

दर्शाता है। सामान्य मूल्य की तुलना करने के लिए, व्यापार की सामान्य प्रक्रिया(ओसीटी) परीक्षण किया गया है। ओसीटी परीक्षण के प्रयोजनार्थ उत्पादन की कारखाना-द्वारा लागत पर विचार किया गया है। ओसीटी परीक्षण के आधार पर \*\*\*% बिक्री लाभदायक पाई जाती है। इस प्रकार लाभप्रद बिक्रियों के आधार पर सामान्य मूल्य \*\*\* बीडीटी/एमटी बनता है।

### (iii) निर्यात कीमत

उत्पादक/निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान सीएफआर शर्तों पर \*\*\* अमडा. (\*\*\*) अमडा./एमटी) के बीजक मूल्य पर \*\*\* एमटी की मात्रा तक भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है। अंतर्देशीय भाड़ा (\*\*\*) अमडा./एमटी), निकासी और अग्रेषण प्रभार(\*\*\*) अमडा./एमटी) और बैंक प्रभारों (\*\*\*) अमडा./एमटी) और \*\*\* अमडा./एमटी की सीसी पर किए गए कुल \*\*\* अमडा./एमटी के वास्तविक खर्चों के आधार पर समायोजन का दावा किया गया है। कारखाना द्वार निर्यात कीमत \*\*\* अम.डा./एमटी (\*\*\*) बीडीटी/एमटी) मानी गई है।

### (iv) पाटन मार्जिन

पाटन मार्जिन तुलना के उद्देश्य से ऊपर यथा उल्लिखित भारित औसत सामान्य मूल्य और भारित औसत निर्यात कीमत पर व्यापार के समान स्तर पर विचार किया गया था। उसका मूल्यांकन निम्नानुसार किया गया है:

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	ऋणात्मक

## 6. कुरीग्राम जूट प्रोसेसिंग वर्क्स

### i) पीयूसी और पीयूआई के व्यापार की प्रवृत्ति

व्यापार की प्रवृत्ति पीयूसी पर एडीडी के लागू होने के बाद पीयूआई के लिए परिवर्तन को दर्शाती है।

अवधि	घरेलू बिक्रियां (सूचीबद्ध)		भारत को बिक्रियां (सूचीबद्ध)		तीसरे देशों को बिक्रियां (सूचीबद्ध)	
	पीयूसी	पीयूआई	पीयूसी	पीयूआई	पीयूसी	पीयूआई
अप्रैल 2014 से मार्च 2015	100	-	100	100	-	-
अप्रैल 2015 से मार्च 2016	94	-	-	-	-	-
अप्रैल 2016 से 4 जनवरी 2017	49	-	-	125	-	-
5 जनवरी 2017 से मार्च 2017	24	-	-	-	-	-
अप्रैल 2017 से मार्च 2018	18	-	-	3,234	-	-
पीओआई (अक्टूबर 2016 से दिसम्बर 2017)	69	-	-	3,234	-	-

### (ii) सामान्य मूल्य

उत्पादक/निर्यातक ने जांचअवधि के दौरान न तो घरेलू बाजार में पीयूआई को बेचा है न ही भारत से इतर देशों को निर्यात किया है। इसलिए सामान्य मूल्य घरेलू बिक्री कीमत या भारत से इतर देशों को निर्यात के आधार पर ज्ञात नहीं किया जा सकता है। अतः सामान्य मूल्य के मूल्यांकन के लिए कारखाना-द्वारा सीओपी जमा तर्कसंगत लाभ को अपनाया गया है। कंपनी का समग्र लाभ \*\*\*% माना गया है, इस प्रकार सामान्य मूल्य \*\*\* बीडीटी/एमटी बनता है।

### (iii) निर्यात कीमत

उत्पादक/निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान सीएफआर शर्तों पर \*\*\* अमडा. (\*\*\*) अमडा./एमटी) के बीजक मूल्य पर \*\*\* एमटी की मात्रा तक भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है। केवल अंतर्देशीय भाड़ा पर हुए वास्तविक व्यय के आधार पर \*\*\* अमडा./एमटी तक के समायोजन का दावा किया गया है। चूंकि निर्यातक के सीएंडएफ प्रभारों और बैंक प्रभारों का दावा नहीं किया था इसलिए औसत सीएंडएफ प्रभार \*\*\*% और बैंक प्रभार \*\*\*% बीजक मूल्य (सीएफआर) के अनुसार अपनाया गया और निवल निर्यात कीमत ज्ञात करने के

लिए मानक आधार पर \*\*\* अमडा./एमटी को अलग रखा गया। कारखाना द्वारा निर्यात कीमत \*\*\* अम.डा./एमटी (\*\*\*) बीडीटी/एमटी) मानी गई है।

#### (iv) पाटन मार्जिन

पाटन मार्जिन तुलना के उद्देश्य से ऊपर यथा उल्लिखित भारित औसत सामान्य मूल्य और भारित औसत निर्यात कीमत पर व्यापार के समान स्तर पर विचार किया गया था। उसका मूल्यांकन निम्नानुसार किया गया है:

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	10-20

उक्त पाटन मार्जिन को प्रकटन के बाद की टिप्पणियों के आधार पर बाद के पैराओं में पुनः परिकलित किया गया है।

### 7. साराह कंपोजिट मिल्स लि.

#### i) पीयूसी और पीयूआई के व्यापार की प्रवृत्ति

व्यापार की प्रवृत्ति पीयूसी पर एडीडी के लागू होने के बाद पीयूआई के लिए परिवर्तन को दर्शाती है।

अवधि	घरेलू बिक्रियां (सूचीबद्ध)		भारत को बिक्रियां (सूचीबद्ध)		तीसरे देशों को बिक्रियां (सूचीबद्ध)	
	पीयूसी	पीयूआई	पीयूसी	पीयूआई	पीयूसी	पीयूआई
अप्रैल 2014 से मार्च 2015	-	-	100	-	100	100
अप्रैल 2015 से मार्च 2016	-	-	186	100	61	802
अप्रैल 2016 से 4 जनवरी 2017	-	-	49	5	98	592
5 जनवरी 2017 से मार्च 2017	-	-	-	10	32	-
अप्रैल 2017 से मार्च 2018	-	-	-	118	99	196
पीओआई (अक्टूबर 2016 से दिसम्बर 2017)	-	-	1	96	180	232

#### (ii) सामान्य मूल्य

उत्पादक/निर्यातक ने जांचअवधि के दौरान घरेलू बाजार में पीयूआई को नहीं बेचा है। तथापि उन्होंने जाँच अवधि के दौरान तीन देशों अर्थात् चीन जन. गण., दक्षिण अफ्रीका और जॉर्डन को \*\*\* एमटी जांचाधीन उत्पाद बेचे हैं। उत्पादकों/निर्यातकों की उत्पादन लागत को सत्यापित/प्रमाणित नहीं किया जा सकता है और यद्यपि पीयूआई की बिक्री भारत से इतर देशों को की गई है सामान्य मूल्य का मूल्यांकन करने की समुचित नीति सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के बीच उत्पादन की उच्चतम लागत और समग्र रूप से कंपनी के लिए ऐसे उत्पादकों/निर्यातकों का भारित औसत लाभ अर्थात् \*\*\*% को अपनाकर करने की है। सामान्य मूल्य का परिकलन \*\*\* बीडीटी/एमटी के रूप में किया जाता है।

#### (iii) निर्यात कीमत

उत्पादक/निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान कारखाना-द्वारा शर्तों पर \*\*\* अमडा. (\*\*\*) अमडा./एमटी) के बीजक मूल्य पर \*\*\* एमटी की मात्रा तक भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है। केवल कुछ बीजकों के लिए निरीक्षण प्रभार पर हुए वास्तविक व्यय के आधार पर \*\*\* अमडा./एमटी तक के समायोजन का दावा किया गया है। चूंकि निर्यातक ने बैंक प्रभारों का दावा नहीं किया था इसलिए बैंक प्रभार \*\*\*% बीजक मूल्य के अनुसार अपनाया गया और निवल निर्यात कीमत ज्ञात करने के लिए मानक आधार पर \*\*\* अमडा./एमटी को अलग रखा गया। कारखाना द्वारा निर्यात कीमत \*\*\* अम.डा./एमटी मानी गई है।

#### (iv) पाटन मार्जिन

पाटन मार्जिन तुलना के उद्देश्य से ऊपर यथा उल्लिखित भारित औसत सामान्य मूल्य और भारित औसत निर्यात कीमत पर व्यापार के समान स्तर पर विचार किया गया था। उसका मूल्यांकन निम्नानुसार किया गया है:

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	20-30

उक्त पाटन मार्जिन को प्रकटन के बाद की टिप्पणियों के आधार पर बाद के पैराओं में पुनः परिकल्पित किया गया है।

#### 8. मै. पुरबी ट्रेडिंग :

मेसर्स पुरबी ट्रेडिंग केवल एक व्यापारी है और इसलिए लागू पाटनरोधी उपाय का विस्तार संबद्ध उत्पादक से जुड़ा है।

ग) मेसर्स प्राइसवाटरहाउस कूपर्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधित्व वाले उत्पादकों / निर्यातकों के व्यापार की प्रवृत्ति में परिवर्तन और पाटन मार्जिन मूल्यांकन निम्नानुसार है:

#### 1. मेसर्स आफिल जूट वीविंग मिल्स लि.:

##### (i) व्यापार प्रवृत्ति :

प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नानुसार पीयूसी और पीयूआई के व्यापार की प्रवृत्ति पीयूसी पर एडीडी को लगाए जाने के कारण पीयूसी से पीयूआई के लिए व्यापार प्रवृत्ति में परिवर्तन को दर्शाती है :

व्यापार प्रवृत्ति - अगोपनीय (सूचीबद्ध)						
अवधि	घरेलू बिक्री		भारत को निर्यात		अन्य देश	
	पीयूसी (एमटी)	पीयूआई (एमटी)	पीयूसी (एमटी)	पीयूआई (एमटी)	पीयूसी (एमटी)	पीयूआई (एमटी)
1 अप्रैल 2014 से 31 मार्च 2015	0	0	100	100	100	100
1 अप्रैल 2015 से 31 मार्च 2016	100	0	93	173	4	7
1 अप्रैल 2016 से 4 जनवरी 2017	399	0	58	52	5	0
5 जनवरी 2017 से 31 मार्च 2017	149	0	0	137	8	0
1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018	473	0	0	520	17	0
पीओआई – शुल्क पूर्व	166	0	19	4	4	0
पीओआई – शुल्क पश्चात	534	0	0	476	25	0
पीओआई (अक्तूबर 2016 से दिसंबर 2017)	701	0	19	480	29	0

##### (ii) सामान्य मूल्य:

प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादक/निर्यातक ने घरेलू बाजार में पीयूआई को नहीं बेचा है। उत्पादक ने परिशिष्ट 7 और 8. में दिए गए आकड़े को प्रमाणित करने के लिए जाँच अवधि के लिए लाभ और हानि का लेखापरीक्षित विवरण प्रदान किया है। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का संदर्भ कंपनी के कुल लाभ अर्थात् \*\*\* प्रतिशत के साथ उत्पादन लागत के आधार पर दिया है क्योंकि लेखापरीक्षित लेखों में जाँच अवधि के दौरान जांचाधीन उत्पाद के लिए विशेष लाभप्रदता का उल्लेख नहीं है। यह उचित भी है क्योंकि लाभ वस्तु की एक ही श्रेणी पर है। सामान्य मूल्य \*\*\* बीडीटी/एमटी बनता है।

##### (iii) निर्यात कीमत:

उत्पादक/निर्यातक ने भारत को \*\*\* एमटी के कुल निर्यात और भारत के अलावा अन्य देशों को शून्य निर्यात का दावा किया है। मौके पर सत्यापन के दौरान यह समझा गया था कि निर्यातक द्वारा निर्यात खेप से पहले उनके बैंक से एक ईएक्सपी फॉर्म प्राप्त करना होता है। जाँच अवधि के दौरान जारी किए गए कुल ईएक्सपी फार्मों को प्रमाणित करते हुए संबंधित बैंक/बैंकों द्वारा जाँच अवधि के दौरान जारी किए गए सभी ईएक्सपी फॉर्म उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रदान किए गए हैं। जाँच अवधि के दौरान भारत को जांचाधीन उत्पाद का कुल निर्यात \*\*\* \$ (सीएफआर) (\*\*\* डा./एमटी) के बीजक मूल्य पर \*\*\* एमटी के रूप में चिह्नित किया गया है। अंतर्देशीय भाड़े, बैंक प्रभार और कमीशन पर निर्यात कीमत पर \*\*\* डा./एमटी, \*\*\* डा./एमटी और \*\*\* डा./एमटी की सीमा तक वास्तविक खर्चों के आधार पर समायोजन का दावा

किया गया है, जिन्हें मौके पर सत्यापन के दौरान सत्यापित किया गया था। उपरोक्त के आधार पर, जाँच अवधि के दौरान जांचाधीन उत्पाद के लिए कारखाना-द्वारा निर्यात कीमत \*\*\* अम. डा./एमटी बनती है।

#### (iv) पाटन मार्जिन की गणना:

पाटन मार्जिन का मूल्यांकन ऊपर परिकलित सामान्य मूल्य के साथ व्यापार के समान स्तर पर अर्थात् केवल ऋण लागत को शामिल करके निर्यात कीमत की तुलना द्वारा किया गया है और 7.3.2019 के प्रकटीकरण वक्तव्य में उसी का खुलासा किया।

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	कारखाना द्वारा निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	10-20

उक्त पाटन मार्जिन को प्रकटन के बाद की टिप्पणियों के आधार पर बाद के पैराओं में पुनः परिकलित किया गया है।

#### 2. मै. जोबेदा करीम जूट मिल्स लि. :

##### (i) व्यापार प्रवृत्ति:

प्राधिकारी नोट करते हैं कि निम्नानुसार पीयूसी और पीयूआई के व्यापार की प्रवृत्ति पीयूसी पर एडीडी को लगाए जाने के कारण पीयूसी से पीयूआई के लिए व्यापार प्रवृत्ति में परिवर्तन को दर्शाती है :

व्यापार प्रवृत्ति - अगोपनीय (सूचीबद्ध)						
अवधि	घरेलू बिक्री		भारत को निर्यात		अन्य देश	
	पीयूसी (एमटी)	पीयूआई (एमटी)	पीयूसी (एमटी)	पीयूआई (एमटी)	पीयूसी (एमटी)	पीयूआई (एमटी)
1 अप्रैल 2014 से 31 मार्च 2015	0	0	0	0	0	0
1 अप्रैल 2015 से 31 मार्च 2016	100	0	100	0	100	0
1 अप्रैल 2016 से 4 जनवरी 2017	218	0	89	0	1691	100
5 जनवरी 2017 से 31 मार्च 2017	192	0	12	100	822	0
1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018	49	0	0	0	0	1468
पीओआई – शुल्क पूर्व	99	0	0	0	1691	100
पीओआई – शुल्क पश्चात	227	0	12	100	822	944
पीओआई (अक्तूबर 2016 से दिसंबर 2017)	326	0	12	100	2513	1044

##### (ii) सामान्य मूल्य:

प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादक/निर्यातक ने घरेलू बाजार में पीयूआई को नहीं बेचा है। उत्पादक ने परिशिष्ट 7 और 8. में दिए गए आकड़े को प्रमाणित करने के लिए जाँच अवधि के लिए लाभ और हानि का लेखापरीक्षित विवरण प्रदान किया है। प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का संदर्भ कंपनी के कुल लाभ अर्थात् \*\*\* प्रतिशत के साथ उत्पादन लागत के आधार पर दिया है क्योंकि लेखापरीक्षित लेखों में जाँच अवधि के दौरान जांचाधीन उत्पाद के लिए लाभप्रदता का अलग उल्लेख नहीं है। यह उचित भी है क्योंकि लाभ वस्तु की एक ही श्रेणी पर है। सामान्य मूल्य \*\*\* बीडीटी/एमटी बनता है।

##### (iii) निर्यात कीमत:

उत्पादक/निर्यातक ने भारत को \*\*\* एमटी के कुल निर्यात और भारत के अलावा अन्य देशों को \*\*\* एमटी के निर्यात का दावा किया है। मौके पर सत्यापन के दौरान यह समझा गया था कि निर्यातक द्वारा निर्यात खेप से पहले उनके बैंक से एक ईएक्सपी फॉर्म प्राप्त करना होता है। जाँच अवधि के दौरान जारी किए गए कुल ईएक्सपी फार्मों को प्रमाणित करते हुए संबंधित बैंक/बैंकों द्वारा जाँच अवधि के दौरान जारी किए गए सभी ईएक्सपी फॉर्म उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रदान किए गए हैं। जाँच अवधि के दौरान भारत को जांचाधीन उत्पाद का कुल निर्यात \*\*\* डा. (सीएफआर) (\*\*\* डा./एमटी) के बीजक मूल्य पर \*\*\* एमटी के रूप में चिह्नित किया गया है। अंतर्देशीय परिवहन और

बैंक प्रभार पर निर्यात कीमत पर \*\*\* डा./एमटी और \*\*\* डा./एमटी की सीमा तक वास्तविक खर्चों के आधार पर समायोजन का दावा किया गया है, जिन्हें मौके पर सत्यापन के दौरान सत्यापित किया गया था। उपरोक्त के आधार पर, जाँच अवधि के दौरान जांचाधीन उत्पाद के लिए कारखाना-द्वारा निर्यात कीमत \*\*\* अम. डा./एमटी बनती है।

#### (iv) पाटन मार्जिन की गणना:

पाटन मार्जिन का मूल्यांकन ऊपर परिकलित सामान्य मूल्य के साथ व्यापार के समान स्तर पर निर्यात कीमत की तुलना द्वारा किया गया है और 7.3.2019 के प्रकटीकरण वक्तव्य में उसी का खुलासा किया।

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	कारखाना द्वारा निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	10-20

उक्त पाटन मार्जिन को प्रकटन के बाद की टिप्पणियों के आधार पर बाद के पैराओं में पुनः परिकलित किया गया है।

**घ) मै. ट्रेकोलीगल – एडवोकेट्स एंड कंसल्टेंट्स के प्रतिनिधित्व वाले उत्पादकों / निर्यातकों के व्यापार की प्रवृत्ति में परिवर्तन और पाटन मार्जिन मूल्यांकन निम्नानुसार है:**

#### 1. मै. जूट टेक्सटाइल मिल्स लिमिटेड :

##### i) पीयूसी और पीयूआई के व्यापार की प्रवृत्ति :

व्यापार की प्रवृत्ति पीयूसी पर एडीडी के लागू होने के बाद पीयूआई के लिए परिवर्तन को दर्शाती है।

#### व्यापार प्रवृत्ति – अगोपनीय (सूचीबद्ध)

अवधि	घरेलू बिक्री		भारत को निर्यात		अन्य देश	
	पीयूसी (एमटी)	पीयूआई (एमटी)	पीयूसी (एमटी)	पीयूआई (एमटी)	पीयूसी (एमटी)	पीयूआई (एमटी)
1 अप्रैल 2014 से 31 मार्च 2015	0	0	100	0	0	0
1 अप्रैल 2015 से 31 मार्च 2016	0	0	388.08	0	0	0
1 अप्रैल 2016 से 4 जनवरी 2017	0	0	143.00	0	100	0
5 जनवरी 2017 से 31 मार्च 2017	0	0	0	0	109.53	100
1 अप्रैल 2017 से 31 मार्च 2018	0	0	0	100.00	198.93	1365.38
पीओआई (अक्तूबर 2016 से दिसंबर 2017)	0	0	46.98	59.65	356.34	1176.10

#### (ii) सामान्य मूल्य:

उत्पादक/निर्यातक ने घरेलू बाजार में जाँच अवधि के दौरान जांचाधीन उत्पाद नहीं बेचा है। हालाँकि, उत्पादक/निर्यातक ने जाँच अवधि के दौरान भारत के अलावा अन्य देशों को जांचाधीन उत्पाद को बेचा है। सामान्य मूल्य की गणना एक उचित लाभ के साथ उत्पादन की लागत पर की जाती है। प्राधिकारी ने मानक \*\*\*% या कंपनी के समग्र लाभ जो भी अधिक है के आधार पर लाभ मार्जिन को अपनाया है। सामान्य मूल्य \*\*\* बीडीटी/एमटी बनता है।

#### (iii) निर्यात कीमत:

उत्पादक/निर्यातक ने पीओआई के दौरान \*\*\* बीडीटी/एमटी के सकल बीजक मूल्य पर भारत में \*\*\* मीट्रिक टन पीयूसी का निर्यात किया है। सामान्य मूल्य की तुलना के लिए उचित माने जाने वाली निर्यात कीमत \*\*\* बीडीटी/एमटी बनती है।

#### (iv) पाटन मार्जिन:

प्राधिकारी ने व्यापार के समान स्तर पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना करके पाटन मार्जिन का मूल्यांकन किया है और 7.3.2019 के प्रकटीकरण वक्तव्य में उसी का खुलासा किया। पाटन मार्जिन निम्नानुसार है:

सामान्य मूल्य (बीडीटी/एमटी)	निवल निर्यात कीमत (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (बीडीटी/एमटी)	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन (% रेंज)
***	***	***	***	10-20

उक्त पाटन मार्जिन को प्रकटन के बाद की टिप्पणियों के आधार पर बाद के पैराओं में पुनः परिकलित किया गया है।

#### ख. असहयोगी उत्पादक/निर्यातक/अन्य श्रेणी

##### 1. बंगलादेश जूट मिल कार्पोरेशन (बीजेएमसी), वस्त्र मंत्रालय के अधीन जूट मिलें

**मै. जटियो जूट मिल्स लि., मै. लतीफबावनी जूट मिल्स लि. और मेसर्स हाफिज जूट मिल्स लि.** जिन्होंने प्रश्नावली के उत्तर दिए परंतु मौके पर सत्यापन, जिसमें किसी मिल ने सहयोग नहीं किया, में समर्थक और अतिरिक्त आकड़े प्रस्तुत नहीं किये। उत्तरों के अवलोकन से यह नोट किया जाता है कि इन तीनों मिलों ने जाँच अवधि के दौरान भारत को जांचाधीन उत्पाद का निर्यात किया है और पाटनरोधी शुल्क के विचाराधीन उत्पाद पर लागू होने के बाद पीयूआई से जांचाधीन उत्पाद के व्यापार की प्रवृत्ति में बदलाव भी देखा गया है। मेसर्स ईस्टर्न जूट मिल्स लि. एक बीजेएमसी मिल, ने ईमेल के जरिए भारत में पीयूआई के निर्यात पर परस्पर विरोधी आकड़ों के साथ अपूर्ण प्रतिक्रिया दायर की, जिसमें कोई भी हस्ताक्षरित प्रतिलिपि नहीं है। प्राधिकारी ने इन उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सहयोगी उत्पादकों / निर्यातकों के बीच उच्चतम सामान्य मूल्य/पाटन मार्जिन को ध्यान में रखते हुए सर्वोत्तम उपलब्ध जानकारी का संदर्भ देते हुए नियम 6 (8) लागू किया है।

##### 2. मेसर्स अलीजान जूट मिल्स लि. और मेसर्स सोनाली आंश इंडस्ट्रीज लि. (संबंधित कंपनियां)

उपरोक्त उत्पादकों/निर्यातकों ने सामान्य मूल्य के मूल्यांकन के लिए बैकअप दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए हैं। मेसर्स सोनाली आंश ने भारत को पीयूआई का निर्यात नहीं किया, परंतु मेसर्स अलीजान जूट मिल्स लिमिटेड से संबंधित है। और इसलिए इन्हें एकल इकाई के रूप में माना गया है। प्राधिकारी ने उपरोक्त उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सहयोगी उत्पादक/निर्यातक के बीच उच्चतम सामान्य मूल्य/पाटन मार्जिन पर सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के उल्लेख वाला नियम 6 (8) लागू किया है। इसके अलावा, चूंकि जाँच अवधि के दौरान जांचाधीन उत्पाद की निर्यात कीमत प्रदान की गई है, इसलिए पाटन मार्जिन का मूल्यांकन तुलनात्मक मूल्य के स्तर पर व्यापार के समान स्तर की तुलना द्वारा किया गया है। जाँच अवधि के दौरान भारत को जांचाधीन उत्पाद के लिए सकल निर्यात कीमत \*\*\* डा./एमटी (\*\*\* बीडीटी/एमटी) माना जाता है। पाटन मार्जिन (20-30%) की सीमा तक ज्ञात किया गया है।

##### 3. मेसर्स मिर्जा जूट मिल्स लि. और मेसर्स ग्लोरी जूट लि.

उपरोक्त उत्पादकों/निर्यातकों ने सामान्य मूल्य के आकलन के लिए बैकअप दस्तावेज प्रदान नहीं किए हैं। प्राधिकारी ने इन उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सहयोगी उत्पादक/निर्यातक के बीच उच्चतम सामान्य मूल्य/पाटन मार्जिन पर सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के उल्लेख वाला नियम 6 (8) लागू किया है। तथापि, चूंकि जाँच अवधि के दौरान जांचाधीन उत्पाद की सकल निर्यात कीमत प्रदान की गई है, इसलिए पाटन मार्जिन का मूल्यांकन व्यापार के समान स्तर की तुलना सुनिश्चित करते हुए अपनाये गए सामान्य मूल्य के साथ सकल स्तर पर निर्यात कीमत की तुलना द्वारा किया गया है। भारत को जांचाधीन उत्पाद का सकल निर्यात कीमत मै. मिर्जा जूट मिल्स लिमिटेड के लिए \*\*\* डा./एमटी (\*\*\* बीडीटी/एमटी) और मेसर्स ग्लोरी जूट लिमिटेड के लिए \*\*\* डा./एमटी (\*\*\* बीडीटी/एमटी) के रूप में माना गया है। पाटन मार्जिन का मूल्यांकन मेसर्स मिर्जा जूट मिल्स लिमिटेड और मेसर्स ग्लोरी जूट लि. दोनों के लिए 30-40% की रेंज में किया गया है।

##### 4. मेसर्स अहयन जूट मिल्स लिमिटेड, मेसर्स राजबारी जूट मिल्स लिमिटेड, मेसर्स नॉर्दन जूट मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड, मेसर्स इंटरलिक इंटरनेशनल, मेसर्स साउथ ट्रेड इंटरनेशनल और मेसर्स आर.एम.जूट

उपरोक्त उत्पादकों/निर्यातकों ने इस जाँच में जाँच अवधि के दौरान जांचाधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है। फिर भी इन कंपनियों (उत्पादक या निर्यातक जैसा भी मामला हो) द्वारा मूल जांच में यथा लागू संगत श्रेणी के अधीन विशिष्ट एडीडी को शामिल करते हुए निर्यात हो सकता है या यदि लागू हो तो न्यू शिपर समीक्षा के जरिए विशिष्ट मूल्यांकन हो सकता है। चूंकि विशिष्ट पाटन मार्जिन का मूल्यांकन नहीं हो सकता है इसलिए प्राधिकारी ने इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि देश के स्तर पर परिवर्चना देखी गई है ऐसे उत्पादकों/निर्यातकों को अवशिष्ट श्रेणी में रखा है और इसके अलावा यह मानते हैं कि पीयूआई के संबंध में ऐसी संस्थाएं यदि वे चाहें, तो भारत को उनके पीयूआई के निर्यात के उचित मूल्यांकन के लिए नियम 28 के अधीन समीक्षा के लिए प्राधिकारी से संपर्क कर सकती हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह मेसर्स आर.एम. जूट ने अनुरोध किया है कि उन्होंने जाँच अवधि के दौरान जांचाधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है और उनके मामले में व्यापार पैटर्न में कोई बदलाव नहीं हुआ है। प्राधिकारी का मानना है कि देश के स्तर पर व्यापार प्रवृत्ति में बदलाव देखा जाता है और यदि पीयूआई का निर्यात पीओआई में नहीं होता है, तो समीक्षा प्रावधान उपलब्ध है। इसके अलावा नान-सेकिंग वैग रूपांतरण आवेदन में यदि ऐसा माना जाता है तो बोनाफाइड उपयोग के लिए किए गए किसी भी निर्यात को मौजूदा उपाय के विस्तार

से छूट दी जाती है। मेसर्स सोनाली जूट मिल्स लि, ने मौके पर सत्यापन में भाग नहीं लिया और इसलिए उन्हें असहयोगी श्रेणी के रूप में माना जाता है।

41. नियम 6 (8) के प्रावधानों के अनुसार, प्राधिकारी ने उत्पादक/निर्यातक की असहयोगी श्रेणी के लिए सहयोगी निर्यातक के बीच सर्वोच्च सामान्य मूल्य/ उच्चतम डंपिंग मार्जिन अपनाया है।

#### **ज. मौजूदा पाटनरोधी उपायों और घरेलू उद्योग पर परिवर्चना के प्रभाव का आकलन**

##### **ज.1 निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षों/अन्य पक्षों के अनुरोध**

42. अन्य हितबद्ध पक्षों द्वारा पाटन रोधी उपायों पर परिवर्चना के प्रभाव के संबंध में निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं जो निम्नानुसार हैं-

- i. याचिकाकर्ता ने लिखित अनुरोध में गलत विवरण दिया है कि सेकिंग कपड़े के लिए आयात कीमत सेकिंग बैग की आयात कीमत से काफी कम है। विचाराधीन उत्पाद (जूट सेकिंग बैग) के लिए आयात कीमत लिखित रूप में याचिकाकर्ता द्वारा बताई गई

अवधि	सेकिंग बैग दर रुपये/एमटी	सेकिंग क्लाथ दर रुपये/एमटी
पीओआई	59,616	61,362

आयात कीमत से अधिक है, जैसा कि नीचे दिखाया गया है:

- ii. डिक्लोफेनाक सोडियम (डीएफएस) के संबंध में 15 फरवरी, 2017 को चीन जन गण के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "इंडोलिनोन", "डीएफएस" का एक अधूरा रूप, के आयात द्वारा मौजूदा पाटनरोधी शुल्क की परिवर्चना के मामले में, प्राधिकारी ने यह सिफारिश करने से पहले क्षति के मापदंडों का विश्लेषण किया है कि परिवर्चना उत्पाद (इंडोलिनोन) ने परिवर्चित उत्पाद (डिक्लोफेनाक सोडियम) पर लगाए गए शुल्क को निष्प्रभावी कर दिया है।
- iii. आवेदक ने अपने दावे को प्रमाणित करने के लिए मूल आवेदन में कोई विवरण नहीं दिया है कि परिवर्चना ने शुल्क को अप्रभावी बना दिया है। आवेदक ने कीमत कम करने के बारे में कोई आकड़े नहीं दिये हैं। आवेदक ने संशोधित आवेदन के 4.2 पर सिर्फ एक खोखला दावा किया है।
- iv. हमारे इस अनुरोध के प्रति पूर्वाग्रह के बिना कि अंतिम चरण में आवेदक द्वारा प्रस्तुत संशोधित आवेदन को ध्यान में नहीं रखा जा सकता है, प्रतिवादी अनुरोध करता है कि कथित परिवर्चना ने विचाराधीन उत्पाद पर लागू शुल्क को अप्रभावी नहीं किया है। हमारे दावे को प्रमाणित करने के लिए, प्राधिकारी का ध्यान उत्पाद से संबंधित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार करने के लिए आमंत्रित किया गया है (संशोधित आवेदन का अनुबंध क - भाग II) जो हमारे दावे की पुष्टि करता है कि कथित परिवर्चना ने विचाराधीन उत्पाद पर लगाये गये शुल्क को अप्रभावी नहीं किया है:

क) जाँच अवधि-क के दौरान क्षमता 2014-15 से 100 (सूचीबद्ध) से बढ़कर 102 (सूचीबद्ध) हो गई है।

ख) जाँच अवधि-क के दौरान उत्पादन में 2014-15 के दौरान 100 (सूचीबद्ध) से 122 (सूचीबद्ध) की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

ग) जाँच अवधि-क के दौरान क्षमता उपयोग 2014-15 के दौरान 100 (सूचीबद्ध) से बढ़कर 119 (सूचीबद्ध) हो गया है।

घ) जाँच अवधि-क के दौरान बिक्री की मात्रा 2014-15 के दौरान 100 (सूचीबद्ध) से काफी बढ़ कर 116 (सूचीबद्ध) हो गई।

ङ) जाँच अवधि-क के दौरान घरेलू बिक्री में 2014-15 के दौरान 100 (सूचीबद्ध) से 114 (सूचीबद्ध) की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

च) जाँच अवधि-क के दौरान प्रति दिन उत्पादकता में 2014-15 के दौरान 100 (सूचीबद्ध) से काफी बढ़कर 121 (सूचीबद्ध) हो गई है।

छ) पीवीटी प्रति इकाई - घरेलू बिक्री 2014-15 के दौरान नकारात्मक 100 (सूचीबद्ध) से पीओआई-ए के दौरान नकारात्मक 90 (सूचीबद्ध) का सुधार हुआ।

ज) पीवीआईटी 2014-15 के दौरान 100 (सूचीबद्ध) से बढ़कर जाँच अवधि-क के दौरान 693 (सूचीबद्ध) हो गया है।

झ) पीओआई-ए के दौरान नकद लाभ 2014-15 के दौरान नकारात्मक 100 (सूचीबद्ध) से बढ़कर 2,207 (सूचीबद्ध) हो गया।

ञ) पीवीआईटी में 2014-15 के दौरान 100 (सूचीबद्ध) से औसत सीई के % के रूप जाँच अवधि-ए के दौरान 646 (सूचीबद्ध) की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

- v. हमारे दावे को और अधिक पुष्ट करने के लिए कि उत्पाद परिवर्चना के मामले सहित सभी मामलों में यह सिद्ध करना अनिवार्य है कि लगाए गए पाटन रोधी शुल्क के उपचारात्मक प्रभाव को न्यूनतम या अप्रभावी कर दिया गया है, प्राधिकारी का ध्यान *डिक्लोफेनाक सोडियम (डीएफएस) के संबंध में (अंतिम जांचपरिणाम सं 14/22/2014-डीजीएडी 15 फरवरी, 2017) को चीन जन गण के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "इंडोलिनोन", "डीएफएस" का एक अधूरा रूप, के आयात द्वारा मौजूदा पाटनरोधी शुल्क की परिवर्चना के मामले में, परिवर्चना रोधी जांचकी ओर दिलाया जाता है। प्राधिकारी ने यह सिफारिश करने से पहले क्षति के मापदंडों का विश्लेषण किया है कि परिवर्चना उत्पाद (इंडोलिनोन) ने परिवर्चित उत्पाद (डिक्लोफेनाक सोडियम) पर लगाए गए शुल्क को निष्प्रभावी कर दिया है।*
- vi. डीआई द्वारा प्रस्तुत क्षति संबंधी आंकड़ों से पता चलता है कि दोनों बैग और कपड़े पर डीआई का कार्य निष्पादन पिछले कुछ वर्षों में अच्छा रहा है और क्षति के कथित दावे निराधार हैं। यह आगे दिखाता है कि शुल्क के उपचारात्मक प्रभाव को कम नहीं किया गया था।
- vii. सैकिंग बैग में डीआई के प्रदर्शन से पता चलता है कि i) इस तरह के क्षमता, क्षमता का उपयोग, उत्पादन, बिक्री और निर्यात जैसे मापदंडों में क्षति अवधि के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई दी है जिससे घरेलू उद्योग के स्वस्थ स्थिति से पता चलता है। ऐसे कार्यनिष्पादन से वास्तव में आवेदकों द्वारा आयात के कारण हुई क्षति के आरोप ध्वस्त हो जाते हैं। ii) कीमत संबंधी मापदंडों के अनुसार बिक्री कीमत में वृद्धि लागू में वृद्धि से अधिक थी जिससे डीआई पर कीमत ह्रासकारी प्रभाव की संभावना नहीं रहती। वास्तव में डीआई के प्रदर्शन के अनुसार पीओआई की तिमाहियों के दौरान लाभप्रदता में सुधार हुआ है। iii) यहां तक कि लाभ के मापदंडों जैसे कि नकद लाभ, पीबीआईटी, आरओसी ने पीओआई के दौरान उत्कृष्ट सुधार दिखाया जो एडीडी के लागू होने के बाद भी डीआई द्वारा उठाई जा रही किसी क्षति की संभावना को समाप्त करता है। iv) यह नोट किया जाए कि डीआई की ब्याज लागत में भारी वृद्धि हुई है और उच्च ब्याज लागत के कारण किसी संकट के लिए आयातों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। और v) इसके अलावा, बाजार हिस्से में गिरावट के परिणामस्वरूप सैकिंग बैग के आयात में गिरावट आई है और कीमतों में भी काफी वृद्धि हुई है। इस प्रकार, सैकिंग बैग के आयात से डीआई पर कोई दबाव पैदा हो रहा है।
- viii. सैकिंग कपड़े में डीआई के प्रदर्शन से पता चलता है कि i) सैकिंग कपड़े का आयात जारी रहा और कीमत में पर्याप्त वृद्धि के साथ बढ़ा। मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ-साथ आयात में वृद्धि से डीआई पर कोई हानिकारक प्रभाव नहीं पड़ा है। उपयोगकर्ता अधिक से अधिक भुगतान करने के लिए तैयार थे जो भारत में कपड़े की मांग को दर्शाता है। अगर यह निर्यातकों द्वारा अधिक वस्तु पाटित करने की कोशिश करने का मामला होता, तो कीमतों में काफी कमी आ जाती, ii) कपड़े को सैकिंग करने के संबंध में डीआई के मात्रा संबंधी मापदंडों में जाँच अवधि के दौरान कुछ गिरावट दिखाई दी। तथापि, इस तथ्य को देखने की जरूरत है कि अंत में डीआई ने सैकिंग बैग ने बेहतर लाभप्रदता के साथ जबरदस्त वृद्धि दिखाई है। यह मानना है कि डीआई ने सैकिंग बैग पर अधिक ध्यान केंद्रित किया। चूंकि ये किस्में स्वतंत्र उत्पाद नहीं हैं, यद्यपि, डीआई को मूल मामले से सैकिंग कपड़े को जाँच से बाहर रखने का विकल्प रखा था तथापि सभी प्रकारों पर समान वृद्धि की उम्मीद वास्तविक नहीं हो सकती है, और iii) पीओआई के दौरान सैकिंग क्लार्थ की लाभप्रदता की स्थिति में सुधार हुआ है जैसा कि डीआई द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों से देखा जा सकता है। अधिकतम नुकसान जाँच अवधि के दौरान नहीं हुआ था और जाँच अवधि की स्थिति में क्षति अवधि के दौरान में सुधार दिखाई दिया।
- ix. शुल्क के विस्तार की आवश्यकता नहीं है क्योंकि डीआई पीड़ित नहीं है क्योंकि डीआई को प्रभावित करने वाले कारक अन्य हैं। नीचे दिए गए बिंदु बताते हैं कि संकट का कारण, यदि कोई हो, तो डीआई के लिए पीयूआई के आयात के अलावा कुछ और है और बैगों पर किसी भी तरह का शुल्क विस्तार बिल्कुल अनुचित है;
- क. डीआई 50 किग्रा का बैग बनाता है जबकि आयात 100 किग्रा. बैग का होता है। प्रति किलो के हिसाब से कच्ची सामग्री की लागत में अंतर है 100 किलोग्राम बैग की तुलना में 50 किलोग्राम बैग में महीन और महंगी आरएम का उपयोग होता है। आयात से क्षति का निर्धारण करने के लिए किसी भी तुलना में इस तथ्य पर विचार किया जाना चाहिए।
- ख. भारतीय चीनी मिल संघ (आईएसएमए) के अनुसार सभी चीनी बैगों को केवल 50 किग्रा बैग पर पैक करने की आवश्यकता है। चीनी क्षेत्र को की मांग को केवल भारतीय उत्पादकों द्वारा पूरा किया जाता है क्योंकि आयात केवल 100 किलोग्राम बैग का होता है। इससे पता चलता है कि डीआई को इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में आयातित उत्पाद से किसी सीधी प्रतिस्पर्धा का सामना नहीं करना पड़ता है जिससे स्वयं को क्षति के आरोप से पता चलता है कि आयात के लिए कोई सांठगांठ नहीं है।
- ग. भारतीय डीआई सरकारी आदेशों को पूरा करने में असमर्थ है, कुछ कंपनियों को सरकार द्वारा आदेश को पूरा नहीं करने पर ब्लैकलिस्ट किया जाता है। डीआई को इसके कारणों को स्पष्ट करना चाहिए। वस्तु की आपूर्ति में डीआई की विफलता से हुई किसी क्षति का आरोप आयात पर नहीं लगाया जा सकता।

- घ. जूट आयोग डीआई के लिए मूल्य तय करता है और वे जूट आयोग द्वारा तय कीमत से अधिक पर नहीं बेच सकते हैं। डीआई की लगभग सभी बिक्री जूट कमीशन के लिए है। इसलिए डीआई को कोई क्षति चाहें बैग या क्लार्थ हो जूट कमीशन के माध्यम से कीमत निर्धारण तंत्र के कारण है और कथित रूप से पाटित आयात के कारण नहीं है।
- ङ. मुक्त बाजार की मांग का केवल 10% तक डीआई पूरा करता है। इसलिए, मुक्त बाजार की बिक्री पर आधारित डीआई को हुई किसी क्षति को डीआई की मुक्त बाजार की बिक्री के आधार पर परिकलित किया जाना चाहिए और कुल बिक्री पर।
- च. जूट आयोग की अधिसूचना के अनुसार, 80% खाद्यान्न को जूट के थैलों में पैक करने की आवश्यकता है। हालांकि, निजी कंपनियां इस आदेश को लागू नहीं कर रही हैं। इसलिए, यह बाजार प्लास्टिक की थैलियों द्वारा ले लिया जा रहा है। डीआई इस आदेश को लागू करने के लिए सरकार पर जोर नहीं दे रहा है।
- छ. कपड़े से थैले तक निम्नलिखित प्रक्रिया शामिल है अर्थात् काटना, सिलाई, बैलिंग और पैकिंग। ऐसी निर्माण प्रक्रिया कई वर्षों से प्रचलित है और पाटनरोधी शुल्क लगाने से पहले ही शुरू हो गई थी। बल्कि, ऐसी प्रक्रिया का पाटनरोधी शुल्क से कोई संबंध नहीं है। यह समझा जाता है कि भारत में यह उद्योग 2000 से अधिक कर्मचारियों को रोजगार देता है। यदि पहले पीयूसी के दायरे से स्पष्ट रूप से बाहर रखे गये बैगों पर शुल्क को परिवर्चना के तरीके को अपनाकर बढ़ा दिया जाता है तो ये श्रमिकों बेरोजगार हो जाएंगे।
- x. क्लार्थ के आयात के कारण क्षति संबंधी दलील आधारहीन है और पीयूआई के आयात और डीआई के किसी भी कथित संकट के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।
- xi. ऊपर दी गई जानकारी से, निम्नलिखित तथ्य उभर कर आते हैं:
- क) जाँच अवधि के दौरान जूट के सेकिंग बैग महत्वपूर्ण मात्रा में आयात किए गए थे। अन्य देशों से जूट के बोरी का आयात जूट के बोरी के कुल आयात का 69% है।
- ख) बांग्लादेश से आए जूट के सेकिंग क्लार्थ के आयात का लगभग 70% हिस्सा अन्य देशों के जूट सेकिंग बैग्स का आयात है।
- ग) बांग्लादेश से आए जूट के सेकिंग क्लार्थ के आयात के सीआईएफ मूल्य की तुलना में जूट के सेकिंग बैग (8% से अधिक) के आयात का सीआईएफ मूल्य काफी कम है।
- xii. परिवर्चना से पाटनरोधी शुल्क का उपचारात्मक प्रभाव कम नहीं हुआ है। उत्पादन, बिक्री, क्षमता उपयोग, विक्रय मूल्य, पीवीआईटी और आरओआई सभी में सुधार हुआ है।
- xiii. परिवर्चना के माध्यम से पाटनरोधी शुल्क के उपचारात्मक प्रभाव को कम करना हर परिवर्चना मामले में दिखाया जाना आवश्यक है। इंडोलिनोन केस का संदर्भ दिया गया है।
- xiv. पाटन रोधी शुल्क के उपचारात्मक प्रभावों को कम करने पर कोई साक्ष्य नहीं दिया गया है। इस तरह के उत्पादों की कीमतों पर याचिका में कोई जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई है।

## **ज.2 घरेलू उद्योग के अनुरोध**

43. पाटन रोधी उपायों की परिवर्चना के प्रभाव के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं-
- आवश्यकता केवल इस बात की जांच करने के लिए है कि क्या लगाया गया एडीडी अप्रभावी हो गया है।
  - जूट के थैले के स्थान पर निर्यातित जूट के कपड़े से शुल्क निष्प्रभावी हो रहा है और अप्रभावी होने वाले शुल्क की मात्रा लगभग \*\*\* रुपये/एमटी है। जूट के सेकिंग बैग की पहुंच कीमत के साथ एडीडी की तुलना के साथ-साथ जूट सेकिंग क्लार्थ के रूप में आयात से जूट सेकिंग बैग की ज्ञात कीमत के साथ की गई है और ( बाद के मूल्य संवर्धन पर विचार किया गया है।
  - शुल्क लगाए जाने के बाद से, सेकिंग कपड़े का आयात तेज हो गया और उसने बोरी बैग के आयात पर कब्जा कर लिया है। शुल्क लगाने से पहले, सेकिंग कपड़े का आयात सीमांत था। मूल मामले के पीओआई में सेकिंग कपड़े का आयात लगभग 3000 मीट्रिक टन था और वर्तमान में पीओआई लगभग 39000 मीट्रिक टन है। 2014-15 में सेकिंग बैग का आयात लगभग 35,000 मीट्रिक टन था जो 2015-16 में बढ़कर 60,000 मीट्रिक टन हो गया, जो वर्तमान मामले के पीओआई में घटकर 13,000 मीट्रिक टन रह गया। जूट बैग से लेकर जूट के कपड़े तक पूरी तरह से बदलाव किया गया है।
  - वर्तमान जांच में, जूट के बोरी बैग के आयात में अचानक सुधार हुआ और कपड़े के आयात में थोड़ी गिरावट आई। मार्च 2018 में सेकिंग बैग के आयात का प्रतिशत 5% था, जो जांच शुरूआत के बाद अप्रैल 2018 में तेजी से बढ़कर 48% हो गया है।
  - पीयूआई की कीमतों से प्राप्त पीयूसी का पहुंच मूल्य एडीडी के साथ भी आयातित पीयूसी की कीमतों के मुकाबले बहुत कम है। वास्तव में, पीयूआई से प्राप्त पीयूसी का पहुंच मूल्य शुल्क के लागू होने से पहले आयात किए जाने वाले पीयूसी के स्तरों से काफी नीचे है। इससे शुल्क निष्प्रभावी हो गया है।

- vi. व्युत्पन्न विचाराधीन उत्पाद एक महत्वपूर्ण मार्जिन द्वारा विचाराधीन उत्पाद के विक्रय मूल्यों को कम कर रहा है।
- vii. पाटन मार्जिन काफी अधिक है और न्यूनतम स्तर से ऊपर है।
- viii. अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आई एल ओ) की सिफारिश है कि श्रमिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए मैनुअल लोडिंग और अनलोडिंग ऑपरेशन को 50 किलोग्राम तक सीमित रखा जाना चाहिए। 50 किलो से अधिक लोड को मशीनीकृत प्रक्रिया के माध्यम से उठाने की सिफारिश की गई है। इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार और राज्य खरीद एजेंसियों द्वारा की गई खरीद 50 किलोग्राम के बैग के लिए है। निजी क्षेत्र के लिए 50 किग्रा बैग का उपयोग केवल निदेश है और वे अपनी पसंद के आधार पर 100 किग्रा बैग का उपयोग करने के लिए स्वतंत्र हैं। इस प्रकार सरकार को की गई बिक्री केवल 50 किलोग्राम की है और खुले बाजार में की गई बिक्री में बड़े पैमाने पर 100 किलोग्राम बैग शामिल हैं। इस प्रकार, यह दलील कि वजन के मामले में बाजार का भिन्नता है, गलत है।

### ज. 3 प्राधिकारी द्वारा जाँच

44. नियम 25 के स्पष्टीकरण में निम्नानुसार प्रावधान है :

*स्पष्टीकरण - इस उप-नियम के प्रयोजनों के लिए, यह सिद्ध किया जाएगा कि यदि निम्नलिखित शर्तों को संतुष्ट किया जाता है, तो व्यापार प्रक्रिया, व्यापार की प्रवृत्ति या बिक्री की शृंखला में बदलाव आया है:*

*(क) पाटनरोधी शुल्क लगाने के अलावा, किसी औचित्य, आर्थिक या अन्यथा की अनुपस्थिति;*

*(ख) यह साक्ष्य कि पाटनरोधी शुल्कों के उपचारात्मक प्रभाव को **कीमत और या समान उत्पादों की गुणवत्ता के अनुसार** कम किया जाता है।*

45. पीयूआई की कीमत के संबंध में, प्राधिकारी ने जांच की है कि क्या यथा सत्यापित उत्पादकों/निर्यातकों के आकड़ों के आधार पर पीयूआई का पाटन हुआ है। इसके अलावा उत्पादक/निर्यातक विशिष्ट आंकड़ों के अलावा, पीयूसी और पीयूआई के समग्र व्यापार के लिए डीजीसीआईएंडएस के आकड़ों का संदर्भ लिया गया है।
46. परिवर्चना रोधी जांच में एक अनिवार्य पहलू लागू पाटनरोधी शुल्क के उपचारात्मक प्रभाव को कम किये जाने को सिद्ध करना है। जिस तरह से और जिस सीमा तक परिवर्चित उत्पाद लागू शुल्क को कम कर रहा है और इस प्रकार से ऐसे शुल्क को अनावश्यक बना रहा है उसका विश्लेषण महत्वपूर्ण है। प्राधिकारी ने जांच की है कि क्या पाटनरोधी शुल्कों के उपचारात्मक प्रभाव संबद्ध देश से पीयूआई के आयातों में वृद्धि द्वारा व्यापार में बदलाव के प्रभाव के कारण बाजार में हिस्सेदारी और कीमत ह्रास के अनुसार कम हो रहा है।
47. इस तर्क के संबंध में कि डीआई केवल 50 किग्रा बैग का उत्पादन करता है, जबकि आयात 100 किलो बैग के होते हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग सरकारी आदेश के लिए और खुले बाजार में आपूर्ति के लिए 50 किलो और 100 किलो दोनों के बैग बनाता है। उपचारात्मक प्रभाव में कमी को खुले बाजार के लिए माना जाता है।
48. हितवद्ध पक्षों की दलील है कि परिवर्चना जांच में घरेलू उद्योग के लिए क्षति जाँच किए जाने की आवश्यकता है जैसा डीएफएस के मामले में किया गया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विस्तृत क्षति जाँच मूल जांच में की गई है किसी परिवर्चना रोधी जांच में लागू पाटनरोधी शुल्क के कम प्रभाव का आकलन किया जाता है। यहां तक कि डीएफएस के उद्धृत परिवर्चना रोधी मामले में, प्राधिकारी ने विभिन्न मापदंडों के बारे में जानकारी इकट्ठी की थी, और विशेष रूप से पीयूसी पर लगाए गए एडी शुल्क के प्रभाव को कम करने के लिए जांच के लिए कीमत कटौती और बाजार हिस्से की जांच परिवर्चना के माध्यम से की गई थी।

### **ज.3 (क) जांचाधीन उत्पाद आयात के कारण खुले बाजार में पीयूसी की बाजार हिस्सेदारी में परिवर्तन**

#### **समग्र रूप से भारतीय उद्योग और याचिकाकर्ता डीआई की बाजार हिस्सेदारी**

49. याचिकाकर्ता का तर्क है कि सैकिंग कपड़े के आयात में उल्लेखनीय वृद्धि से खुले बाजार में भारतीय उद्योग की पीयूसी की बाजार हिस्सेदारी प्रभावित हुई है। घरेलू बाजार में बदलाव का विश्लेषण करने के लिए, मूल जांच में विचारित जांच अवधि से भारतीय उद्योग और संबद्ध देश के लिए पीयूसी और पीयूआई की बाजार की हिस्सेदारी में परिवर्तन की जांच की गयी है। याचिकाकर्ता ने 2011-12 के बाद से समग्र रूप से भारतीय उत्पादकों द्वारा सरकारी बाजार में और खुले बाजार में आईजेएमए के मासिक बुलेटिन के अनुसार पीयूसी की बिक्री उपलब्ध कराई है। चूंकि पीयूआई के उपयोग मुख्य रूप से पीयूसी के लिए होता है, इसलिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी को सैकिंग बैग और सैकिंग क्लाथ को समग्र रूप से मानकर नीचे दी गई तालिका के अनुसार जांच की है:
50. प्राधिकारी ने आवेदक घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी का विश्लेषण किया और नोट किया है कि आवेदक घरेलू उद्योग की बाजार हिस्सेदारी की गतिविधि में भारतीय उद्योग के समान ही प्रवृत्ति है जिसे नीचे दी गई तालिका में दर्शाया गया है:

	2014-15	2015-16	2016-17	अक्तू. 16-दिसं- 17 (पीओआई)	पीओआई वार्षिकीकृत
भारतीय उद्योग	1,69,000	1,11,000	82,000	1,13,000	90,400
घरेलू उद्योग	74,083	37,277	24,396	33,660	26,928
संबद्ध देश	48,064	70,575	45,238	52,296	41,814
अन्य	28,411	21,646	15,190	27,936	22,349
कुल मांग	2,45,475	2,03,221	1,42,428	1,93,232	1,54,563
<b>मांग में बाजार हिस्सा (% में)</b>					
भारतीय उद्योग	69%	55%	58%	58%	58%
घरेलू उद्योग	30%	18%	17%	17%	17%
संबद्ध देश	20%	35%	32%	27%	27%
अन्य	12%	11%	11%	14%	14%
कुल मांग	100%	100%	100%	100%	100%

51. यह ऊपर तालिका से देखा गया है कि 2014-15 से मांग में 37% की गिरावट आई है, लेकिन आधार वर्ष की तुलना में पीओआई और पीयूआई के संयुक्त आयात का बाजार हिस्सा पीओआई में बढ़ा है। 2014-15 में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 30% था (मूल मामले का पीओआई) जो कि एडीडी के आरोप के बावजूद वर्तमान मामले के पीओआई में 17% पर रहा। 2014-15 में विचाराधीन उत्पाद और जांचाधीन उत्पाद के आयात का बाजार हिस्सा 20% था, जो बाद में पीओआई में बढ़कर 27% हो गया। इस प्रकार, पाटन रोधी शुल्क लगाए जाने के बाद आयात की बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग के खुले बाजार के हिस्से में गिरावट आई है।

### ज.3 (ख) जाँच अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद पर मौजूदा पाटनरोधी शुल्क की प्रभावकारिता का क्षरण

52. प्राधिकारी ने जांच की है कि संबद्ध देश से पीओआई के दौरान विचाराधीन उत्पाद (पाटनरोधी शुल्क के साथ) और जांचाधीन उत्पाद (बिना किसी उपाय के) के आयात के पंहुच मूल्य की तुलना द्वारा संबद्ध देश से परिवर्चना उत्पाद अर्थात् पाटित पीयूआई के प्रभावकी पीयूसी के लिए परिवर्तन के पश्चात कीमत ह्रास प्रभाव पर निम्न के संबंध में:

- (i) घरेलू उद्योग के पीयूसी की निवल बिक्री वसूली और  
(ii) विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क की प्रभावकारिता का क्षरण।

निम्न तालिकाएँ विचाराधीन उत्पाद पर मौजूदा पाटनरोधी उपायों की प्रभावकारिता के क्षरण को दर्शाती हैं।

क्र. सं.	मापदंड	मात्रा
1	आयात- पीयूसी की मात्रा (एमटी)	12,828
2	पीयूसी की पंहुच कीमत (रु./एमटी)	65,150
3	पाटनरोधी शुल्क (औसत) (रु./एमटी)	8,477
4	एडीडी के साथ पीयूसी की पंहुच कीमत (रु./एमटी)	73,628
5	सेकिंग कलाथ (पीयूआई) का पंहुच मूल्य (रु./एमटी)	56,063
6	मूल्य वर्धन (प्रतिशत)	5.00%
7	मूल्यवर्धन (रु./एमटी)	2,803
8	आयातित पीयूआई से सेकिंग बैग की परिकलित पंहुच कीमत (रु./एमटी)	58,866
9	पाटनरोधी शुल्क का क्षरण (रु./एमटी) (उससे प्राप्ति)	14,762

**ज.3 (ग) पीयूआई के दौरान डीआई के पीयूसी की निवल बिक्री प्राप्ति पर परिवर्चना का प्रभाव**

53. निम्नांकित तालिकाएं घरेलू उद्योग के पीयूसी की निवल बिक्री प्राप्ति पर परिवर्चना उत्पाद के कीमत प्रभाव को दर्शाती हैं।

एडीडी के साथ सेकिंग बैग की कीमत कटौती		
क्र सं	विवरण	मूल्य
1	एडीडी के साथ सेकिंग बैग का पंहुच मूल्य (पीयूसी) (रु/एमटी)	73,628
2	सेकिंग बैग की निवल बिक्री प्राप्ति (पीयूसी) (रु/एमटी)	***
3	कीमत कटौती (रु/एमटी)	***
4	कीमत कटौती (% परिवर्तन)	0-(5)%

पीयूसी की पीयूआई द्वारा कीमत कटौती		
क्र सं	विवरण	मूल्य
1	सेकिंग बैग की परिकलित पंहुच कीमत (रु/एमटी)	58,866
2	सेकिंग बैग की निवल बिक्री प्राप्ति (रु/एमटी)	***
3	कीमत कटौती (रु/एमटी)	***
4	कीमत कटौती (% परिवर्तन)	15-20

54. यह नोट किया जाता है कि औसत पाटनरोधी शुल्क के साथ विचाराधीन उत्पाद का पंहुच मूल्य नकारात्मक है, जबकि पीयूआई के आयातों की पंहुच कीमत से परिकलित पीयूसी के आयातों की पंहुच कीमत प्राधिकारी की निवल बिक्री कीमत से काफी कम है। प्राधिकारी का मानना है कि परिवर्चना की समस्या के कारण पीयूसी की कीमत में उक्त कटौती से खुले बाजार में आवेदक घरेलू उद्योग के पीयूसी के बाजार हिस्से पर वास्तव में प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है जिसमें पीयूसी पर मूल एडी उपाय लागू होने के माध्यम से यथा परिकल्पित सुधार नहीं हुआ था।

55. पीयूसी की तुलना में अधिक मूल्य पर पीयूआई बेचे जाने के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसी परिस्थितियों में जहां रूपांतरण से मूल्यवर्धन पीयूसी पर लागू उपाय से काफी कम है, उत्पादक/निर्यातक को पीयूसी जिस पर एडी उपाय लागू है की तुलना में पीयूआई में अधिक मूल्य को प्राप्त करने पर ध्यान देना होगा। इस प्रकार उपचारात्मक प्रभाव और पाटनरोधी उपाय की प्रभावकारिता के क्षरण को बड़े पैमाने पर जांचा गया है। प्राधिकारी ने बाद के पैराओं में भी इसे दोहराया है कि उत्पादक/निर्यातक जिनके लाभ का मार्जिन न्यूनतम से अधिक है, के लिए विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क में कटौती के कारण वाणिज्यिक लाभ ने ऐसे उत्पादकों/निर्यातकों को लाभ पहुंचाया है। प्राधिकारी ने फिर भी सिद्ध किया है कि एडी नियमावली के संगत प्रावधान के अनुसार पीयूआई को पाटित किया गया है।

**झ. प्रकटीकरण-पश्चात टिप्पणियाँ**

**झ. 1 (क) बंगलादेश उच्च आयोग ने रहमान जूट मिल्स लिमि. और मौना जूट मिल्स लिमि. द्वारा उन्हें अनुरोध संलग्न किया है और निम्नलिखित अनुरोध किया है :**

**- पाटन मार्जिन**

55. संबंधित उत्पादक के लिए राष्ट्रीय लाभ मार्जिन सब्सिडी के प्रभाव को शामिल करते हुए असामान्य रूप से अधिक लाभ को जोड़कर अपनाया गया है। इससे सामान्य मूल्य में वृद्धि हुई और अनेक उत्पादकों के मामले में इसके फलस्वरूप सकारात्मक पाटन मार्जिन (डी एम) (2 प्रतिशत से अधिक) हुआ है। यह प्रथा मूल जांच से अलग हटकर है जिसमें प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य को तय करने के लिए उचित लाभ के रूप में 5 प्रतिशत लाभ मार्जिन पर विचार किया है।

56. इसके अलावा, चूंकि सब्सिडी के प्रभाव पर उत्पादन की लागत (सी ओ पी) और बिक्री से प्राप्ति में विचार नहीं किया गया है अतः लाभ का मार्जिन बिक्री से प्राप्ति और उत्पादन की लागत (सी ओ पी) के बीच अंतर मात्र होगा। सब्सिडी के इसी प्रभाव को नीचे दिए गए कारणों से नहीं जोड़ा जाना चाहिए :

- (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी विगत प्रथा यह दर्शाती है कि इसने सामान्य मूल्य को तय करने के लिए 5 प्रतिशत लाभ मार्जिन को अपनाया है। लाभ मार्जिन मूल जांच में 5 प्रतिशत के रूप में लिया गया है।

- (ii) लाभ बिक्री कीमत और लागत के बीच अंतर है।
- (iii) सब्सिडी न तो उत्पादन की लागत से कटौती न की गई बिक्री कीमत के भाग के रूप में और न ही मूल जांच में भी विचार किया गया है।
- (iv) घरेलू बिक्री के मामले में किसी प्रकार की सब्सिडी प्राप्त नहीं किए जाने योग्य है। यह अनुरोध किया जाता है कि सब्सिडी निर्यात बिक्री और न की घरेलू बिक्री के मामले में प्राप्त किया जाता है। इस कारण से घरेलू बाजार में उत्पादन की लागत के आधार पर सामान्य मूल्य तय करते समय सब्सिडी के प्रभाव को शामिल नहीं किया जायेगा।
- (v) सब्सिडी को शामिल न करते हुए जांच की अवधि के लिए पी यू आई के वास्ते विचाराधीन उत्पाद के मामले में अर्जित वास्तविक लाभ को अपनाया जाना चाहिए। अन्य उत्पादों के मामले में अर्जित लाभ पर विचार नहीं किया जाना चाहिए।
- (vi) अधिकांश मामलों में सब्सिडी का संबंध पी ओ आई से नहीं है क्योंकि वह नकद आधार पर और न कि संग्रहण आधार पर आधारित है। सब्सिडी के दावे और प्राप्ति की प्रयोजता के बीच अंतर है और उसे उसी अवधि के लिए दर्ज किया गया है। इस सब्सिडी को तभी रिकार्ड किया जाता है जब उसे बैंक में प्राप्त किया जाता है। पी ओ आई के लिए सब्सिडी की वसूली इन दस्तावेजों को फाइल करने के लगभग एक वर्ष बाद वसूला जाता है।  
ऊपर में दिए गए कारणों को देखते हुए, यह अनुरोध किया जाता है कि प्राधिकारी पी यू सी और पी यू आई के मामले में अर्जित औसत लाभ मार्जिन पर विचार करेंगे और अन्य उत्पादों जो उसमें सब्सिडी के प्रभाव को जोड़े बिना जांच के अधीन हैं, को शामिल नहीं करेंगे।

#### 57. अनुच्छेद 2.2.1.1. का उल्लंघन

प्राधिकारी ने कुछ काल्पनिक अनुमानों के आधार पर अनेक भाग लेने वाली कंपनियों के उत्पादन की लागत (सी ओ पी) में संशोधन किया है। यह प्रशुल्क एवं व्यापार संबंधी सामान्य करार 1994 के अनुच्छेद 6 के कार्यान्वयन पर करार के अनुच्छेद 2.2.1.1. का स्पष्ट उल्लंघन है। इस अनुच्छेद में जांच प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे यदि कंपनियों का रिकार्ड निर्यात करने वाले देशों की सामान्य रूप से स्वीकार्य की गई लेखांकन सिद्धांतों (जी ए ए पी) के अनुसार रखा जाता हो, तब भाग लेने वाले निर्यातकों के उत्पादन की लागत (सी ओ पी) को स्वीकार करें।

58. भाग लेने वाले उत्पादकों/ निर्यातकों ने वर्ष 2016-17, 2017-18 और पी ओ आई 1 अक्टूबर, 2016 – 31 दिसंबर, 2017 के लिए लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत प्रमाणित लेखा परीक्षित लेखा उपलब्ध कराई है। भाग लेने वाले उत्पादकों/ निर्यातकों ने इन प्रमाणपत्रों के साथ साथ लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत प्रमाणित उत्पादन की लागत (सी ओ पी) के दौरे का ब्यौरा भी उपलब्ध कराया है कि कंपनी की लेखा बंगलादेश वित्तीय रिपोर्ट प्रणाली (बी एफ आर एस) और बंगलादेश लेखांकन प्रणाली (बी ए एस) के अनुसार रखा जाता है।

#### 59. इनपुट लागत में संशोधन

भाग लेने वाली कुछ कंपनियों के मामले में प्राधिकारी ने सेकिंग बैग/ कपड़े के निर्माण के लिए उपयोग में लाई जाने वाले कच्चे माल की लागत के दावे पर विचार नहीं किया है। यह अनुरोध किया जाता है कि सेकिंग का उत्पादन कच्चे पटसन के अवशिष्ट, कतरन और इसकी न्यूनतम ग्रेड से किया जाता है। अनेक उत्पाद निर्माण कंपनी ने कच्चे पटसन की अलग अलग श्रेणियों को उपयोग अलग अलग उत्पादों के लिए किया जाता है। उदाहरण के लिए हेसियन कपड़े और यार्न का उत्पादन करने के लिए, सबसे उच्च ग्रेड के कच्चे पटसन का उपयोग किया जाता है जबकि सेकिंग कपड़े और बैग के लिए हेसियन कपड़े और यार्न के निर्माण में उत्पादित कतरनों और अवशिष्ट के साथ साथ निम्नतम श्रेणी के पटसन का उपयोग किया जाता है। इस पहलू को घरेलू उद्योग द्वारा मूल जांच में दायर की गई याचिका में स्पष्ट रूप से दर्शाया गया था और इसे निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा क्षति रहित कीमत और अन्य मानदंडों के निर्धारण में स्वीकार्य किया गया था।

पूर्व में जिन तथ्यों का उल्लेख किया गया है उसको देखते हुए यह अनुरोध किया जाता है कि कच्चे माल की लागत जिसका दावा इन उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा किया गया है को बिना किसी संशोधन के अवश्य स्वीकार किया जाना चाहिए।

#### झ. 1 (ख) मैसर्स जूट टेक्सटाइल मिल्स लिमि. की ओर से उपस्थित होने वाले मैसर्स ट्रेकोलिगल ने निम्नलिखित टिप्पणियां दी है :

60. प्रकटन विवरण में पैरा 12 में, यह रिकार्ड किया गया है कि एक उत्पाद प्रकार (पी यू आई) के रूप में पाटनरोधी शुल्कों की प्रवंचना का अर्थ यह नहीं है कि यह उत्पाद प्रकार (पी यू आई) एक नया उत्पाद होना चाहिए। नियम 25 (1) (क) में यह प्रावधान है कि प्रवंचनातभी होती है जब पी यू आई का आयात विचाराधीन उत्पाद पर यह शुल्क लगाये जाने के बाद आरंभ होता है अथवा उसमें वृद्धि होती है। यह इस तथ्य को दर्शाता है कि पी यू आई मौजूद रह सकता है और इसका आयात विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्कों को लगाये जाने से पहले किया जा सकता है। इस संबंध में यह अनुरोध किया जाता है कि मूल जांच से पी यू आई को बाहर किये जाने के लिए कारणों और इस विश्लेषण से संबंधित अनुरोधों तथा विवंधन के नियम

की जांच प्रकटन विवरण में नहीं की गई है और केवल इस तथ्य को रिकार्ड किया गया है कि जांच के अधीन उत्पाद को एक नया उत्पाद होने की आवश्यकता नहीं है। अतः यह अनुरोध किया जाता है कि प्राधिकारी पी यू आई को विशिष्ट रूप से बाहर किये जाने से संबंधित अनुरोधों तथा विबंधन के नियम की जांच और विश्लेषण करें। यह दर्शायेगा कि वर्तमान जांच इसकी समाप्ति के लिए उपयुक्त नहीं है।

61. उसी पैरा में प्रकटन विवरण में दर्ज किए गए तथ्यों के संबंध में कि डिकलोफिना सोडियम डी एफ एस के मामले में दिनांक 15.02.2017 के अंतिम जांच परिणाम जिसमें अंत से ठीक पहले के चरण के उत्पाद की जांच प्रवंचना के लिए की गई थी यद्यपि उसका निर्माण घरेलू उद्योग द्वारा विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने के लिए किया जा रहा था, यह अनुरोध किया जाता है कि उस जांच और वर्तमान जांच में ये तथ्य अलग अलग हैं। इसके अलावा, प्रकटन विवरण में उपर्युक्त मामले की रिकार्डिंग एक अलग संदर्भ में परंतु मूल जांच और विबंधन के नियम से पटसन सेकिंग कपड़े को बाहर किये जाने के कारणों और विश्लेषण के लिए हमारे अनुरोधों के संबंध में नहीं है।
62. यह भी बार बार कहा जाता है कि मूल जांच में, घरेलू उद्योग जानबूझ कर किये गये अपने निर्णयों के साथ पटसन सेकिंग कपड़े को शामिल नहीं किया और स्पष्ट रूप से यह उल्लेख किया कि अन्य प्रकार के पटसन सामान वर्तमान जांच के कार्यक्षेत्र से परे हैं। घरेलू उद्योग के अनुरोधों के संबंध में मूल जांच में अंतिम जांच परिणाम से संगत अंशों को पुनः इन अनुरोधों में प्रस्तुत किया जाता है।
63. इस कारण से यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग ने पूर्व की जांच में अपने अनुरोधों में स्पष्ट रूप से यह उल्लेख किया है जिसे मूल जांच के अंतिम जांच परिणामों में पैरा 24(क) में रिकार्ड किया गया है कि **अन्य प्रकार के पटसन उत्पाद वर्तमान जांच के कार्यक्षेत्र से परे हैं।** मूल जांच में घरेलू उद्योग ने स्वयं इस बात को माना है और इसकी अभी स्वीकृति दी है कि अलग चरण के उत्पादों अर्थात् पटसन यार्न से हेसियन, फेब्रिक, पटसन सेकिंग कपड़े, पटसन सेकिंग थैले आदि के निर्माण की प्रक्रिया कुछ हद तक वृद्धि संबंधी प्रक्रिया का परिणाम है। पूर्व की जांच में विशेषकर विचाराधीन उत्पाद से पटसन सेकिंग कपड़े को बाहर करने के लिए घरेलू उद्योग का कोई तर्क नहीं था क्योंकि जब यह पटसन यार्न और पटसन सेकिंग थैले के बीच एक मध्यवर्ती उत्पाद और पटसन सेकिंग थैले के लिए एक अनिवार्य उत्पाद था। हालांकि, पटसन सेकिंग कपड़े को घरेलू उद्योग द्वारा मूल जांच के कार्यक्षेत्र से विशिष्ट रूप से और जानबूझ कर बाहर किया गया था और इसमें केवल अगले चरण के उत्पाद अर्थात् पटसन सेकिंग कपड़े को ही शामिल किया गया था। इस कारण से, इस उत्पाद जिसे जानबूझ कर मूल जांच से बाहर रखा गया था, पर प्रवंचना का आरोप लगाना सही और उपयुक्त नहीं है और वर्तमान जांच को जारी रखना कल्पना से परे है। यह भी देखा जा सकता है कि वर्तमान जांच भी विबंधन के नियम से प्रभावित होती है क्योंकि जब घरेलू उद्योग ने जानबूझ कर मूल जांच के कार्यक्षेत्र के पटसन सेकिंग कपड़े को बाहर रखा है, घरेलू उद्योग ने अब वर्तमान जांच में इस उत्पाद पटसन सेकिंग कपड़े की प्रवंचना का आरोप लगाने से अब रोक दिया गया है। प्राधिकारी का ध्यान विबंधन के संबंध में भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 की धारा 115 की ओर आकर्षित किया जाता है।
64. घरेलू उद्योग ने जानबूझ कर मूल पाटनरोधी जांच के कार्यक्षेत्र से पटसन सेकिंग कपड़े को अलग रखा है, घरेलू उद्योग को प्रवंचना के बहाने से पटसन सेकिंग कपड़े के विरुद्ध कार्यवाही करने से रोका गया है क्योंकि बंगलादेश के निर्यातकों ने इस तथ्य पर विश्वास करते हुए नेकनीयत से पटसन सेकिंग कपड़े का निर्यात किया है कि पटसन सेकिंग कपड़ा पाटनरोधी शुल्कों के अध्यक्षीन नहीं है क्योंकि इसे मूल जांच के कार्यक्षेत्र से जानबूझ कर और विशेष रूप से बाहर किया गया था। यह अपने आप में वर्तमान जांच को समाप्त करने के लिए पर्याप्त आधार नहीं है।
65. उपर्युक्त से, यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि मूल जांच में पाटन और क्षति के मौजूद न रहने सहित पटसन सेकिंग कपड़े के विरुद्ध कोई मामला नहीं था। मौखिक सुनवाई के समय घरेलू उद्योग ने यह उल्लेख किया था कि पटसन सेकिंग कपड़े का क्रियाकलाप बहुत कम था और इस कारण से उसे मूल पाटनरोधी जांच के भाग के रूप में शामिल नहीं किया गया था। यह अनुरोध किया जाता है कि घरेलू उद्योग का यह अनुरोध भ्रामक और गलत है। यह देखा जा सकता है कि पटसन सेकिंग कपड़ा पटसन सेकिंग थैले के निर्माण के लिए अंत से ठीक पहले और आवश्यक उत्पाद है क्योंकि पटसन सेकिंग कपड़े के उत्पादन के बिना, पटसन सेकिंग थैले का निर्माण नहीं किया जा सकता है। इस कारण से पटसन सेकिंग कपड़े का क्रियाकलाप पटसन सेकिंग थैले के क्रियाकलाप के समतुल्य और अधिक था।
66. घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोधों में यह उल्लेख किया है कि पी यू आई ऐसा उत्पाद नहीं है जो पी यू सी से अलग हो। यह स्पष्ट है कि पी यू आई को मूल जांच में शामिल किया जा सकता था और यह कि पी यू आई को प्रवंचना विरोधी जांच के अध्यक्षीन नहीं किया जा सकता है।
67. घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र को आगे बढ़ाने और पटसन सेकिंग कपड़े पर वर्तमान प्रवंचना जांच को आरंभ करवाकर पटसन सेकिंग कपड़े पर लगाये गये पाटनरोधी शुल्कों को लगवाने का प्रयास कर रहा है।

68. प्राधिकारी ने मूल जांच में पटसन उत्पादों के प्रत्येक प्रकार/ वर्ग के लिए पाटन और क्षति का अलग अलग विश्लेषण किया और साथ ही पटसन उत्पादों के प्रत्येक प्रकार और वर्ग के लिए अलग अलग शुल्क की सिफारिश की। इस कारण से यह अनुरोध किया जाता है कि मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा का बचाव करने के लिए ढांचा और तर्क अथवा कारणों के भीतर, ऐसा कोई कारण नहीं था जिससे मूल जांच में पटसन सेकिंग कपड़े को शामिल न किया जाये क्योंकि यह एक मध्यवर्ती उत्पाद है और इसमें पटसन यार्न से पटसन सेकिंग थैले का निर्माण करने में वृद्धि संबंधी लागत से कम भी पटसन यार्न से एक लघु संबंधी वृद्धि लागत शामिल है।
69. वर्तमान जांच में घरेलू उद्योग के आधार के संबंध में, यह अनुरोध किया जाता है कि वर्तमान जांच आरंभ करना भारत में पाटनरोधी कानून के अनुसार नहीं है। नियम 26 में विशेष रूप से इस बात का प्रावधान है कि प्रवचना संबंधी जांच के लिए आवेदन घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर किया जाना है जबकि रिकार्ड में उपलब्ध साक्ष्यों और तथ्यों से यह स्पष्ट है कि आवेदक संघ द्वारा प्रस्तुत किया गया आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से नहीं था। भारतीय पटसन मिल संघ से अधिकरण मात्र और संघ के 35 सदस्य मिलों की सूची उपलब्ध कराई गई है। यह अनुरोध किया जाता है कि आवेदन संघ ने आवेदन में कहीं भी विचाराधीन उत्पाद के घरेलू उत्पादकों की कुल संख्या की पहचान नहीं की है और यह भी पहचान नहीं की है कि उनमें से कितने संघ के सदस्य हैं। उन्होंने विचाराधीन उत्पाद के कुल घरेलू उत्पादन का ब्यौरा भी उपलब्ध नहीं कराया है और इसके साथ ही संघ के सदस्य मिलों के उत्पादन का ब्यौरा भी उपलब्ध नहीं कराया है। इस कारण से वर्तमान जांच को केवल इस आधार पर समाप्त किया जाना अपेक्षित है।
70. इस याचिका के पृष्ठ संख्या 7 पर स्वयं आवेदक संघ ने इसका उल्लेख किया है और इसे माना है कि यह याचिका भारतीय पटसन मिल संघ (आई जे एम ए) द्वारा संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों की ओर से दायर किया गया है और इस प्रकार से यह अवश्य मान लिया जाना चाहिए कि आवेदक संघ के सभी सदस्यों ने इस याचिका का समर्थन किया है। हम यह समझ नहीं पा रहे हैं कि वर्तमान आवेदन को दायर करने के लिए अधिकार देने हेतु संघ का विशिष्ट संकल्प न होने अथवा संघ के इन सदस्यों से अधिकरण न होने की स्थिति में किस प्रकार से उचित रूप से यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि वर्तमान जांच के लिए आवेदन घरेलू उद्योग की ओर किया गया था। इस कारण से रिकार्ड में इस प्रकार के ब्यौरे का न होना स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि वर्तमान जांच को आरंभ करने के लिए आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से नहीं किया गया था और इसे तत्काल समाप्त किया जाना अपेक्षित है और इसे जारी नहीं रखा जा सकता है।
71. वर्तमान जांच को आरंभ करने के संबंध में इन अनुरोधों को प्रकटन विवरण में शामिल किया गया है हालांकि इसका विश्लेषण और जांच नहीं की गई है। यह अनुरोध किया जाता है कि प्राधिकारी अंतिम जांच परिणामों में इसका विश्लेषण और जांच करें। इस दोहराया जाता है कि चयनित जांच की अवधि अर्थात् 1 अक्टूबर, 2016 से 30 सितंबर, 2017 के आधार पर वर्तमान जांच करना मौलिक रूप से आवश्यक है और पाटनरोधी नियमावली के नियम 25 (1) का संदर्भ में इन अनुरोधों दिया गया है। इस कारण से यह अनुरोध किया जाता है कि उत्पाद प्रवचना संबंधी जांच के अध्यधीन तभी होगा जब किसी विशेष वस्तु पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया हो। यदि इन शुल्कों को उस वस्तु पर नहीं आरोपित किया गया हो, तब इसे प्रवचना संबंधी जांच के अध्यधीन नहीं किया जा सकता है। पटसन उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क 5 जनवरी, 2017 को सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 01/2017 – सीमा शुल्क (ए डी डी) के माध्यम से लगाया गया था और चयनित जांच की अवधि में 1 अक्टूबर, 2016 से 30 सितंबर, 2017 तक की अवधि शामिल है और इसमें 1 अक्टूबर, 2016 से 4 जनवरी, 2017 तक की अवधि शामिल है, जिसके लिए इन पटसन उत्पादों को कोई पाटनरोधी शुल्क लागू नहीं था। इस कारण से, जांच की अवधि के एक अभिन्न भाग होने के कारण उपर्युक्त अवधि अर्थात् 1 अक्टूबर, 2016 से 4 जनवरी, 2017 के लिए प्रवचनाके आरोप की जांच के लिए कोई कानूनी आधार नहीं है।
72. व्यापार के पैटर्न के संबंध में यह अनुरोध किया जाता है कि पी यू आई का न केवल भारत में निर्यात किया जाता है बल्कि इसका निर्यात अन्य देशों में भी किया जा रहा है। पी यू आई का निर्यात अन्य देशों में भारत में निर्यात किये जाने के पूर्व भी किया गया था और यह कि अन्य देशों में पी यू आई का निर्यात भारत में इन निर्यातों की तुलना में हमेशा अधिक था। इस कारण से पटसन सेकिंग कपड़े के निर्यातों के संबंध में व्यापार के पैटर्न में परिवर्तन भारत के लिए तथा अन्य देशों के लिए भी एक ही समय में होता रहा है। यदि पी यू आई का निर्यात केवल भारत में और न कि अन्य देशों में होता तब मूल जांच में पाटनरोधी शुल्कों को लगाये जाने के परिणामस्वरूप व्यापार पैटर्न में परिवर्तन के रूप में और न कि हमारे ग्राहक मैसर्स जूट टेक्सटाइल्स मिल प्रा. लिमि. के मामले के अंतर्गत समाप्त किया जा सकता था। निर्यातक इसका प्रतिनिधि हमारे द्वारा किया जा रहा है, के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के संबंध में हम माननीय प्राधिकारी से उत्पादन की लागत के भाग के रूप में डब्ल्यू आई पी के विचारार्थ अनुरोध करते हैं।

73. घरेलू उद्योग द्वारा समय समय पर उपलब्ध कराये गये आयातों के संबंध में यह अनुरोध किया जाता है कि इसमें काफी अंतर है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि वर्तमान जांच का आरंभ गलत सूचना के आधार पर किया गया था और घरेलू उद्योग ने इस मामले की आवश्यकता के अनुरूप अपनी इच्छा से आयात संबंधी आंकड़ों में परिवर्तन किया।
74. उपचारात्मक प्रभावों को हानि पहुंचाने के संबंध में, यह अनुरोध किया जाता है कि पटसन सेकिंग कपड़े के संबंध में वर्तमान जांच के संबंध में घरेलू उद्योग का मामला कायम नहीं रखे जाने योग्य है और कृपया उसे न्याय के हित में समाप्त कर दिया जाये क्योंकि इन उपायों को हानि पहुंचाने का आरोप पहुंच मूल्य के आधार पर लगाया गया है जो रिकार्ड पर पहले से उपलब्ध आंकड़ों के बजाय बदले हुए आंकड़ों पर आधारित है।
75. प्रकटन विवरण के पैरा 48 में, यह रिकार्ड किया गया है कि चूंकि पी यू आई का उपयोग प्राथमिक रूप से विचाराधीन उत्पाद के लिए है। अतः यह प्रस्ताव किया जाता है कि संपूर्णता में सेकिंग थैले और सेकिंग कपड़े पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से की जांच की जाए। यह अनुरोध किया जाता है कि प्रकटन विवरण में इस उपयोग के अलावा सेकिंग थैले और सेकिंग कपड़े के सम्मिलित आंकड़ों के आधार पर बाजार हिस्से का विश्लेषण करने के लिए किसी कारणों को रिकार्ड नहीं किया गया है। यह अनुरोध किया जाता है बाजार हिस्से का विश्लेषण कृपया इन उपायों के प्रभाव को हानि पहुंचाने और न कि इन दोनों के सम्मिलित आंकड़ों के आधार पर जांच करने के उद्देश्य से ही पटसन सेकिंग कपड़े के आधार पर किया जाये क्योंकि यह वास्तविक स्थिति से अलग तस्वीर दर्शायेगी। शुल्क में कटौती और कीमत में कटौती के संबंध में यह अनुरोध किया जाता है कि हमारे ग्राहक द्वारा निर्यातों के आधार पर शुल्क में कोई कटौती अथवा कीमत में कटौती नहीं हुई है।

**अ. 1 (ग) (i) मैसर्स पार्टैक्स जूट मिल्स लिमिटेड, (ii) मैसर्स सारह कम्पोजिट मिल्स लिमिटेड, (iii) मैसर्स कुरिग्राम टेक्सटाइल्स जूट प्रोसेसिंग वर्क्स, (iv) मैसर्स नवहता जूट मिल्स लिमिटेड, (v) मैसर्स सिडलाब टेक्सटाइल्स (बंगलादेश) लिमिटेड, (vi) मैसर्स मिनेनसिंह जूट मिल्स लिमिटेड, (vii) मैसर्स आशा जूट इंडस्ट्रीज लिमिटेड एवं (viii) मैसर्स पुरबी ट्रेडिंग की ओर से उपस्थित होने वाले मैसर्स पोथल एंड एसोसिएट्स सनदी लेखाकारों ने निम्नलिखित टिप्पणियां उपलब्ध की है :**

76. पैरा 12 में प्रकटन विवरण में इस तथ्य का उल्लेख है कि "नियम 25 (1) (क) में यह प्रावधान है कि प्रवंचना तभी होती है जब पी यू आई का आयात विचाराधीन उत्पाद पर शुल्क लगाये जाने के बाद आरंभ होता है अथवा बढ़ जाता है। यह इस तथ्य को दर्शाता है कि पी यू आई लागू रह सकता है और विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्कों को लगाये जाने के पूर्व भी आयात किया जा सकता है।" हम सादरपूर्वक यह अनुरोध करते हैं कि इस दृष्टिकोण पर फिर से विचार किये जाने की आवश्यकता है। वर्तमान मामले में यह विवाद केवल यह नहीं है कि मूल मामले में यह आयात हो रहा था फिर भी इसे शुल्क के अंतर्गत शामिल नहीं किया गया था। विवाद यह है कि पी यू आई का आयात करवाया जा रहा और पी यू आई को यह कहते हुए बाहर रखा गया था कि वह "गैर विचाराधीन उत्पाद" जो घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किये गये आयात पृथक्करण में स्पष्ट है। इस प्रकार से एक गैर विचाराधीन उत्पाद अब विचाराधीन उत्पाद हो गया है। प्रश्न यह है कि किस प्रकार से एक उत्पाद प्रकार जिसे गैर विचाराधीन उत्पाद के रूप में पाया गया था अब समान उत्पाद हो गये हैं? घरेलू उद्योग को यहां पी यू आई के संबंध में नई जांच के लिए एक याचिका दायर करनी चाहिए थी जिसे मूल मामले में गैर विचाराधीन उत्पाद के रूप में पाया गया था। पी यू आई को पूर्व में विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र से बाहर रखा गया था और वह इस कारण से नहीं किया गया था कि इसका आयात नगण्य था बल्कि स्पष्ट रूप से उसका कारण यह था कि पी यू आई की पहचान एक गैर विचाराधीन उत्पाद वस्तु के रूप में की गई थी। प्राधिकारी को गैर विचाराधीन उत्पाद वस्तु को विचाराधीन उत्पाद वर्ग के वस्तु इस प्रकार से पिछले दरवाजे से प्रवेश की अनुमति नहीं देनी चाहिए।
77. पैरा 12 में प्रकटन विवरण यह भी कहता है कि "इस संबंध में भी प्राधिकारी डिक्लोफेनेक सोडियम डी एफ एस के मामले में दिनांक 15.02.2017 के अंतिम जांच परिणाम में इसका स्मरण करते हैं जिसमें अंत के ठीक पहले के चरण के उत्पाद की जांच प्रवंचना के लिए की गई थी यद्यपि उसका निर्माण घरेलू उद्योग विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने के लिए किया जा रहा था। सादरपूर्वक यह अनुरोध किया जाता है कि डी एफ एस मामले का संदर्भ पूर्ण रूप से इस मामले में नहीं है। डी एफ एस के मामले में यद्यपि अंत के ठीक पहले के चरण के उत्पाद का निर्माण किया जा रहा था, गैर विचाराधीन वर्षों के रूप में उसका विशेष रूप से उसे नहीं माना गया था। प्रवंचना रोधी नियम एक गैर विचाराधीन उत्पाद को विचाराधीन उत्पाद में इस तरह से परिवर्तन करने के लिए नहीं है जिस तरह से इसका प्रस्ताव प्रकटन विवरण में किया गया है।

78. **निर्यातक विशिष्ट टिप्पणियां**

**(i) मैसर्स सारह कम्पोजिट मिल्स लिमिटेड**

- क) प्रकटन विवरण में इस बात का उल्लेख है कि कंपनी के उत्पादन की लागत को सत्यापित/ प्रमाणित नहीं किया जा सका और यह कि कहा गया है कि यद्यपि भारत के अलावा अन्य देशों में पी यू आई की बिक्री हुई है, सामान्य मूल्य का मूल्यांकन करने के लिए उपर्युक्त दृष्टिकोण सहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों के बीच उत्पादन की उच्चतम लागत को अपनाना है।
- ख) इस संबंध में यह अनुरोध किया जाता है कि कंपनी ने अपनी लागत को प्रामाणित करने के लिए निम्नलिखित व्यौरे उपलब्ध कराये हैं :
- लेखा परीक्षकों द्वारा जांच की अवधि के लिए विधिवत प्रमाणित उत्पादन की लागत लाभ एवं हानि लेखा,
  - जांच की अवधि के लिए लेखा परीक्षित लेखाओं के संबंध में प्रबंधन और लेखा परीक्षकों से प्रमाण पत्र, लेखा/ वित्तीय रिकार्ड रखा जा रहा है और उसकी सूचना बंगलादेश के लागू बी एफ आर एस और बी ए एस के अनुसार दी जाती है, भी उपलब्ध कराई गई थी जिसकी इस विभाग द्वारा दिनांक 28.02.2019 के मेल द्वारा मांग की गई थी।
  - सत्यापित रिपोर्ट में, कंपनी से यह कहा गया था कि वे कच्चे माल के बीजकों को उपलब्ध कराये जिसे सत्यापन रिपोर्ट पर टिप्पणियों के साथ साथ उपलब्ध कराया गया था।
  - उत्पादन की लागत की गणना लेखा परीक्षित आंकड़ों के आधार पर की जानी चाहिए।
  - इसके साथ निवल मूल्य की गणना के उद्देश्य से तीसरे देश की बिक्री के आंकड़ों को अस्वीकार करने का कोई औचित्य नहीं है। सहयोगी उत्पादक के बीच उत्पादन की उच्चतम लागत को अपनाने का दृष्टिकोण अत्यधिक अन्यायोचित है और यह विश्व व्यापार संगठन के पाटनरोधी करार और कानूनों के विरुद्ध है जब सारह कम्पोजिट मिल्स लिमिटेड प्राधिकारी के साथ पूर्ण रूप से सहयोग कर रहा था।
  - सारह कम्पोजिट मिल्स लिमिटेड के विधिवत प्रमाणित उत्पादन की लागत मात्र पर निवल मूल्य तय करने के लिए विचार किया जाना चाहिए और एक वैकल्पिक पद्धति के रूप में, सारह कम्पोजिट मिल्स लिमिटेड के निर्यातों का तीसरे देश की कीमत प्राधिकारी को उपलब्ध भी करा दी गई है जो सारह कम्पोजिट मिल्स लिमिटेड के निवल मूल्य का एक मात्र आधार होना चाहिए।

## (ii) मैसर्स कुरिग्राम जूट प्रोसेसिंग वर्क्स

- क) प्रकटन विवरण कुरिग्राम जूट प्रोसेसिंग वर्क्स के सामान्य मूल्य के संबंध में यह कहता है कि उचित लाभ के साथ कारखानागत उत्पादन की लागत को सामान्य मूल्य का मूल्यांकन करने के लिए अपनाये जाने का प्रस्ताव किया जाता है जिसमें कंपनी के समग्र लाभ पर विचार किया जाता है।
- ख) इस संबंध में यह अनुरोध किया जाता है कि लाभ का प्रतिशत जिसका प्रस्ताव किया गया है, में सब्सिडी का प्रभाव शामिल है जो एक सही कार्य पद्धति नहीं है। डी जी टी आर के सत्यापन दल को यह स्पष्ट किया गया था कि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा पटसन उत्पादों के निर्यातों के संबंध में उचित प्रक्रिया अपनाने के बाद बैंक के माध्यम से भुगतान के रूप में सब्सिडी दी जाती है। उसे आय के विवरण में एक अलग आय मद के रूप में सूचित किया जाता है। सब्सिडी से संबंधित सभी दस्तावेज सत्यापन दल को उपलब्ध कराये गये थे। मूल जांच में जारी अंतिम जांच परिणामों के अनुसार ही, सब्सिडी के प्रभाव पर न तो लागत में विचार किया गया था और न ही प्राधिकारी द्वारा पाटन मार्जिन को तय करने के लिए बिक्री से होने वाली आय में जोड़ा गया था। विगत की कार्य पद्धति को देखते हुए भी, लाभ के मार्जिन में सब्सिडी को जोड़ने की प्रस्तावित कार्य पद्धति सही नहीं है। इसके अलावा, चूंकि सब्सिडी के प्रभाव पर उत्पादन की लागत (सी ओ पी) अथवा बिक्री से प्राप्त होने वाली आय में विचार नहीं किया गया है, लाभ का मार्जिन केवल बिक्री से प्राप्त होने वाली आय और उत्पादन की लागत (सी ओ पी) के बीच का अंतर होना चाहिए।

## झ. 1 (ब) मैसर्स सागर जूट स्पिनिंग मिल्स लिमि. ने निम्नलिखित टिप्पणियां की हैं :

79. प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए प्रकटन विवरण के अनुसार यह पाया गया है कि पैकिंग कपड़े के लिए गणना की गई उत्पादन की लागत प्रति मी. ट. बी डी टी 72,346 है। सामान्य मूल्य की गणना कारखानागत स्तर पर किये जाने की आवश्यकता है हालांकि, उत्पादन की यह लागत कारखानागत लागत नहीं होती है। यह अनुरोध किया जाता है कि कारखाना पश्चात् खर्चों के रूप में प्रति

- मी. ट. बी डी टी 2,532 की कटौती की जाये। यह अनुरोध किया जाता है कि सभी लागतें कारखाना पश्चात् लागत है और इस कारण से उत्पादन की लागत की गणना करते समय इसकी कटौती किये जाने की आवश्यकता है।
80. लाभ के प्रतिशत की गणना निर्यात सब्सिडी पर विचार करने के बाद की जाती है। यह अनुरोध किया जाता है कि निम्नलिखित कारणों से उस पर विचार नहीं किया जाए :
- (i) सब्सिडी की आय को निवल निर्यात कीमत की गणना करते समय शामिल नहीं किया जाता है,
  - (ii) सब्सिडी की आय को उत्पादन की लागत की गणना करते समय बाहर नहीं रख जाता है,
  - (iii) यदि इसे न तो बिक्री से प्राप्त होने वाली आय में लिया जाता है और न ही उत्पादन की लागत में लिया जाता है तब इस पर लाभ के मार्जिन की गणना करते समय विचार नहीं किया जाना चाहिए,
  - (iv) मूल जांच के दौरान उस पर भी विचार नहीं किया गया था,
  - (v) सब्सिडी निर्यात पर प्राप्त होती है जबकि उत्पादन की लागत सामान्य मूल्य के लिए तय की जा रही है, जो घरेलू बिक्री कीमत के बदले में है और इस कारण से यह लाभ के मार्जिन का हिस्सा होना चाहिए।
81. प्राधिकारी द्वारा गणना किये गये समायोजन अंतर्देशीय भाड़े, ऋण लागत और बैंक प्रभार हैं। हालांकि, ऋण लागत और बैंक प्रभारों की राशि सही नहीं है।
82. प्राधिकारी सभी संबंधित कंपनियों के लिए पाटन मार्जिन भारत औसत की गणना करते हैं। इस संबंध में यह अनुरोध किया जाता है कि मैसर्स सागर जूट स्पिनिंग मिल्स लिमि. का संबंधित कंपनी अर्थात् सिडला टेक्सटाइल्स (बंगलादेश) लिमि., बंगलादेश है, जो विचाराधीन उत्पाद, पी ओ आई और अन्य पटसन उत्पादन और बिक्री में भी शामिल हैं। मैसर्स सिडला टेक्सटाइल्स (बंगलादेश) लिमि. बंगलादेश, ने निर्यातक की प्रश्नावली का उत्तर अलग से डी जी टी आर के पास प्रस्तुत किया है। मैसर्स सिडला टेक्सटाइल्स (बंगलादेश) लिमि. द्वारा प्रस्तुत किये गये उत्तर में इसका उल्लेख भी किया गया है।
83. व्यापार नोटिस संख्या 9/2018 दिनांक 10.05.2018 का संदर्भ लेते हुए, यह अनुरोध किया जाता है कि सागर और सिडला दोनों संबंधित कंपनी हैं और इस कारण से पाटन मार्जिन की गणना भारत औसत के आधार पर किये जाने की आवश्यकता है। उसी दृष्टिकोण का पालन प्राधिकारी द्वारा मूल जांच में भी किया गया था।

**अ. 1 (इ) मैसर्स अफिल जूट मिल्स लिमि., मैसर्स जोबेदा जूट मिल्स लिमि. एवं मैसर्स आर एम जूट डायरसिफिकेशन मिल्स लिमि. की ओर से उपस्थित होने वाले मैसर्स पी डब्ल्यू ने निम्नलिखित टिप्पणियां की हैं :**

**84. निर्यातक विशिष्ट टिप्पणियां :**

**1. मैसर्स जोबेदा जूट मिल्स लिमि. और अफिल जूट मिल्स लिमि.**

**- व्यापार पैटर्न में परिवर्तन :**

- (i) प्राधिकारी ने इसकी कंपनियों के लिए व्यापार के पैटर्न में परिवर्तन अथवा प्रवंचना का विश्लेषण नहीं किया है। प्राधिकारी ने केवल एक कथन का उल्लेख किया है कि विचाराधीन उत्पाद और पी यू आई के व्यापार का पैटर्न विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के कारण विचाराधीन उत्पाद से पी यू आई की ओर व्यापार पैटर्न में परिवर्तन को दर्शाता है। यह दोहराया जाता है कि प्रतिवादी ने भारत में पी यू आई का निर्यात विशुद्ध रूप से मांग और उचित व्यापार सिद्धांतों के आधार किया है और बंगलादेश से पटसन सेकिंग थैलों के आयातों पर लगाये गये पाटनरोधी शुल्क की प्रवंचना करने का कोई उद्देश्य नहीं है।
- (ii) इसके अलावा यह अनुरोध किया जाता है कि तीसरे देशों में किये गये निर्यात व्यापार के पैटर्न में परिवर्तन अथवा प्रवंचनाका विश्लेषण करते समय एक संगत मानदंड है। प्राधिकारी ने इस तथ्य की पूर्ण रूप से उपेक्षा की है कि प्रतिवादी ने जांच की अवधि के दौरान और जांच की अवधि के बाद अन्य देशों में काफी मात्रा में पी यू आई का निर्यात किया है। अपने इसे दावे को सही साबित करने के उद्देश्य से कि तीसरे देश में बिक्री व्यापार के पैटर्न में परिवर्तन और प्रवंचना का विश्लेषण करने के लिए एक महत्वपूर्ण मानदंड है। चीन जन. गण., कोरिया, यूरोपीय संघ, दक्षिण अफ्रीका, ताइवान, थाइलैण्ड और यू एस ए के मूल के अथवा वहां से निर्यात किये गये स्टेनलैश स्टील का कोल्ड रोलड फ्लैट उत्पादों के आयातों के संबंध में प्रवंचना रोधी जांचों के मामले में अंतिम जांच परिणामों के पृष्ठ सं. 68 के पहले पैरा पर बल दिया गया था (फा. सं. 14/1/2014 – डी जी ए डी दिनांक 18 अगस्त, 2017)।

- (iii) इस कारण से यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि तीसरे देशों में निर्यात व्यापार के पैटर्न में परिवर्तन अथवा प्रवृत्तनाका विश्लेषण करते समय एक संगत मानदंड है। इसलिए, प्रतिवादी प्राधिकारी से यह अनुरोध करता है कि वे अपनी प्रवृत्तनाविश्लेषण करते समय तीसरे देशों में किये गये इसके निर्यातों पर विचार करें।

- **पाटन मार्जिन**

- (iv) यह अनुरोध किया जाता है सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्रस्तावित कार्य पद्धति और प्रस्तावित सामान्य मूल्य निम्नलिखित कारणों से दोषपूर्ण हैं :

क) सामान्य मूल्य की गणना के लिए समग्र लाभप्रदता की प्रयोज्यता गलत है और यह उचित लाभ के रूप में 5 प्रतिशत पर विचार करने के लिए प्राधिकारी की सतत् प्रथा के विरुद्ध है क्योंकि :

- समग्र लाभ इन वस्तुओं की उसी श्रेणी से संबंधित नहीं है। यह अनुरोध किया जाता है कि यार्न और कपड़े अथवा थैले उत्पादों की वही श्रेणी नहीं है। इसके अलावा, उत्पादों की सेकिंग गुणवत्ता और हेसियन अथवा उत्पादों की अन्य प्रीमियम गुणवत्ता भी उत्पादों की वही श्रेणी नहीं है क्योंकि उत्पादों की प्रीमियम गुणवत्ता कच्चे पटसन की उच्चतम गुणवत्ता से बनाई जाती है जिसे बंगलादेश और नेपाल के "पटसन उत्पादों" अर्थात् पटसन यार्न/ ट्वाइन (अनेक बार मोड़े हुए/ केवल किया हुआ और एकल), हेसियन फेब्रिक और पटसन सेकिंग थैले (14/19/2015 – डी जी ए डी दिनांक 20 अक्टूबर, 2016) की मूल जांच का संदर्भ लेकर सही साबित किया जा सकता है, जिसमें प्राधिकारी ने स्पष्ट रूप से यह नोट किया था कि यार्न/ ट्वाइन सेकिंग थैले और हेसियन फेब्रिक से बने उत्पाद प्रकार विविधकृत है और वह एक जैसे उत्पाद प्रकार नहीं हैं।
- सामान्य मूल्य तय करने के लिए उचित लाभ के रूप में 5 प्रतिशत को मानना प्राधिकारी की सतत् प्रथा है। प्रतिवादी यह अनुरोध करता है कि प्राधिकारी ने पटसन, एस डी एच उपकरण, थैलिक एनहाइड्राइड, सोलर सैल, रेसोरसिनोल, यू एस बी फ्लैश ड्राइव, सोडियम ट्राइपोली फोस्फेट आदि से मूल जांच सहित अनेक मामलों में उचित लाभ के रूप में 5 प्रतिशत को माना है।
- मैससै जोबैदा जूट मिल्स लिमि. के विशेष संदर्भ में यह अनुरोध किया जाता है कि सस्सिडी सहित सामान्य मूल्य की तुलना सस्सिडी के बिना निर्यात मूल्य से करना पाटनरोधी नियमावली, 1995 के प्रावधानों और विश्व व्यापार संगठन के करार के संबंध में उचित तुलना नहीं है क्योंकि इसमें पाटनरोधी नियमावली, 1995 के अनुबंध-1 पैरा 6 और विश्व व्यापार संगठन के करार के पैरा 2.4 का पूर्ण उल्लंघन हुआ है जो यह तर्क देता है कि उन अंतर्गत जिसका कीमत तुलनीयता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और इसके साथ ही बिक्री के नियम एवं शर्तों, कराधान, व्यापार का स्तर, मात्रा, भौतिक विशेषताओं में अंतरों और किसी अन्य अंतरों जिसका कीमत तुलनीयता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, के लिए इसके गुणों के आधार पर प्रत्येक मामले में उचित छूट दी जानी चाहिए।

ख) कच्चे पटसन की औसत दर पर विचार करते हुए सामान्य मूल्य की गणना का कोई आधार नहीं है – प्राधिकारी द्वारा साझा किये गये लागत संबंधी ब्यौरे से यह स्पष्ट है कि \*\*\* प्रतिशत की सामान्य हानि से बढ़ा चढ़ाकर पेश किये गये कच्चे पटसन की औसत दर का उपयोग प्रति मी. ट. कच्चे पटसन की लागत की गणना करने के लिए किया गया है। यह भी नोट किया गया है कि प्राधिकारी ने कच्चे माल की औसत दर गणना करने के लिए खरीद मूल्य और न कि खपत मूल्य पर विचार किया है। यह दोहराया जाता है कि प्रतिवादी ने जांच की अवधि के दौरान पी यू आई के निर्माण के लिए काफी अधिक मात्रा में कच्चे पटसन के कतरन का उपयोग किया है। पी यू आई के निर्माण के लिए उपयोग किये गये बैच की संरचना के ब्यौरे प्राधिकारी को पहले ही उपलब्ध करा दिये गये हैं जिसे टैक्स लर्नर वेबसाइट से एक वेब अनुसंधान से सही साबित किया जा सकता है। यह अनुरोध किया जाता है कि प्रतिवादी नियमित रूप से पी यू आई के निर्माण के लिए कच्चे पटसन के कतरन, अवशिष्ट और निम्न कोटि के कच्चे पटसन का उपयोग करता है क्योंकि यह एक ऐसा उत्पाद है जिसका दर्जा कम कर दिया गया है। तदनुसार, प्राधिकारी से यह अनुरोध किया जाता है कि वे सामान्य मूल्य की गणना के लिए प्रति मी. ट. बी डी टी 36,254 के निम्न कोटि के कच्चे पटसन की औसत दर पर विचार करें। मूल मामले में, आवेदकों ने सेकिंग थैलों के लिए कच्चे माल की लागत की तुलना में 76 प्रतिशत अधिक हेसियन फेब्रिक के लिए कच्चे माल की लागत का दावा किया था। इस कारण से यह

अनुरोध किया जाता है कि प्रतिवादी ने कच्चे पटसन के उत्पादन और खपत का पूर्ण व्यौरा उपलब्ध कराया है जिसे सत्यापन रिपोर्ट में भी स्वीकार किया गया है। खपत और उत्पादन की मात्रा जांच की अवधि के लिए प्रतिवादी के लेखा परीक्षण रिपोर्ट के अनुसार है अतः हम प्राधिकारी से यह अनुरोध करते हैं कि वे सामान्य अवशिष्ट के लिए 2 प्रतिशत तक उन उत्पादनों को बढ़ाकर मी. ट. में कच्चे पटसन की कुल खपत की गणना करें और कच्चे पटसन की कुल खपत मूल्य के आधार पर कच्चे पटसन की औसत दर की गणना करें।

- ग) मैसर्स जोबैदा जूट मिल्स लिमि. के संदर्भ में यह अनुरोध किया जाता है कि पी यू आई पर उपभोग्य सामग्री यूटिलिटी, निर्माण ऊपरी व्यय, प्रत्यक्ष श्रमिक, ह्रास की लागत आवंटित करने के लिए अफिल जूट मिल्स लिमि. और अन्य सहयोगी निर्यातकों के लिए अपनाई गई प्रथा के अनुरूप आवंटन के आधार के रूप में उत्पादन मूल्य को अपनाया जाये।
- घ) मैसर्स जोबैदा जूट मिल्स लिमि. के संदर्भ में यह अनुरोध किया जाता है कि सामान्य मूल्य की गणना के लिए विचार किए गए भाड़े की लागत दोषपूर्ण है। भारत में पी यू आई के निर्यात के लिए हुई अंतर्देशीय भाड़े की लागत को सही साबित करने के लिए प्रेषण के दौरे के साथ साथ कारखाना नकद भुगतान वोचर उपलब्ध कराया जाये। इस तथ्य को सत्यापन रिपोर्ट में भी रिकार्ड किया गया है। भारत में निर्यात बिनपोल लैंड पोर्ट भूमि बंदरगाह के माध्यम से किया गया था। इस कारण से, कोई विदेशी भाड़ा लागत नहीं हुआ था। भाड़े की लागत और परिवहन एवं संचालन बिल (निर्यात) का व्यौरा सत्यापन दस्तावेजों क्रम संख्या 6 के रूप में प्रस्तुत किया गया खाता डप में किया गया था।
- ङ) मैसर्स अफिल जूट मिल्स लिमि. के विशेष संदर्भ में, यह अनुरोध किया जाता है कि उपभोग्य सामग्री, श्रमिक, ह्रास, यूटिलिटी, मरम्मत और अनुरक्षण, कृषि संबंधी खर्च और विविध खर्चों के लिए यथा लागू किये गये अन्य कच्चे माल (उपभोग्य सामग्री/ स्पेयर्स की प्रकृति), अन्य कच्चे माल के लिए आवंटन के आधार के रूप में उत्पादन मूल्य को अपनाया जाए। यह देखा गया है कि प्राधिकारी ने पी यू आई पर कुल अन्य कच्चा माल लागत के आवंटन के लिए उत्पादन मात्रा अनुपात का उपयोग किया है जबकि उत्पादन मूल्य पद्धति का उपयोग उपभोग्य सामग्री, श्रमिक, ह्रास, यूटिलिटी, मरम्मत और अनुरक्षण, कृषि संबंधी खर्च और पी यू आई और अन्य विविध खर्चों का आवंटित कुल लागत के लिए उत्पादन मूल्य पद्धति का उपयोग किया गया है। इसके अलावा, अन्य कच्चे मालों में उपभोग्य सामग्री/ स्पेयर्स की प्रकृति में और न कि कच्चे माल की प्रकृति में खर्च शामिल है। अन्य कच्चे माल का व्यौरा पहले ही सत्यापन दस्तावेजों के क्रम संख्या 14 में दिया गया है।
- च) पी यू आई का भारत में निर्यात कीमत के लिए बैंक प्रभार में टंकण संबंधी त्रुटि है।

## 2. मैसर्स आर. एम. जूट डायवरसिफिकेशन मिल्स लिमि.

### - ट्रेड पैटर्न में परिवर्तन

- (i) प्राधिकारी ने एक पूर्ण रूप से सहयोगी निर्यातक होने के बावजूद न तो प्रवंचना के संबंध में प्रतिवादी द्वारा किये गये अनुरोधों को रिकार्ड किया है और न ही व्यापार के इसके पैटर्न की जांच की है। प्राधिकारी ने शेष श्रेणी के अंतर्गत प्रतिवादी पर विचार करने के लिए प्रकटन विवरण के पृष्ठ 59 पर पैरा 4 में प्रस्ताव किया है क्योंकि इसमें जांच की अवधि के दौरान पी यू आई का निर्यात नहीं किया था और प्रवंचना को देश स्तर पर देखा गया है। इस संदर्भ में यह अनुरोध किया जाता है कि प्रतिवादी ने जांच से पूर्ण रूप से सहयोग किया है और सभी सूचना और मांग गये आंकड़े निर्धारित समय सीमा के भीतर प्राधिकारी को उपलब्ध कराये हैं।
- (ii) प्राधिकारी ने सहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के आधार पर विचाराधीन उत्पाद से पी यू आई में व्यापार के पैटर्न में परिवर्तन पर विचार करने के लिए प्रकटन विवरण के पैरा 26 में प्रस्ताव किया है। हालांकि, जांच में पूर्ण रूप से सहयोग करने के बावजूद प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण के पैरा 26 में प्रस्तावित कार्य पद्धति के प्रतिकूल निर्यातक के लिए व्यापार के पैटर्न का विश्लेषण नहीं किया है।
- (iii) इसके अलावा यह अनुरोध किया जाता है कि कानून में स्पष्ट रूप से उल्लेख की गयी पहली शर्त यह है कि इस प्रकार के पाटनरोधी शुल्क के अध्याधीन वस्तु का विवरण नाम अथवा संरचना बदलने के रूप में अथवा इसके मूल उद्देश्य अथवा निर्यात अथवा किसी अन्य रूप में बदलकर अथवा एकत्रित किए हुए अथवा एकत्रित न किए हुए रूप में इस प्रकार की वस्तु के आयात के द्वारा विचाराधीन उत्पाद पर लगाये गये शुल्क की प्रवंचना होनी चाहिए। पाटनरोधी नियमावली के नियम 25 और सी टी ए की धारा 9क (1क) के संगत प्रावधानों का संदर्भ लिया जाता है।

- (iv) यह तथ्य कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 26(4) के अनुसार प्राधिकारी को प्रवंचनाविरोधी जांच आरंभ करने के लिए पाटन सिद्ध करने की आवश्यकता है। हालांकि, यदि जांच की अवधि के दौरान भारत में पी यू आई का कोई निर्यात न किये जाने के कारण इसके पाटन मार्जिन की गणना करना संभव नहीं है अथवा प्रवंचना देश स्तर पर देखी गयी है तब किसी सहयोगी निर्यातक के लिए व्यापार के पैटर्न अथवा प्रवंचना का विश्लेषण नहीं करने के लिए पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत कोई अधिकार नहीं दिया गया है।

- **पाटन मार्जिन**

- (v) यह दोहराया जाता है कि निर्यातक ने बंगलादेश के पटसन सेकिंग थैलों के आयातों पर लगाये गये पाटनरोधी शुल्क की प्रवंचना नहीं की है।
- (vi) कंपनी ने न तो बंगलादेश से पटसन सेकिंग थैलों के आयातों पर लगाये गये पाटनरोधी शुल्क की प्रवंचना की है और न ही इसका उद्देश्य प्रवंचना करने के लिए है। कंपनी ने जांच में पूर्ण रूप से सहयोग किया है। इस कारण से प्राधिकारी से यह अनुरोध किया जाता है कि भारत में इस कंपनी द्वारा पटसन सेकिंग कपड़ों के निर्यातों के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क न लगायें।
- (vii) उपर्युक्त अनुरोधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना प्रतिवादी यह अनुरोध करते हैं कि इसने मूल जांच की जांच की अवधि अथवा चल रही जांच की जांच की अवधि में न तो विचाराधीन उत्पाद और न ही पी यू आई का निर्यात किया है। अतः प्रतिवादी प्राधिकारी से यह अनुरोध करते हैं कि जो अंतिम जांच परिणामों में है, इसे नोट करें अथवा इसकी पुष्टि करें कि यह पाटनरोधी के नियम 22 के अंतर्गत विचाराधीन उत्पाद का पी यू आई के लिए जहाज से भेजे गए माल की नई समीक्षा के लिए एक आवेदन दायर करने हेतु पात्र है।

85. **अन्य मुद्दों पर टिप्पणियां :**

**क) घरेलू उद्योग का कार्यक्षेत्र और आधार**

- (i) प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण के पैरा 17 और 18 में नोट किया है और वे यह मानते हैं कि घरेलू उत्पादक कुल भारतीय उत्पादन का एक बहुत बड़ा हिस्सा तैयार करते हैं और उन्हें नियम 2 (ख) के संबंध में एक पात्र घरेलू उद्योग के रूप में माना है। इसके अलावा, यह उल्लेख किया गया है कि 25 प्रतिशत और 50 प्रतिशत का परीक्षण वास्तव में नियम 26 के अंतर्गत आरंभ की गई जांच के लिए लागू नहीं है। इस संबंध में प्राधिकारी ने यह माना है कि 25 प्रतिशत और 50 प्रतिशत का परीक्षण नियम 26 के अंतर्गत आरंभ किये गये जांच के लिए वास्तव में लागू नहीं है जो कानून के प्रावधानों के अनुसार नहीं है। यह समझा जाता है कि प्राधिकारी निम्नलिखित आधार पर इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि
- पाटनरोधी नियमावली का नियम 26(5) में केवल इस बात का उल्लेख है कि नियम 6 के अंतर्गत साक्ष्य और कार्यविधियों के संबंध में प्रावधान इस नियम के अंतर्गत की गई किसी जांच पर आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे। पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 और अन्य नियमों की प्रयोज्यता के बारे में किसी बात का उल्लेख नहीं किया गया है।
  - वर्तमान जांच में भाग लेने वाले आवेदक कंपनियों ने मूल जांच में भी भाग लिया था, वर्तमान जांच शुल्कों का समय बढ़ाये जाने के लिए हैं।
- (ii) हालांकि, प्राधिकारी का ध्यान पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(1), नियम 26(1), नियम 5(3) और नियम 26(5) की ओर आकर्षित किया गया था। इन नियमों का अवलोकन करने से निम्नलिखित तथ्य स्पष्ट होते हैं :
- कानून निर्माता ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 26(1), नियम 5(1) और नियम 5(3) (क) में 'घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से' शब्द का प्रयोग किया है।
  - 'घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से' परिभाषित शब्द का अर्थ पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के स्पष्टीकरण में ही परिभाषित किया गया है।
  - नियम 26(5) में विशिष्ट रूप से इस बात का उल्लेख नहीं है कि नियम 5 को लागू नहीं किया जा सकता है।
- (iii) इस कारण से, नियम 5 प्रवंचना जांच पर आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू भी किये जा सकते हैं क्योंकि प्राधिकारी द्वारा की गई उदार व्याख्या से नियम 26(1) में 'घरेलू उद्योग द्वारा अथवा उसकी ओर से' शब्द का उपयोग बेकार और निर्थक हो जायेगा। तदनुसार, 25 प्रतिशत और 50 प्रतिशत का परीक्षण नियम 26 के अंतर्गत आरंभ की गई जांच पर भी लागू किया जा सकता है। इसके साथ ही, प्राधिकारी ने नियम 16 के अंतर्गत प्रकटन विवरण जारी किया है जिसे

प्रकटन विवरण से देखा जा सकता है जबकि प्रवंचना से संबंधित नियम 25 से नियम 28 में अन्य नियमों अथवा नियम 16 का कोई उल्लेख नहीं है।

- (iv) प्राधिकारी की इस टिप्पणी के संदर्भ में की वर्तमान जांच में भाग लेने वाली आवेदक कंपनियों ने मूल जांच में भी भाग लिया था, यह अनुरोध किया जाता है कि समर्थकों सहित आवेदकों का हिस्सा मूल जांच में कुल भारतीय उत्पादन का 59.02 प्रतिशत था जबकि वर्तमान जांच में आवेदकों का हिस्सा केवल 36 प्रतिशत है। प्राधिकारी ने मूल जांच के मामले में 50 प्रतिशत और 25 प्रतिशत दोनों परीक्षण किए हैं। मूल जांच के संबंधित अंशों अर्थात् 'पटसन उत्पादों' अर्थात् बंगलादेश और नेपाल से पटसन यार्न/ ट्वाइन (अनेक बार मोड़ा हुआ/ केबल किया गया हुआ और एकल), हेसियन फेब्रिक और पटन सेकिंग थैले के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की ओर संदर्भ लिया गया था (फा. सं. 14/19/2015 – डी जी ए डी दिनांक 20 अक्टूबर, 2016)।
- (v) इस कारण से यह स्पष्ट है कि प्राधिकारी ने मूल जांच में आधार की जांच करते समय 50 प्रतिशत प्लस और 25 प्रतिशत दोनों परीक्षण किये हैं। इसके अलावा, यह भी नोट किया जाए कि प्राधिकारी ने देश के कुल उत्पादन पर 50 प्रतिशत प्लस परीक्षण किया है। हालांकि, वर्तमान जांच में, आवेदक 50 प्रतिशत प्लस का परीक्षण में सफल नहीं हो पाये क्योंकि इसका हिस्सा कुल भारतीय उत्पादन का केवल 36 प्रतिशत है।
- (vi) यह दोहराया जाता है कि आवेदक ने पाटनरोधी नियमावली, 1995 के नियम 2(ख) और 5(3) के संबंध में अपने आधार को सिद्ध करने के लिए दिसंबर, 2017 के अपने मूल प्रयोज्यता के साथ निम्नलिखित मूल दस्तावेज और सूचना उपलब्ध नहीं कराए हैं :
- आवेदक मिलों का उनके उत्पादन व्यौरों के साथ नाम;
  - सहयोग करने वाली मिलों का उनके उत्पादन व्यौरों के साथ नाम;
  - आवेदकों और समर्थकों को छोड़कर मिलों का नाम;
  - संघ की बोर्ड के संकल्प की एक प्रति जिसमें प्रवंचनाविरोधी जांच दायर करने के संबंध में निर्णय लिया गया है;
  - आवेदन दायर करने के लिए आवेदक के पक्ष में इन मिलों द्वारा उपलब्ध कराये गये अधिकरण पत्रों की एक प्रति।
- (vii) प्राधिकारी का ध्यान मूल जांच के पैरा 42 से पैरा 47 की ओर आकर्षित किया जाता है जिनमें आवेदकों, समर्थकों और अन्य के नाम और उत्पादन संबंधी आंकड़े आवेदक द्वारा किये गये आधार के दावे को सही साबित करने के लिए प्रकट किया गया था। हालांकि, इस मामले में इस प्रकार की कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई है। आवेदक ने अपनी सुविधा के अनुसार मूल आवेदन में यह मान लिया है कि आवेदक संघ के सभी सदस्यों ने इस याचिका का समर्थन किया है जबकि केवल 13 मिलों ने इस आवेदन का समर्थन किया है जो संशोधित आवेदन और प्रकटन विवरण के पैरा 15 से स्पष्ट है।
- (viii) प्रतिवादी प्राधिकारी से यह अनुरोध करता है कि वे तत्काल इस जांच को समाप्त कर दें क्योंकि जांच आरंभन का अधिकार क्षेत्र नहीं है और यह कानून की दृष्टि से गलत है क्योंकि आवेदक पाटनरोधी नियमावली, 1995 के नियम 5(3) में स्पष्ट रूप से उल्लेख किये गये आधार संबंधी मानदंडों को पूरा नहीं करता है।
- (ix) आवेदक द्वारा प्रस्तुत किया गया प्रश्नावली का उत्तर स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि आवेदक ने एक दोषपूर्ण आवेदन दायर किया था क्योंकि आवेदक मिलों के नाम, उत्पादन, बिक्री आदि जैसे मूलभूत सूचना प्रश्नावली के उत्तर में पहली बार दिया गया है।

#### **ख) क्षति और कारणात्मक संबंध**

- (i) प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण में पैरा 21 (i) इस बात का उल्लेख किया है कि प्रवंचनाके मौजूद होने के बारे में प्रथम दृष्टया संतुष्टि पर पहुंचने के लिए प्राधिकारी द्वारा विचार किये गये प्राथमिक कारकों की सूची जांच आरंभन संबंधी अधिसूचना में दी गई है। इस संबंध में यह दोहराया जाता है कि -
- आवेदक ने अपने इस दावे को सही साबित करने के लिए मूल जांच में उत्पादन, बिक्री, क्षमता, लाभ आदि के व्यौरे उपलब्ध नहीं कराये हैं कि कथित प्रवंचना से शुल्क निष्प्रभावी हो गया है। आवेदक ने कीमत में कटौती

और कम कीमत पर बिक्री के संबंधित कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं कराये हैं। तदनुसार, आवेदक द्वारा दायर किया गया आवेदन दोषपूर्ण और अपूर्ण है।

- वर्तमान जांच के आरंभन संबंधी अधिसूचना में उत्पादन, बिक्री, क्षमता, लाभ जैसे कारकों का सारांश नहीं है जिसके आधार पर यह आरोप लगाया गया है अथवा यह निष्कर्ष निकाला गया है कि इस प्रकार से लगाये गये पाटनरोधी शुल्क निष्प्रभावी कर दिए गए हैं। प्रतिवादी यह अनुरोध करता है कि उत्पादन प्रवंचना के मामले सहित सभी मामलों में यह सिद्ध करना अनिवार्य है कि लगाये गये पाटनरोधी शुल्कों के उपचारात्मक प्रभावों को हानि पहुंची है और यह शुल्क निष्प्रभावी कर दिया गया है। अपने दावे के समर्थन में, प्राधिकारी का ध्यान सी टी ए के धारा 9क (1क) की ओर आकर्षित किया जाता है जो यह अधिकार देता है कि इस शुल्क का समय विस्तार तभी किया जाना चाहिए जब प्रवंचनाके कारण यह शुल्क निष्प्रभावी हो गया है और ऐसा पाटनरोधी नियमावली के नियम 25 (6) और 6(1) (iv) के अंतर्गत किया गया है।
- (ii) इन नियमों के अवलोकन से यह स्पष्ट है कि जांच आरंभन में उन कारकों का सार निहित होगा जिसके आधार पर क्षति का आरोप लगाया गया है। हालांकि, चूंकि नियम 6(1) (iv) प्रवंचनासंबंधी जांच पर आवश्यक परिवर्तनों सहित लागू किए जा सकते हैं फिर भी नियम 6(1) (iv) को *“उन कारकों का सार जिसके आधार पर यह आरोप लगाया गया है अथवा यह निष्कर्ष निकाला गया है कि इस प्रकार से लगाये गये पाटनरोधी शुल्क को निष्प्रभावी बना दिया गया है।”* के रूप में पढ़ा जाना चाहिए।
- (iii) पैरा 21 (ii) में यह प्रस्ताव किया गया है कि शुल्कों में कटौती, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से और संपूर्ण रूप में भारतीय उद्योग पर प्रभाव और घरेलू उद्योग की कीमतों पर कीमत में कटौती संबंधी प्रभाव पर विचार करते हुए प्रकटन में पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव को हानि पहुंचाने का विश्लेषण किया जाए। प्रतिवादी यह अनुरोध करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा प्रस्तावित कार्य पद्धति डी एफ एस प्रवंचना रोधी जांच के मामले में प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई प्रथा के अनुरूप नहीं है। डी एफ एस जांच में प्राधिकारी ने इस बात की सिफारिश करने के पूर्व क्षति संबंधी सभी मानदंडों का विश्लेषण किया है कि प्रवंचना करने वाले उत्पाद (इंडोलिनॉन) ने प्रवंचना की गई उत्पाद (डिक्लोफेनेक सोडियम) पर लगाये गये इस शुल्क को निष्प्रभावी कर दिया है।
- (iv) इस कारण से यह स्पष्ट है कि प्राधिकारी ने डी एफ एस प्रवंचनाविरोधी जांच में उत्पादन, निर्यात, भंडार, कम कीमत पर बिक्री, क्षति मार्जिन आदि सहित क्षति संबंधी सभी मानदंडों का विश्लेषण किया है। अतः यह अनुरोध किया जाता है कि इस तथ्य की जांच करने के लिए क्षति के सभी मानदंडों का विश्लेषण किया जाए कि क्या कथित प्रवंचनासे बंगलादेश के विचाराधीन उत्पाद के आयातों के विरुद्ध लगाये गये पाटनरोधी शुल्क के उपचारात्मक प्रभावों को हानि पहुंची है।
- (v) प्रतिवादी को बहुत बाद के चरण में पीडीएफ फॉर्मेट में लेन देन वार तिथि प्राप्त हुई है जिसमें अन्य देशों से विचाराधीन उत्पाद के आयातों के मुद्दे पर अपनी सार्थक टिप्पणियां देने के इसके अधिकार को कम कर दिया है।
- (vi) यह अनुरोध किया जाता है कि लेन देन वार आयात आंकड़े उपलब्ध कराने के लिए अनुरोध प्रतिवादी द्वारा इसके दिनांक 27 अगस्त, 2018 के पत्र के माध्यम से किया गया था। हालांकि, ये आंकड़े पीडीएफ फॉर्मेट में दिनांक 07 मार्च, 2019 को प्राप्त हुआ है जो 700 पृष्ठों का है। प्रतिवादी को इस प्रकटन विवरण पर टिप्पणियां तैयार करने और पीडीएफ फॉर्मेट में 400 पृष्ठों के आयात आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए केवल चार कार्य दिवस मिले। प्रतिवादी यह अनुरोध करता है कि इसे आयात संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला। तदनुसार, प्रतिवादी इस मुद्दे पर अपनी सार्थक टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए मजबूर हुआ। प्रतिवादी यह अनुरोध करता है कि प्राधिकारी अंतिम जांच परिणामों में बंगलादेश, नेपाल और अन्य देशों से पी यू सी और पी यू आई के आयातों की मात्रा और मूल्य का खुलासा करे क्योंकि वह मामला जांच की तह तक जाता है।
- (vii) पटसन आयुक्त के कार्यालय द्वारा जारी किये गये आदेश स्पष्ट रूप से यह दर्शाते हैं कि घरेलू उत्पादकों के साथ उतनी क्षमता नहीं है जिससे कि वे मांग को पूरा कर सकें और क्षमता में कमी तथाकथित घरेलू उद्योग को किसी भी रूप में क्षति, यदि कोई हो का कारण है।
- (viii) पटसन आयुक्त ने दिनांक 14 फरवरी, 2018 के अपने आदेश संख्या पटसन (विपणन)2/2003 के माध्यम से सभी पटसन मिलों को निदेश दिया कि वे किसी भी एजेंसी को कोई भी जूट सेकिंग कपड़े अथवा थैले बेचने के पूर्व उनके कार्यालय से पूर्व अनुमति प्राप्त करें। 24 अक्टूबर, 2018 को पटसन आयुक्त के कार्यालय ने पटसन मिलों को एक पत्र

(सं. जूट (विपणन)/11/2004-V) जारी किया जिसके द्वारा उन्हें यह चेतावनी दी गई थी कि वे बी-टिवल पटन थैलों (विचाराधीन उत्पाद) की आपूर्ति न करें और उत्पादन नियंत्रण एवं आपूर्ति आदेश (पी सी एस ओ) के विरुद्ध बेकलॉग को खत्म करें। बी-टिवल थैले सेकिंग तरह के थैले हैं। इस कारण से, यह स्पष्ट है कि भारतीय पटसन मिलों को उनके आंतरिक अक्षमताओं के कारण तथा पटसन आयुक्त के कार्यालय द्वारा जारी किये गये आदेशों के कारण न कि बंगलादेश से पटसन सेकिंग थैलों के आयातों के कारण क्षति हुई है।

**ग) अत्यधिक गोपनीयता का दावा आवेदक उत्पादकों द्वारा किया गया है**

(i) आवेदक ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है जिसने प्रतिवादी को अपने उद्देश्य पूर्ण टिप्पणियां करने से रोक दिया है। सूचना की व्याख्यात्मक सूची जिस पर आवेदक ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है नीचे दिए गए अनुसार है :

- घरेलू उद्योग का उत्पादन, घरेलू बिक्री, मांग, मांग में बाजार हिस्सा, सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की गणना करने के लिए आधार आदि।

(ii) आवेदक द्वारा गोपनीयता के संबंध में किए गए दावे पाटनरोधी नियमावली, 1995 के अनुसार नहीं है। इसके अलावा, यह अनुरोध किया जाता है कि इस आवेदन का अगोपनीय पाठ पूर्ण रूप से उचित नहीं है और इसका कोई अर्थ नहीं है।

(iii) यह अनुरोध किया जाता है कि पाटनरोधी नियमावली, 1995 के अंतर्गत गोपनीयता का प्रावधान पारदर्शिता को समाप्त करने और विरोधी पक्षकारों के लिए बाधा उत्पन्न करने के उद्देश्य से जांच के दौरान सूचना को प्रकट किए जाने से इनकार करने मात्र के लिए एक तंत्र नहीं है।

(iv) विश्व व्यापार संगठन की और गुआटेमाला – सीमेंट II के संबंध में रिपोर्ट और एस्सार स्टील लिमि. बनाम संघ सरकार 2008 (222) ई एल टी 161 (डीईएल) और एच. आर जॉनसन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी 2005 के मामले में सेस्टेट के निर्णयों की ओर संदर्भ लिया गया था।

(v) यह दोहराया जाता है कि पाटनरोधी नियमावली, 1995 भी प्राधिकारी को किसी पक्षकार द्वारा की गई गोपनीयता के लिए अनुरोध पर विचार करने वास्ते अधिकार प्रदान करता है और यदि यह संतुष्ट हो कि उसकी आवश्यकता नहीं है अथवा यह कि सूचना का आपूर्तिकर्ता सूचना को सार्वजनिक करने के लिए इच्छुक नहीं है अथवा अपने प्रकटन को सामान्य अथवा सारांश रूप में अधिकृत करने के लिए इच्छुक नहीं है तब यह इस प्रकार की सूचना को नहीं मान सकता है।

**घ) मौजूदा पाटनरोधी उपाय और घरेलू उद्योग पर प्रवंचनाके प्रभाव का आकलन**

(i) प्राधिकारी द्वारा इस तथ्य की जांच करने के लिए प्रस्तावित कार्य पद्धति के पाटनरोधी शुल्कों के उपचारात्मक प्रभाव को इस जांच हानि पहुंचाई गई है अथवा नहीं, प्राधिकारी द्वारा डी एफ एस पंचनारोधी जांच के मामले में अपनाई गई कार्य पद्धति के प्रतिकूल है। डी एफ एस जांच में, प्राधिकारी इस बात की सिफारिश करने के पूर्व क्षति संबंधी सभी मानदंडों का विश्लेषण किया है कि प्रवंचना करने वाला उत्पाद (इंडोलिनॉन) ने प्रवंचना किए गए उत्पाद (डिक्लोफेनक सोडियम) पर लगाये गये शुल्क को निष्प्रभावी बना दिया है। अतः प्राधिकारी से यह अनुरोध किया जाता है कि वे इस मामले में उसी कार्य पद्धति को अपनायें।

(ii) विभिन्न मानदंडों पर क्षति से संबंधित सूचना को रिकार्ड किया गया था और उसका विश्लेषण में भी डी एफ एस में किया गया था जबकि इस जांच में जारी किये गये प्रकटन विवरण में उन मानदंडों का कोई उल्लेख नहीं है। प्राधिकारी ने आवेदक और उत्पादक के लिए अलग अलग रूप में डी एफ एस मामले में क्षति की गणना की है और यह नोट किया है कि यह सकारात्मक है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने डी एफ एस मामले में क्षति की समग्र अवधि के लिए कटौती और कम कीमत पर बिक्री की भी गणना की थी जबकि वर्तमान जांच में कटौती की गणना केवल जांच की अवधि के लिए की गई है।

(iii) बंगलादेश से पी यू आई के आयातों से बंगलादेश से विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर लगाये गये पाटनरोधी शुल्क के उपचारात्मक प्रभावों को हानि नहीं हुई है। इस कारण, से कथित प्रवंचना के कारण विचाराधीन उत्पाद पर लगाया गया शुल्क निष्प्रभावी नहीं हुआ है। इस संबंध में विचाराधीन उत्पाद से संबंधित तथ्यों (प्रश्नावली के उत्तर के अनुबंध क – भाग II) का संदर्भ लिया जाता है। क्षमता से संबंधित तथ्यों, उत्पादन में बहुत अधिक वृद्धि, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, घरेलू बिक्री, प्रतिदिन उत्पादकता प्रति इकाई कर पश्चात लाभ – घरेलू बिक्री, व्याज और कर पश्चात लाभ, नकद लाभ आदि को पुनः इस दावे को सही साबित करने के लिए अनुरोधों में प्रस्तुत किया गया था।

- (iv) यह दोहराया जाता है कि तथाकथित घरेलू उद्योग को उनके व्याज/ वित्त और ह्रास लागत में अत्यधिक वृद्धि के कारण क्षति, यदि कोई हो उठानी पड़ी है। प्रश्नावली के उत्तर के पटसन सेकिंग थैले (अनुबंध क - भाग II) से संबंधित तथ्यों का संदर्भ लिया जाता है।
- (v) यह नोट किया जा सकता है कि आवेदक की क्षमता 2014-15 की तुलना में जांच की अवधि-क में लगभग स्थिर रही ऐसे मामले में, हम व्याज और ह्रास की लागत में अत्यधिक वृद्धि के लिए कारण को नहीं समझ पाते हैं। तदनुसार, यह स्पष्ट है कि आवेदक को आंतरिक अक्षमताओं और कुप्रबंधन के कारण और न कि बंगलादेश से पटसन सेकिंग थैलों के आयातों पर लगाये गये पाटनरोधी शुल्क की कथित प्रवंचनाके कारण क्षति हुई है।
- (vi) इसके अलावा, यह भी अनुरोध किया जाता है कि पटसन आयुक्त के आदेश आवेदक द्वारा हानि उठायी जा रही क्षति, यदि कोई हो के लिए कारण है क्योंकि पटसन मिल मांग और आपूर्ति के आधार पर खुले बाजार में अपने सामानों की बिक्री स्वतंत्र रूप से नहीं कर सकता है।

**अ. 1 (च) रानू एगो इंडस्ट्रीज लिमिटेड, मौना जूट मिल्स लिमि., वरनू जूट मिल्स लिमि., जमुना जूट इंडस्ट्रीज लिमि., नबरन जूट मिल्स लिमिटेड, राबेया जूट मिल्स एवं रहमान जूट मिल्स (प्रा.) लिमि. की ओर से उपस्थित होने वाले मैसर्स वल्ड ट्रेड कंस्लटेंट्स एंड एवोकेट्स ने निम्नलिखित टिप्पणियां की हैं :**

**86. सब्सिडी के प्रभाव सहित लाभ के प्रतिशत को अपनाना सही नहीं है :**

- (i) सत्यापन टीम को यह स्पष्ट किया गया था कि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, पटसन उत्पादों के निर्यातों के संबंध में उचित प्रक्रिया अपनाने के बाद बैंक के माध्यम से भुगतान के रूप में सरकार द्वारा सब्सिडी दी जाती है। उसकी सूचना आय के विवरण में एक अलग आय मद के रूप में दी जाती है। सब्सिडी से संबंधित सभी दस्तावेज सत्यापन टीम को उपलब्ध कराये गये थे। मूल जांच में जारी किए गए अंतिम जांच परिणामों के अनुसार, सब्सिडी के प्रभाव पर विचार न तो लागत में किया गया था और न ही उसे मूल जांच में तथा वर्तमान जांच के कार्यचालन प्राधिकारी द्वारा पाटन मार्जिन तय करने के लिए बिक्री से प्राप्त होने वाली आय में जोड़ा गया था। हालांकि, वर्तमान जांच में, सामान्य मूल्य पर पहुंचने के लिए उत्पादन की लागत में लाभ के मार्जिन को जोड़ते समय प्राधिकारी ने सब्सिडी के प्रभाव को भी जोड़ा है। लाभ मार्जिन में सब्सिडी को जोड़ने कि यह कार्य पद्धति सही नहीं है। इसके अलावा, चूंकि सब्सिडी के प्रभाव पर उत्पादन की लागत (सी ओ पी) अथवा बिक्री से प्राप्त होने वाली आय में विचार नहीं किया गया है। अतः लाभ का मार्जिन वह अंतर होना चाहिए जो बिक्री से प्राप्त होने वाली आय और उत्पादन की लागत (सी ओ पी) के बीच ही हो। सब्सिडी के किसी प्रभाव को नहीं दोहराया जाना चाहिए क्योंकि :
- लाभ बिक्री की कीमत और लागत के बीच अंतर है। प्राधिकारी ने न तो बिक्री की कीमत के भाग के रूप में सब्सिडी पर विचार किया है और न ही उत्पादन की लागत से इसमें कटौती की है और न ही वर्तमान जांच में और न ही मूल जांच में निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन तय करने के लिए यह किया गया है।
  - घरेलू बिक्री के मामले में कोई सब्सिडी प्राप्त नहीं की जा सकती है। सब्सिडी केवल निर्यात की मात्रा के संबंध में और न कि घरेलू बिक्री के संबंध में प्राप्त की जाती है। सभी सार्थक दस्तावेजों के साथ साथ प्राप्त की गई सब्सिडी का ब्यौरा सत्यापन दल को उपलब्ध कराया गया था। इस कारण से घरेलू बाजार में उत्पादन की सामान्य मूल्य आधारित लागत तय करते समय सब्सिडी के प्रभाव को नहीं लिया जायेगा।
  - मूल जांच में प्राधिकारी की विगत प्रथा यह दर्शाती है कि इसने सभी भाग लेने वाले उत्पादकों/ निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए 5 प्रतिशत लाभ मार्जिन को अपनाया है।

**87. परिवर्तन लागत में संशोधन :**

- (i) प्राधिकारी ने परिवर्तन लागत जिसका दावा निर्यातकों द्वारा किया गया है में संशोधन किया है। डी जी टी आर द्वारा जारी किये गये गोपनीय प्रकटन विवरण के अनुसार, प्राधिकारी ने परिवर्तन लागत के संबंध में इन दावों को स्वीकार नहीं किया है। श्रम की लागत, उपभोग्य सामग्री, यूटिलिटी, ह्रास और निर्माण ऊपरी व्यय अनुमानित श्रमिक घंटे के आधार पर संबंधित उत्पाद को आवंटित किए जाते हैं।
- (ii) प्राधिकारी ने (क) श्रमिक लागत और (ख) ह्रास के लिए आवंटन के आधार के रूप में उत्पादन मूल्य को अपनाया है।
- (iii) उपर्युक्त खर्चों का मानव/ मशीन/ श्रमिक घंटे के साथ प्रत्यक्षतः संबंध है। जितनी गिनती कम होगी उतना ही अधिक परिवर्तन लागत होगा। सेकिंग कपड़े में, यार्न का मोटे काउंट का उपयोग किया जाता है, इस कारण से प्रति घंटा उत्पादन हेसियन फेब्रिक और सामान्य यार्न की तुलना में उपर्युक्त खर्च के आवंटन के लिए अधिक उपयुक्त आधार है।

- (iv) प्राधिकारी ने इस परिवर्तन लागत को विभिन्न उत्पादों की कीमतों से जोड़ा है। परिवर्तन लागत को कीमतों से जोड़ना तब सही नहीं है जब उत्पादन विभिन्न प्रकार के उत्पादों के लिए बहुत अलग अलग हो। यह अनुरोध किया जाता है कि एक बाजार खंड से दूसरे बाजार खंड में कीमतें अलग अलग होती हैं। उसी उत्पाद की तब अलग अलग कीमतें होती हैं जब उसका निर्यात भारत में किया जाता है और बंगलादेश में बेचा जाता है जिसका उल्लेख ऊपर किया गया है।

**88. लेखा परीक्षकों द्वारा विधिवत प्रमाणित लागत के दावों में संशोधन पाटनरोधी करार और नियमावली के भावना के विरुद्ध है :**

- (i) उत्पादक/ निर्यातक द्वारा दावा किए गए लागत में चूंकि सरकार का संशोधन पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.2.1.1 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 का पैरा 1 का उल्लंघन है।
- (ii) सामान्य प्रशुल्क एवं व्यापार संबंधी करार 1994 का अनुच्छेद VI नीचे दिए गए अनुसार पढ़ा जाये :
- “2.2.1.1 पैरा 2 के उद्देश्य से लागतों की गणना सामान्य रूप में जांच के अधीन निर्यातक अथवा उत्पादक द्वारा रखे गए रिकार्डों के आधार पर किया जायेगा बशर्ते कि इस प्रकार का रिकार्ड निर्यातक देश के सामान्य रूप से स्वीकार किए गए लेखांकन सिद्धांतों (जी ए ए पी) के अनुसार है और यह विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और बिक्री से संबद्ध लागतों को उचित रूप से दर्शाता है। प्राधिकारी लागतों के उचित आवंटन के एक संबंध में सभी उपलब्ध साक्ष्यों जिसमें वह साक्ष्य भी शामिल है जिसे जांच की प्रक्रिया में निर्यातक अथवा उत्पादक द्वारा उपलब्ध कराया गया है, पर विचार करेंगे बशर्ते कि इस प्रकार के आवंटन का उपयोग ऐतिहासिक रूप से निर्यातक अथवा उत्पादक द्वारा उपयुक्त परिशोधन और ह्रास की अवधियों और पूंजीगत व्यय तथा अन्य विकास की लागतों के लिए गुंजाइशों के संबंध में विशेष रूप से हो, किया गया है। यदि इस उप पैरा के अंतर्गत लागत आवंटनों में पहले से दर्शाया नहीं गया हो, तब लागतों का समायोजन उपयुक्त रूप से लागत की उन गैर आवर्ती मदों के लिए किया जाएगा जिससे भविष्य में लाभ हो और/ अथवा वर्तमान में उत्पादन को लाभ मिले अथवा उन परिस्थितियों के लिए जिनमें जांच की अवधि के दौरान लागतों पर आरंभिक प्रचालनों द्वारा प्रतिकूल प्रभाव पड़ता हो।”
- (iii) उपर्युक्त अंतर नियम में यह अपेक्षित है कि यदि कंपनियों का रिकार्ड निर्यातक देशों के सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जी ए ए पी) के अनुसार रखे जाते हों, तब जांच करने वाला अधिकारी भाग लेने वाले निर्यातकों के उत्पादन की लागत (सी ओ पी) को स्वीकार करे।
- (iv) प्राधिकारी ने कुछ काल्पनिक अनुमानों के आधार पर भाग लेने वाली अनेक कंपनियों के उत्पादन की लागत (सी ओ पी) में संशोधन किया है जो सामान्य शुल्क एवं व्यापार संबंधी करार 1994 के अंतर्गत नियम VI के कार्यान्वयन पर करार के अंतर नियम 2.2.1.1 का स्पष्ट उल्लंघन है। अंतर नियम में यह अपेक्षित है कि यदि कंपनियों का रिकार्ड निर्यातक देशों के सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों (जी ए ए पी) के अनुसार रखे जाते हों, तब जांच करने वाला अधिकारी भाग लेने वाले निर्यातकों के उत्पादन की लागत (सी ओ पी) को स्वीकार करे।
- (v) कंपनी ने वर्ष 2016-17, 2017-18 और जांच की अवधि के लिए अर्थात् 1 अक्टूबर, 2016 से 31 दिसंबर, 2017 के लिए लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत प्रमाणित लेखा परीक्षित लेखाओं और इन प्रमाण पत्रों की कंपनी के लेखा बंगलादेश वित्तीय रिपोर्ट प्रणाली (बी एफ आर एस) और लेखांकन प्रणाली (बी ए एस) के अनुसार रखे जाते हैं, के साथ साथ लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत प्रमाणित उत्पादन की लागत (सी ओ पी) से संबंधित व्यौरे उपलब्ध कराये हैं।

**89. मैसर्स मौना जूट मिल्स लिमि. के संदर्भ में, निम्नलिखित अनुरोध किया जाता है :**

- (i) निर्यातक द्वारा बेचे गए सभी उत्पादों के आधार पर सामान्य मूल्य निर्धारित करने के लिए लाभ के मार्जिन को अपनाना सही नहीं है।
- (ii) सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान यह दर्शाया गया था कि निर्यातक ने विचाराधीन उत्पाद, पी यू आई और अन्य विशिष्ट उत्पादों की बिक्री की है। विचाराधीन उत्पाद घरेलू बाजार में बेचा जाता है और उसका निर्यात अन्य देशों में किया जाता है। पी यू आई का निर्यात केवल भारत में किया गया है। अन्य उत्पादों की बिक्री घरेलू बाजार में की जाती है तथा उसका निर्यात अन्य देशों में किया जाता है। अन्य विशिष्ट उत्पाद बनाये जाते हैं और आवश्यकता के आधार पर उन्हें ग्राहकों की रुचि के अनुसार बनाया जाता है और वे महंगे होते हैं। यही कारण है कि अन्य विशिष्ट उत्पादों के लिए प्रति इकाई बिक्री से प्राप्त होने वाली आय विचाराधीन उत्पाद/ पी यू आई की प्रति इकाई बिक्री प्राप्त होने वाली आय की तुलना में लगभग दोगुनी होती है।
- (iii) घरेलू बाजार में विचाराधीन उत्पाद/ पी यू आई की बिक्री से प्राप्त होने वाली आय, अन्य देशों तथा भारत में निर्यात बहुत अधिक अलग अलग नहीं है और यह अंतर केवल 10 प्रतिशत की सीमा में है। घरेलू बाजार में बेचे गए विशिष्ट उत्पाद विचाराधीन उत्पाद और पी यू आई की कीमत का लगभग दोगुना है जबकि उसका निर्यात अन्य देशों में 50

प्रतिशत अधिक कीमत पर किया जाता है। अन्य उत्पादों की बिक्री से प्राप्त होने वाली आय विचाराधीन उत्पाद/ पी यू आई की बिक्री से प्राप्त होने वाली आय की तुलना में बहुत अधिक है। ई एक्स पी फार्म सं. के साथ साथ अन्य उत्पादों की टी बिक्री के द्वारा टी (पहले ही प्रस्तुत कर दिया गया) इन अनुरोधों के साथ संलग्न किया गया है। विशिष्ट उत्पादों में अंतर, विचाराधीन उत्पाद और पी यू आई को इन अनुरोधों में दिए गए तस्वीरों से देखा जा सकता है।

- (iv) अन्य उत्पाद विचाराधीन उत्पाद और पी यू आई से स्पष्ट रूप से भिन्न हैं। अन्य उत्पाद विचाराधीन उत्पाद और पी यू आई और अन्य सामान्य पटसन उत्पादों की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक लाभ दर देते हैं। अपेक्षाकृत अधिक कीमत के कारण अधिक लाभ दर हुआ है। इस कारण से विचाराधीन उत्पाद/ पी यू आई के उत्पादन की लागत पर संपूर्ण रूप से कंपनी के लिए लाभ का मार्जिन अपनाता तर्कसंगत नहीं है और इसे सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए नहीं अपनाया जायेगा। यह अनुरोध किया जाता है कि उचित और तर्कसंगत सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए, विचाराधीन उत्पाद/ पी यू आई की धारित औसत लाभप्रदता पर विचार किया जाए।

**90. (क) लागत के आंकड़ों को अस्वीकार करने से अंतर नियम 6.8 के अंतर्गत निर्धारित आवश्यकता पूरी नहीं होती है**

- (i) सहयोगी उत्पादन/ निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई इनपुट को तभी अस्वीकार किया जा सकता है यदि सामान्य शुल्क एवं व्यापार संबंधी करार 1994 के अंतर नियम VI के कार्यान्वयन पर करार के अंतर नियम 6.8 जिसे इस करार के अनुबंध 11 के पैरा 5 के साथ पढ़ा जाये, के अंतर्गत आवश्यकताओं का निर्धारण किया गया हो।
- (ii) निम्नलिखित तथ्य यह दर्शाते हैं कि निर्यातक ने प्राधिकारी के साथ पूर्ण रूप से सहयोग किया है और अपनी सर्वोत्तम क्षमताओं के अनुसार सभी अपेक्षित सूचना उपलब्ध कराई है :
- कंपनी में निर्धारित प्रश्नावलियों के अनुसार अपेक्षित उत्तर प्रस्तुत करने के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित सभी समय सीमाओं को पूरा किया है;
  - लेखा परीक्षा रिपोर्ट विशेष रूप से जांच की अवधि के लिए प्रस्तुत की गई थी यद्यपि जांच की अवधि सामान्य लेखांकन वर्ष जिसके लिए नियमित लेखा परीक्षा की जाती है, से पूर्ण से अलग है। लेखा परीक्षा रिपोर्ट में, विस्तृत व्यापार खाता और लाभ एवं हानि खाते अलग अलग तैयार किए गए थे। चूंकि इन लेखाओं में सभी सूचनाएं विस्तार से दी गई थी। अतः लेखा परीक्षक ने विभिन्न शीर्षों के मदों के लिए अलग अलग समय सूची/ तालिका तैयार नहीं की है।
  - इस ने वर्ष 2016-17, 2017-18 और जांच की अवधि के लिए अर्थात् 1 अक्टूबर, 2016 से 31 दिसंबर, 2017 के लिए लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत प्रमाणित लेखा परीक्षित लेखाओं और इन प्रमाण पत्रों की कंपनी के लेखा बंगलादेश वित्तीय रिपोर्ट प्रणाली (बी एफ आर एस) और लेखांकन प्रणाली (बी ए एस) के अनुसार रखे जाते हैं, के साथ साथ लेखा परीक्षक द्वारा विधिवत प्रमाणित उत्पादन की लागत (सी ओ पी) से संबंधित ब्यौरे उपलब्ध कराये हैं।
  - कंपनी के सभी लेखा और रिकार्ड बंगला भाषा में हैं। तथापि, प्राधिकारी को सहायता करने के उद्देश्य से, सभी मुख्य रिकार्ड ढाका में किए गए सत्यापन के समय मूल रिकार्डों की प्रतियों के साथ एक्सल रूप में इंग्लिश में उचित अनुवाद के बाद प्रस्तुत किए गए थे।
  - संस्थापित क्षमता के बारे में सूचना का अधिकार, उत्पाद रिकार्ड/ रजिस्टर; समर्थक दस्तावेजों के साथ बिक्री खाता; कच्चे पटसन की खरीद और सभी सहयोगी खरीद बीजकों के साथ प्रेषण रजिस्टर; सभी सहयोगी खरीद बीजकों के साथ जे बी ओ खरीद खाता; मजदूरी रजिस्टर; वेतन रजिस्टर; बिजली/ विद्युत रजिस्टर अंग्रेजी अनुवाद के साथ उचित सत्यापन के बाद सत्यापन दल को उपलब्ध कराया गया था, उस पर विचार किया गया था और प्राधिकारी द्वारा जारी सत्यापन रिपोर्ट में विधिवत रिकार्ड किया गया था।
- (iii) प्राधिकारी द्वारा जारी किए गए रानू एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड की सत्यापन रिपोर्ट में, केवल दो प्रतिकूल टिप्पण देखे गए थे :
- आरंभिक भंडार, अंतिम भंडार और खपत से संबंधित मात्रा संबंधी रिकार्डों को सत्यापन के समय उपलब्ध नहीं कराया गया था और उसका सत्यापन नहीं किया जा सका।
  - ह्रास की लागत और ब्याज की लागत अन्य सहयोगी उत्पादक/ निर्यातक से बहुत कम है।

- (iv) प्राधिकारी की इस टिप्पणी के संबंध में की उत्पादक ने कच्चे पटसन की आरंभिक और अंतिम भंडार के साक्ष्यों को उपलब्ध नहीं कराया है, यह अनुरोध किया जाता है कि कच्चे पटसन के माल भंडार खाते की स्केन की गई प्रति उपलब्ध कराई गई थी और वह सत्यापन के समय कच्चे पटसन की आरंभिक और अंतिम भंडार को दर्शाता है। यह व्यक्तिगत रूप से सत्यापन रिपोर्ट के जारी किए जाने के बाद उस अधिकारी को स्पष्ट किया गया था।
- (v) *ह्रास की कमतर लागत के संबंध में* यह अनुरोध किया जाता है रानू एग्रो केवल सेकिंग थैले, सेकिंग कपड़े और रस्सी का उत्पादन कर रहा है जो बहुत निम्न गुणवत्ता का है। रानू एग्रो द्वारा निर्मित किए गए सेकिंग थैले और रस्सी दोनों को घरेलू बाजार में इसकी निम्न गुणवत्ता के कारण बहुत कम कीमत पर बेचा जाता है। उसे हमारे उत्तर से देखा जा सकता है। उसके निर्माण के लिए उन्होंने जंग यार्ड से इस्तेमाल किए गए करघों की खरीद की है। इसके फलस्वरूप मशीनों की लागत बहुत कम हो गई जिसके फलस्वरूप ह्रास कम हुआ। इन लेखा परीक्षकों द्वारा विधिवत सत्यापित ह्रास के ब्यौरे प्रस्तुत किए गए लेखा परीक्षण रिपोर्ट के साथ संलग्न किया गया था। यह अनुरोध किया जाता है कि रानू को बहुत कम ब्याज लागत वहन करना पड़ा क्योंकि इसने पुराने संयंत्र और मशीनों और भूमि की कम लागत के कारण अपेक्षाकृत कम निवेश से पिछड़े क्षेत्र में अपना कारखाना स्थापित किया है। इसके फलस्वरूप, कम ऋण और ब्याज का भार पड़ा है। इसके फलस्वरूप ढाका में और उसके आस पास स्थित उत्पादकों की तुलना में अपेक्षाकृत कम श्रम और अन्य लागत हुई है।

**(ख) प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन**

- (i) सामान्य मूल्य के संबंध में प्रकटन विवरण के पैरा 39(4)(ii) के अनुसार, जिसके माध्यम से यह उल्लेख किया गया है कि *"कंपनी ने या तो घरेलू बाजार में अथवा अन्य देशों को निर्यात के माध्यम से पी यू आई की बिक्री नहीं की है। जांच की अवधि के दौरान पी यू आई के लिए उत्पादन की लागत का सत्यापन/ प्रमाणन नहीं किया जा सका और इस कारण से सहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों का उच्चतम सामान्य मूल्य और सहयोगी उत्पादक/ निर्यातक का औसत लाभ अर्थात् 10.88 प्रतिशत स्वीकार किया गया है। सामान्य मूल्य का प्रस्ताव 94523 बी डी टी/ मी. ट. के रूप में किया गया है"*। सहयोगी निर्यातक की लागत संबंधी आंकड़ों को अस्वीकार कर दिया गया है और प्राधिकारी ने अन्य सहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों के आंकड़ों पर विचार किया है। प्राधिकारी को इसके आंकड़ों को अस्वीकार किए जाने के पूर्व उन्हें एक अवसर देना चाहिए था। उत्पादक/ निर्यातक को उचित अवसर दिए बिना प्राधिकारी द्वारा सूचना को स्वीकार न करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन है।

**(ग) ढाका में स्थित कारखाने के लिए यथानिर्धारित सामान्य मूल्य अपनाया न्यायोचित नहीं है:**

91. प्राधिकारी ने उस फैक्ट्री जो ढाका में स्थित है के लागत आंकड़ों के आधार पर बहुत अधिक सामान्य मूल्य अपनाया है। यह तब उचित नहीं है जब वास्तविक लागत आंकड़े कंपनी द्वारा पूरी इमानदारी से प्राधिकारी को उपलब्ध कराये गये हैं।

**झ. 2 घरेलू उद्योग ने प्रकटन विवरण के संबंध में निम्नलिखित टिप्पणियां की हैं :**

**क) पाटन मार्जिन**

92. इस नियम में तीन तरह की प्रवंचना को माना गया है :

- क. एसेम्बली ऑपरेशन – पूर्व के चरण के उत्पाद अथवा बाद के चरण के उत्पाद का निर्यात  
ख. परिवर्तन – विवरण, नाम अथवा संरचना में  
ग. देश परिवंचना

93. उत्पाद प्रकार के प्रवंचना के मामले में निर्यातक पूर्व चरण के उत्पाद का निर्यात कर रहे हैं। चाहे उत्पादक पूर्व के चरण का अथवा बाद के चरण के उत्पादों का निर्यात कर रहे हों निश्चित रूप से यह एक मामला नहीं हो सकता है कि उत्पाद का रूप प्रवंचना को स्थापित करता हो यदि पाटन मार्जिन सकारात्मक हो और उत्पाद का रूप प्रवंचना को स्थापित नहीं करेगा यदि पाटन मार्जिन नकारात्मक हो। प्रवंचना को सिद्ध करने के उद्देश्य से पाटन का होना आवश्यक/ अनिवार्य भी नहीं है। उत्पाद रूप या तो प्रवंचना को स्थापित करता है अथवा नहीं स्थापित करता है। इसके अलावा, प्रवंचना को सिद्ध करने के उद्देश्य संगत मानदंड (क) यह प्रचालन पाटनरोधी जांच के ठीक पहले आरंभ होना चाहिए अथवा और बाद बढ़ना चाहिए (ख) असेम्बली, फिनिशिंग अथवा पूर्णतया के कार्य फलस्वरूप मूल्य एकत्र किए गए हुए, तैयार किए गए अथवा पूर्ण किए गए वस्तु की लागत का पैंतीस प्रतिशत से कम हो (ग) व्यापार प्रथा में परिवर्तन हुआ है, (ग. 1) पाटनरोधी शुल्क को छोड़कर आर्थिक अथवा अन्य प्रकार से औचित्य का न होना; (ग. 2) यह साक्ष्य कि पाटनरोधी शुल्कों के उपचारात्मक प्रभाव को समान वस्तु की कीमत और अथवा गुणवत्ता के संबंध में हानि पहुंचाई गई हो। पाटन का तथ्य एक संगत मानदंड भी नहीं है। ऐसी स्थिति होने पर अलग अलग निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन स्थापित करने का कोई महत्व नहीं है।

94. वर्तमान जांच में प्रायः प्रत्येक उत्पादक ने यह दर्शाया है कि प्रवंचना की प्रथा को दृष्टिगत करते हुए व्यापार के पैटर्न में परिवर्तन हुआ है। इसके अलावा, उत्पादकों जिन्हें नकारात्मक पाटन मार्जिन के साथ स्वीकृति दी गई है, ने व्यापार के पैटर्न में बहुत अधिक परिवर्तन दर्शाया है।
95. इस नियमावली में आरंभन के चरण में ही प्रवंचना के निर्धारण का प्रावधान है। यह नियम अंतिम जांच परिणामों के चरण में पाटन के निर्धारण का प्रावधान नहीं करता है। यह नियम 26 (4) के पाठन से बिलकुल स्पष्ट है।
96. इसके अलावा यह स्पष्ट है कि पाटन के पहलू की जांच प्रत्येक उत्पादक के लिए पृथक् रूप से किया जाना अपेक्षित है। आरंभन के चरण में निर्दिष्ट प्राधिकारी देशवार आधार पर पाटन मार्जिन का निर्धारण करते हैं। इस कारण से और अतिरिक्त रूप से इसी कारण से पाटन मार्जिन अलग अलग उत्पादक के लिए स्थापित किया जाना अपेक्षित नहीं है।
97. जैसे ही यह स्थापित हो जाता है कि पी यू आई विचाराधीन उत्पाद की प्रवंचना करता है, तो यह भी बात इसके बाद होती है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण पी यू आई और विचाराधीन उत्पाद दोनों को समान वस्तु के रूप में मानकर किया जाना अपेक्षित है। निश्चित रूप से ऐसा मामला नहीं हो सकता है कि पी यू आई विचाराधीन उत्पाद की प्रवंचना को स्थापित करता है परंतु विचाराधीन उत्पाद पी यू आई के समान वस्तु को स्थापित नहीं करता है। इसके अलावा, इस नियमावली के अंतर्गत, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे समान वस्तु के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करें। चूंकि विचाराधीन उत्पाद और पी यू आई एक समान वस्तु नहीं हैं अतः विचाराधीन उत्पाद और पी यू आई पर विचार करते हुए सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाना अपेक्षित है।
98. प्रकटन विवरण में प्राधिकारी ने सर्वप्रथम इस बात का निर्धारण किया कि क्या प्रवंचना मौजूद है और तब इस बात का निर्धारण किया कि क्या कीमत एक पाटन कीमत है। प्रवंचना रोधी जांच अलग अलग निर्यातकों द्वारा पाटन की मौजूदगी का निर्धारण करने के लिए एक जांच नहीं है।
99. इस प्रकार से सामान्य मूल्य का निर्धारण समान वस्तु के लिए किया जाना है। प्रवंचना जांच में दिए जा रहे शुल्क विचाराधीन उत्पाद का शुल्क है और इस प्रकार से स्वाभाविक परिणाम के रूप में विचाराधीन उत्पाद के लिए सामान्य मूल्य पर भी विचार किया जाना चाहिए। यही कारण है कि उरुग्वे दौर की वार्ता की प्रक्रिया में तैयार किया गया डंकल ड्राफ्ट एक में विशेष रूप से मूल उत्पाद के सामान्य मूल्य पर विचार करने का प्रावधान था। इसे विभिन्न देशों जैसे यूरोपीय यूनियन, आस्ट्रेलिया जैसे विभिन्न देशों द्वारा अपनाया गया है क्योंकि इन देशों के कानून में विशेष रूप से यह प्रावधान है कि विचाराधीन उत्पाद के लिए सामान्य मूल्य स्थापित किए जाने की आवश्यकता है।
100. यह नोट करना भी संगत है कि इस नियमावली के अंतर्गत सामान्य मूल्य मूल रूप से परिभाषित किए गए अनुसार उत्पाद के संबंध में निर्धारित किया जाना अपेक्षित है। विचाराधीन उत्पाद पटसन सेकिंग थैले नहीं हैं। सेकिंग थैला, पटसन यार्न और हेसियन फेब्रिक मूल जांचों में विचाराधीन अलग अलग उत्पाद नहीं था। सेकिंग थैले पटसन यार्न और हेसियन फेब्रिक पर विचाराधीन उत्पाद के केवल तीन अलग अलग रूपों के संबंध में विचार किया गया था।
101. मूल जांच में निर्दिष्ट प्राधिकारी ने तीन प्रकारों – यार्न, थैला और फेब्रिक के लिए अलग अलग विश्लेषण किया है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि अलग विश्लेषण केवल वहीं किया गया था जहां कीमत से संबंधित मुद्दा शामिल था। जब कभी मात्रा संबंधी मुद्दे शामिल किए गए हैं संचयी विश्लेषण किया गया है। कीमत के संबंध में, जैसे ही वह माना गया है कि प्रवंचना हो रही है, विधिवत समायोजित थैले की कीमत अथवा विधिवत समायोजित कपड़े की कीमत अन्य उत्पाद की कीमत हो जाती है।
102. इसके अलावा, इस पहलू पर प्राधिकारी के जांच परिणाम को सेस्टेट के समक्ष चुनौती दी गई थी। हालांकि, सेस्टेट ने यह माना कि वर्तमान जांच में केवल एक उत्पाद है और सेकिंग थैला और पटसन यार्न और हेसियन फेब्रिक केवल उत्पाद के तीन अलग अलग रूप होते हैं।
103. चूंकि पटसन उत्पादों की लाभप्रद बिक्री पर विचार करते हुए लाभ का निर्धारण किया जाना अपेक्षित है अतः निर्यातकों ने प्राधिकारी के साथ पूर्ण रूप से सहयोग नहीं किया है क्योंकि निर्यातकों ने उन पटसन उत्पादों जिन पर पाटनरोधी शुल्क लगता है, के सभी प्रकारों का लेन देन वार ब्यौरा उपलब्ध नहीं कराया है। इस प्रकार से प्राधिकारी के पास इस नियमावली के अनुबंध 4 के पैरा 4 के अनुसार लाभ के निर्धारण के लिए पर्याप्त सूचना नहीं है। यह निर्यातकों के अपर्याप्त सहयोग के कारण हुआ है। ऐसी स्थिति होने पर प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वे लाभ के निर्धारण के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना अपनायें।
104. यह अनुरोध किया जाता है कि पाटन मार्जिन को प्रवंचना जांच में नए सिरे से स्थापित नहीं किया जाता है क्योंकि इस जांच में मूल रूप से निर्धारित किया गया शुल्क प्रवंचना जांच में दिया जाता है। प्रत्येक निर्यातक और देश के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण करने का उद्देश्य शुल्क लगाना है। हालांकि, प्रवंचना जांच में उद्देश्य इन शुल्कों को नए सिरे से नहीं लगाना है बल्कि इन शुल्कों को जांच के अधीन उत्पाद को देना है जो पहले से लगाये गये शुल्क की प्रवंचनाकर रहा है।

105. इस प्रकार से, प्राधिकारी से यह अनुरोध किया जाता है कि वे उचित तुलना के लिए आवश्यक परिवर्तन करते हुए मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद के लिए सामान्य मूल्य लें और सामान्य मूल्य की तुलना धारित औसत निर्यात कीमत से करें।

**ख) अन्य मुद्दे**

106. विश्व व्यापार संगठन में करार करने वाले प्रत्येक देशों में पाटनरोधी कानून सामान्य शुल्क एवं व्यापार संबंधी करार 1994 अर्थात् मूल करार के अंतर नियम VI के कार्यान्वयन के संबंध में करार पर आधारित है। इस प्रकार से इन देशों में कानून मूल करार के अनुरूप है और सभी कानूनी प्रावधान इन देशों द्वारा बनाये गये और अपनाई गई प्रथा विश्व व्यापार संगठन की जांच के अधीन है। इस प्रकार से अन्य देशों की प्रथा शामिल सिद्धांतों और उन कार्य पद्धतियों को एक सही मार्गदर्शन प्रदान करता है जिसका पालन पाटनरोधी जांच में किया जा सकता है। इस प्रकार से अन्य देशों की कानून और प्रथा वर्तमान मामले में प्रत्यक्ष रूप से संगत हो जाते हैं और इससे भी अधिक तब जब विश्व व्यापार संगठन ने प्रवंचना के संबंध में कोई विशिष्ट प्रावधान नहीं किया है।

107. प्रकटन विवरण में नीचे दिए गए अनुसार उल्लेख है :

*प्रकटन विवरण में प्राधिकारी यह उल्लेख करते हैं कि 2014-15 में यद्यपि कम मात्रा में पी यू आई की बिक्री हुई थी और यह कि कुछ गैर विचाराधीन उत्पाद प्रयोज्यता क्षेत्रों में उपयोग के लिए अर्थात् गैर सेकिंग थैले के परिवर्तन के प्रयोगों में उपयोग के लिए खुले बाजार में पी यू आई की कुछ बिक्री हो सकती है। इस कारण से प्राधिकारी बंदरगाह प्राधिकारियों द्वारा उपयुक्त प्रशासनिक मॉनिटरिंग और नियंत्रण के अधीन पी यू आई के ऐसे कानूनी आयातों को छूट देने का प्रस्ताव करते हैं।*

108. उपर्युक्त टिप्पणी यह अर्थ देती है कि पटसन के कपड़े की पटसन के थैले बनाने के उद्देश्य के अलावा कुछ आवश्यकताएं हैं। तथापि, रिकार्ड पर ऐसी कोई सूचना, दस्तावेज और साक्ष्य नहीं है जो यह संकेत देता हो कि पटसन के थैले बनाने के अलावा किसी और उद्देश्य से पटसन के कपड़े की कुछ वास्तविक आवश्यकता है। जब उद्योग वर्षों से कार्य कर रहा है तब उद्योग को थैले बनाने के अलावा इस उद्देश्य से बंगलादेश से पटसन के कपड़े के किसी आयात की जानकारी नहीं है। यदि पटसन के थैले का पूर्व में आयात किया जा रहा था, पटसन थैले पर पाटनरोधी शुल्क के लगने के पूर्व भी वह पटसन के थैले बनाने के अलावा किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं था। इस कारण से, याचिकाकर्ता को इस बात की गंभीर चिंता और ये छूट के आधार पर नहीं है बल्कि प्रस्तावित छूट के संभावित दुरुपयोग के लिए है। यह भी नोट किया जा सकता है कि याचिकाकर्ता ने जांच के आरंभ होने से यह माना है कि सेकिंग थैले के लिए उपयोग किए जाने के अलावा सेकिंग कपड़े का कोई अन्य उपयोग नहीं है। एक आयातक और अनेक निर्यातकों ने वर्तमान जांच में उत्तर दिया है और कोई भी हितबद्ध पक्षकार सेकिंग कपड़े के उपयोग और प्रयोज्यता पर कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है। 2014-15 तक सेकिंग कपड़े का आयात नहीं हुआ था। सेकिंग थैले का आयात अक्टूबर 2015 में मूल जांच के आरंभ किए जाने के बाद बढ़ना शुरू हुआ। वास्तव में, प्राधिकारी ने स्वयं यह नोट किया है कि सेकिंग कपड़े का आयात केवल बंगलादेश से हुआ है अन्य प्रमुख देश जो संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करता है और जिस पर पाटनरोधी शुल्क भी लगता है अर्थात् नेपाल ने भारत में सेकिंग कपड़े का कभी भी निर्यात नहीं किया है। यह दर्शाता है कि सेकिंग कपड़े के लिए व्यवहारिक रूप से कोई बाजार नहीं है। यदि सेकिंग कपड़े को पटसन के थैले बनाने के अलावा किसी उद्देश्य से छूट दी जाती है तब याचिकाकर्ता को कोई चिंता नहीं होती है। हालांकि, इस देश में कुछ ऐसी खपत होनी चाहिए। चूंकि यह आवश्यकता अपने आप में सिद्ध भी नहीं की गई है अतः यह उपयुक्त नहीं होगा कि वर्तमान मामले में कोई छूट दी जाए।

109. याचिकाकर्ता ने निम्नलिखित तथ्यों को प्रकट किए जाने का अनुरोध किया है ताकि वे एक सार्थक निष्कर्ष पर पहुंचने में सक्षम हो सकें।

- क. प्राधिकारी द्वारा भेजी गई सूचनाओं की प्रति और उत्तरों की प्रति जिसे हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया था : प्राधिकारी कृपया विरोधी हितबद्ध पक्षकारों को मेल अथवा पत्र के माध्यमसे भेजी गई सभी सूचनाओं और इन हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तरों की प्रति उपलब्ध कराएं। आवेदक किसी गोपनीय सूचना का अनुरोध नहीं कर रहे हैं बल्कि इस प्रकार की सूचना का केवल एन सी वी का अनुरोध कर रहे हैं।
- ख. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अनुरोध : हितबद्ध पक्षकारों द्वारा सभी सूचनाओं की प्रति प्रस्तुत की गई। यदि इसमें कोई गोपनीय बातें हैं तब याचिकाकर्ता उसके अगोपनीय पाठ के लिए अनुरोध करते हैं।
- ग. प्रत्युत्तर अनुरोधों की प्रति : याचिकाकर्ता अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रत्युत्तर के रूप में अनुरोधों की प्रति का अनुरोध करते हैं। यदि उसमें कोई बातें गोपनीय हों तब याचिकाकर्ता उसके अगोपनीय पाठ के लिए अनुरोध करते हैं।
- घ. सत्यापन रिपोर्ट : प्राधिकारी कृपया संबद्ध देश से इन निर्यातकों/उत्पादकों के सत्यापन रिपोर्ट का अगोपनीय पाठ प्रकट करें जिससे कि वे परिकलित पाटन मार्जिन पर सार्थक टिप्पणियां दे सकें।

**अ. 3. प्राधिकारी द्वारा जांच**

110. पाटन मार्जिन का मूल्यांकन

प्राधिकारी बंगलादेश उच्च आयोग और विभिन्न उत्पादकों/ निर्यातकों के द्वारा जांच की अवधि के दौरान पाटन मार्जिन अर्थात् सामान्य मूल्य और पी ओ आई की निर्यात कीमत के संबंध में टिप्पणियों को नोट करते हैं और निम्नलिखित अनुसार मानते हैं :

- (i) लाभप्रदता पर विचार करते समय, समग्र लाभप्रदता जिसमें विचाराधीन उत्पाद, पी यू आई और उत्पादक/ निर्यातक के लिए गैर विचाराधीन उत्पाद/ पी यू आई शामिल है, का संदर्भ लेते समय निर्यात पर सब्सिडी की आय को शामिल करते हुए उचित लाभ की मात्रा पर प्रश्न उठाये गये हैं और यह कि प्राधिकारी ने विगत में ऐसे ही मामलों में अपनी सतत् प्रथा के अनुसार उत्पादन की लागत पर 5 प्रतिशत चिन्हित किए जाने पर मूल जांच में विचार किया था और इस बार एक अलग कार्य पद्धति को अपनाया है।
- (ii) याचिकाकर्ता अर्थात् घरेलू उद्योग ने यह उल्लेख किया है कि लाभप्रदता मूल जांच के विचाराधीन उत्पाद अर्थात् सभी उत्पाद प्रकारों के लिए होनी चाहिए।
- (iii) प्राधिकारी ने उपर्युक्त सभी अनुरोधों पर विचार करने के बाद जांच की अवधि के दौरान पी यू आई के लिए निर्धारित उत्पादन की लागत पर 5 प्रतिशत का लाभ मार्जिन लागू किया है। इस कारण यह दृष्टिकोण सब्सिडी की आय के छूट के मुद्दे और इसके साथ ही सामान्य मूल्य के मूल्यांकन के लिए गैर पी यू आई उत्पाद प्रकारों की लाभप्रदता पर विचार नहीं करते हुए समाधान करते हैं। इसके अलावा यह सारी पद्धति उसके अनुरूप है जिस पर मूल जांच में विचार किया गया।
- (iv) सामान्य मूल्य के संबंध में, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उचित लाभ के अलावा प्राधिकारी द्वारा परिकलित जांच की अवधि के दौरान पी यू आई के उत्पादन की लागत पर विभिन्न उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा अनुरोध किया गया है और प्रकटन विवरण में सहयोग करने वाले संबंधित उत्पादकों/ निर्यातकों को अलग अलग रूप में गोपनीय तौर पर प्रकट किया गया है। प्राधिकारी इस संबंध में नोट करते हैं कि सहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों का मौके पर सत्यापन करने के बाद, इस प्रकार के सहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों को सत्यापन रिपोर्ट जारी की गई थी। सत्यापन रिपोर्ट जहां भी प्रस्तुत की गई, से संबंधित टिप्पणियों पर प्रकटन विवरण में उपयुक्त रूप से विचार किया गया था। उत्पादन की लागत पर विभिन्न उत्पादकों/ निर्यातकों द्वारा प्रकटन पश्चात् अनुरोध लागत के विभिन्न कारकों पर या तो उत्पादन अथवा विक्री मूल्य के रूप में व्यय के आवंटन के लिए अपनाई गई कार्य पद्धति और औसत कच्चा माल पटसन कीमत अपनाने से संबंधित है। उसके अलावा यह उल्लेख किया गया है कि प्राधिकारी उत्पादन/ निर्यातक की उत्पादन की लागत में परिवर्तन अथवा उसे अस्वीकार नहीं कर सकते हैं क्योंकि वह अंतर नियम 2.2.1.1 के अनुरूप नहीं है। इसके अलावा उत्पादकों/ निर्यातकों ने यह तर्क दिया है कि उनके द्वारा रखा गया रिकार्ड बंगलादेश वित्तीय रिपोर्ट प्रणाली (बी एफ आर एस) और बंगलादेश लेखांकन प्रणाली (बी ए एस) के अनुसार है। इसके अलावा यह तर्क दिया गया है कि उपर्युक्त अंतर नियम में प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि यदि ऐसे सहयोगी उत्पादक का रिकार्ड निर्यात देश की जी ए ए पी के अनुसार रखा जाता हो तब भाग लेने वाले निर्यातक के उत्पादन की लागत को स्वीकार किया जाए। इसके अलावा उत्पादकों/ निर्यातकों ने यह उल्लेख किया है कि भाग लेने वाले निर्यातक की लागत संबंधी आंकड़ों को अस्वीकार करना/ उसमें परिवर्तन करना अंतर नियम 2.2.1.1 का उल्लंघन है।  
याचिकाकर्ता (घरेलू उद्योग) ने यह तर्क दिया है कि पाटन मार्जिन उत्पादन/ निर्यातक बार नहीं होना चाहिए और यह कि मूल विचाराधीन उत्पाद के सामान्य मूल्य पर इस मामले में सामान्य मूल्य का मूल्यांकन करने के लिए विचार किया जाए और यह कि उसके बाद भारत औसत सामान्य मूल्य पर विचार किया जाए और उसे लागू किया जाए।
- (v) उपर्युक्त अनुरोध को नोट करते हुए प्राधिकारी यह मानते हैं कि उत्पादकों/ निर्यातकों ने उपर्युक्त अंतर नियम को पूर्णता में नहीं बढ़ाया है बल्कि केवल उपर्युक्त अंतर नियम के कुछ आंशिक कारकों के संबंध में तर्क दिया है जो उनके लिए सुविधाजनक था। यह अंतर नियम स्पष्ट रूप से इस बात का उल्लेख करता है कि जी ए ए पी के अनुसार रखे गए रिकार्डों को विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और विक्री से जुड़ी लागतों को उचित रूप से दर्शाने की आवश्यकता है। इसके अलावा, प्राधिकारी को लागतों के उचित आवंटन के संबंध में सभी उपलब्ध साक्ष्यों जिसमें वे साक्ष्य भी शामिल है, जिन्हें जांच की प्रक्रिया में निर्यातक अथवा उत्पादक द्वारा उपलब्ध कराया गया है, पर विचार करना है बशर्ते कि इस प्रकार के आवंटनों का उपयोग निर्यात अथवा उत्पादक द्वारा उपर्युक्त परिशोधन और ह्रास की अवधियों और पूंजीगत व्यय के लिए छूट और अन्य विकास संबंधी लागतों को स्थापित करने की तुलना में ऐतिहासिक रूप से विशेषकर किया गया है।  
इस कारण से प्राधिकारी को न केवल उत्पादक/ निर्यातक के दावे को स्वीकार करना है यदि ये रिकार्ड जी ए ए पी के अनुसार हो बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि वे लागत को उचित रूप से दर्शाये और प्राधिकारी को उपलब्ध कराये गये साक्ष्य पर विचार करना है। यदि उत्पादकों/ निर्यातकों के तर्कों को स्वीकार किया गया होता तब निर्यातक के आंकड़ों के किसी सत्यापन, इसके मिलान और इस बात का मूल्यांकन करने के लिए विश्लेषण की कोई आवश्यकता नहीं होगी कि

क्या ये रिकार्ड लागतों को उचित रूप में दर्शाते हैं। प्राधिकारी यह मानते हैं कि इसने दो समय विस्तार देकर प्रश्नावली के उत्तर को प्रस्तुत करने के लिए उत्पादकों/निर्यातकों को पर्याप्त अवसर दिए हैं। सत्यापन के दौरान, उत्पादकों/निर्यातकों को अपेक्षित निर्यात बिक्री और विचाराधीन उत्पाद तथा पी यू आई के लागत संबंधी विवरण से संबंधित बैकअप आंकड़े और साक्ष्य उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त अवसर दिए गए थे। मौके पर सत्यापन के बाद भी, उत्पादकों/निर्यातकों ने पूर्व में उनके द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना में अंतरों को पूरा किया जिस पर प्राधिकारी ने सत्यापन रिपोर्ट के जारी किए जाने के दौरान और प्रकटन के पश्चात् उपयुक्त रूप से विचार किया।

- (vi) प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि लगभग सभी सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों ने कंपनी के लिए पूर्ण रूप से जांच की अवधि के लिए लेखा परीक्षित लेखा उपलब्ध कराये। प्राधिकारी ने सत्यापन रिपोर्ट/प्रकटन में स्पष्ट रूप से इस बात की टिप्पणी की कि इन उत्पादकों/निर्यातकों कच्चे पटसन की श्रेणीवार खपत संबंधी रिकार्डों और कारकवार लागत रिकार्डों को नहीं रखा। यह भी नोट किया गया था कि बंगलादेश में कुछ उत्पादकों/निर्यातकों ने उत्पादन की मात्रा, उत्पादन मूल्य और बिक्री मूल्य पर लागत के विभिन्न कारकों के लिए आवंटन के आधार के रूप में माना है।
- (vii) इस कारण से प्राधिकारी दोहराते हैं कि यद्यपि लागत और बिक्री से संबंधित रिकार्ड जी ए ए पी के अनुसार ज्यादातर उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा रखा गया था फिर भी विशेष रूप से पी यू आई और विचाराधीन उत्पाद के लिए लागत कारकों का ब्यौरा उपलब्ध नहीं होना अब भी प्राधिकारी को यह दायित्व देता है कि वे अंतर नियम 2.2.1.1 के अनुसार पी यू आई की लागत को उचित रूप से दर्शाना सुनिश्चित करें। अतः यह अपेक्षित होगा कि उन साक्ष्यों/आंकड़ों/संबंधित रिकार्डों पर उपयुक्त विचार किया जाए जिसके फलस्वरूप स्पष्ट रूप से लागत से संबंधित कुछ मामलों में परिवर्तन हो सकता है जिसका दावा इस मामले के गुणों के अनुसार उत्पादक/निर्यातक द्वारा किया गया है। ऐसी स्थिति में प्राधिकारी लागत को अस्वीकार नहीं कर सके बल्कि उसके बजाय पी यू आई की लागत को उचित रूप से दर्शाना सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध साक्ष्य और रिकार्डों के अनुसार पी यू आई की लागत की गणना की।
- (viii) इस कारण प्राधिकारी इस तथ्य को दोहराते हैं कि उत्पादकों/निर्यातकों की क्षमता, उनके सहयोग करने की उत्सुकता को ध्यान में रखकर ही कुछ मामलों में उपलब्ध कराये गये आंकड़ों/साक्ष्यों पर विचार करते हुए उपयुक्त कार्य पद्धति को अपनाया गया था जिसके फलस्वरूप लागत में परिवर्तन हुआ जिसका दावा उत्पादक/निर्यातक द्वारा किया गया। इस कारण से प्राधिकारी यह मानते हैं कि अपनाया गया दृष्टिकोण बल्कि उदार और सहायक है और यह किसी भी प्रकार से अंतर नियम 2.2.1.1 के प्रावधानों का उल्लंघन नहीं करता है।
- (ix) लाभ और लागत के आवंटन से संबंधित व्यापक मुद्दों के अलावा, उत्पादकों/निर्यातकों ने भी पी यू आई के लिए उत्पादन की लागत के मूल्यांकन के संबंध में विशिष्ट टिप्पणियां दी हैं। इन्हें प्राधिकारी द्वारा उपयुक्त विचार के साथ नीचे तालिका में दिया गया है :

क्र. सं.	उत्पादक/ निर्यातक का नाम	परामर्शदाता	हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन विवरण के उत्तर में सामान्य मूल्य पर टिप्पणियां	प्राधिकारी द्वारा जांच
1	राबेया जूट मिल्स	डब्ल्यू टी सी	संबंधित उत्पादों के लिए श्रम, उपभोग्य सामग्री, यूटिलिटी की लागत, ह्रास और निर्माण ऊपरी व्यय का आवंटन कंपनी द्वारा अनुमानित श्रमिक घंटे के आधार पर किया गया है क्योंकि इन खर्चों का मानव/ मशीन/ श्रमिक घंटे के साथ प्रत्यक्ष सह-संबंध है और उसे अपनाया जाना है।	कंपनी द्वारा अपनाया आवंटन आधार अनुमानित श्रमिक घंटे हैं जिनका सत्यापन रिकार्ड से नहीं किया जा सकता है। इस कारण से प्राधिकारी ने उत्पादन मूल्य को आवंटन के आधार के रूप में माना है।
2	नाबरन जूट मिल्स	डब्ल्यू टी सी	संबंधित उत्पादों के लिए श्रम, उपभोग्य सामग्री, यूटिलिटी की लागत, ह्रास और निर्माण ऊपरी व्यय का आवंटन कंपनी द्वारा अनुमानित श्रमिक घंटे के आधार पर किया गया है क्योंकि इन खर्चों का मानव/ मशीन/ श्रमिक घंटे के साथ प्रत्यक्ष सह-संबंध है और उसे अपनाया जाना है।	कंपनी द्वारा अपनाया आवंटन आधार अनुमानित श्रमिक घंटे हैं जिनका सत्यापन रिकार्ड से नहीं किया जा सकता है। इस कारण से प्राधिकारी ने उत्पादन मूल्य को आवंटन के आधार के रूप में माना है।

3	मौना जूट मिल्स	डब्ल्यू टी सी	<p>संबंधित उत्पादों के लिए श्रम, उपभोग्य सामग्री, यूटिलिटी की लागत, ह्रास और निर्माण ऊपरी व्यय का आवंटन कंपनी द्वारा अनुमानित श्रमिक घंटे के आधार पर किया गया है क्योंकि इन खर्चों का मानव/ मशीन/ श्रमिक घंटे के साथ प्रत्यक्ष सह-संबंध है और उसे अपनाया जाना है।</p>	<p>कंपनी ने विचाराधीन उत्पाद, पी यू आई और अन्य उत्पादों के लिए अलग अलग रिकार्ड नहीं रखे हैं।</p> <p>कंपनी द्वारा अपनाया आवंटन आधार अनुमानित श्रमिक घंटे हैं जिनका सत्यापन रिकार्ड से नहीं किया जा सकता है। इस कारण से प्राधिकारी ने उत्पादन मूल्य को आवंटन के आधार के रूप में माना है।</p>
4	रहमान जूट मिल्स	डब्ल्यू टी सी	<p>संबंधित उत्पादों के लिए श्रम, उपभोग्य सामग्री, यूटिलिटी की लागत, ह्रास और निर्माण ऊपरी व्यय का आवंटन कंपनी द्वारा अनुमानित श्रमिक घंटे के आधार पर किया गया है क्योंकि इन खर्चों का मानव/ मशीन/ श्रमिक घंटे के साथ प्रत्यक्ष सह-संबंध है और उसे अपनाया जाना है।</p> <p>रहमान और जमुना संबंधित कंपनियां हैं और दोनों कंपनियों को शुल्क की सम्मिलित दर दी जानी चाहिए।</p>	<p>कंपनी द्वारा अपनाया आवंटन आधार अनुमानित श्रमिक घंटे हैं जिनका सत्यापन रिकार्ड से नहीं किया जा सकता है। इस कारण से प्राधिकारी ने उत्पादन मूल्य को आवंटन के आधार के रूप में माना है।</p> <p>प्राधिकारी ने अब दोनों कंपनियों के लिए भारित औसत पाटन पर विचार किया है।</p>
5	जमुना जूट मिल्स	डब्ल्यू टी सी	<p>संबंधित उत्पादों के लिए श्रम, उपभोग्य सामग्री, यूटिलिटी की लागत, ह्रास और निर्माण ऊपरी व्यय का आवंटन कंपनी द्वारा अनुमानित श्रमिक घंटे के आधार पर किया गया है क्योंकि इन खर्चों का मानव/ मशीन/ श्रमिक घंटे के साथ प्रत्यक्ष सह-संबंध है और उसे अपनाया जाना है।</p> <p>रहमान और जमुना संबंधित कंपनियां हैं और दोनों कंपनियों को शुल्क का सम्मिलित दर दिया जाना चाहिए।</p>	<p>कंपनी द्वारा अपनाया आवंटन आधार अनुमानित श्रमिक घंटे हैं जिनका सत्यापन रिकार्ड से नहीं किया जा सकता है। इस कारण से प्राधिकारी ने उत्पादन मूल्य को आवंटन के आधार के रूप में माना है।</p> <p>प्राधिकारी ने अब दोनों कंपनियों के लिए भारित औसत पाटन पर विचार किया है।</p>
6	रानू एग्रो	डब्ल्यू टी सी	<p>कंपनी के उत्पादन की लागत से संबंधित आंकड़े स्वीकार किए जाने चाहिए। प्राधिकारी को इन आंकड़ों को अस्वीकार करने से पूर्व अवसर दिया जाना चाहिए था। ढाका में स्थित कारखाने के लिए यथानिर्धारित सामान्य मूल्य को अपनाना न्यायोचित नहीं है।</p>	<p>जांच की अवधि के लिए कंपनी के लेखा परीक्षित आंकड़े बी एफ आर एस के अनुसार नहीं हैं। यद्यपि जांच की अवधि के वित्तीय विवरण में इस बात का उल्लेख किया गया है कि निर्धारित परिसंपत्ति सूची के अनुसार है लेकिन वह सूची इसके साथ संलग्न नहीं की गई है। परिणामस्वरूप, निर्धारित परिसंपत्ति का कोई ब्यौरा नहीं है, ह्रास की औसत दर केवल 1.15 प्रतिशत है। कच्चे पटसन के आरंभिक भंडार, अंतिम भंडार और</p>

				खपत से संबंधित मात्रात्मक रिकार्ड उपलब्ध नहीं कराये गये थे और उनका सत्यापन नहीं किया जा सका। जांच की अवधि के लिए लेखा परीक्षित लेखाओं में दावा किए गए ह्रास, वित्तीय और अन्य खर्च बंगलादेश में अन्य कंपनियों की तुलना में बहुत कम है। इस कारण से, उत्पादन की लागत का सत्यापन/ उसे प्रमाणित नहीं किया जा सका।
7	सागर जूट		सागर और सिडला संबंधित कंपनियां हैं। इस कारण पाटनमार्जिन की गणना भारित औसत आधार की जानी है।	प्राधिकारी ने अब दोनों कंपनियों के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन पर विचार किया है।
8	सारह	एम. एस. पोथल	निवल मूल्य को तय करने के लिए सारह के उत्पादन की लागत पर विचार करने हेतु अनुरोध। वैकल्पिक रूप से, तीसरे देश की निर्यात की कीमत ही निवल मूल्य का आधार बनना चाहिए।	कंपनी ने सत्यापन के समय यह उल्लेख किया कि 24 दिसंबर, 2014 को आग लग गई थी और इस कारण से उन्हें आवश्यक दस्तावेजों जिन्हें सत्यापन के दौरान दल को प्रस्तुत किया जाना था, को अंतिम रूप देने के लिए अवसर नहीं मिल सका। उनके अनुरोध पर उन्हें 7 दिन का समय दिया गया था। कंपनी ने कुछ आंकड़े प्रस्तुत किए हैं परंतु वे कच्चे माल की खपत, परिवर्तन लागत आदि से संबंधित उनके द्वारा रखे गए मूल रिकार्ड को उपलब्ध नहीं करा पाए। इस कारण से कंपनी की उत्पादन की लागत का सत्यापन/ प्रमाणन किया जा सका।
9	अफिल जूट मिल्स	पी डब्ल्यू सी	कंपनी ने सत्यापन के दौरान जांच दल की सिफारिशों के अनुसार कच्चे माल की निम्नतम गुणवत्ता पर विचार करते हुए विचाराधीन उत्पाद और पी यू आई की लागत में संशोधन किया। कच्चे माल की निम्नतम गुणवत्ता की औसत दर पर विचार करने का अनुरोध किया जाता है।  उत्पादन की मात्रा के बजाय उत्पादन के मूल्य को अन्य कच्चे माल के लिए आवंटन के आधार के रूप में अपनाए जाने का अनुरोध किया जाता है क्योंकि इसमें उपभोग्य सामग्री/ स्पेयर्स की प्रकृति में खर्च शामिल है।  उत्पादन की लागत में अन्य आय पर विचार करने का अनुरोध किया जाता है।	यह कथन तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। संशोधित प्रमाणित परिशिष्ट 7 और 8 कंपनी द्वारा सत्यापन के समय दिया गया है और उस पर जांच की अवधि के लिए लेखा परीक्षित लेखाओं के आधार पर विचार किया गया है। कंपनी श्रेणी-वार खपत से संबंधित आंकड़े उपलब्ध कराने में सक्षम नहीं है। इसके साथ ही यह देखा गया है कि केवल कच्चे माल की न्यूनतम मात्रा विचाराधीन उत्पाद और पी यू आई के खपत संबंधित अपेक्षाओं को पूरा नहीं कर सकता है और इस कारण से औसत दर को अपनाया गया है। कंपनी ने स्वयं प्रमाणित परिशिष्ट 7 में उत्पादन मात्रा उत्पाद के रूप में आवंटन के आधार का दावा किया है।

				<p>और उस दावे का पालन अन्य सभी कंपनियों सतत् रूप से किया गया है। विचाराधीन उत्पाद और पी यू आई के लिए अलग अलग लेखांकन/लागत रिकार्ड कंपनी द्वारा नहीं रखे गए हैं।</p> <p>लेखा परीक्षित जांच की अवधि के लेखाओं के अनुसार अन्य आय में शॉपिंग माल में बिक्री, कृषि संबंधी आय और विविध आय शामिल हैं। कृषि संबंधी खर्च जिसका दावा कंपनी द्वारा किया गया है पर विचार उत्पादन की लागत में किया गया है और इस कारण से इसकी आय पर विचार नहीं किया गया है। विविध आय विवरण सत्यापन के समय उपलब्ध नहीं कराया गया है अब प्रकटन के पश्चात् कंपनी ने आगे विविध आय का ब्यौरा उपलब्ध कराया है इस स्तर पर जिसका सत्यापन नहीं किया जा सकता है और इस कारण से उस पर विचार नहीं किया जा सकता है।</p>
10	जुबैदा करीम जूट मिल्स	पी डब्ल्यू सी	<p>कंपनी ने सत्यापन के दौरान जांच दल की सिफारिशों के अनुसार कच्चे माल की निम्नतम गुणवत्ता पर विचार करते हुए विचाराधीन उत्पाद और पी यू आई की लागत में संशोधन किया।</p> <p>कच्चे पटसन की खरीद की औसत दर पर खपत के बजाय विचार किया गया। कच्चे माल की निम्नतम गुणवत्ता की औसत दर पर विचार करने का अनुरोध किया जाता है।</p> <p>उपभोग्य सामग्री, यूटिलिटी, निर्माण ऊपरी व्यय, प्रत्यक्ष श्रमिक और ह्रास के आवंटन के लिए आवंटन के आधार के रूप में उत्पादन मूल्य अपनाने का अनुरोध किया जाता है।</p> <p>भाड़े की कुल लागत (निर्यात सहित) का आवंटन बिक्री मूल्य आधार पर किया गया है और इस पर विचार उत्पादन की लागत में किया गया है।</p>	<p>यह कथन तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। संशोधित प्रमाणित परिशिष्ट 7 और 8 कंपनी द्वारा सत्यापन के समय दिया गया है और उस पर जांच की अवधि के लिए लेखा परीक्षित लेखाओं के आधार पर विचार किया गया है।</p> <p>कंपनी सत्यापन के दौरान मात्रा के आरंभिक भंडार और अंतिम भंडार उपलब्ध नहीं करा पाई और इस कारण से कच्चे पटसन की खपत की मात्रा का सत्यापन नहीं किया जा सकता है। इसके साथ ही कंपनी श्रेणी-वार खपत के आंकड़े उपलब्ध नहीं करा पाई और इस कारण खरीदे गए कच्चे पटसन की औसत दर पर विचार किया गया।</p> <p>कंपनी ने स्वयं प्रमाणित परिशिष्ट 7 में स्वयं उपभोग्य सामग्री के लिए उत्पादन की मात्रा का अनुपात और यूटिलिटी और निर्माण ऊपरी व्यय के लिए भारित उत्पादन मात्रा उत्पात, प्रत्यक्ष श्रमिक और ह्रास के रूप में आवंटन के आधार का दावा किया है और उस पर विचार किया गया है। बिक्री संबंधित अन्य व्यौरे</p>

				<p>सत्यापन के समय उपलब्ध नहीं कराये गये हैं और इस कारण से कंपनी के दावे के अनुसार उपभोग्य सामग्री, निर्माण ऊपरी व्यय, ह्रास के लिए आवंटन के अधिकार पर विचार किया गया है अब प्रकटन के बाद कंपनी ने बिक्री के आंकड़े उपलब्ध कराये हैं इस स्तर पर जिसका सत्यापन नहीं किया जा सकता है और इस कारण से उस पर विचार नहीं किया जा सकता। विचाराधीन उत्पाद और पी यू आई के लिए अलग अलग लेखांकन/लागत रिकार्ड कंपनी द्वारा नहीं रखा गया है।</p> <p>प्राधिकारी ने पी यू आई के लिए परिकलित उत्पादन की लागत से भारत को छोड़कर अन्य देशों में किए गए निर्यात से संबंधित भाड़े की लागत को बाहर रखा है।</p>
--	--	--	--	---

- (x) प्राधिकारी मैसर्स सागर जूट मिल्स लिमि. द्वारा किए गए अनुरोध को नोट करते हैं कि यह मैसर्स सिडला से संबंधित नहीं है जैसा कि मूल जांच में रिकार्ड किया गया था। इस कारण से प्राधिकारी ने ट्वाई संबंधित कंपनियों के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन की गणना की है। मैसर्स रमजान जूट मिल्स लिमि. और जमुना जूट इंडस्ट्रीज लिमि. की ओर से उपस्थित होने वाले डब्ल्यू टी सी ने यह भी अनुरोध किया है कि चूंकि ये दो कंपनियां संबंधित हैं और इन्होंने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और भारित औसत पाटन मार्जिन उन्हें दिया जाए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि रहमान जूट मिल्स लिमि. और मैसर्स जमुना जूट इंडस्ट्रीज लिमि. का मुख्य कार्यकारी एक ही हैं तदनुसार मैसर्स रहमान और मैसर्स जमुना के लिए भारित औसत पाटन मार्जिन दिया गया है।

प्राधिकारी घरेलू उद्योग के अनुरोधों को नोट करते हैं कि सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए औसत पाटन मार्जिन एक होना चाहिए और यह मानते हैं कि पाटन की तरह परिवर्चना भी निर्यातक विशिष्ट घटना है और इस कारण से पी यू आई की आवश्यकता का निर्धारण पाटन के रूप में किया जाना चाहिए जैसा कि संगत पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत एक विशिष्ट उत्पादक/निर्यातक के लिए और न कि औसत आधार पर मूल्यांकन किए जाने की आवश्यकता है। इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यद्यपि, परिवर्चनारोधी मुद्दों और विभिन्न देशों की अलग-अलग प्रथाओं का मुकाबला करने के लिए दृष्टिकोणों के विकास का इतिहास हो सकता है, प्राधिकारी ने संगत राष्ट्रीय पाटनरोधी नियमावली के अनुसार परिवर्चनारोधी घटना के विभिन्न पहलुओं का मूल्यांकन किया है।

- (xi) उपर्युक्त को देखते हुए सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के पाटन मार्जिन का निर्धारण नीचे दिए गए अनुसार किया गया है :

**प्रकटन के बाद की टिप्पणियों पर विचार करने के बाद पी ओ आई के दौरान पी यू आई का पाटन मार्जिन**

क्र. सं.	उत्पादक/निर्यातक का नाम	सामान्य मूल्य बीडीटी/एमटी	निवल निर्यात कीमत बीडीटी/एमटी	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन % रेंज
1	रावेया जूट मिल्स	***	***	***	0-10
2	अरनू जूट मिल्स	***	***	ऋणात्मक	ऋणात्मक
3	नाबरन जूट मिल्स	***	***	***	0-10
4	मोना जूट मिल्स	***	***	ऋणात्मक	2% से कम

5	रहमान जूट मिल्स	***	***	ऋणात्मक	ऋणात्मक
6	जमुना जूट मिल्स	***	***	***	0-10
उपर्युक्त (5) और (6) का भारित औसत		***	***	ऋणात्मक	ऋणात्मक
7	उत्तरा जूट	***	***	***	0-10
8	अबा जूट	***	***	***	40-50
9	रानू एग्रो	***	***	***	20-30
10	सागर जूट	***	***	***	0-10
11	सिडला	***	***	ऋणात्मक	ऋणात्मक
(10) और (11) का भारित औसत		***	***	ऋणात्मक	ऋणात्मक
12	पारटेक्स	***	***	ऋणात्मक	ऋणात्मक
13	मिमेनसिंह	***	***	ऋणात्मक	ऋणात्मक
14	कुरिग्राम	***	***	***	10-20
15	सारह	***	***	***	10-20
16	आशा	***	***	ऋणात्मक	ऋणात्मक
17	नवहाटा	***	***	ऋणात्मक	ऋणात्मक
18	जूट टेक्सटाइल मिल्स	***	***	***	10-20
19	अफिल जूट मिल्स	***	***	***	0-10
20	जोबैदा	***	***	***	0-10
21	अलिजन	***	***	***	20-30
22	मिर्जा	***	***	***	20-30
23	ग्लोरी	***	***	***	20-30

(xii) अन्य उत्पादकों/ निर्यातकों (गैर सहयोगी/ शेष) और वे जिन्होंने भारत में जांच की अवधि के दौरान पी यू आई का निर्यात किया है।

- प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस प्रकटन का उत्तर मैसर्स अलिजान/ मैसर्स सोनाली आंश इंडस्ट्रीज लिमिटेड और मैसर्स ए. एन. इंटरनेशनल बंगलादेश द्वारा दायर किया गया था।
- मैसर्स अलिजान जूट मिल्स लिमिटेड ने कच्चे पटसन की लागत के संबंध में कुछ आंकड़े प्रस्तुत किए जिस पर इस चरण में प्राधिकारी द्वारा विचार नहीं किया जा सकता है क्योंकि इसका सत्यापन नहीं किया जा सकता है। मैसर्स ए. एन. इंटरनेशनल जो पाटन मार्जिन मूल्यांकन का व्यापारी है, नहीं किया जा सकता है क्योंकि उसमें उत्तर को प्रस्तुत करने के लिए उनके संबद्ध उत्पादक की आवश्यकता है। यद्यपि मैसर्स ए. एन. इंटरनेशनल ने अब अपने 3 आपूर्तिकर्ताओं अर्थात् मैसर्स मोहिनी नाबिल जूट मिल्स लिमि. बोगरा, मैसर्स सलिम एग्रो इंडस्ट्रीज लिमि. और मैसर्स निशांग जूट मिल्स लिमि. के नामों का उल्लेख किया है। अतः प्राधिकारी यह मानते हैं कि इन उत्पादकों को सहयोग करने की आवश्यकता है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने सभी सहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों का मूल्यांकन किया है और इस प्रकार के सहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए सिफारिश उनके संबद्ध निर्यातकों/ व्यापारियों जो लागू हो, की चिंताओं का समाधान करेगा। इसके अलावा कुछ यह मानते हैं कि अन्य व्यापारियों अर्थात् मैसर्स जी. ट्रेडर्स, मैसर्स साउथ ट्रेड इंटरनेशनल और मैसर्स पुरबी ट्रेडिंग के लिए भी यह होना चाहिए, जिन्होंने इस जांच में भाग लिया है।

- प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स आर. एम. जूट डायवरसिफिकेशन मिल्स लिमि. ने उल्लेख किया है कि क्योंकि उन्होंने जांच की अवधि के दौरान निर्यात नहीं किया है और यह कि जांच की अवधि के बाद के उनके व्यापार पैटर्न को स्वीकृति नहीं दी गई है और यह कि व्यापार का यह पैटर्न परिवर्तन को नहीं दर्शाता है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्पादक/निर्यातक ने भी यह अनुरोध किया है कि प्राधिकारी को विशेष रूप से अंतिम जांच परिणाम में उनके लिए एन एस आर के बारे में उल्लेख करना चाहिए।
- प्राधिकारी यह मानते हैं कि मूल जांच में ही उत्पादक/निर्यातक जिन्होंने जांच की अवधि के दौरान निर्यात नहीं किया है इस नियमावली के संगत प्रावधानों के अंतर्गत नई शिप्पर समीक्षा अथवा उत्पादकों/निर्यातकों की शेष श्रेणी के अंतर्गत अन्य प्रकार से स्थापित हेतु बाद के चरण में आ सकते हैं।

(xiii) वर्तमान मामले में, प्राधिकारी उत्पादक/निर्यातक द्वारा किये गये इन अनुरोधों को नोट करते हैं कि 2018-19 में जांच की अवधि के बाद की अवधि में उनके पास परिवर्तन का कोई साक्ष्य नहीं है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि इसके फलस्वरूप परिवर्तन न करने संबंधी व्यवहार नहीं हो सकता है क्योंकि पी यू आई के उत्पादक/निर्यातक द्वारा निर्यात विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के बाद ही आरंभ हुआ और वह भी जांच की अवधि के दौरान पी यू आई के बिना किसी निर्यात के, पी यू आई को पाटित किए जाने की शर्त को सिद्ध नहीं किया जा सकता है। इसके अलावा, नियम 28 में परिवर्तन विरोधी मामलों में समीक्षा का प्रावधान है जिसका उपयोग उत्पादन/निर्यातक द्वारा किया जा सकता है और मैसर्स आर.एम. जूट मिल्स सहित अन्य उत्पादकों/निर्यातकों जो ऐसा चाहते हों, के द्वारा ही किया जा सकता है। इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मैसर्स आहयन जूट मिल्स लिमि., मैसर्स नॉदर्न जूट मैनिफेक्चरिंग कंपनी लिमि. और मैसर्स राजबारी जूट मिल्स लिमि. ने जांच की अवधि के दौरान भारत में पी यू आई का निर्यात नहीं किया है और इस कारण से नियम 28 के अंतर्गत समीक्षा की मांग कर सकते हैं।

(xiv) सभी निम्नलिखित असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए, प्राधिकारी इस जांच परिणाम में पूर्व के पैराओं में यथाउल्लिखित नीचे दी गई तालिका के अनुसार पाटन मार्जिन तय करते हैं।

	पाटन मार्जिन (रेंज) %
मैसर्स मिर्जा जूट मिल्स लिमि.	20-30
मैसर्स ग्लोरी जूट लिमि.	20-30
मैसर्स अलिजन जूट मिल्स लिमिटेड एवं मैसर्स सोनाली अंश इंडस्ट्रीज लिमिटेड	20-30
मैसर्स जाटिओ जूट मिल्स लिमि., मैसर्स लतिफ बवानी जूट मिल्स लिमिटेड, मैसर्स हाफिज जूट मिल्स लिमि., मैसर्स ईस्टर्न जूट मिल्स लिमि., मैसर्स सोनाली जूट मिल्स लिमिटेड, मैसर्स जेम जूट लिमि., मैसर्स हसेन जूट इंडस्ट्रीज लिमि., मैसर्स बंगला जूट मिल्स लिमि., मैसर्स मोटाहर होसैन चौधरी जूट मिल्स लिमि. एवं मैसर्स मोहिनी नाबिल जूट मिल्स लिमि.	40-50 (उच्चतम पाटन मार्जिन)
ऊपर में सूचीबद्ध उत्पादकों/निर्यातकों को छोड़कर तथा सहयोगी उत्पादकों/निर्यातक श्रेणी के अंतर्गत सभी निर्यात/उत्पादक	40-50 (उच्चतम पाटन मार्जिन)

#### 111. उपचारात्मक प्रभाव को हानि पहुंचाना

- प्राधिकारी इस मामले में घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी आकलन के सभी मानदंडों का उल्लेख करने और इसका मूल्यांकन करने में डी एफ एस की परिवर्तन विरोधी मामले की प्रथा का पालन नहीं करने के संबंध में विभिन्न उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा किए गए अनुरोध को नोट करते हैं। इसके अलावा यह अनुरोध किया गया है कि पटसन आयुक्त द्वारा यह निदेश देते हुए आदेश की पटसन आयुक्त की अनुमति खुले बाजार में सेकिंग थैलों की बिक्री करने के लिए अपेक्षित है, का आशय यह है कि इस प्रकार के आदेशों के कारण क्षति होती है। प्राधिकारी इन अनुरोधों को नोट करते हुए मानते हैं कि परिवर्तन विरोधी जांच में इस सत्य को स्थापित किया जाना अपेक्षित है कि क्या लागू किए गए उपाय के उपचारात्मक प्रभाव को हानि हुई है। मूल जांच ने विचाराधीन उत्पाद पर घरेलू उद्योग को क्षति को सिद्ध किया था

जब क्षति को सिद्ध करने के लिए सभी अपेक्षित मानदंडों का मूल्यांकन किया गया था। इस मामले में इस बात को सिद्ध किया जाना अपेक्षित है कि क्या उपचारात्मक प्रभावों को हानि हुई है। इस कारण से इस उद्देश्य से प्राधिकारी ने मौजूदा उपाय की प्रभावोत्पादकता में कमी का मूल्यांकन किया है जिसमें पी यू आई से विचाराधीन उत्पाद में परिवर्तित करने के लिए लागू मूल्यवर्धन की मात्रा पर विचार करना शामिल है। वर्तमान मामले में प्राधिकारी ने इस तथ्य की जांच की है कि क्या खुले बाजार में उपचारात्मक प्रभाव को हानि पहुंचाने के संबंध में परिवर्तन की इस प्रकार की घटना का कोई प्रभाव पड़ा है जहां पी यू आई आवश्यक रूप से विचाराधीन उपचार अर्थात् घरेलू उद्योग द्वारा बेचे जा रहे सेकिंग थैले से प्रतिस्पर्धा करता है जो सेकिंग थैले को दिए गए संरक्षण को हानि पहुंचाता है।

- (ii) प्राधिकारी स्टेनलेस स्टील के कोल्ड रोलड फ्लैट उत्पादों के आयातों के संबंध में दिनांक 18.08.2017 के परिवर्तनारोधी अंतिम जांच परिणाम का स्मरण करते हैं जिसमें पी यू आई द्वारा कीमत में कटौती के संबंध में किए गए अनुरोधों की जांच की गई थी और प्राधिकारी ने परिवर्तन के माध्यम से मौजूदा पाटनरोधी उपायों की प्रभावोत्पादकता में कमी को रेखांकित किया था। इसके अलावा प्राधिकारी यह मानते हैं कि विचाराधीन उत्पाद पर मौजूदा पाटनरोधी उपाय की प्रभावोत्पादकता को सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा भी पी यू आई के माध्यम से परिवर्तन के द्वारा कम किया गया है जिनका जांच की अवधि के दौरान पी यू आई के सकारात्मक पाटन मार्जिन के लिए मूल्यांकन किया गया है और जिसकी सिफारिश विचाराधीन उत्पाद के सहकालीन पी यू आई पर इस उपाय को लगाए जाने के लिए की जा रही है।
- (iii) उपर्युक्त को देखते हुए इस जांच की विशिष्टताएं उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उद्धृत किए गए डी एफ एस के मामले से अलग हैं। प्राधिकारी ने पूर्व के पैराओं में खुले बाजार में घरेलू उद्योग की विचाराधीन उत्पाद के बाजार हिस्से पर प्रतिकूल प्रभाव का विश्लेषण किया है। घरेलू उद्योग के विचाराधीन उत्पाद के एन एस आर पर पाटित पी यू आई द्वारा कीमत में कटौती भी बहुत कम रही है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान मामला मौजूदा उपाय की समीक्षा का नहीं है जिसमें संशोधित पाटनरोधी उपाय का सुझाव देने के लिए पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन की फिर से गणना शामिल होगी बल्कि यह उस जांच तक सीमित है कि क्या पी यू आई का पाटन किया गया है, क्या व्यापार के पैटर्न में परिवर्तन विचाराधीन उत्पाद से पी यू आई में किसी आर्थिक तर्क के कारण से नहीं बल्कि इन उपायों को लगाये जाने के बाद हुआ है और क्या मौजूदा उपाय के उपचारात्मक प्रभाव को हानि हुई है। इस कारण से प्राधिकारी यह मानते हैं कि समय क्षमता उत्पादन और लाभप्रदता के मामले में कार्य निष्पादन के बजाय खुले बाजार में सेकिंग थैले की बिक्री के घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन पर प्रभाव परिवर्तन के माध्यम से उपचारात्मक प्रभावों को क्षति पहुंचाने का मूल्यांकन करने के लिए संगत विचार है। खुले बाजार में उपचारात्मक उपाय को हानि पहुंचाने की जांच इस जांच के विशिष्ट तथ्यों में आवश्यक है जिसके लिए बाजार हिस्से और कीमत में कटौती के संगत मानदंडों की जांच की गई है। इस कारण से इस मामले में जांच की तुलना डी एफ एस के पहले के मामले में जांच की तुलना के मामले से नहीं की जा सकती है। इसके अलावा, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि खुले बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री को पूर्ण रूप से पटसन आयुक्त द्वारा प्रतिबंधित नहीं किया गया है बल्कि उसे समय समय पर विनियमित किया जाता है। यह नोट करना भी महत्वपूर्ण है कि इस देश में ऐसी पटसन मिलें हैं जो पटसन आयुक्त के आपूर्ति क्षेत्र में नहीं हैं और इस कारण से उन्हें पटसन आयुक्त के आदेशों के द्वारा विनियमित नहीं किया जाता है।
- (iv) हालांकि प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सेकिंग थैले पर पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के पहले भी पी यू आई अर्थात् सेकिंग कपड़े की बिक्री होती थी। इस कारण से सेकिंग कपड़े का उपयोग सेकिंग थैले में इसके परिवर्तन को छोड़कर अन्य उपयोग के लिए किया जा सकता है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने सेकिंग थैले बनाने के सिवा सेकिंग कपड़े के किसी अन्य उपयोग का उल्लेख नहीं किया है और यह कि छूट का परंतुक वांछनीय नहीं हो सकता है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि यद्यपि सेकिंग कपड़े का अधिकतम उपयोग सेकिंग थैले बनाने के लिए है अतः यह नहीं माना जा सकता है कि यही इसका एकमात्र उपयोग है। इस कारण से प्राधिकारी यह मानते हैं कि सेकिंग थैले में परिवर्तन को छोड़कर अन्य उपयोगों के लिए सेकिंग कपड़े का कानूनी उपयोग मौजूदा पाटनरोधी उपाय की सीमा के अंतर्गत शामिल नहीं किया जाना चाहिए। इस कारण से प्राधिकारी ने इस जांच में परिणाम में सिफारिश शीर्षक वाले पैरा के अंतर्गत उसकी सिफारिश की है।

112. **अन्य मुद्दे**

- (i) जहां तक याचिकाकर्ताओं सहित हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अत्यधिक गोपनीयता के दावे का प्रश्न है प्राधिकारी यह मानते हैं कि दावा की गई गोपनीयता और घरेलू उद्योग सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों के लिए प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार से विचार की गई गोपनीयता इसकी सतत् प्रथा और संगत कानूनों के अनुसार है। पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में सूचना की गोपनीयता निम्नानुसार है:

*गोपनीय सूचना: (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।*

*(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।*

*(3) उप नियम (2) में निहित किसी बात को होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो कि गोपनीयता के लिए अनुरोध न्यायसंगत नहीं अथवा सूचना प्रदाता सूचना को सार्वजनिक करने अथवा इसको सामान्य तौर पर अथवा संक्षिप्त रूप में उसे प्रकट करने के लिए अनिच्छुक हो, तो ऐसी सूचना की उपेक्षा की जा सकती है।*

- (ii) गोपनीयता के संबंध में संगत माने जाने की स्थिति तक घरेलू उद्योग और विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच प्राधिकारी द्वारा की गई तथा तदनुसार, उनका समाधान किया गया। गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने, जहां भी आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और वह सूचना गोपनीय मानी गई है तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं की गई है। जहां कहीं भी संभव हो, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकार को निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतर दें। प्राधिकारी ने सार्वजनिक फाइल के रूप में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय रूपांतर उपलब्ध कराए। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि सभी हितबद्ध पक्षकारों ने अपनी व्यापार संबंधी सूचना को गोपनीय होने का दावा किया है जिसे नियमानुसार तथा प्राधिकारी की सतत परिपाटी के अनुसार गोपनीय रखा गया है।

- (iii) यह तर्क दिया गया है कि सेकिंग कपड़े का निर्यात पहले भारत में ही किया गया था और घरेलू उद्योग ने पूर्व में विचाराधीन उत्पाद में इसे शामिल नहीं किया और यह कि पिछले दरवाजे से प्रवेश दिया गया है और यह कि उन्हें सेकिंग कपड़े के लिए एक नई याचिका दायर करनी चाहिए। प्राधिकारी यह मानते हैं कि विचाराधीन उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के बाद विचाराधीन उत्पाद और पी यू आई के व्यापार पैटर्न में बहुत अधिक परिवर्तन का पैटर्न इस तथ्य को दर्शाता है कि सेकिंग थैले पर पाटनरोधी शुल्क लगाने के कारण यह परिवर्तन हुआ है और इस कारण से इस जांच के अंतर्गत प्राधिकारी ने इस मामले में उपयुक्त सिफारिशों के लिए पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत स्थापित किए जाने के लिए अपेक्षित निर्धारित मानदंडों का मूल्यांकन किया है। यह भी नोट किया जाता है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकारों ने यह सिद्ध नहीं किया है कि भारत में पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के बाद उसके निर्यात प्रोफाइल में विचाराधीन उत्पाद और पी यू आई में परिवर्तन सेकिंग थैले पर पाटनरोधी उपाय के अलावा किसी अन्य आर्थिक कारणों पर आधारित है। उसके बावजूद, यदि पी यू आई विचाराधीन उत्पाद में परिवर्तन करने के लिए नहीं है तब प्राधिकारी ने मौजूदा उपाय को लगाये जाने से पी यू आई को बाहर रखने की सिफारिश की है।

- (iv) प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा अपनाये गये लेन देन-वार आंकड़ों तथा बहुत बाद की तिथि में उन्हें/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराये गये आयात आंकड़ों जिसका वे विश्लेषण नहीं कर सके और जिन पर टिप्पणियां नहीं दे सके, के संबंध में कुछ उत्पादकों/ निर्यातकों की ओर से उपस्थित होने वाले मेसर्स पी डब्ल्यू सी द्वारा किए गए अनुरोधों को नोट करते हैं। इस संबंध में

प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स पी डब्ल्यू सी उसी अधिसूचना के अंतर्गत डी जी सी आई एंड एस के लिए लेन देन-वार आयात आंकड़ों को प्राप्त करने के लिए, जिसके लिए उन्होंने आवेदन नहीं किया था डी जी टी आर से अधिकरण प्राप्त करने के हकदार भी नहीं थे। वर्तमान मामले में काफी संख्या में उत्पादकों/ निर्यातकों ने सहयोग किया। याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों का मिलान डी जी सी आई एंड एस प्राप्त आयात संबंधी आंकड़ों से किया गया है। विचाराधीन उत्पाद और पी यू आई के व्यापार परिवर्तन संबंधी आंकड़ों को प्रकटन विवरण में खुलासा किया गया था। इसके अलावा, प्राधिकारी ने सहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों जिनका उत्पादन भारत में जांच की अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद और पी यू आई के कुल आयातों का लगभग 50 प्रतिशत है, द्वारा रिपोर्ट किए गए समग्र व्यापार पैटर्न परिवर्तन का उल्लेख किया है और सहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों के आधार पर भी व्यापार पैटर्न व्यापक रूप से डी जी सी आई एंड एस के समग्र आंकड़ों से सह-संबंधित है, जिसे इस जांच परिणाम में व्यापार पैटर्न की जांच संबंधी पैरा में शामिल किया गया है। किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने आयात संबंधी आंकड़ों के मुद्दे को नहीं उठाया है। गुणवत्ता और मूल्य दोनों उपलब्ध कराने के लिए उत्पादक/ निर्यातकों के अनुरोध पर विचार किया गया है। प्राधिकारी यह मानते हैं कि व्यापार पैटर्न में परिवर्तन प्रकटन में पहले ही दिया गया है और आगे उसकी पुष्टि सहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों के समग्र आंकड़ों से की गई है। जांच की अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद और पी यू आई के पहुंच मूल्य का भी उल्लेख मौजूदा उपाय की प्रभावोत्पादकता में कमी का मूल्यांकन करते और उपचारात्मक प्रभाव को क्षति पहुंचाने का मूल्यांकन करते समय किया गया है। यद्यपि मैसर्स पी डब्ल्यू सी को डी जी सी आई एंड एस से लेन देन-वार आंकड़ों को प्राप्त करने के लिए डी जी टी आर से अधिकरण लेने का अवसर था फिर भी उन्होंने इस विकल्प का लाभ नहीं उठाया। इस कारण से ऐसा प्रतीत होता है कि उनके द्वारा उठाये गये मुद्दे उन्हें उनके कारण हुई किसी पूर्वाग्रह को रेखांकित नहीं करते हैं।

- (v) प्राधिकारी घरेलू उद्योग द्वारा उन्हें विभिन्न सूचनाओं/उत्तरों/ प्रत्युत्तर संबंधी अनुरोधों/सत्यापन रिपोर्ट उपलब्ध कराए जाने के संबंध में इन अनुरोधों को नोट करते हैं। प्राधिकारी यह मानते हैं कि इस मामले में बिना किसी विपथन के इसकी सतत प्रथा के अनुसार सार्वजनिक फाइल में विभिन्न संगत दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं।

## ख. निष्कर्ष

113. घरेलू उद्योग और विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों की जांच करने के बाद और उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि :

- i. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पी यू आई अर्थात् सेकिंग कपड़े के आयातों में पाटनरोधी शुल्क लगाये जाने के बाद वृद्धि हुई है।
- ii. पी यू आई को (सेकिंग कपड़े) विचाराधीन उत्पाद (सेकिंग थैले) में परिवर्तित करने में मूल्यवर्धन उसकी तुलना में बहुत कम है जिसे पाटनरोधी नियमावली में आरंभिक सीमा के रूप में निर्धारित किया गया है।
- iii. अलग अलग पाटन मार्जिन मूल्यांकन सहयोगी उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए किया गया है और कुछ उत्पादकों/ निर्यातकों के लिए, जांच की अवधि के दौरान पी यू आई का पाटन मार्जिन न्यूनतम/ ऋणात्मक पाया गया है।
- iv. पी यू आई के आयात से दिनांक 5/1/2017 के सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 01/2017 – सीमा शुल्क (ए डी डी) और दिनांक 3/4/2017 के सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 11/2017 – सीमा शुल्क (ए डी डी) के माध्यम से बाद में संशोधित के द्वारा जारी उत्पाद पर लगाये गये मौजूदा पाटनरोधी उपाय के उपचारात्मक प्रभाव को हानि हुई है।

## ड. सिफारिशें

114. उपर्युक्त को ध्यान में रखकर प्राधिकारी पी यू आई (जूट सेकिंग क्लाथ) पर दिनांक 5/1/2017 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 01/2017 – सीमा शुल्क (ए डी डी) और दिनांक 3/4/2017 की सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 11/2017 – सीमा शुल्क (ए डी डी) तथा

निम्नलिखित के अध्यक्षीन अनुबंध 1 में यथासंलग्न दिनांक 3/4/2017 के सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 11/2017 ' सीमा शुल्क (ए डी डी) में शुल्क तालिका में यथा तालिकाबद्ध के माध्यम से सेकिंग थैले मौजूदा पाटनरोधी शुल्क बढ़ाये जाने की सिफारिश करते हैं :

- i. पी यू आई पर पाटनरोधी शुल्क वित्त मंत्रालय अर्थात केंद्र सरकार द्वारा इसकी अधिसूचना की तिथि से लागू होगी।
- ii. पी यू आई पर पाटनरोधी शुल्क की वैधता विचाराधीन उत्पाद अर्थात सेकिंग थैले पर इस शुल्क जिसे दिनांक 3.4.2017 की सीमा-शुल्क अधिसूचना सं. 11/2017-सी.शु. (एडीडी) के माध्यम से लगाया गया था के सहकालीन होगा ।
- iii. निम्नलिखित उत्पादकों जिनकी जांच की अवधि के दौरान पी यू आई के पाटन मार्जिन का मूल्यांकन न्यूनतम/ ऋणात्मक के रूप में किया गया है, को पी यू आई अर्थात सेकिंग कपड़े पर इन उपायों को लगाये जाने से छूट प्रदान की जाती है।

- मैसर्स मौना जूट मिल्स लिमि.
- मैसर्स अरनू जूट मिल्स लिमि
- मैसर्स रहमान जूट मिल्स (प्रा.) लिमि.
- मैसर्स जमुना जूट इंडस्ट्रीज लिमि.
- मैसर्स सागर जूट स्पिनिंग मिल्स लिमि.
- मैसर्स सिडलाव टेक्सटाइल्स (बंगलादेश) लिमिटेड,
- मैसर्स पार्टैक्स जूट मिल्स लिमिटेड
- मैसर्स आशा जूट इंडस्ट्रीज लिमिटेड
- मैसर्स नवहता जूट मिल्स लिमिटेड
- मैसर्स मिमेनसिंह जूट मिल्स लिमिटेड

- iv. पी यू आई जो पटसन थैले में परिवर्तन को छोड़कर प्रयोजता में उपयोग के लिए एक आयातक द्वारा आयात किया गया है। दिनांक 3/4/2017 के सीमा शुल्क अधिसूचना संख्या 11/2017 – सीमा शुल्क (ए डी डी) के अनुसार लागू पाटनरोधी शुल्क के भुगतान के लिए जिम्मेदार नहीं होगा।
- v. उपर्युक्त (iv) के अंतर्गत आने वाले मामलों के लिए, आयातक संबंधित सीमा शुल्क प्राधिकारियों को एक कानूनी रूप से लागू किए जाने योग्य लिखित वचन देगा।
- vi. वित्त मंत्रालय ने अपनी उपर्युक्त एजेंसियों द्वारा उपर्युक्त लिखित वचन के आधार पर पाटनरोधी शुल्क के भुगतान के बिना उपर्युक्त (iv) के अंतर्गत आने वाली श्रेणी के लिए इस प्रकार से आयात की गई पी यू आई के उपयोग की असलियत को मॉनीटर करने के लिए एक उपर्युक्त मॉनिटरिंग तंत्र स्थापित कर सकता है।

#### **ठ. आगे की प्रक्रिया**

115. इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना से उत्पन्न होने वाले केंद्र सरकार के आदेश के विरुद्ध अपील सीमा प्रशुल्क अधिनियम के अनुसार सीमा शुल्क, उत्पाद और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जायेगी।

सुनील कुमार, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

## अनुबंध

**वित्त मंत्रालय**  
**(राजस्व विभाग)**  
**अधिसूचना**

नई दिल्ली, 03 अप्रैल, 2017

**सं. 11/2017-सीमाशुल्क (एडीडी)**

**सा.का.नि. (अ).—**सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर प्रतिपाटन शुल्क की पहचान, उसका मूल्यांकन तथा संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के नियम 18 और 20 के साथ पठित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 (1975 का 51) की धारा 9क की उपधारा (1) के (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की अधिसूचना सं. 1/2017-सीमा शुल्क (एडीडी) तारीख 5 जनवरी, 2017 भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड-3, उप खंड (i) में प्रकाशित, सा.का.नि. 11(अ), दिनांक 5 जनवरी, 2017 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, सारणी में, निम्नलिखित सारणी प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

**सारणी**

क्र.सं.	शीर्ष/उप शीर्ष	वस्तु का विवरण*	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क तालिका	इकाई
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	<b>5307, 5310, 5607 or 6305</b>	पटसन यार्न/ट्वाईन	सभी रूपों एवं विनिर्देशनों में	बंग्लादेश	बंग्लादेश	प्राइड जूट मिल्स लि.	प्राइड जूट मिल्स लि.	<b>104.16</b>	अम.डॉ./मी.ट.
2.	-वही-	पटसन यार्न/ट्वाईन	-वही-	बंग्लादेश	बंग्लादेश	आशा जूट इंडस्ट्रीज लि.	आशा जूट इंडस्ट्रीज लि.	<b>19.30</b>	अम.डॉ./मी.ट.
3.	-वही-	पटसन यार्न/ट्वाईन	-वही-	बंग्लादेश	बंग्लादेश	सोनाली अंश इंडस्ट्रीज लि.	सोनाली अंश इंडस्ट्रीज लि.	<b>20.35</b>	अम.डॉ./मी.ट.
4.	-वही-	पटसन यार्न/ट्वाईन	-वही-	बंग्लादेश	बंग्लादेश	अलीजान जूट मिल्स लि.	अलीजान जूट मिल्स लि.	<b>20.35</b>	अम.डॉ./मी.ट.
5.	-वही-	पटसन यार्न/ट्वाईन	-वही-	बंग्लादेश	बंग्लादेश	शरीफ जूट मिल्स लि.	शरीफ जूट मिल्स लि.	<b>152.85</b>	अम.डॉ./मी.ट.
6.	-वही-	पटसन यार्न/ट्वाईन	-वही-	बंग्लादेश	बंग्लादेश	अनवर जूट स्पिनिंग मिल्स लि.	अनवर जूट स्पिनिंग मिल्स लि.	<b>109.59</b>	अम.डॉ./मी.ट.
7.	-वही-	पटसन यार्न/ट्वाईन	-वही-	बंग्लादेश	बंग्लादेश	हसन जूट मिल्स लि.	हसन जूट मिल्स लि.	शून्य	अम.डॉ./मी.ट.
8.	-वही-	सैकिंग बैग्स	-वही-	बंग्लादेश	बंग्लादेश			शून्य	अम.डॉ./मी.ट.
9.	-वही-	पटसन यार्न/ट्वाईन	-वही-	बंग्लादेश	बंग्लादेश	जनता जूट मिल्स लि.	जनता जूट मिल्स लि.	<b>20.68</b>	अम.डॉ./मी.ट.
10.	-वही-	हैसियन फैब्रिक	-वही-	बंग्लादेश	बंग्लादेश			शून्य	अम.डॉ./मी.ट.

11.	-वही-	पटसन यार्न/ ट्वाईन	-वही-	बंगलादेश	बंगलादेश	सिडलो टेक्सटाइल्स लि.	सिडलो टेक्सटाइल्स लि.	102.93	अम.डॉ./मी.ट.
12.	-वही-	सैकिंग बैग्स	-वही-	बंगलादेश	बंगलादेश	लि.	लि.	127.48	अम.डॉ./मी.ट.
13.	-वही-	पटसन यार्न/ ट्वाईन	-वही-	बंगलादेश	बंगलादेश	सागर जूट स्पिनिंग मिल्स लि.	सागर जूट स्पिनिंग मिल्स लि.	102.93	अम.डॉ./मी.ट.
14.	-वही-	पटसन यार्न/ ट्वाईन	-वही-	बंगलादेश	बंगलादेश	सूची के अनुसार अप्रतिदर्श उत्पादक निर्यातक/**		97.19	अम.डॉ./मी.ट.
15.	-वही-	हैसियन फैब्रिक	-वही-	बंगलादेश	बंगलादेश	सूची के अनुसार अप्रतिदर्श उत्पादक निर्यातक/**		351.72	अम.डॉ./मी.ट.
16.	-वही-	सैकिंग बैग्स	-वही-	बंगलादेश	बंगलादेश	सूची के अनुसार अप्रतिदर्श उत्पादक निर्यातक/**		125.21	अम.डॉ./मी.ट.
17.	-वही-	पटसन यार्न/ ट्वाईन	-वही-	बंगलादेश	बंगलादेश	उपरोक्त उल्लिखित क्र.सं. 1- 16 से भिन्न अन्य कोई संयोजन		162.45	अम.डॉ./मी.ट.
18.	-वही-	हैसियन फैब्रिक	-वही-	बंगलादेश	बंगलादेश	उपरोक्त उल्लिखित क्र.सं. 1- 16 से भिन्न अन्य कोई संयोजन		351.72	अम.डॉ./मी.ट.
19.	-वही-	सैकिंग बैग्स	-वही-	बंगलादेश	बंगलादेश	उपरोक्त उल्लिखित क्र.सं. 1- 16 से भिन्न अन्य कोई संयोजन		138.97	अम.डॉ./मी.ट.
20.	-वही-	पटसन यार्न/ ट्वाईन	-वही-	बंगलादेश	वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, से अन्य कोई देश	कोई	कोई	162.45	अम.डॉ./मी.ट.
21.	-वही-	हैसियन फैब्रिक	-वही-	बंगलादेश	वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, से अन्य कोई देश	कोई	कोई	351.72	अम.डॉ./मी.ट.
22.	-वही-	सैकिंग बैग्स	-वही-	बंगलादेश	वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, से अन्य कोई देश	कोई	कोई	138.97	अम.डॉ./मी.ट.
23.	-वही-	पटसन यार्न/ ट्वाईन	-वही-	बंगलादेश	वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, से अन्य कोई देश	कोई	कोई	162.45	अम.डॉ./मी.ट.
24.	-वही-	हैसियन फैब्रिक	-वही-	बंगलादेश	वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है,	कोई	कोई	351.72	अम.डॉ./मी.ट.

				से अन्य कोई देश					
25.	-वही-	सैकिंग बैग्स	-वही-	वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, से अन्य कोई देश	बंगलादेश	कोई	कोई	138.97	अम.डॉ./मी.ट.
26.	-वही-	पटसन यार्न/ट्वाईन	-वही-	नेपाल	नेपाल	अरिहंत मल्टी-फाइबर्स लि.	अरिहंत मल्टी-फाइबर्स लि.	24.61	अम.डॉ./मी.ट.
27.	-वही-	सैकिंग बैग्स	-वही-	नेपाल	नेपाल			35.25	अम.डॉ./मी.ट.
28.	-वही-	हैसियन फैब्रिक	-वही-	नेपाल	नेपाल	अरिहंत मल्टी-फाइबर्स लि.	अरिहंत मल्टी-फाइबर्स लि.	शून्य	अम.डॉ./मी.ट.
29.	-वही-	पटसन यार्न/ट्वाईन	-वही-	नेपाल	नेपाल	श्री रघुपति जूट मिल्स लि.	श्री रघुपति जूट मिल्स लि.	24.61	अम.डॉ./मी.ट.
30.	-वही-	सैकिंग बैग्स	-वही-	नेपाल	नेपाल			35.25	अम.डॉ./मी.ट.
31.	-वही-	हैसियन फैब्रिक	-वही-	नेपाल	नेपाल			शून्य	अम.डॉ./मी.ट.
32.	-वही-	पटसन यार्न/ट्वाईन	-वही-	नेपाल	नेपाल	स्वास्तिक जूट मिल्स प्रा.लि.	स्वास्तिक जूट मिल्स प्रा.लि.	15.36	अम.डॉ./मी.ट.
33.	-वही-	हैसियन फैब्रिक	-वही-	नेपाल	नेपाल			8.18	अम.डॉ./मी.ट.
34.	-वही-	सैकिंग बैग्स	-वही-	नेपाल	नेपाल			34.20	अम.डॉ./मी.ट.
35.	-वही-	पटसन यार्न/ट्वाईन	-वही-	नेपाल	नेपाल	बाबा जूट मिल्स प्रा.लि.	बाबा जूट मिल्स प्रा.लि.	26.07	अम.डॉ./मी.ट.
36.	-वही-	सैकिंग बैग्स	-वही-	नेपाल	नेपाल			33.73	अम.डॉ./मी.ट.
37.	-वही-	हैसियन फैब्रिक	-वही-	नेपाल	नेपाल			6.30	अम.डॉ./मी.ट.
38.	-वही-	पटसन यार्न/ट्वाईन	-वही-	नेपाल	वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, से अन्य कोई देश	उपरोक्त उल्लिखित क्र.सं. 26-37 से भिन्न अन्य कोई संयोजन		28.72	अम.डॉ./मी.ट.

39.	-वही-	सैकिंग बैग्स	-वही-	नेपाल	वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, से अन्य कोई देश	उपरोक्त उल्लिखित क्र-26 .सं. 37से भिन्न अन्य कोई संयोजन		38.90	अम.डॉ./मी.ट.
40.	-वही-	हैसियन फैब्रिक	-वही-	नेपाल	वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, से अन्य कोई देश	उपरोक्त उल्लिखित क्र-26 .सं. 37से भिन्न अन्य कोई संयोजन		8.18	अम.डॉ./मी.ट.
41.	-वही-	पटसन यार्न/ट्वाईन	-वही-	नेपाल	वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, से अन्य कोई देश	कोई	कोई	28.72	अम.डॉ./मी.ट.
42.	-वही-	हैसियन फैब्रिक	-वही-	नेपाल	वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, से अन्य कोई देश	कोई	कोई	8.18	अम.डॉ./मी.ट.
43.	-वही-	सैकिंग बैग्स	-वही-	नेपाल	वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, से अन्य कोई देश	कोई	कोई	38.90	अम.डॉ./मी.ट.
44.	-वही-	पटसन यार्न/ट्वाईन	-वही-	वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, से अन्य कोई देश	नेपाल	कोई	कोई	28.72	अम.डॉ./मी.ट.
45.	-वही-	हैसियन फैब्रिक	-वही-	वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, से अन्य कोई देश	नेपाल	कोई	कोई	8.18	अम.डॉ./मी.ट.
46.	-वही-	सैकिंग बैग्स	-वही-	वे देश जिन पर पाटनरोधी शुल्क लागू है, से अन्य कोई देश	नेपाल	कोई	कोई	38.90	अम.डॉ./मी.ट.

\*“जूट उत्पाद” में जूट यार्न/ट्वाइन (मल्टीपल फोल्डेड/केबलड और सिंगल), हेस्सिन फैब्रिक और जूट सैकिंग बैग्स शामिल हैं।

\*\* नॉन-सैम्पलउत्पादकों/निर्यातकों की सूची:

- (1) रहमान जूट स्पिनर्स (प्रा.) लि.
- (2) शमशेर जूट मिल्स लि.
- (3) गोल्डन जूट इंडस्ट्रीज लि.
- (4) पूरबी ट्रेडिंग
- (5) सोनाली-अन्श टेडिंग (प्रा.) लि.
- (6) राजबाडी जूट मिल्स लि.
- (7) नोवापारा केजिंग इंडस्ट्रीज लि.
- (8) नोवापारा जूट मिल्स लि.
- (9) उषा जूट स्पिनर्स लि.
- (10) बी.एस. जूट स्पिनर्स लि.
- (11) मदीना जूट इंडस्ट्रीज लि.
- (12) नॉदर्न जूट विनिर्माण कंपनी लि.
- (13) जूट स्पिनर्स लि.
- (14) नवाब अब्दुल मलिक जूट मिलो (बीडी) लि.

[फा. सं. 354/211/2016-टीआरयू]

मोहित तिवारी, अवर सचिव

**टिप्पणी :** मूल अधिसूचना सं. 1/2017 सीमा-शुल्क (एडीडी) तारीख 5 जनवरी, 2017 सा.का.नि. 11(अ), तारीख 5 जनवरी, 2017 द्वारा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उप-खंड (i) में द्वारा की गई थी।

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 19th March, 2019

**FINAL FINDING****ANTI-CIRCUMVENTION INVESTIGATION**

**Subject: Anti-Circumvention investigation concerning alleged circumvention of anti-dumping duty imposed on the imports of Jute Sacking Bags from Bangladesh.**

**A. Background of the case**

- No. 7/3/2018-DGAD.** Having regard to the Customs Tariff Act 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) thereof;
2. Whereas, Designated Authority, on the request of Indian Jute Mills Association, conducted an anti-dumping investigation on the imports of “Jute Products” viz., Jute Yarn/Twine (multiple folded/cabled and single), Hessian fabric, and Jute sacking bags, the Product Under Consideration (PUC), and recommended definitive Anti-Dumping Duty (ADD) vide Notification No. 14/9/2015-DGAD, dated 20<sup>th</sup> October, 2016 which was levied by Ministry of Finance vide Customs Notification 1/2017-Customs (ADD) dated 5<sup>th</sup> January, 2017 and amended further by Customs Notification No 11/2017-Customs (ADD) dated 3<sup>rd</sup> April, 2017.
  3. Whereas in the ongoing Anti-Circumvention investigation, regarding imports of Jute Sacking Cloth, an unfinished, incomplete and only the penultimate form in the production of jute sacking bags, Indian Jute Mills Association (IJMA) (herein referred as “petitioner” or “Applicant association”) filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Section 9A of the Act read with Rule 26(1) Customs Tariff (Identification, Assessment & Collection of Anti-Dumping Duty on the Dumped Articles & for Determination of Injury) Rules, 1995 (AD Rules) for initiation of Anti- Circumvention Investigation concerning imports of Jute Sacking Cloth (hereinafter also referred to as the “Product under Investigation” or “PUI”), a penultimate stage of “Jute Sacking Bag” (hereinafter also referred to as the “Jute Sacking Bag” or “Product under consideration” or “PUC”) originating in or exported from Bangladesh (herein referred as subject country). The petitioner requested for extension of existing anti-dumping duties on the imports of the Jute Sacking Bag to the PUI, the penultimate stage product of the PUC originating in or exported from the subject country.
  4. Whereas, in view of a duly substantiated application filed by the petitioner under Rules 26 (1), the Authority initiated the investigation vide Notification No.7/3/2018-DGAD dated 20<sup>th</sup> March, 2018 to determine the existence and effect of the alleged circumvention of the ADD levied and to consider recommendation of extension of ADD on imports of Jute Sacking Bag to imports of Jute Sacking Cloth, in accordance with relevant AD rules.

**B. Procedure**

5. The procedure described below has been followed with regard to the investigation:
  - i. The Authority issued notification vide notification no. 7/3/2018-DGAD dated 20<sup>th</sup> March, 2018 initiating anti-circumvention investigation, which was published in the Gazette of India.
  - ii. The Authority sent copy of the initiation notification to the Bangladesh High Commission in India, known exporters of PUI in Bangladesh and known importers of PUI in India, as per information available in the petition.
  - iii. The Authority wrote to the exporters/ producers of the PUC/PUI and requested them to file their responses in the prescribed questionnaire and make their views known in writing within the time limit prescribed. Copies of the letter and questionnaires sent to the exporters were also sent to Bangladesh

High Commission along with a list of known exporters/ producers, with a request to advise the exporters/ producers from Bangladesh to respond to the Authority within the prescribed time.

- iv. A copy of the non-confidential version of the application filed by the petitioner was sent to the Bangladeshi producer/ exporters, and Government of Bangladesh. A copy of the non-confidential version of the application was also made available to the interested parties, on request, through public file.
- v. The Authority forwarded a copy of the public notice initiating the anti- circumvention investigations to the following known producers/ exporters in Bangladesh and gave them opportunity to make their views known in writing within 40 days from the date of the letter in accordance with the AD Rules:

Name of the Exporter	
Corofin Jutex Corporation, Bangladesh	Shamsher Jute Mills Ltd. Bangladesh
Shinepukur Holdings Ltd., Bangladesh	World Trading Corporation, Bangladesh
Sonali Aansh Trading (Pvt) Ltd., Bangladesh	Abir International, Bangladesh
Atmmr Enterprise, Bangladesh	Alam Trade International, Bangladesh
Alif International, Bangladesh	Aliss International, Bangladesh
Amanat International, Bangladesh	Anss Corporation (Pvt) Ltd, Bangladesh
ABC Agency, Bangladesh	ACME Trade International, Bangladesh
Anika Overseas Discovery Service, Bangladesh	Arkay & Kayar Associates, Bangladesh
Asimpex Trading Corp. Ltd, Bangladesh	Amin Jute Products, Bangladesh
Bengulf Trading Co. Ltd., Bangladesh	Bengal Braided Rugs Ltd., Bangladesh
Blue Bell Enterprise, Bangladesh	Bonny International Ltd, Bangladesh
Bengal Jute & Burlap Agencies, Bangladesh	BBI Jute & Product Export Ltd, Bangladesh
Bag & Burlap International Ltd, Bangladesh	Bangladesh Allied Business Asso., Bangladesh
B.N. Trading, Bangladesh	Bankor International Corporation, Bangladesh
Banglar Annsh (Pvt) Ltd, Bangladesh	Bangladesh Jute Processing Co., Bangladesh
Beiico International Ltd., Bangladesh	Bhuiyan Int'l Corp, Bangladesh
Bulk Trade International, Bangladesh	Bizline Corporate Ltd., Bangladesh
Burlap World Ltd., Bangladesh	Brothers International, Bangladesh
B.desh Jute Diversification Center, Bangladesh	Bangladesh International Trade, Bangladesh
Beheshti Export & Import, Bangladesh	Bangladesh Export Limited, Bangladesh
CDR Trade International, Bangladesh	Commimpex, Bangladesh
Confident Jute & Bag Ltd., Bangladesh	Concrete Fibres International, Bangladesh
Consolidated Commodities, Bangladesh	Creation (Pvt) Ltd, Bangladesh
Corr-The Jute Works, Bangladesh	Crifoo Intertrade Ltd., Bangladesh
Corofin Jutex Corporation, Bangladesh	Cosmotic, Bangladesh
Dubai Jute & Bag Corporation, Bangladesh	Continental Trade Exchange Ltd., Bangladesh

Dipali Agncies, Bangladesh	Delca Bangladesh Ltd, Bangladesh
Dawan Export International, Bangladesh	Desh Bidesh Enterprise, Bangladesh
Dewan Trade International, Bangladesh	Eastern Trade International, Bangladesh
Erans Trade International Ltd., Bangladesh	Ecotrade International, Bangladesh
East Asian Business Associates, Bangladesh	Exim N. Trade, Bangladesh
Erab Limited, Bangladesh	Esses Exporters Ltd., Bangladesh
Enam & Sons, Bangladesh	Eehamm International Ltd., Bangladesh
Extra Pace Logistics Ltd, Bangladesh	Enam Express Limited, Bangladesh
Edge Trading, Bangladesh	Early Bird Corporation, Bangladesh
Faisal Trading Co., Bangladesh	Farhana Style Limited, Bangladesh
Fibres International Ltd., Bangladesh	Eshana Jute Products, Bangladesh
Food Grade Jute Traders, Bangladesh	Fibre Deals Limited, Bangladesh
Faimex Trade International, Bangladesh	Fair Trading Company, Bangladesh
Global Jute Goods, Bangladesh	Globe Solidarity Ltd., Bangladesh
Golden Jute Diversification Center Ltd., Bangladesh	Global Jute Trading Ltd., Bangladesh
H.F Exporters, Bangladesh	Hamona Trading Corporation, Bangladesh
Hanif Impex International, Bangladesh	Hossain Jute Trading Co., Bangladesh
HN Enterprise, Bangladesh	International Trade Exchange, Bangladesh
International Burlap Supplier, Bangladesh	Indus Enterprise, Bangladesh
Immense Trading House, Bangladesh	Jute Expo Trading Ltd., Bangladesh
Jute & Bags Export Corporation Bangladesh	Jute Heaven, Bangladesh
Jutex Bangladesh, Bangladesh	Jute Export Corporation, Bangladesh
Jainex International, Bangladesh	Jutex International, Bangladesh
Jahan Trader, Bangladesh	Jahan International Trading Co., Bangladesh
Jute Mate Packaging Co., Bangladesh	Jute Export Trading Corporation, Bangladesh
JBL International, Bangladesh	Jupiter Jute Leather Corporation, Bangladesh
Jahan Enterprise, Bangladesh	Kiron Enterprise, Bangladesh
Knaf International, Bangladesh	Kingshuk Limited, Bangladesh
Khan Sons Interl (BD) Ltd,Bangladesh	Lupa International, Bangladesh
Lotus International , Bangladesh	Louis Dreyfus Co. Ltd., Bangladesh
Metropolitan Export Corp, Bangladesh	Lipton Jute Trade International,Bangladesh
Monami International Ltd.,Bangladesh	M.F International, Bangladesh
Maico Jute & Bag Corporation Bangladesh	Mask Associate (Pvt) Ltd., Bangladesh
Marium Enterprise, Bangladesh	Meem International, Bangladesh
Mowlik Trade & Services Ltd, Bangladesh	Monir Trading Corporation, Bangladesh
Mohajan Trade International, Bangladesh	M.R. Associates, Bangaldesh
M. Rahman & Co., Bangladesh	M.H Trading, Bangladesh

Mikuni Corporation, Bangladesh	Mawada Traders, Bangladesh
Mart Overseas Ltd, Bangladesh	Monsur & Brothers, Bangladesh
Mee Trading Corporation, Bangladesh	M.M International, Bangladesh
Modern Import & Export, Bangladesh	Neptune Enterprise, Bangladesh
Narsingdi Jute Traders, Bangladesh	Natural Jute Products, Bangladesh
Natural Fibre Services Ltd, Bangladesh	New Agencies, Bangladesh
Orient Trade International, Bangladesh	Omega Fashion Limited, Bangladesh
Neety Enterprise, Bangladesh	Online Limited, Bangladesh
Prime Enterprise, Bangladesh	Rainbow Associates, Bangladesh
Passco Jute, Bangladesh	Relible Trade International, Bangladesh
Rose Corner (Pvt) Ltd., Bangladesh	Riimex Enterprise, Bangladesh
Rush Export International Ltd. Bangladesh	Rean Trade International, Bangladesh
R.E.B Agencies, Bangladesh	Rafique Trade International, Bangladesh
Raj Fibres Ltd, Bangladesh	Seatex International, Bangladesh
Swift Trade Impex, Bangladesh	Shathi Export International Ltd., Bangladesh
Sami Enterprise, Bangladesh	Shams Trade International Ltd, Bangladesh
Sealand Export International, Bangladesh	SWS Trade Lines (Pvt.) Ltd., Bangladesh
Sonali Aansh Trading (Pvt) Ltd. Bangladesh	Sagorika International, Bangladesh
Shyamol Bangla Jutex Ltd., Bangladesh	Sonali Fibres Trading Co., Bangladesh
Sea-Rock Consortiam, Bangladesh	Sonargaon Fibres, Bangladesh
Sonjes International, Bangladesh	SMSN Trade International, Bangladesh
Sadi Enterprise, Bangladesh	Skyland & Fam Ltd., Bangladesh
Saddat Trading Co. Ltd., Bangladesh	Samser Enterprise, Bangladesh
Sadia Jute Trading, Bangladesh	Shudeepta Trade Co., Bangladesh
Sharifpur Trading Agency, Bangladesh	Sutapa Impex, Bangladesh
Sacks Export & Trading Intel., Bangladesh	S. Islam & Sons, Bangladesh
S.S Engineering Works, Bangladesh	S.S enterprise, Bangladesh
Takawa Mah Enterprise Ltd, Bangladesh	The Globe Traders, Bangladesh
The Golden Fibre Trade Center Ltd, Bangladesh	Trade International, Bangladesh
Taurus Limited, Bangladesh	Trade Impex, Bangladesh
Tamara Trading Agencies Ltd. Bangladesh	Uni Exim, Bangladesh
Ujala Trading Corporation, Bangladesh	Vicar International, Bangladesh
Victory Enterprise Ltd. , Bangladesh	Varity Jute Trading Co., Bangladesh
Vertex International Ltd, Bangladesh	William Agencie, Bangladesh
Yakub Ali (Faridpur) Ltd, Bangladesh	Wizard Incorporation, Bangladesh
Bengal Carpet Ltd., Bangladesh	Saleh Carpet Mills Ltd., Bangladesh
Arku Industries Manufacturing Ltd., Bangladesh	Bangladesh Export Limited, Bangladesh

Lalmai Footwear Ltd., Bangladesh	Metropolitan Export Corporation, Bangladesh
Sonali Aansh Industries Ltd., Bangladesh	Tradewinde, Bangladesh
Afzal Jute Industries Ltd., Bangladesh	Beiico International Ltd., Bangladesh
Alijan Jute Mills Ltd., Bangladesh	B.R. Corporation, Bangladesh
Rupsa Import & Export Ltd., Bangladesh	William Agencies, Bangladesh
A.R.A Jute Mills Ltd., Bangladesh	ABC Agency, Bangladesh
Ahad Jute Mills Ltd., Bangladesh	Akij Jute Mills Ltd., Bangladesh
Al-Haj Aminuddin Jute Mills Ltd. Bangladesh	Alijan Jute Mills Ltd., Bangladesh
Anwar Jute Spinning Mills Limited Bangladesh	Aziz Fibres Ltd., Bangladesh
Bangladesh Jute Association Bangladesh	Bangladesh Jute Mills Corporation Bangladesh
B.S. Jute Spinners Ltd. , Bangladesh	Bengal Jute Industries Ltd.,Bangladesh
Chittagong Jute Mfg. Co. Ltd. Bangladesh	Charmuguria Jute Mills Ltd. ,Bangladesh
Ferdaus Jute Mills Ltd., Bangladesh	Islam Khan Jute Mills Ltd. ,Bangladesh
Janata Jute Mills Ltd., Bangladesh	Jute Spinners Ltd., Bangladesh
Keraniganj Jute Fibres Ltd., Bangladesh	Lytton Jute Mills Limited, Bangladesh
Karim Jute Spinners Ltd., Bangladesh	Metropolitan Exports Corporation Bangladesh
New Dacca Industries Limited Bangladesh	Nissan Jute Mills Limited, Bangladesh
Nawab Abdul Malek Jute Mills (BD) Ltd. Bangladesh	Mutual Jute Spinners Ltd., Bangladesh
Northern Jute Manufacturing Co. Ltd. Bangladesh	Nowapara Jute Mills Ltd., Bangladesh
Popular Jute Mills Ltd., Bangladesh	Patuakhali Jute Mills Ltd., Bangladesh
Sadat Jute Industries Limited Bangladesh	Saddat Trading Co. Ltd., Bangladesh
Sayeed Jute Spinning Ltd., Bangladesh	Sagar Jute Spinning Mills Limited Bangladesh
Sarwar Jute Mills Ltd., Bangladesh	Shamsher Jute Mills Ltd., Bangladesh
Sharif Jute Mills Ltd., Bangladesh	Shihab Jute Spinners Ltd., Bangladesh
Shyamol Bangla Jutex Ltd., Bangladesh	Shinepukur Holdings Limited. Bangladesh
Sidlaw Textile (Bangladesh) Ltd. Bangladesh	Sonali Aansh Industries Ltd., Bangladesh
Specialised Jute Yarn & Twine Mfg. Co. Ltd., Bangladesh	Supreme Jute and Knitex Limited Bangladesh
Transocean Fibres Processors (BD) Ltd. Bangladesh	Usha Jute Spinners Ltd. , Bangladesh
World Trading Corporation, Bangladesh	Victory Jute Products Ltd. , Bangladesh

- vi. The following producers/exporters of the PUC/PUI from Bangladesh responded to the Authority and filed response to the questionnaire in the form and manner prescribed. Further various advocates filed Authorizations to represent these producers/exporters/traders as mentioned below:

**a. M/s World Trade Consultants & Advocates**

1. M/s Motahar Hossain Chowdhury Jute Mills Ltd. Bangladesh
2. M/s Mohini Nabil Jute Mills Ltd. Bangladesh
3. M/s Mirza Jute Mills Ltd. Bangladesh

4. M/s A.N International, Bangladesh
5. M/s Bangla Jute Mills Ltd. Bangladesh
6. M/s Glory Jute Ltd.
7. M/s Hasen Jute Industries Ltd.
8. M/s G Traders
9. M/s Gem Jute Ltd.
10. M/s Ranu Agro Industries Limited Bangladesh
11. M/s Rahman Jute Mills (Pvt.) Ltd. Bangladesh
12. M/s Sagar Jute Spinning Mills Ltd. Bangladesh
13. M/s Arnu Jute Mills Ltd. Bangladesh
14. M/s Jamuna Jute Industries Ltd. Bangladesh
15. M/s Aba Jute & Twine Industries Ltd. Bangladesh
16. M/s Rabeya Jute Mills Bangladesh
17. M/s Ecotrade International
18. M/s Erans Trade International Ltd.
19. M/s Mouna Jute Mills Ltd.
20. M/s Uttara Jute Fibres & Industries Ltd.
21. M/s Nabarun Jute Mills Limited

**b. M/s PriceWaterhouse Coopers Private Ltd.**

1. Afil Jute Weaving Mills Ltd.
2. Sonali Jute Mills Ltd.
3. Jobaida Karim Jute Mills Ltd.
4. R. M. Jute Diversification Mills Ltd

**c. M/s M.S. Pothal and Associates**

1. M/s Partex Jute Mills Limited Bangladesh
2. M/s Sidlaw Textiles (Bangladesh) Limited
3. M/s Nawhata Jute Mills Ltd.
4. M/s Kurigram jute Processing Works Bangladesh
5. M/s Sarah Composite Mills Limited Bangladesh
6. M/s Mymensingh Jute Mills Ltd.
7. M/s Asha Jute Industries Limited
8. M/s Purabi trading

**d. M/s TracoLegal- Advocates & Consulatants**

1. M/s Jute Textile Mills Ltd.

**e. Responses filed directly by producers/exporters**

1. M/s Nothern Jute Manufacturing Company Limited
2. M/s Alijan Jute Mills Limited
3. M/s Sonali Aansh Industries Limited

4. M/s South Trade International
5. M/s Rajbari Jute Mills Ltd.
6. M/s Ahyar Jute Mills Ltd.
7. M/s Hafiz Jute Mills Ltd.
8. M/s Rahman Mustafiz Haq & Co.  
(InterLink International)
9. M/s Latif Bawany Jute Mills Limited
10. M/s Jatio Jute Mills Ltd.
11. M/s Eastern Jute Mills Ltd. filed an incomplete response through Email only with no signed hard copy.

vii. Questionnaires were sent to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with the Rules:

Name of Importer	
Ahmed Export, West Bengal	K.L.Jute Products Pvt.Ltd, West Bengal
Kamal Kumar Goyal, West Bengal	R. Harilal & Co.(Calcutta), West Bengal
Navin Gupta West Bengal	Sheo Kumar Agarwal West Bengal
Ashim Kar & Industries Pvt. Ltd., West Bengal	Coastal Packers Pvt. Ltd., West Bengal
Naresh Kumar Agarwal, West Bengal	Churiwal Commercial Co. (P) Ltd., West Bengal
Ai Champdany Industries Ltd., West Bengal	Ganges Jute Pvt.Ltd., West Bengal
Mohan Jute Ltd. West Bengal	Yucon Exports Private Ltd, West Bengal
H.R. International Limited West Bengal	Bhagwati Sales Agency, Maharashtra
S L Packaging Private Limited, West Bengal	Terai Overseas Ltd. West Bengal
Tarun Dokania, West Bengal	G M Jute Exports Co. West Bengal
Jayvardhan Bansal, West Bengal	Sandoz Merchants Pvt. Ltd., West Bengal
Ramiz Ahamed, West Bengal	Nirmal Khandelwal, West Bengal
Sarada Trading Company, West Bengal	Hooghly Infrastructure Private Limited West Bengal
Vijaykumar & Co Jute Pvt, West Bengal	Aditya Translink Pvt. Ltd., West Bengal
Romy Enterprise, Maharashtra	J.K. Sons & Co., West Bengal
Rajesh Trading Co., Haryana	Narendra Kumar Ruia Huf, West Bengal
Krishna Jute Sales, Haryana	Ramsaran & Sons, West Bengal
Anil Traders, Haryana	Ram Kishore Luhariwala And Ors West Bengal
L G W Limited, West Bengal	Khandelwal Jutex Private Limited West Bengal
Golden Floor Furnishing Pvt Ltd, New Delhi	Magnum Marketing, West Bengal
Shilpi Saha, West Bengal	Shree Udyog, West Bengal
Mira Goel, West Bengal	Industrial Associates (Jute ) Pvt Ltd West Bengal
Gopiram Gupta & Company Pvt Ltd West Bengal	Kailash Traders, Karnataka
Pratap Kumar Banerjee, West Bengal	Jindal Fibres Ltd, Punjab
Mohan Jute Bags Mfg Co, West Bengal	Vardhman Plastics Pvt. Ltd, West Bengal

Ganapati Rope Works, West Bengal	Indo Cotspin Ltd, Haryana
Shri Girirajji & Company, Madhya Pradesh	Abdul Mazed Sardar West Bengal
Sri Bajrang Jute Mills Ltd, West Bengal	Haryana Bardana Trading Co., Haryana
Impex Private Limited, West Bengal	Radha Krishna Jute Products Private Limited, West Bengal
Srinivasa Jute Mills (P) Ltd., Andhra Pradesh	SDJ International, West Bengal
Vivek & Company, West Bengal	Northbrook Jute Company Ltd, West Bengal
Goel Trading Company, West Bengal	Jain Associate, Assam
M.N. Associates, Madhya Pradesh	Ramesh Chandra Agarwal, West Bengal
Meghraj Madanlal Gattani, Rajasthan	JK Sons Jute Co. Private Limited, West Bengal
Global Exim Private Ltd, West Bengal	Franktex Enterprises Pvt.Ltd, West Bengal
MMB Jute Udyog, Madhya Pradesh	Jay Vardhan Bansal, West Bengal
Prabir Mitra, West Bengal	Shri Anand Jute Centre, Haryana
Sarifuddin Ahmed, West Bengal	Vishal Jute Private Limited, West Bengal
Shifa Impex, Gujarat	Tirupathi Packagers, Karnataka
Manoj Kumar Bajoria, West Bengal	Vivek Gupta, West Bengal
Satyendra Packaging Pvt. Ltd, Gujarat	Chem Worth, West Bengal
Terai Overseas Private Ltd, West Bengal	S.N. Brothers, Kerala
Chhaju Ram Nitin Kumar, Haryana	Balkrishan Gupta, West Bengal
Riviera Home Furnishings, Delhi	GM Jute Exports Co., West Bengal
Jaikrishandass Mall Jute Products (P) Ltd., Orissa	Jagrati Trade Services Pvt. Ltd. West Bengal
Reliance Jute Mills (International) Ltd, West Bengal	Bhagtara Jute Industries (P) Ltd, Maharashtra
Howrah Mills Company Ltd, West Bengal	Ramdev Industries Limited, Andhra Pradesh
Rama Trading Company, Delhi	Rajdhani Bardana Corporation, Rajasthan

- viii. However, one of the importer of the PUI i.e. M/s Meghraj Madanlal Gattani responded to the questionnaire issued by the Authority stating that he has not imported PUI from the subject country in POI and earlier years.
- ix. The Authority on the request of certain producer/exporters has granted the extension to file Questionnaire response till 8<sup>th</sup> June, 2018. Further, on the request of Government of Bangladesh, the Authority has granted time to complete minor data gaps till 15<sup>th</sup> June, 2018.
- x. In accordance with Rule 6(6) of the Anti-dumping Rules, the Authority provided opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 28th August, 2018. The public hearing on 28th August, 2018 was attended by the domestic industry and the other interested parties. The parties, who presented their views in public hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally.
- xi. The Authority has issued the disclosure statement on 7<sup>th</sup> March, 2019 to the concerned interested parties. Comments were requested by 14<sup>th</sup> March, 2019. Comments received on the disclosure statement to the extent considered relevant by the Authority have been considered in this final finding.
- xii. The Authority had sent the disclosure to the Bangladesh High Commission for obtaining comments of

- concerned producers/exporter from Bangladesh. The request by Bangladesh High Commission to provide further time to respond could not be considered as the last date was nearing and it was not possible to grant any time beyond the normal provision.
- xiii. The Authority however has considered the response filed by the Bangladesh High Commission including that on behalf of certain producers/exporter who approached them on certain issues.
  - xiv. Exporters, importers other domestic producers and other interested parties who have not responded to the Authority nor supplied information relevant to this investigation, have been treated as non-cooperating.
  - xv. Details of imports of subject goods for April 2014- March 15, April 2015–March 2016, April 2016-March 2017 and the period of investigation October, 2016 - December 2017 (15 months), were requested from DGCIS, for above mentioned period.
  - xvi. The submissions made by the interested parties during the course of this investigation have been considered by the Authority, wherever found relevant, in this finding.
  - xvii. On-spot verification to the extent deemed necessary was carried out in respect of the information & data submitted by the Applicant. Further, Desk study validation was done of the data filed by the petitioner. On-spot verification of the data filed by cooperating exporters was also conducted by the Authority during January 2019.
  - xviii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered as confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
  - xix. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the findings on the basis of the facts available.
  - xx. \*\*\* represents information furnished by an interested party/any other party on a confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
  - xxi. The average exchange rate of 1US\$ = 66.50 prevailing during the POI has been adopted by the Authority in this finding.

### **C. Product under Consideration/ Product under Investigation and Like Article**

#### **Product under Consideration**

6. The product under consideration (PUC) for this investigation is “Jute Sacking Bags” originating in or exported from Bangladesh. Jute Sacking Bags is classified under custom heading 6305. Jute Sacking Bag is one of the type of the product under consideration as identified in the final finding of the original investigation dated 20th October 2016.

#### **Product under Investigation**

7. The Product under Investigation (PUI) is “Jute Sacking Cloth”, alleged to be circumventing the anti-dumping duty. The circumventing product goes significantly into the use of Jute Sacking Bags and no other significant use of the Product under Investigation has been brought to the notice of the Authority. The product under investigation is classified under custom heading 5310. The Customs classification is indicative only and not binding on the scope of this investigation

### **C.1. Views of Exporters, Importers, Consumers and Other Interested Parties**

8. Following submissions have been made by the other interested party –
  - i. The PUI was consciously not included in the scope of the PUC in the previous investigation and so it is hit by the Rule of Estoppels as it cannot now allege the circumvention of Jute sacking cloth. Despite

imports of the same earlier too it was not included in the previous investigation. Provisions of Rule 25(1) cannot be invoked as it is a necessary product for making Jute sacking bags, it was and still is being manufactured in India, it is not a new or altered product and was selectively excluded from the previous investigation. There was no logic for the exclusion of Jute sacking cloth as it is the middle product between yarn and jute sacking bags and sacking bags cannot be made without.

- ii. The circumvention investigation is untenable as 'Jute Sacking cloth' was specifically excluded from the scope of the PUC in the original investigation even when it was being imported even at that point of time and at a price lower than sacking bag. An excluded item cannot be now covered through circumvention provision as it curtails the right of the exporters to have sought an individual margin for this type.
- iii. In the original investigation Jute Yarn was included, Hessian Fabric was included but not Jute Sacking Cloth which is a raw material for making Jute Sacking Bags. Further, there was no classification of Jute Yarn which are covered under the original investigation. It appears that all types of Jute Yarn were covered and product coverage of Jute Yarn was very wide as all types of jute products are manufactured using Jute Yarn. With regard to allegation of dumping and injury for the next stage of products, the domestic industry was very selective and included only Hessian Fabric and Jute Sacking Bags to the exclusion of all other products. The Jute Sacking Cloth is not a new or altered product and even the domestic industry is also necessarily manufacturing it. Jute Sacking Cloth was being manufactured prior to the anti-dumping investigation in India and is being manufactured now as without the production of Jute Sacking Cloth, Jute Sacking Bags cannot be manufactured. Therefore, the provisions of Rule 25(1) cannot be invoked in the current investigation.
- iv. Had the PUI been not imported into India at the time of original investigation, then the case would have been different. However, the approach now taken is highly disputable and amounts to misuse of anti-circumvention provision.
- v. Anti-circumvention provision cannot lie against a product and import of which was in the knowledge of the petitioning DI and also the Authority in the original investigation itself. The DI listed three types of jute products excluding jute sacking cloths that's when they had all the opportunity to propose specific inclusion of jute sacking cloth in the scope of PUC then.
- vi. The producers/exporters of jute sacking cloth cannot be implicated of circumvention on export of an excluded type of PUC as per the original case. In fact, the producers/exporters were exporting a product which was excluded from the scope of duty by India. An allegation of circumvention in such a scenario is not at all justified.
- vii. If the cloth was included in the scope of PUC in the original case, the producers/exporters could have claimed individual margins for such type which is not possible now. The present approach curtails the rights of the exporters to disprove dumping and get individual margin as per the AD Agreement and also leaves them remediless which is not a fair situation

## **C.2. Views of Domestic Industry**

9. The domestic industry has made the following submissions with regard to the PUI-

- i. The product forming the object of circumvention is "Jute Sacking Cloth".
- ii. The product under investigation in this case is nothing but just the unfinished, incomplete and the penultimate stage/ form of the PUC in the original investigation and requires minimal value addition to the tune of \*\*\*% for conversion into the PUC.
- iii. It requires minimal value addition for conversion into the PUC and the only process involved further is stitching of the cloth into the PUC.
- iv. The duty is being circumvented through the imports of Jute Sacking Bag albeit in the form of Jute sacking cloth thereby undermining the remedial effects of the anti-dumping duty imposed. The PUI of the present investigation and the PUC of the original investigation are nothing but the same product but in a different form. Furthermore, the product under investigation has no other use other than being used for the production of the PUC.
- v. The product under investigation is classified under custom heading 5310. The Customs classification

is indicative only and not binding on the scope of this investigation.

- vi. Sacking bag is made from sacking cloth and the only process involved is of giving a shape/structure to sacking cloth in the form of bag which typically involves the process of stitching, either manually or by a machine. Sacking cloth in itself doesn't have market. Production of Jute Sacking Cloth is a penultimate step in the process of Jute Sacking Bag. By no stretch of imagination can it be contended that the circumvented form of the product under consideration is a different product.
- vii. The domestic industry could not have foreseen that on the imposition of the duties on the PUC, the imports of the PUI would increase. Without a foresight of such a malpractice, the PUI could not have been included in the original investigation. A case of circumvention is not limited only to a new or an altered product, but includes the any such product wherein the same circumvents the duty imposed on the PUC only to undermine the remedial effects of such duty. The rule of estoppel has been placed out of context as it relates only to the admissibility of evidence which is designed to upset a finding of fact recorded by a competent Court at a previous trial. The rule applies where same issue was distinctly raised and inevitably decided in earlier proceedings between the same parties. However, no such issue as alleged was raised in any investigation before.
- viii. At the time of the original investigation it could have never apprehended that upon the imposition of the duty on the PUC, the exporters would resort to the malpractice of dumping the PUI into India. The domestic industry could have and had claimed a relief from the injury it was suffering only for the products that it produces and not for something which it does not.

### **C.3. Examination of the Authority**

10. The product under consideration attracting anti-dumping duty is Jute Sacking Bags. The product under investigation is "Jute Sacking Cloth", (referred to as the "Product under investigation" or "PUI") which is claimed to be the unfinished, incomplete and the penultimate stage in the production of "Jute Sacking Bags" (also referred to as "Product under Consideration" or "PUC"). The product under consideration was examined and recorded by the Designated Authority in the original investigation as follows:

*'The product under consideration is "Jute Products" comprising of Jute Yarn/twine (multiple folded/cabled and single), Hessian Fabrics and Jute Sacking bags. At the time of initiation the classification was considered under Chapter 53 and 63 of the 1975 Act and further sub-classified under custom heads 5307, 5310 and 6305. However, it is later noted from the data filed by producers/exporters from Nepal that the exports of yarn/twine have also been made by exporters/ producers of the product from Nepal under Custom heading no. 5607, which covers Twine, Cordage, Ropes and Cables whether or not Plaited or Braided and whether or not impregnated, coated, covered or sheathed with rubber and plastics.'*

11. In the present case since Anti-circumvention is for only one type of PUC i.e. Sacking Bags, the PUC in this investigation is restricted only to product type Sacking bags. The Product under investigation (PUI) is Jute Sacking Cloth. It is noted from the verification conducted at the premises of the domestic producers and exporters that the process from the stage of PUI to PUC entails a value addition of about 5% which involves giving a shape/structure to sacking cloth and converting it to the form of sacking bag and most typically involves the process of stitching, either manually or by a machine. Sacking cloth is thus a penultimate step in the process of Jute Sacking Bag. Jute Sacking Cloth is classified under Chapter 53 under subheading 5310. The customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the investigation.
12. As regards the contention that Jute Sacking Cloth was specifically not included in the original investigation and that it is not a new product, the Authority notes that circumvention of anti- dumping duties in the form of a product type (PUI) does not mean that the product type (PUI) should be a new product. The Rule 25 (1) (a) provides that circumvention exists when imports of PUI *starts or increases* after imposition of measure on PUC. This indicates that the PUI could be in existence and imported even prior to imposition of AD duties on PUC. The Authority in this regard also recalls the final finding dated 15.02.2017 in the case of Diclofenac Sodium DFS wherein the penultimate stage product was investigated for circumvention even though the same was being manufactured by domestic industry for producing PUC.

### **D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY AND STANDING**

#### **D.1. Views of Exporters, Importers, Consumers and Other Interested Parties**

13. Views of other interested parties with regard to domestic industry are as follows:

- i. The current investigation initiated is not in accordance with the anti-dumping law in India. The Rule 26 specifically lays down that the application for circumvention investigation has to be by or on behalf of the domestic industry whereas the application submitted by the applicant Association was not on behalf of the domestic industry as only an authorization from Indian Jute Mills Association and the list of the 35-member mills of the association has been provided. The applicant association has not identified the total number of domestic producers and the number of producers who are members of the association. They have also not provided the details of the total domestic production of product under consideration and also the details of the production of the member mills of the association have not been provided. They have also not specified as to how many members of the association are in favour of the current investigation and how many members are against the current application as there are no authorization on records by any member of the association. There is also no specific resolution of the Association on record authorizing the filing of the application for initiation of the current investigation
- ii. It is amply clear from Annexure F that the share of the applicant is in the range of 30%-40%. It may be appreciated that in terms of Rule 5(3) as well as the consistent practice of the Authority, an investigation is initiated only if the applicant accounts for a major proportion of the total domestic production. This major proportion in terms of the Rule 5(3) and as a matter of practice is deemed to have been passed if the applicant accounts for at least 50% of the total production in the country.
- iii. The applicant has just made a hollow claim in Para 12 of their application that they account for majority proportion, and therefore, constitutes domestic industry in terms of Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules, 1995.
- iv. The applicant has conveniently assumed in the original application that all the members of the applicant association have supported the petition while from the information provided in Para 4.1.2, Para 4.1.3 and Para 4.3 of the revised application it is amply clear that only 13 Mills have supported the application.
- v. Applicant has belatedly filed the revised application with new details like names & production of the applicant mills, injury details etc. on 8 June, 2018 and has baselessly assumed that it passes the requirements relating to standing since the application has been filed by Jute Mills Association. Major proportion in terms of the Rule 5(3) and as a matter of practice is deemed to have been passed if the applicant accounts for at least 50% of the total production in the country.
- vi. The current investigation is not in accordance with the law as from the facts and evidences available on record it is clear that the petition filed by the association is not on behalf of the domestic industry. Only an authorization from the association and a list of 35 member mills has been provided.
- vii. Total domestic production of the PUC and the details of the production of the member mills of the association have not been provided. There is also an absence of the authorization by any of the members and the resolution of the association authorizing the filing of the current petition. In the absence of a specific resolution it cannot be concluded that the application was on behalf of the domestic industry

## **D.2. Views of domestic industry**

14. Following submissions have been made by the domestic industry –

- i. The Petitioner is an association of the Indian Jute industry representing the manufacturers of Jute products in India. At present it has 34 members. The Petition has been filed by Indian Jute Mills Association [IJMA] for and on behalf of producers of subject goods. Because of being an association by, for and of the producers of subject goods; it passes the requirements relating to standing. Even otherwise, production of participating companies constitutes a major proportion of total domestic production.
- ii. Member companies who have provided information have not imported subject goods are not related to any exporter or importer of the product concerned.
- iii. No revised application filed by the applicant association. The submission dated 8th June, 2018 was in response to the questionnaire issued by the Authority to the domestic producers and was filed well within the time limits permitted by the Authority.
- iv. The claim that share needs to be at least 50% is incorrect. Article 4.1 of the Agreement and Rule 2 (b) of Rules do not mean that share of domestic industry's production needs to be 50% or more to constitute "*a major proportion*" of domestic production. Reliance placed on the WTO Panel Report on Argentina – Definitive anti-dumping duties on Poultry from Brazil and in the matter of Lubrizol (India) Pvt. Ltd. versus Designated Authority. As has been the practice of the Authority, there have been instances

wherein industries with a standing of less than what is in the present case have been held to constitute domestic industry.

- v. In a case of circumvention the details on domestic production of the PUC or any such data is not of primary importance as the basis of the circumvention investigation is the manner in which the remedial effects of a duty imposed, are being undermined and the manner in which the duty imposed on the PUC is being evaded.
- vi. The claim that share needs to be atleast 50% is incorrect and without any legal basis. Petitioner submits that Article 4.1 of the Antidumping Agreement and Rule 2 (b) of Antidumping Rules does not mean that share of domestic industry's production needs to be 50% or more to constitute "*a major proportion*" of domestic production. Further, the Designated Authority has also considered proportion less than 50% as a major proportion of total Indian production in various cases.
- vii. Association is a registered association under the laws of the country and that it is the apex organization in the country representing the Indian Jute Industry. In view of the same and when working for the industry, it is not mandatory that the authorization letters be filed on behalf of every member producer. Further, when producers have given their data for filing of petition, it should be deemed that these producers have filed the petition.

### **D.3. Examination of the Authority**

15. The Authority notes that the petition for anti-circumvention investigation and extension of existing ADD on imports of Jute Sacking bag to the imports of Jute sacking Cloth has been filed by Indian Jute Mills Association (IJMA) on behalf of the domestic industry as per Rule 26(1) which reads as under

*"(1) Except as provided herein below, the designated authority may initiate an investigation to determine the existence and effect of any alleged circumvention of the anti-dumping duty levied under section 9A of the Act , upon receipt of a written application by or on behalf of the domestic industry."*

16. The Authority notes that Rule 26 (1) requires an anti-circumvention petition to be filed by the Domestic Industry representing the PUC on which the ADD has already been levied. In this investigation, following 13 domestic producers of PUC have provided requisite information.

- a. RDB Textiles Ltd
- b. Cheviot Co. Ltd
- c. Birla Corporation Ltd
- d. Budge Budge Co. Ltd
- e. Gloster Ltd.
- f. Naihati Jute Mills Co. Ltd.
- g. Kamarhatty Co. Ltd.
- h. Hastings
- i. Reliance Jute Mills(INTL) Ltd
- j. Bowreah Jute Mills Pvt. Ltd
- k. Hooghly Infrastructure Private Limited
- l. Ludlow Jute &Specialities Ltd.
- m. India Jute Mills

17. The member producers participating in the present investigation are not related (either directly or indirectly) to any exporter of PUC or PUI or an importer of the same in India. The Authority notes that the member producers of the applicant association have not imported the PUC or PUI from Bangladesh during the period of investigation. It is further noted that 17 companies who participated in the original investigation constituted 42.78% of total Indian production. The petitioner companies participating in the present investigation had also participated in the original investigation. The production of these producers accounts for 36% of the total Indian production. There is no opposition to the domestic industry's application from any other producer in the country in the present investigation. Thus, the Authority notes that the domestic producers constitutes a major proportions of the total Indian production and considered them as an eligible

domestic industry in terms of Rule 2 (b).

18. In any case, the test of 25% and 50% are not per se applicable for an investigation initiated under Rule 26.

### **E. Miscellaneous Submissions**

#### **E.1. Views of Exporters, importers and other interested parties**

19. Views of other interested parties with regard to domestic industry are as follows:

- i. The initiation of the current investigation on the basis of the selected POI i.e. 1<sup>st</sup> October 2016 to 30<sup>th</sup> September 2017 is fundamentally and legally flawed. The anti-dumping duties on the Jute products was imposed on 05<sup>th</sup> January 2017 vide Customs Notification No. 01/2017-Customs (ADD) and the POI selected covers the period from 1<sup>st</sup> October 2016 to 30<sup>th</sup> September 2017 and includes the period from 1<sup>st</sup> October 2016 to 04<sup>th</sup> January 2017 for which there was no anti-dumping duty in existence on the Jute products. Therefore, there is no legal sanctity for examination of allegation of circumvention for the aforesaid period i.e. 1<sup>st</sup> October 2016 to 04<sup>th</sup> January 2017 (more than 3 months) being an integral part of the POI.
- ii. The Hon'ble Authority in the original investigation carried out separate analysis of dumping and injury for each type/class of the Jute products and also recommended separate duty for each type/class of Jute Products. Within the framework and rational or reasons for defending the definition of the product under consideration in the original investigation, there was no reason for not including the Jute Sacking Cloth in the original investigation as it is an intermediate product and involves a small incremental cost from Jute Yarn even less than the incremental cost in manufacturing the Jute Sacking Bags from Jute Yarn. Jute Sacking Cloth was also imported in the POI of the original investigation. In fact, the domestic industry has not given any reasons on record in the original investigation nor in the current circumvention investigation for keeping the Jute Sacking Cloth out of the ambit of the original investigation.
- iii. Had Jute Sacking Cloth been included in the original investigation, there could have been separate analysis of dumping and injury and separate imposition of anti-dumping duty on positive finding of dumping, injury and causal link. With the initiation of the current circumvention investigation, the domestic industry has cleverly avoided the analysis of dumping, injury, causal link and separate duty on Jute Sacking Cloth which otherwise could not have been possible in the original investigation.
- iv. The product under investigation is not only exported to India but also it is being exported to other countries. The Product under investigation was also exported even prior to the original investigation. It is clear that the production, export and sale of the product under investigation is evident and existent and the imposition of the anti-dumping duties is not the cause for exporting the product under investigation to India. Therefore, the allegation of applicant association with regard to exports of PUI to India due to imposition of anti-dumping duties on Bangladesh does not hold correct under the facts and circumstances of the case.
- v. The information on imports and the allegation of undermining of measures depicted on the basis of landed values provided in the written submissions are significantly at variance than the information provided in the application by the domestic industry. It clearly indicates that the initiation of the current investigation was made on the basis of the wrong information and the domestic industry is changing the data at their will to suit the needs of the case.
- vi. Jute mills were unable to meet the supply orders. There is a wide gap between demand for Government Supplies and meeting the same by Indian Jute Mills. In view of the same the Office of Jute Commissioner, through various orders, has directed the Indian Jute Mills not to divert, in any manner, production of sacking other than B Twill Jute Bags as per production control cum sales order. As a result, Indian Jute mills are not authorized to sell the B. Twill jute products in the open market. Thus, imports from subject countries are not at all competing with the goods produced in India and thus not causing injury to the domestic industry in any manner.
- vii. The Jute Commissioner has warned all the jute mills to not to supply a single bag to government which has been procured from abroad, the officer will not only black list the respective organizations from supplying to government for a period of two (2) years but also initiate criminal proceedings against the owners and directors of the company.

- viii. The applicant has belatedly filed the revised application with new details like names & production of the applicant mills, injury details etc. on 08 June, 2018 i.e., almost three month after the initiation on 20<sup>th</sup> March, 2018 and six months after filing of the original application in December, 2017. The applicant would have filed these details with the original application. The respondent requests the Authority to not accept the revised application at such belated stage of the investigation as it will adversely affect the interest of the interested parties and will encourage the applicants(s) to resort to malpractices to achieve their ulterior motives.
- ix. The respondent has filed a letter on 27 August, 2018 in line with para 2(vi) of Trade Notice No. 7/2018 dated 15<sup>th</sup> March, 2018. However, yet we have not received the soft as well as hard copy of the import data (processed / transformed data) submitted by the applicant to DGTR. Para 2(vi) of Trade Notice No. 7/2018 is reproduced below for the ready reference of the Authority.

*“vi. The **hard copy of the import data** (processed / transformed data) submitted by the applicant/ petitioner industry to DGAD at the time of filing of the application **can be accessed by the interested parties only after providing a declaration/ undertaking to the Investigating Officer (LO.) as per Annex-I attached.**”*

- x. The initiation shall contain a summary of the factors on which the allegation of injury is based. However, since Rule 6(1)(iv) is applicable mutatis mutandis to a circumvention investigation the Rule 6(1)(iv) should be read as "a summary of the factors based on which it has been alleged or concluded that the anti-dumping duty so imposed has been rendered ineffective".
- xi. No summary of the factors like production, sales, capacity, profit based on which it has been alleged or concluded that the anti-dumping duty so imposed has been rendered ineffective has been provided either in the applicant or in the initiation notification.
- xii. Imports of Jute Sacking bags from other countries accounts for 69% of the total imports of Jute Sacking Bags at low price.
- xiii. The Jute Commissioner restricts supply of jute sacking bag in the open market. Jute Commissioner vide its order no. Jute (Mktg)/2/2003 dated 14 February, 2018 directed all jute mills to obtain prior permission from his office before selling any jute sacking cloth or bag to any agency.
- xiv. Excessive confidentiality has been claimed by the applicant. Incomplete information has been given as the POI is October 2016 to December 2017 but information has been provided only for October 2016 to September 2017; Copy of the original/raw transaction wise data has not been provided. Transaction wise sorted import data and list of excluded imports has also not been provided; Names of the domestic producers of the PUC and the PUI have not been provided; Details of domestic production, normal value, export price and dumping margin has not been given.
- xv. Indian Jute mills are not authorized to sell the B. Twill jute products in the open market. Imports from subject countries are not at all competing with the goods produced in India and not causing injury to the domestic industry in any manner
- xvi. Punjab Government, the biggest buyer of jute bags has pointed out that jute mills were supplying poor quality, inferior and second-hand bags at almost double the original price, resulting in blacklisting of seven jute mills of West Bengal.
- xvii. The process from cloth to bag involves multiple stages and this was prevalent even prior to imposition of the duty. Extension of duty on cloth will lead to unemployment of this industry.

### **E. 2 Submissions by the domestic industry**

20. The following submissions were made by the domestic industry :-

- i. The initiation notification has sufficient information indicating the factors considered relevant for prima facie satisfaction of evidence of circumvention and the same undermining the remedial effect of ADD earlier imposed.
- ii. The evidence that the remedial effects of the duties are undermined in terms of the price and or the quality of like products is applicable only in case of circumvention cases falling under Rule 25(3). For circumvention practice falling under Rule 25(1), the Designated Authority is not required to examine whether the remedial effects of the anti-dumping duties are being undermined. There is no requirement to

- substantiate injury in terms of Rule 11(2) and principles laid down under Annexure II under circumvention investigation. Analysis of parameters such production, sales etc is not required under an anti circumvention application as is established from the practice followed globally as well as the past practice of the Authority.
- iii. Imports of Sacking Bags from other countries have remained at similar levels. Majority of these are from Nepal which is already attracting Anti dumping duty.
  - iv. Saying that orders of the Office of Jute Commissioner prohibit jute mills from supplying to local market and export market is wrong. Jute producers/mills are free to sell in the open market provided they comply with the orders undertaken for the government supply.
  - v. All information has been provided on index basis or in range and has not been claimed completely confidential for any information filed. Information filed by responding exporters is in violation of all confidentiality norms. All important information have been marked (\*) rendering the domestic industry handicapped and incapable to respond or comment on the same. Petition contained information for Oct 16 to Sept 17. The Authority initiated investigation and extended POI till December. Letter dated 8th June 2018 filed by the domestic industry provides all information for complete POI. Transaction wise data can be sought by the interested party after getting an authorization from the Department. Sorted data cannot be shared unless interested parties make specific undertaking as per trade Notice.
  - vi. There has been circumvention of the duties in force, as after imposition of duty imports of Jute Sacking bags have declined and there has been an increase in imports of Jute sacking cloth, which is only the penultimate stage of sacking bag. Value addition from sacking cloth to bag is below the levels prescribed. There has been a clear change in pattern of trade from 2014-15 to POI, in relation to sacking cloth and bag. After initiation of investigation, there has been a dramatic shift again in the pattern of trade as imports of sacking bag have revived and that of cloth have gone down.
  - vii. The Authority, in the original investigation, settled the debate regarding different market segments by segregating the injury for sacking bags to open market only.
  - viii. In relation to the argument on procurement by Punjab government, a newspaper article, itself states that IJMA strongly protested against the decision as they did not receive a single complaint from Punjab government and that they were unjustly penalized without thorough enquiry and opportunity for fair trial.
  - ix. Production of jute bag involves 20 steps. There are only 5 steps left after production of cloth. Steps such as bundling, branding, bale press are indeed not production steps unique to product. These are more in the nature of packing activities to enable transportation of the product. As far as product and its usage are considered, it is ready for use after sewing operation.

### **E.3 Examination by the Authority**

21. The authority has analyzed and considered the claims and the views raised by all the interested parties. Relevant submissions made by the interested parties have been addressed herein below.
  - i. As regards the contentions of the other interested parties that the initiation notification has to provide a summary of the allegations, it is noted that the initiation notification contains a summary of all the parameters that were considered by the authority which prima facie evidence the existence of circumvention of the duty imposed and in the pursuance of which the present investigation was initiated. The primary factors considered by the Authority for arriving at a prima facie satisfaction of existence of the circumvention have been listed in the initiation notification and the Authority proceeded with the investigation accordingly.
  - ii. As regards the contentions regarding the absence of factors like production, sales, capacity, profit based on which it has been alleged or concluded that the anti-dumping duty imposed has been rendered ineffective the Authority notes that the examination of undermining of the remedial effects of the anti-dumping duty imposed has to be seen in terms of effect on price and/or quality. The authority notes that the undermining effect of anti-dumping duty has been analyzed in this finding considering, erosion of duty, impact on market share of domestic industry and Indian industry as a whole and price undercutting effect on domestic industry's prices.
  - iii. As regards the contentions raised on the import volumes from other countries being high and at low prices, the Authority notes on the basis of the import data for the period of investigation that the majority of such imports are from Nepal which is already attracting anti-dumping duty. Imports from Bangladesh are sizeable.

- iv. As regards the contentions raised on the orders of the Jute Commissioner restricting the supply of Jute Bags, the Authority notes that the Jute Commissioner issues qualified orders which requires the mills to give priority during 3-4 months in a year to Government supply. The jute producers/mills are free to sell in the open market provided they comply with the orders undertaken for the government supply.
- v. As regards the issue raised on the construction of the normal value, the Authority has evaluated Normal value for cooperating producers/exporters as per their data and constructed normal value as per rule 6(8) as per its consistent practice.
- vi. As regards the contention on the issue of excessive confidentiality, the authority notes that wherever found appropriate the claims of confidentiality have been allowed, after due verification of such claims.
- vii. As regards the submissions on the observations of the Punjab government, the Authority notes that under such investigation the focus is to evaluate undermining effect of circumventing product if any on domestic industry's sales in open market and that the issues of supplies under Government contract are not under the realm of this investigation.
- viii. As regards the contention that the applicant has filed revised application, the Authority notes that there was no revised application filed by the petitioner. The submission dated 8<sup>th</sup> June, 2018 was in response to the questionnaire issued by the Authority to the domestic producers and was filed well within the time limits permitted by the Authority.

## **F. Evidence of Circumvention**

### **F.1 Submissions by Exporters, Importers and Other Interested Parties/Other Parties**

22. Submissions made by the interested parties with regard to evidence of circumvention is as follows:

- i. The domestic industry stated for examination of changes in trade pattern and also stated that the undermining of the remedial effects of anti-dumping duties are required to be examined in the circumvention investigations carried out under Rule 25(3) of the Indian Anti-dumping Rules but not in the current investigation as it is initiated under Rule 25(1). The domestic industry has alleged on the one hand that undermining of anti-dumping duties is not the criteria that is to be examined in the current investigation as the current investigation is to be examined under Rule 25(1). In this connection, it is also not out of place to mention herein that the domestic industry has made detailed submissions on the change in the trade pattern. However, the domestic industry failed to comprehend that the change in the trade pattern is also covered in Rule 25(3) but not in Rule 25(1).
- ii. In present investigation, all those companies which came into existence after the original POI, started production of subject goods after the original POI or started exports of subject goods do not fall under the category of circumvention.

#### **iii. No Change in Pattern of Trade**

##### **- There is no change in pattern of trade of M/s Afil Jute Weaving Mills Ltd.**

- a. The respondent has exported the PUI to India based on the demand to unrelated companies. Accordingly, the exporter is not aware if the PUI exported by us to India are being converted into PUC either in India or in a third country before being put to final use.
- b. The respondent has also exported the PUI to India during the POI of original investigation as well as during the post POI of the original investigation based on its demand to the unrelated customers. The respondent has also exported the PUI to other countries based on its demand.
- c. The exporter has not changed the pattern of trade to circumvent anti-dumping duty imposed on the imports of Jute Sacking Bags from Bangladesh. Therefore, it is submitted that the respondent has not circumvented the duty imposed on the imports of PUC from Bangladesh in terms of Rule 25(1) of the Anti-dumping Rules, 1995.

##### **- There is no change in pattern of trade of M/s Jobaida Karim Jute Mills Ltd.**

- d. The respondent has exported the PUI to India based on the demand to unrelated company. It may be noted that the respondent has exported only one consignment of PUI to India during the POI. It may also be noted that during the POI the company has also exported the PUI to other country based on its demand. The respondent has not exported the PUI to India either before or after the

POI. However, the company has exported the PUI to other country during Post POI based on its demand.

- e. From the information provided above, it is amply clear that the respondent has not circumvented the duty imposed on the imports of PUC from Bangladesh in terms of Rule 25(1) of the **Anti-dumping Rules, 1995**.
- iv. The exporter has not changed the pattern of trade to circumvent anti- dumping duty imposed on the imports of Jute Sacking Bags from Bangladesh.
- v. The product under investigation is not only exported to India but to other countries also. Since the PUI was also exported prior to the original investigation it cannot be said that the production and exports of the PUI are a result of the imposition of the anti-dumping duty.
- vi. All those companies which came into existence after the original POI, started production of subject goods after the original POI or started exports of subject goods do not fall under the category of circumvention
- vii. The exports of PUI do not have the ingredients of circumvention under the rules as it is only the continuation of an earlier export activity. PUI was imported historically as a commodity yet it was excluded from the original case and so it cannot be said that imports of PUI are nothing but imports of sacking bags in an unassembled, unfinished or incomplete form.
- viii. The Authority took note of the fact that there were fully integrated producers in India and some were integrated backwards being composite which includes manufacturing of sacking bags after purchasing sacking cloth and so on.

## **F.2. Submissions by Domestic Industry**

23. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to circumvention are as follows-
  - i. Circumvention is established from - producers from Bangladesh exporting Jute Sacking bags in incomplete form (i.e., cloth) which is being completed in India; exports of the penultimate form, sacking cloth, from Bangladesh, increased after the imposition of anti dumping duties; and the value consequent to completion operation from sacking cloth to sacking bag is insignificant.
  - ii. Post imposition of anti-dumping duties, the producers in Bangladesh started exporting cloth instead of bag, on finding that the ADD is on yarn, sacking bag and hessian fabric.
  - iii. Imports of Jute sacking cloth were merely around 3000 MT in the 2014-15, the POI in the original investigation. Imports have since then increased and further intensified post imposition of duty. It is clear change in trade of imports post initiation and further after imposition of duty. Import price reported for sacking cloth is significantly lower than the import price for sacking bag without corresponding difference in cost. There is a significant change in the pattern of trade with regard to both price and quantity as imports of sacking bag has been practically replaced by imports of sacking cloth at significantly low price.
  - iv. Exporters who have provided information on capacity, production and exports of PUC and PUI evidence that the production and sale of PUI, i.e., sacking cloth started after imposition of duty. It also shows that the exports of PUI are only to India which has imposed duties on PUC, i.e., Sacking Bag.
  - v. Value addition involved in making bags from cloth per MT is minimal. The value addition from the stage of cloth to bag is negligible (around \*\*\* %) and certainly much below the limits prescribed under the circumvention provisions.
  - vi. Production process from sacking cloth to sacking bag constitutes an insignificant process within the meaning of circumvention rules. The only process required from the stage of cloth to bag is stitching.
  - vii. The claim of the interested party itself establishes existence of circumvention. The responding exporters represented by the Traco Legal have provided information on index basis about the production, sales and exports. It is clearly seen that the production and sales of the subject goods of PUI started after anti dumping duty got imposed in Jan 2017.

## **F.3. Examination of the Authority**

24. The Authority has examined the aforesaid submissions and alleged circumvention phenomena under relevant Act/ Rules i.e. section 9 A (1) of the Customs Tariff Act, 1975 and Rule 25 of the AD Rules which

state as follows—

*“Section 9A(1A) of the Customs Tariff Act Where the Central Government, on such inquiry as it may consider necessary, is of the opinion that circumvention of anti-dumping duty imposed under sub-section (1) has taken place, either by altering the description or name or composition of the article subject to such anti-dumping duty or by import of such article in an unassembled or disassembled form or by changing the country of its origin or export or in any other manner, whereby the anti-dumping duty so imposed is rendered ineffective, it may extend the anti-dumping duty to such article or an article originating in or exported from such country, as the case may be.”*

25. Rule 25 of AD Rules related to Circumvention of anti-dumping duty states as under ;

*(1) Where an article subject to anti-dumping duty is imported into India from any country including the country of origin or country of export notified for the purposes of levy of anti-dumping duty, in an unassembled, unfinished or incomplete form and is assembled, finished or completed in India or in such country, such assembly, finishing or completion shall be considered to circumvent the anti-dumping duty in force if,*

*(a) the operation started or increased after, or just prior to, the anti-dumping investigations and the parts and components are imported from the country of origin or country of export notified for purposes of levy of anti-dumping duty; and*

*(b) the value consequent to assembly, finishing or completion operation is less than thirty-five percent of the cost of assembled, finished or complete article.*

*Explanation I. – ‘Value’ means the cost of assembled, complete or finished article less value of imported parts or components*

*Explanation II. - For the purposes of calculating the ‘value’, expenses on account of payments relating to intellectual property rights, royalty, technical know-how fees and consultancy charges, shall not be taken into account.*

*(2)....*

*(3) ....*

*Explanation. - For the purposes of this sub-rule, it shall be established that there has been a change in trade practice, pattern of trade or channels of sales if the following conditions are satisfied, namely: -*

*(a) absence of a justification, economic or otherwise, other than imposition of anti-dumping duty;*

*(b) evidence that the remedial effects of the anti-dumping duties are undermined in terms of the price and or the quality of like products.*

26. The Authority notes that the AD measure is producer/exporter specific and in an Anti- Circumvention investigation, producers/exporters subjected to an AD investigation need to provide data so that the shift in trade pattern specifically by them post levy of a measure can be evaluated. Also the Value addition related to conversion of PUI to PUC is computed. The Authority notes that a large number of producers/exporters responded in the present investigation as mentioned in the foregoing paras. Further, the domestic industry has also provided information on cost of conversion from PUI to PUC. The Authority considered the trade pattern shift noted in PUI from PUC, the Value addition in converting PUI to PUC on the basis of data provided by the cooperating producers/exporters including domestic industry as mentioned in the subsequent paras.

**a. Shift in Trade Pattern**

27. The Authority has examined the stipulated criteria on shift in trade pattern, value addition threshold of PUC from PUI, whether change in trade pattern is stemmed from an economic justification or is on account of levy of ADD, in accordance with rule 25(1).

28. The Authority has examined the change in the pattern of trade by analyzing the volume of imports of the PUC and PUI from the period 2014-15 to POI. Further, monthly analysis of imports of both PUC and PUI has also been done for the period of investigation from October 2016 to December 2017.

29. The Authority notes that it has been pointed out that the import for 2014-15 does not include import in all

ITC HS codes. The overall import data has been revised and accordingly appropriate changes has been carried out in Paras under Trade pattern and undermining of remedial effect evaluation.

**Trade Pattern of PUI/PUC from the subject country from 2014-15 till POI**

Period	Sacking Bag	Sacking Cloth	Total SB+SC	Quantity Ratio	
	Volume in MT			PUC	PUI
2014-15	45,036	3,028	48,064	94%	6%
2015-16	60,151	10,424	70,575	85%	15%
2016-17	33,796	11,442	45,238	75%	25%
POI	12,828	39,469	52,297	25%	75%

**Monthly Trade Pattern of PUI/PUC from the subject country during POI**

Period	Sacking Bag	Sacking Cloth	Total SB+SC	Quantity Ratio	
	Qty in MT			PUC	PUI
Oct-16	2,992	196	3,188	94%	6%
Nov-16	2,626	248	2,874	91%	9%
Dec-16	3,179	109	3,288	97%	3%
Jan-17	1,981	656	2,637	75%	25%
Feb-17	667	2,774	3,442	19%	81%
Mar-17	192	1,437	1,630	12%	88%
Apr-17	267	3,877	4,144	6%	94%
May-17	75	2,943	3,018	2%	98%
Jun-17	120	2,395	2,514	5%	95%
Jul-17	59	2,230	2,289	3%	97%
Aug-17	123	4,759	4,882	3%	97%
Sep-17	77	2,277	2,354	3%	97%
Oct-17	139	5,557	5,695	2%	98%
Nov-17	154	5,226	5,380	3%	97%
Dec-17	177	4,785	4,961	4%	96%

30. It is noted that the volume of imports of Jute Sacking Bags (PUC) from Bangladesh declined post imposition of the definitive ADD whereas imports of Jute Sacking Cloth (PUI) from Bangladesh increased thereafter. The share of PUI in total imports both of PUC and PUI has increased from 6% in 2014-15 to 75% in the POI of the present investigation whereas share of PUC declined from 94% in 2014-15 to 25% in the POI. Monthly analysis of the imports shows that imports of PUI which was 6% of imports from Bangladesh in the month of October 2016 rose to 96% in December 2017 whereas share of PUC declined from 94% in October 2016 to mere 4% in December 2017.

**Comparative trade pattern with data of cooperating producers/exporters is as under:**

Trade pattern of PUC/PUI from the Subject Country on overall basis and as reported by cooperating Producers /exporters.\*

	PUC overall (in %)	PUI (%) (overall)	PUC Cooperative (in %)	PUI (%) (Cooperative)
2014-2015	92	8	96	4
2015-2016	85	15	87	13
2016-2017	75	25	69	31
POI	24	76	19	81

\*Constitute about 50% of overall exports of PUC/PUI to India during POI.

Thus the two trade patterns correlate considerably.

31. The circumvention law in India states '*the operation started or increased, after or just prior to, the anti-dumping investigation...*' In the present case, the increase of imports of PUI as well as the simultaneously decrease of imports of the PUC since imposition of measures, establishes the same.
32. The Table below depicts the sales pattern of PUC and PUI by the domestic industry, subject country and non-subject countries in the open market i.e. market outside the government procurement of PUC.

SN	Period	Domestic Industry (13 Companies)		Imports from Bangladesh		Imports-Other Countries	
		PUC	PUI	PUC	PUI	PUC	PUI
1	2014-15	69,193	4,889	45,036	3,028	28,411	45
2	2015-16	34,104	3,173	60,151	10,424	21,646	6
3	2016-17	19,995	4,401	33,796	11,442	15,190	-
4	Oct 16-Dec-17 (POI)	30,784	2,876	12,828	39,469	27,936	51
5	POI Annualised	24,627	2,301	10,262	31,575	22,349	41

33. From the above, it is noted that there are practically no imports of sacking cloth (PUI) from any other countries into India. In 2014-15, the total sales of PUI in open market are about 8000MT, which became almost four times in POI. The Authority holds that the pattern of imports especially from the subject country have changed without any emergence of new use of PUI suggesting genuine change in the usage of the final product since the imposition of anti-dumping duties on the PUC. The Authority notes that there were sales of PUI in 2014-15 though in small quantity and that there could be some sales of PUI in open market for use in some non PUC application areas i.e. for usage in non sacking bag conversion applications. Therefore Authority has exempted such bonafide imports of PUI subject to appropriate administrative monitoring and control by port Authorities.

**b. Value Addition below 35% of the cost of assembly, finishing of complete article**

34. The Rule 25(1) (b) of AD Rules requires that "value consequent to assembly, finishing or completion operation is less than thirty-five percent of the cost of assembled, finished or complete article". It is noted that sacking bag is made from sacking cloth and the only process involved is of giving a shape/structure to sacking cloth in the form of bag which most typically involves the process of stitching, either manually or by a machine. Onsite verification of the exporters as well as domestic producers, data indicates that value addition both from Domestic Industry's and Exporters data ranges from 3% to 8% with an average of about 5%.
35. Authority notes that coincidence between the change in pattern of trade and imposition of the measures seems to be governed by economic benefits/cost savings from the production and exports of sacking cloth instead of sacking bag. The Authority has stated the same in later paras the advantage accruing due to this under examination of erosion of efficacy of ADD.

36. Therefore, the shift in trade pattern encouraged by value addition being much lower than the prescribed incentivizes export of PUI rather than PUC further establishing the phenomena of circumvention.

### **G. Determination of Normal Value, Export Price and Dumping Margin**

37. The Authority notes that Rule 26(4) also requires establishing that the article circumventing the existing ADD i.e. PUC is dumped. Further the Rule 26(5) states that evidence, procedure requirements of Rule 6 shall apply *mutatis mutandis* to investigation carried out under this Rule.

#### **G.1. Views of Exporters, Importers and other interested parties**

38. Following submissions have been made by the other interested parties:

- (i) The allegation of dumping made by the domestic industry is on wrong premise. The normal value in the circumvention investigation cannot be determined on the basis of the cost of domestic industry now as the normal value for the product which is not like article to the PUC in the original investigation and both PUC and PUI falling under different HSN codes. Further, when the domestic industry has consciously excluded Jute Sacking Cloth as considering it not to be like article to the PUC, the PUI now cannot be made subject to circumvention investigation. There are several instances for example, the domestic industry got duties on MDF Board and no duty recommended for Door Skins. The DI may allege for circumvention for Door Skins and get the duties extended on this product.
- (ii) All the producers/exporters have filed complete data/ questionnaire Response with the Authority. The Authority may analyze whether goods from Bangladesh are dumping or not. We are hereby claiming that we are not dumping the sacking cloth into India. Hence cannot be subjected to duty under anti-circumvention investigation as claimed by the applicants.
- (iii) The dumping margin calculated by the petitioner is based on the constructed normal value. We are unable to understand when actual data of number of exporters is available, there is no point of calculation of constructed normal value. The exporters have filed complete response with the Authority, normal value should be calculated based on the same. As per our information, the product under investigation are not being dumped in India and is not causing injury to the domestic industry.
- (iv) The respondent has not sold the PUI (Jute Sacking Cloth) in the domestic market during the period of investigation (October 2016 to December 2017). Accordingly, the respondent requests the Authority to construct the normal value for different grades of PUI in line with the provisions of explanation C of Section 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
- (v) In response to the exporter verification report, the producer/exporter submit that assortments long raw jute in different grades & cutting. So, the producer/exporter maintains opening and closing stock of the various types of the assorted raw jutes. Investigating team requested to provide the purchase and consumption records of the assorted quality of raw jute during the on-spot verification. The producer/exporter has reiterated that it is not possible for the company or any other jute mill to produce such records as assortment is an internal process, which results in different grades of raw jute and cuttings. So, the producer/exporter revised the costing of PUC and PUI considering that lowest quality of raw jute purchased has been consumed in the production of PUC and PUI. Therefore, grade wise purchase details of the assorted quality raw jute are not available. However, as noted in the verification report, details of raw jute opening stock, closing stock and consumption in totality was provided and tallied with the audited statement. The producer/exporter had also provided the grade wise details of the purchase of raw jute. The total purchase of the raw jute also matches with the audited statement for POI.

#### **G.2. Examination by Authority:**

39. On the spot exporter verification was undertaken by the investigation team during 26-30 January 2019 in Dhaka. Out of 44 responses filed by producers/exporters/traders, 34 were filed through different advocates and 10 directly by producers/exporters as below:

##### **a. Questionnaire response filed by M/s World Trade Consultants & Advocates**

- (i) M/s Motahar Hossain Chowdhury Jute Mills Ltd. Bangladesh

- (ii) M/s Mohini Nabil Jute Mills Ltd. Bangladesh
  - (iii) M/s Ranu Agro Industries Limited Bangladesh
  - (iv) M/s Mirza Jute Mills Ltd. Bangladesh
  - (v) M/s Rahman Jute Mills (Pvt.) Ltd. Bangladesh
  - (vi) M/s Sagar Jute Spinning Mills Ltd. Bangladesh
  - (vii) M/s A.N International, Bangladesh
  - (viii) M/s Arnun Jute Mills Ltd. Bangladesh
  - (ix) M/s Jamuna Jute Industries Ltd. Bangladesh
  - (x) M/s Aba Jute & Twine Industries Ltd. Bangladesh
  - (xi) M/s Rabeya Jute Mills Bangladesh
  - (xii) M/s Bangla Jute Mills Ltd. Bangladesh
  - (xiii) M/s Glory Jute Ltd.
  - (xiv) M/s Hasen Jute Industries Ltd.
  - (xv) M/s Ecotrade International
  - (xvi) M/s Erans Trade International Ltd.
  - (xvii) M/s G Traders
  - (xviii) M/s Mouna Jute Mills Ltd.
  - (xix) M/s Gem Jute Ltd.
  - (xx) M/s Uttara Jute Fibres & Industries Ltd.
  - (xxi) M/s Nabarun Jute Mills Limited
- b. **Questionnaire response filed by M/s M. S. Pothal & Associates Chartered Accountants**
- (i) M/s Partex Jute Mills Limited Bangladesh
  - (ii) M/s Sidlaw Textiles (Bangladesh) Limited
  - (iii) M/s Nawhata Jute Mills Ltd.
  - (iv) M/s Kurigram jute Processing Works Bangladesh
  - (v) M/s Sarah Composite Mills Limited Bangladesh
  - (vi) M/s Purabi Trading
  - (vii) M/s Mymensingh Jute Mills Ltd.
  - (viii) M/s Asha Jute Industries Limited
- c. **Questionnaire response filed by M/s PricewaterhouseCoopers Private Limited**
- (i) M/s R. M. Jute Diversification Mills Ltd.
  - (ii) M/s Jobaida Karim Jute Mills Ltd.
  - (iii) M/s Afil Jute Weaving Mills Ltd.
  - (iv) M/s Sonali Jute Mills Limited
- d. **Questionnaire response filed by M/s TracoLegal – Advocates & Consultants**
- (i) M/s Jute Textile Mills Ltd.
- e. **Following responses were filed directly by producers/exporters**
- (i) M/s Alijan Jute Mills Limited
  - (ii) M/s Sonali Aansh Industries Limited

- (iii) M/s. Ahyar Jute Mills Ltd
  - (iv) M/s Hafiz Jute Mills Limited
  - (v) M/s Interlink International
  - (vi) M/s Jatio Jute Mills Ltd.
  - (vii) M/s Latif Bawany Jute Mills Limited
  - (viii) M/s Northern Jute Manufacturing Company Limited
  - (ix) M/s Rajbari Jute Mills Ltd
  - (x) M/s South Trade International
- f. Out of above 21 producers/exporters filed by M/s WTC, data of 12 producers/exporters only was presented for verification. For 9 producers/exporters as mentioned below. M/s WTC withdrew themselves as an advocate as the requisite data was not provided to them by these producers/exporters. These 9 producers/exporters are M/s Bangla Jute Mills Ltd., M/s Glory Jute Ltd., M/s Hasen Jute Industries Ltd., M/s Mirza Jute Mills Ltd., M/s Mohini Nabil Jute Mills Ltd., M/s Motahar Hossain Chowdhury Jute Mills Ltd., M/s G. Trader, M/s Gem Jute Ltd. and M/s A.N. International. However out of these 9, M/s Mirza Jute and M/s Glory gave certain documents which included sample copies of sales documents to the team but no verification with back up record could be done for various aspects of questionnaire including the cost of production of PUI/ PUC.
- g. Out of the 4 producers/exporters represented by M/s PWC, M/s R.M. Jute Diversification Mills Ltd., M/s Jobaida Karim Jute Mills Ltd., and M/s Afil Jute Weaving Mills Ltd. participated in on-spot verification. M/s Sonali Jute Mills Limited remained non cooperative.
- h. The 8 producers/exporters represented by M/s M.S. Pothal and Associates Chartered Accountants provided data during on-spot verification on exports, domestic sales and cost of production as applicable. These were M/s Partex Jute Mills Limited Bangladesh, M/s Sidlaw Textiles (Bangladesh) Limited, M/s Nawhata Jute Mills Ltd., M/s Kurigram jute Processing Works Bangladesh, M/s Sarah Composite Mills Limited Bangladesh, M/s Purabi Trading, M/s Mymensingh Jute Mills Ltd. and M/s Asha Jute Industries Limited.
- i. M/s Tracolegal representing M/s Jute Textile Mills Ltd. provided relevant data during onspot verification.
- j. As regards 10 direct responses, the following is the status on facts of verification and cooperation.
- M/s Alijan Jute and M/s Sonali Aansh Industries Limited (related companies) participated in on-spot verification and submitted certain data, followed by some additional data through email but not to the extent required by the verification team for verifying the claim made.
  - M/s Jatio Jute Mills Ltd., a Government Mill under Bangladesh Jute Mill Cooperation, Ministry of Textiles through letter dated 29/1/2019 stated that their records have been damaged in fire and requested for one month time. 2 other Government mills M/s Latif Bawany Jute Mills Limited and M/s Hafiz Jute Mills Limited did not participate in on-spot verification and present data for verification. The team in a meeting with BJMC, M/o Textiles informed the corporation regarding the status on the filing and verification of data by their plants. Though 10 days time was granted no data was filed. As stated in foregoing paras, M/s Eastern Jute Mills Ltd, also a BJMC mill sent incomplete questionnaire through Email with no hard copy.
  - For M/s Rajbari Jute Mills Ltd. and M/s Northern Jute Manufacturing Company Limited, it is noted there have been no sales of PUI during POI to India.
  - M/s South Trade International and M/s Interlink International are observed as traders who did not export PUI to India during POI. M/s Ahyar Jute Mills Ltd. did not export PUI to India during POI but only Jute yarn to India.
- k. The Authority post on spot verification issued appropriate reports to concerned producers/exporter on the facts of verification undertaken i.e. stating documents provided by producers/exporters who had presented data for verification and facts about non-participation by the ones who did not present themselves during on-spot verification. Comments filed by concerned producers/exporters on the above

reports have been taken note of appropriately.

1. The Authority has evaluated individual Dumping Margin for producers/exporters who have cooperated and for residual/non-cooperating the Authority has applied rule 6(8) referencing best available information as per its consistence practice. The dumping margin for PUI during POI for both Cooperating and non-cooperating producers/exporters is evaluated as under:

40. Dumping margin evaluation and shift of pattern of trade:

**A. COOPERATING PRODUCER/EXPORTER:**

- (i) **The shift of pattern of trade and dumping margin evaluation of the producers/exporters represented by M/s World Trade Consultants is as under:**

**1. M/s Sagar Jute Spinning Mills Ltd., (Producer/Exporter) Bangladesh**

- (i) **Pattern of Trade of PUC and PUI:**

The pattern of trade depicts the change towards PUI post levy of ADD on PUC.

**Trade Pattern -Non-Confidential(Indexed )-Sagar Jute**

Period	Domestic Sales		Exports to India		Sales to 3rd Country	
	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)
2014-15	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2015-16	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2016-17	100.00	100.00	163.35	23.64	0.00	0.00
POI (Before ADD)- Oct.,2016-4 Jan.,2017 1	0.00	0.00	87.95	0.00	0.00	0.00
POI (After ADD)- Jan.,2017-31 Dec.,2017 5	100.00	100.00	12.05	100.00	100.00	0.00
<b>POI (Overall)</b>	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	0.00

**(ii) Normal Value**

The producer/exporter has sold \*\*\* MT of PUI during POI in the domestic market at an average price of \*\*\* BDT/MT at ex-mills in cash, which is \*\*\* % of the exports to PUI to India. The company has not exported PUI exports to other countries.

The total sales value during POI claimed is reconciled with the audited P/L Accounts for the POI. Total exports sales is reconciled with the bank certificate for the POI with all details of EXP forms. With these two reconciliations the total sales including domestic, exports to India and third country sales is reconciled with the Questionnaire response.

The COP for the PUI during POI including inland freight and bank charges is evaluated as \*\*\* BDT/MT. To determine normal value, OCT test has been carried out considering cost of production excluding inland freight and bank charges on the basis of which all sales are noted to be in loss. The normal value is therefore computed on the basis of the cost of production with an average profit of \*\*\* % of the company during POI. The Normal value is \*\*\*BDT/MT.

**(iii) Export Price**

The producer/exporter has exported PUI to India during POI to an extent \*\*\* MT at an invoice value of \*\*\* \$ (\*\*\* US\$/MT) (CNF). The adjustments have been claimed on the basis of actual expenses incurred on inland freight, credit cost and bank charges to an extent of \*\*\*, \*\*\* and \*\*\* \$/MT respectively. Since the company has claimed that it does not report inland freight and bank charges as separate heads of accounts, the export price at appropriate level is \*\*\* \$/MT i.e. \*\*\*BDT/MT by excluding credit cost only.

**(iv) Dumping Margin:**

The authority evaluated dumping margin by comparing normal value and export price at the same level of trade as under and disclosed the same in the disclosure statement dated 7.3.2019.

Normal Value (BDT/MT)	Net Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin (% range)
***	***	***	***	10-20

The above dumping margin has been recomputed in the later paras based on the post disclosure comments.

**2. M/s Mouna Jute Mills Ltd., (Producer/Exporter) Bangladesh****(i) Pattern of Trade of PUC and PUI:**

The pattern of trade depicts the change towards PUI post levy of ADD on PUC.

**Trade Pattern -Non-Confidential(Indexed )-Mouna Jute**

Period	Domestic Sales		Exports to India		Sales to 3rd Country	
	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)
2014-15	57.97	0.00	641.63	0.00	47.09	0.00
2015-16	77.29	0.00	83.43	0.00	62.49	0.00
2016-17	63.50	0.00	245.58	14.27	115.20	0.00
POI (Before ADD)- 1 Oct.,2016-4 Jan.,2017	13.72	0.00	100.00	0.00	26.01	0.00
POI (After ADD)- 5 Jan.,2017-31 Dec.,2017	86.28	0.00	0.00	100.00	73.99	0.00
<b>POI (Overall)</b>	<b>100.00</b>	<b>0.00</b>	<b>100.00</b>	<b>100.00</b>	<b>100.00</b>	<b>0.00</b>

**(ii) Normal Value**

The total sales value during POI claimed is reconciled with the audited P/L Accounts for the POI. Total exports sales is reconciled with the bank certificate for the POI with all details of EXP forms. With these two reconciliations the total sales including domestic, exports to India and third country sales is reconciled with the Questionnaire response.

The company has not sold PUI either in domestic market or exported to countries other than India. The COP for the PUI during POI includes inland freight, bank charges and other financial adjustments. The authority has evaluated normal value based on cost of production plus profit of \*\*\* % of the company during POI. The Normal value is \*\*\* BDT/MT.

**(iii) Export Price**

The producer/exporter has exported PUI to India during POI to an extent \*\*\* MT at an invoice value of \*\*\* \$ (\*\*\* US\$/MT) (FOB). The adjustments have been claimed on the basis of actual expenses incurred on incurred on inland freight, credit cost, bank charges and other export documentation adjustments to an extent of \*\*\*, \*\*\*, \*\*\* and \*\*\* \$/MT respectively. The company has exported PUC and PUI to India through two related traders namely Eco Trade International and Erans Trade International Ltd., during POI who have

exported to India with a markup. The Ex-factory export price at an appropriate level only excluding credit cost is \*\*\* BDT/MT.

#### (iv) Dumping Margin

The authority evaluated dumping margin by comparing normal value & Ex-factory Export price at same level of trade as under and disclosed the same in the disclosure statement dated 7.3.2019.

Normal Value (BDT/MT)	Net Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin(%)	Dumping Margin (% range)
***	***	***	***	0-10

The above dumping margin has been recomputed in the later paras based on the post disclosure comments.

### 3. M/s Rabeya Jute Mills, (Producer/Exporter) Bangladesh

#### (i) Pattern of Trade of PUC and PUI:

The pattern of trade depicts the change towards PUI post levy of ADD on PUC.

#### Trade Pattern -Non-Confidential(Indexed )-Rabeya Jute

Period	Domestic Sales		Exports to India		Sales to 3rd Country	
	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)
2014-15	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2015-16	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2016-17	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
POI (Before ADD)- Oct.,2016-4 Jan.,2017	1 0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
POI (After ADD)- Jan.,2017-31 Dec.,2017	5 0.00	0.00	0.00	100.00	0.00	0.00
<b>POI (Overall)</b>	0.00	0.00	0.00	<b>100.00</b>	0.00	0.00

#### (ii) Normal Value

The total sales value claimed is reconciled with the audited P/L Accounts for the POI. Total exports sales is reconciled with the bank certificate for the POI with all details of EXP forms. With these two reconciliations the total sales including domestic and exports to India is reconciled with the Questionnaire response.

The company has not sold PUI either in domestic market or exported to countries other than India. The COP for the PUI during POI includes inland freight and bank charges. The authority has evaluated normal value based on cost of production plus profit i.e. \*\*\* % of the company during POI. The Normal value is \*\*\* BDT/MT.

#### (iii) Export Price

The producer/exporter has exported PUI to India during POI to an extent \*\*\* MT at an invoice value of \*\*\* \$ (\*\*\* US\$/MT (FOB). The adjustments have been claimed on the basis of actual expenses incurred on credit cost, inland freight and bank charges to an extent of \*\*\*, \*\*\* and \*\*\* \$/MT respectively. The exfactory export price excluding only credit cost at appropriate level is \*\*\* \$/MT. i.e. \*\*\*BDT/MT.

#### (iv) Dumping Margin

The authority evaluated dumping margin by comparing normal value & ex-factory price at same level of trade and disclosed the same in the disclosure statement dated 7.3.2019.

Normal Value (BDT/MT)	Net Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin(%)	Dumping Margin (% range)
***	***	***	***	0-10

The producer/exporter has not filed any comments to the disclosure. However in light of submissions by various producers/exporters and the High Commission of Bangladesh on profit margin, the dumping margin for the producer/exporter is recomputed in later paragraphs.

#### 4. M/s Ranu Agro Industries Limited. , (Producer/Exporter) Bangladesh

##### (i) Pattern of Trade of PUC and PUI :

The pattern of trade depicts the change towards PUI post levy of ADD on PUC.

##### Trade Pattern -Non-Confidential(Indexed )-Ranu Agro Jute

Period	Domestic Sales		Exports to India		Sales to 3rd Country	
	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)
2014-15	23.12	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2015-16	29.67	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2016-17	30.96	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
POI (Before ADD)- 1 Oct.,2016-4 Jan.,2017	22.07	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
POI (After ADD)- 5 Jan.,2017-31 Dec.,2017	77.93	0.00	0.00	100.00	0.00	0.00
<b>POI (Overall)</b>	<b>100.00</b>	0.00	0.00	<b>100.00</b>	0.00	0.00

##### (ii) Normal Value

The total sales value claimed is reconciled with the audited P/L Accounts for the POI. Total exports sales is reconciled with the bank certificate for the POI with all details of EXP form. With these two reconciliations the total sales including domestic and exports to India is reconciled with the Questionnaire response.

The company has not sold PUI either in domestic market or in exports to other countries. The COP for the PUI during POI could not be verified/authenticated and therefore highest normal value of cooperating producer/exporter and average profit of cooperating producer/exporter i.e. \*\*\* % has been adopted. The Normal value is \*\*\* BDT/MT.

##### (iii) Export Price

The producer/exporter has exported PUI to India during POI to an extent \*\*\* MT at an invoice value of \*\*\* \$ (\*\*\* US\$/MT (CNF). The adjustments have been claimed on the basis of actual expenses incurred on inland freight to an extent of \*\*\* \$/MT respectively. No credit cost has been claimed as payment has been received in advance. The ex-factory export price considered at an appropriate level is \*\*\* \$/MT i.e. \*\*\*BDT/MT.

##### (iv) Dumping Margin

The authority evaluated dumping margin by comparing normal value & export price at appropriate level as under and disclosed the same in the disclosure statement dated 7.3.2019.

Normal Value (BDT/MT)	Net Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin(%)	Dumping Margin (% range)
--------------------------	------------------------------	----------------------------	----------------------	-----------------------------

***	***	***	***	30-40
-----	-----	-----	-----	-------

The above dumping margin has been recomputed in the later paras based on the post disclosure comments.

## 5. M/s Rahman Jute Mills (Pvt.) Ltd.,(Producer/Exporter) Bangladesh

### (i) Pattern of Trade of PUC and PUI :

The pattern of trade depicts the change towards PUI post levy of ADD on PUC.

#### Trade Pattern -Non-Confidential(Indexed )-Rahman Jute

Period	Domestic Sales		Exports to India		Sales to 3rd Country	
	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)
2014-15	0.00	0.00	804.71	0.00	86.58	0.00
2015-16	0.00	0.00	513.61	0.00	0.00	0.00
2016-17	50.00	66.67	103.73	22.96	39.47	0.00
POI (Before ADD)- 1 Oct.,2016-4 Jan.,2017	0.00	26.67	100.00	0.00	0.00	0.00
POI (After ADD)- 5 Jan.,2017-31 Dec.,2017	100.00	73.33	0.00	100.00	100.00	0.00
<b>POI (Overall)</b>	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	0.00

### (ii) Normal Value

The total sales value claimed is reconciled with the audited P/L Accounts for the POI. Total exports sales is reconciled with the bank certificate for the POI with all details of EXP forms. With these two reconciliations the total sales including domestic, exports to India and third country sales is reconciled with the Questionnaire response.

The producer/exporter has sold \*\*\* MT of PUI terms in during POI in the domestic market at a price \*\*\* BDT (\*\*\* BDT/MT) at ex-mills in cash. The domestic sales value is reconciled with the audited P/L account for POI.

Since PUI sales in domestic market is only \*\*\* % of exports to India, which is less than \*\*\* % of export sales to India of PUI, the authority does not propose to consider domestic sales of PUI to evaluate normal value.

The Authority has adopted normal value based on cost of production plus profit of \*\*\*% of the company during POI to determine normal value. The Normal value is \*\*\* BDT/MT.

### (iii) Export Price

The producer/exporter has exported PUI to India during POI to an extent \*\*\* MT at an invoice value of \*\*\* \$ (\*\*\* US\$/MT) (ex-mills). The adjustments have been claimed on the basis of actual expenses incurred on credit cost and bank charges to an extent of \*\*\* and \*\*\* \$/MT respectively. Since the company has claimed that it does not report bank charges as a separate head of accounts, the export price considered at an appropriate level is \*\*\* \$/MT i.e. only excluding credit cost i.e. \*\*\*BDT/MT

### (iv) Dumping Margin

The authority evaluated dumping margin by comparing normal value and export price at same level of trade as under and disclosed the same in the disclosure statement dated 7.3.2019.

Normal Value (BDT/MT)	Net Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin(%)	Dumping Margin (% range)
***	***	***	***	0-10

The above dumping margin has been recomputed in the later paras based on the post disclosure comments.

**6. M/s Nabarun Jute Mills Limited., (Producer/Exporter) Bangladesh**

**(i) Pattern of Trade of PUC and PUI :**

The pattern of trade depicts the change towards PUI post levy of ADD on PUC.

**Trade Pattern -Non-Confidential(Indexed )-Nabarun Jute**

Period	Domestic Sales		Exports to India		Sales to 3rd Country	
	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)
2014-15	35.67	0.00	750.57	0.00	298.51	0.00
2015-16	64.21	0.00	1030.06	0.00	63.02	0.00
2016-17	3.12	0.00	293.11	4.20	66.83	0.00
POI (Before ADD)- 1 Oct.,2016-4 Jan.,2017	3.12	0.00	66.10	0.00	3.09	0.00
POI (After ADD)- 5 Jan.,2017-31 Dec.,2017	96.88	0.00	33.90	100.00	96.91	0.00
<b>POI (Overall)</b>	<b>100.00</b>	<b>0.00</b>	<b>100.00</b>	<b>100.00</b>	<b>100.00</b>	<b>0.00</b>

**(ii) Normal Value**

The total sales value claimed is reconciled with the audited P/L Accounts for the POI. Total exports sales is reconciled with the bank certificate for the POI with all details of EXP forms. With these two reconciliations the total sales including domestic, exports to India and third country sales is reconciled with the Questionnaire response.

The company has not sold PUI either in domestic market or in exports to other countries. The COP for the PUI during POI includes inland freight and bank charges. The authority has evaluated normal value based on cost of production plus reasonable profit i.e. \*\*\* % (higher of the \*\*\* % or actual of the company at \*\*\* %). The Normal value is \*\*\* BDT/MT.

**(iii) Export Price**

The producer/exporter has exported PUI to India during POI to an extent \*\*\* MT at an invoice value of \*\*\* \$ (\*\*\* US\$/MT) (FOB). The adjustments have been claimed on the basis of actual expenses incurred on inland freight, credit cost and bank charges to an extent of \*\*\*, \*\*\* and \*\*\* \$/MT respectively. The ex-factory export considered at an appropriate level is \*\*\* \$/MT i.e. \*\*\*BDT/MT.

**(iv) Dumping Margin**

The authority evaluated dumping margin by comparing normal value & export price at same level of trade as under and disclosed the same in the disclosure statement dated 7.3.2019.

Normal Value (BDT/MT)	Net Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin (% range)
***	***	***	***	0-10

The above dumping margin has been recomputed in the later paras based on the post disclosure comments.

**7. M/s Jamuna Jute Industries Ltd., (Producer/Exporter) Bangladesh**

**(i) Pattern of Trade of PUC and PUI :**

The pattern of trade depicts the change towards PUI post levy of ADD on PUC.

**Trade Pattern -Non-Confidential(Indexed )-Jamuna Jute**

Period	Domestic Sales		Exports to India		Sales to 3rd Country	
	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)
2014-15	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2015-16	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
2016-17	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
POI (Before ADD)- 1 Oct.,2016-4 Jan.,2017	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
POI (After ADD)- 5 Jan.,2017-31 Dec.,2017	0.00	0.00	0.00	100.00	0.00	0.00
<b>POI (Overall)</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>	<b>100.00</b>	<b>0.00</b>	<b>0.00</b>

**(ii) Normal Value**

The total sales value claimed is reconciled with the audited P/L Accounts for the POI. Total exports sales is reconciled with the bank certificate for the POI with all details of EXP forms. With these two reconciliations the total sales including domestic, exports to India and third country sales is reconciled with the Questionnaire response.

The company has not sold PUI either in domestic market or in exported to countries other than India. The COP for the PUI during POI includes inland freight and bank charges. The authority has evaluated normal value based on cost of production plus reasonable profit. The normal value is computed on the basis of the cost of production with\*\*\* % profit or overall profit of the producer/exporter (\*\*\* %) whichever is higher. The Normal value with \*\*\* % profit is \*\*\* BDT/MT.

**(iii) Export Price**

The producer/exporter has exported PUI to India during POI to an extent \*\*\* MT at an invoice value of \*\*\* \$ (\*\*\* US\$/MT) (CNF). The adjustments have been claimed on the basis of actual expenses incurred on inland freight and bank charges to an extent of \*\*\* and \*\*\* \$/MT respectively. The Company has not claimed credit cost as the payments have been received in advance. The ex-factory export price at appropriate level is \*\*\* \$/MT i.e. excluding credit cost i.e. \*\*\*BDT/MT.

**(iv) Dumping Margin**

The Authority evaluated dumping margin by comparing Normal Value & Export price at same level of trade as under and disclosed the same in the disclosure statement dated 7.3.2019.

Normal Value (BDT/MT)	Net Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin (% range)
***	***	***	***	0-10

The above dumping margin has been recomputed in the later paras based on the post disclosure comments.

#### 8. M/s Arnul Jute Mills Ltd., (Producer/Exporter) Bangladesh

##### (i) Pattern of Trade of PUC and PUI :

The pattern of trade depicts the change towards PUI post levy of ADD on PUC.

##### Trade Pattern -Non-Confidential(Indexed )-Arnul Jute

Period	Domestic Sales		Exports to India		Sales to 3rd Country	
	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)
2014-15	255.07	0.00	9.13	0.00	0.00	0.00
2015-16	134.45	0.00	157.54	2.69	0.00	0.00
2016-17	74.01	0.00	409.95	27.70	0.00	0.00
POI (Before ADD)- 1 Oct.,2016-4 Jan.,2017	13.92	0.00	100.00	0.84	0.00	0.00
POI (After ADD)- 5 Jan.,2017-31 Dec.,2017	86.08	0.00	0.00	99.16	0.00	0.00
<b>POI (Overall)</b>	100.00	0.00	100.00	100.00	0.00	0.00

##### (ii) Normal Value

The total sales value claimed is reconciling with the audited P/L Accounts for the POI. Total exports sales is reconciled with the bank certificate for the POI with all details of EXP forms. With these two reconciliations the total sales including domestic and exports to India sales is reconciled with the Questionnaire response.

The company has not sold PUI either in domestic market or exported to countries other than India. The COP for the PUI during POI includes inland freight, CNF & documentation fee and bank charges. The authority has evaluated normal value based on cost of production plus reasonable profit of \*\*\* % for company as a whole. The Normal value is \*\*\* BDT/MT.

##### (iii) Export Price

The producer/exporter has exported PUI to India during POI to an extent of \*\*\* MT at an invoice value of (\*\*\* \$) (\*\*\* US\$/MT (CNF). The adjustments have been claimed on the basis of actual expenses incurred on inland freight, CNF & documentation fee and bank charges to an extent of \*\*\*, \*\*\* and \*\*\* \$/MT respectively. The ex-factory export price excluding credit cost only is considered at an appropriate level as \*\*\* US\$/MT i.e. \*\*\*BDT/MT.

##### (iv) Dumping Margin

The Authority purposes to evaluate dumping margin by comparing normal value and export price at same level of trade as under and disclosed the same in the disclosure statement dated 7.3.2019.

Normal Value (BDT/MT)	Net Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin(%)	Dumping Margin (% range)
***	***	***	***	Less than 2%

The above dumping margin has been recomputed in the later paras based on the post disclosure comments.

**9. M/s Aba Jute & Twine Industries Ltd., (Producer/Exporter) Bangladesh****(i) Pattern of Trade of PUC and PUI :**

The pattern of trade depicts the change towards PUI post levy of ADD on PUC.

**Trade Pattern -Non-Confidential(Indexed )-Aba Jute**

Period	Domestic Sales		Exports to India		Sales to 3rd Country	
	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)
2014-15	0	0	0	0	0	0
2015-16	0	0	0	0	0	0
2016-17	0	0	0	0	0	0
POI (Before ADD)- 1 Oct.,2016-4 Jan.,2017	0	0	0	0	0	0
POI (After ADD)- 5 Jan.,2017-31 Dec.,2017	100	0	0	100	0	0
<b>POI (Overall)</b>	100	0	0	100	0	0

**(ii) Normal Value**

The producer/exporter was informed in the verification report to provide list of total EXP forms issued by their bank for exports sales and also certified copies by the bank. However, the same has not been provided.

The company has not sold PUI either in domestic market or in exports to other countries. It has been observed during verification that cost of labour claimed by the company is very low as compared to other jute mills in Bangladesh and same could not be authenticated from the records available. The details, reasons/justification for decrease in the financial cost of the company in the year 2017-18 as compared to the 2016-17 could not be given by the company during verification. It is noted that though there is a difference in Production and Sales, however, the same is not reflected as Stock Adjustment of Finished Goods in the Appendixes 7 and 8 submitted by the company. Also, cost of labour claimed by the company is very low as compared to other jute mills in Bangladesh and same could not be authenticated/verified from the records available. Therefore, the cost of production claimed by the company could not be authenticated, verified based on the records provided at the time of verification.

Accordingly, for the producer/exporter the normal value has been purposed to be evaluated on the basis of best available information i.e. the highest Normal Value in respect of participating/verified exporters with average profit of \*\*\* %. The normal value, so adopted is \*\*\* BDT/MT during POI.

**(iii) Export Price**

The producer/exporter has exported \*\*\* MT of PUI to India during POI at an invoice value of \*\*\* \$ (\*\*\* US\$/MT (FOB)). The adjustments have been claimed on the basis of actual expenses incurred on inland freight and bank charges to an extent of \*\*\* and \*\*\* \$/MT respectively. The ex-factory export price is \*\*\* \$/MT.

**(iv) Dumping Margin**

The Authority evaluated dumping margin by comparing normal value and export price at the same level of trade as under and disclosed the same in the disclosure statement dated 7.3.2019.

Normal Value (BDT/MT)	Net Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin (% range)
***	***	***	***	50-60

The producer/exporter has not filed any comments to disclosure and therefore the cost of production of PUI is confirmed. However, in light of post disclosure comments by the Bangladesh High Commission the dumping margin has been recomputed in the later paras.

#### 10. M/s Uttara Jute Fibers & Industries Ltd., (Producer/Exporter) Bangladesh

##### (i) Pattern of Trade of PUC and PUI :

The pattern of trade depicts the change towards PUI post levy of ADD on PUC.

##### Trade Pattern -Non-Confidential(Indexed )-Uttara Jute

Period	Domestic Sales		Exports to India		Sales to 3rd Country	
	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)	PUC Qty. (MT)	PUI Qty. (MT)
2014-15	313.27	0.00	593.60	-	176.12	0.00
2015-16	381.89	0.00	247.16	-	19.43	0.00
2016-17	78.38	0.00	610.42	5.02	42.10	0.00
POI (Before ADD)- 1 Oct.,2016-4 Jan.,2017	4.44	0.00	50.18	5.02	10.01	0.00
POI (After ADD)- 5 Jan.,2017-31 Dec.,2017	95.56	0.00	49.82	94.98	89.99	0.00
<b>POI (Overall)</b>	100.00	0.00	100.00	100.00	100.00	0.00

##### (ii) Normal Value

The producer/exporter was informed in the verification report to provide list of total EXP forms issued by their bank for exports sales and also certified copies by the bank. However, the same has been provided.

The Producer /Exporter has not sold the PUI in the domestic market during the POI. While comparing the 2017-18 audited accounts with 2016-17 audited accounts it has been observed that total factory overhead in 2017-18 is only BDT \*\*\* as against BDT \*\*\* and direct labour cost is only BDT \*\*\* in 2017-18 as against BDT \*\*\*, although the sales revenue in 2017-18 and 2016-17 is almost at the same level. The cost of Electricity, Gas & Power, Indirect Material cost, Jute Absorbing Expenses, Repairs & Maintenance, salary & Allowances etc., is shown as Nil in the year 2017-18. There is a wide variation in the Finished Good Stock adjustment. The reason for such wide variation could not be explained during the verification. Therefore, the Financial Accounts for the POI and cost of production could not be authenticated/verified.

Accordingly, the Authority has not considered its cost and adopted the highest Normal Value assessed for the participating and duly verified producers/exporters with an average profit of \*\*\* %. The same comes to \*\*\* BDT/MT.

##### (iii) Export Price

The producer/exporter has exported PUI to India during POI to an extent \*\*\* MT at an invoice value of \*\*\* \$ (\*\*\*) US\$/MT (FOB). The adjustments have been claimed on the basis of actual expenses incurred on inland freight, credit cost and bank charges to an extent of \*\*\*, \*\*\* and \*\*\* \$/MT respectively. The ex-factory export price considered at an appropriate level is \*\*\* \$/MT.

##### (iv) Dumping Margin

The Authority evaluated dumping margin by comparing normal value and export price at the same level of trade as under and disclosed the same in the disclosure statement dated 7.3.2019.

Normal Value (BDT/MT)	Net Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin (% range)
***	***	***	***	10-20

The producer/exporter has not filed any comments to disclosure and therefore the cost of production of PUI is confirmed. However, in light of post disclosure comments by the Bangladesh High Commission the dumping margin has been recomputed in the later paras.

#### **11. M/s G. Traders Ltd. and M/s A.N. International:**

M/s G traders and M/s A.N. International have responded to the verification report stating that they provided data to their advocate M/s World Trade Consultants. Since M/s WTC withdrew themselves and verification could not be carried out, the Authority has considered best available information for these traders. In any case, the extension of measure if considered would be applied on the associated producer.

**(ii) The shift of pattern of trade and dumping margin evaluation of the producers/exporters represented by M/s M.S. Pothal and Associates Chartered Accountants is as under:**

#### **1. Asha Jute Industries Ltd.**

##### **(i) Pattern of trade for PUC and PUI:**

The pattern of trade depicts the change towards PUI post levy of ADD on PUC.

Period	Domestic sales (Indexed)		Sales to India (Indexed)		Sales to 3 <sup>rd</sup> Countries (Indexed)	
	PUC	PUI	PUC	PUI	PUC	PUI
April 2014 to March 2015	-	-	-	-	-	-
April 2015 to March 2016	-	-	-	-	-	-
April 2016 to 4 <sup>th</sup> January 2017	100	100	-	-	-	-
5 <sup>th</sup> January 2017 to March 2017	50	-	-	-	-	-
April 2017 to March 2018	90	136	-	-	-	-
POI (October 2016 to December 2017)	146	174	-	100	100	-

##### **(ii) Normal Value**

The producer/exporter has sold \*\*\*MT of PUI during POI in the domestic market at a total value of \*\*\*BDT (Average price BDT \*\*\*per MT). The sales terms are ex-mills in cash. The total domestic sales value appears in the audited Profit & Loss account for POI. The price difference between PUC and PUI in the domestic market during POI reflects reasonable value addition. To compare normal value, Ordinary Course of Trade (OCT) test has been carried out. For the purpose of OCT test Ex-factory cost of production has been considered. On the basis of OCT test \*\*\*% sales are found to be profitable. The normal value is \*\*\*BDT/MT.

##### **(iii) Export Price**

The producer/exporter has exported PUI to India during POI to an extent \*\*\*MT at an invoice value of US\$ \*\*\*on CFR terms (US\$ \*\*\*per MT). The adjustments have been claimed on the basis of actual expenses incurred on inland freight (US\$\*\*\* per MT), Clearing & forwarding charges (US\$\*\*\*per MT) and bank charges (US\$\*\*\*per MT) totalling to an extent of US\$ \*\*\*per MT. The EX-factory export price is \*\*\*BDT/MT.

##### **(iv) Dumping Margin**

For the purpose of dumping margin comparison weighted average normal value and weighted average export price as mentioned above have been considered at same level of trade. The same is computed as under:

Normal Value (BDT/MT)	Net Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin (% range)
***	***	***	***	Negative

**2. Mymensingh Jute Mills Ltd.****(i) Pattern of trade for PUC and PUI:**

The pattern of trade depicts the change towards PUI post levy of ADD on PUC.

Period	Domestic sales (Indexed)		Sales to India (Indexed)		Sales to 3 <sup>rd</sup> Countries (Indexed)	
	PUC	PUI	PUC	PUI	PUC	PUI
April 2014 to March 2015	-	-	100	100	100	-
April 2015 to March 2016	100	-	481	168	-	-
April 2016 to 4 <sup>th</sup> January 2017	850	-	140	53	433	-
5 <sup>th</sup> January 2017 to March 2017	69	-	-	-	354	-
April 2017 to March 2018	419	-	-	321	983	100
POI (October 2016 to December 2017)	331	100	-	13	1,610	298

**(ii) Normal Value**

The producer/exporter has sold \*\*\*MT of PUI during POI in the domestic market at a total value of \*\*\*BDT (Average price BDT \*\*\*per MT). The sales terms are ex-mills in cash. The total domestic sales value appears in the audited Profit & Loss account for POI. The price difference between PUC and PUI in the domestic market during POI reflects reasonable value addition. To compare normal value, Ordinary Course of Trade (OCT) test has been carried out. For the purpose of OCT test Ex-factory cost of production has been considered. On the basis of OCT test \*\*\*% sales are found to be loss making. Hence normal value is \*\*\*BDT/MT after adding overall profit of \*\*\*% of company.

**(iii) Export Price**

The producer/exporter has exported PUI to India during POI to an extent \*\*\*MT at an invoice value of US\$ \*\*\*on CFR terms (US\$ \*\*\*per MT). The adjustments have been claimed on the basis of actual expenses incurred on inland freight (US\$\*\*\* per MT), Clearing & forwarding charges (US\$\*\*\*per MT) and bank charges (US\$\*\*\*per MT) totalling to an extent of US\$ \*\*\* per MT. The EX-factory export price is US\$ \*\*\*per MT.

**(iv) Dumping Margin**

However for the purpose of dumping margin comparison, weighted average normal value and weighted average export price have been considered at same level of trade. The same is evaluated as under:

Normal Value (BDT/MT)	Net Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin (% range)
***	***	***	***	Negative

**3. Nawhata Jute Mills Ltd.****(i) Pattern of trade for PUC and PUI:**

The pattern of trade depicts the change towards PUI post levy of ADD on PUC.

Period	Domestic sales (Indexed)		Sales to India (Indexed)		Sales to 3 <sup>rd</sup> Countries (Indexed)	
	PUC	PUI	PUC	PUI	PUC	PUI
April 2014 to March 2015	100	-	100	-	-	-
April 2015 to March 2016	133	-	52	100	-	-
April 2016 to 4 <sup>th</sup> January 2017	377	100	22	38	-	-

5 <sup>th</sup> January 2017 to March 2017	127	18	3	9	-	-
April 2017 to March 2018	255	69	20	79	-	-
POI (October 2016 to December 2017)	244	71	20	184	-	-

**(ii) Normal Value**

The producer/exporter has sold \*\*\*MT of PUI during POI in the domestic market at a total value of \*\*\*BDT (Average price BDT \*\*\*per MT). The sales terms are ex-mills in cash. The total domestic sales value appears in the audited Profit & Loss account for POI. The price difference between PUC and PUI in the domestic market during POI reflects reasonable value addition. To compare normal value, Ordinary Course of Trade (OCT) test has been carried out. For the purpose of OCT test Ex-factory cost of production has been considered. On the basis of OCT test \*\*\*% sales are found to be profitable. Hence normal value is \*\*\*BDT/MT.

**(iii) Export Price**

The producer/exporter has exported PUI to India during POI to an extent \*\*\*MT at an invoice value of US\$ \*\*\*on CFR terms (US\$ \*\*\*per MT). The adjustments have been claimed on the basis of actual expenses incurred on inland freight (US\$\*\*\*per MT) and bank charges (US\$\*\*\*per MT) totalling to an extent of US\$ \*\*\*per MT. Since the exporter had not claimed C&F charges an average C&F charges of USD \*\*\*per MT has been excluded on notional basis to arrive at the Net export price. The EX-factory export price is \*\*\*US\$/MT.

**(iv) Dumping Margin**

For the purpose of dumping margin comparison weighted average normal value and weighted average export price have been considered at the same level of trade. The same is evaluated as under:

Normal Value (BDT/MT))	Net Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin (% range)
***	***	***	***	Negative

**4. Partex Jute Mills Limited****(i) Pattern of trade for PUC and PUI:**

The pattern of trade depicts the change towards PUI post levy of ADD on PUC.

Period	Domestic sales (Indexed)		Sales to India (Indexed)		Sales to 3 <sup>rd</sup> Countries (Indexed)	
	PUC	PUI	PUC	PUI	PUC	PUI
April 2014 to March 2015	-	-	-	-	-	-
April 2015 to March 2016	-	-	-	-	-	-
April 2016 to 4 <sup>th</sup> January 2017	100	100	100	100	100	-
5 <sup>th</sup> January 2017 to March 2017	33	-	-	1,712	62	-
April 2017 to March 2018	152	276	-	3,259	342	-
POI (October 2016 to December 2017)	127	306	31	2,181	455	-

**(ii) Normal Value**

The producer/exporter has sold \*\*\*MT of PUI during POI in the domestic market at a total value of \*\*\*BDT (Average price BDT \*\*\*per MT). The sales terms are ex-mills in cash. The total domestic sales value appears in the audited Profit & Loss account for POI. The price difference between PUC and PUI in the

domestic market during POI reflects reasonable value addition. To compare normal value, Ordinary Course of Trade (OCT) test has been carried out. For the purpose of OCT test Ex-factory cost of production has been considered. On the basis of OCT test \*\*\*% sales are found to be profitable. Hence normal value is \*\*\*BDT/MT.

**(iii) Export Price**

The producer/exporter has exported PUI to India during POI to an extent \*\*\*MT at an invoice value of US\$ \*\*\*on CFR terms (US\$ \*\*\*per MT). The adjustments have been claimed on the basis of actual expenses incurred on inland freight (US\$\*\*\*per MT), Clearing & forwarding charges (US\$\*\*\*per MT), Commission (US\$\*\*\*per MT) and bank charges (US\$\*\*\*per MT) and CC of \*\*\*US\$/MT totalling to an extent of US\$ \*\*\*per MT. The EX-factory export price is considered as US\$ \*\*\*per MT (\*\*\*BDT/MT).

**(iv) Dumping Margin**

For the purpose of dumping margin comparison weighted average normal value and weighted average export price have been considered at same level of trade. The same is evaluated as under:

Normal Value (BDT/MT)	Net Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin (% range)
***	***	***	***	Negative

**5. Sidlaw Textiles (Bangladesh) Ltd.**

**(i) Pattern of trade for PUC and PUI:**

The pattern of trade depicts the change towards PUI post levy of ADD on PUC.

Period	Domestic sales (Indexed)		Sales to India (Indexed)		Sales to 3 <sup>rd</sup> Countries (Indexed)	
	PUC	PUI	PUC	PUI	PUC	PUI
April 2014 to March 2015	-	-	100	-	-	-
April 2015 to March 2016	-	-	95	-	-	-
April 2016 to 4 <sup>th</sup> January 2017	100	100	49	100	-	-
5 <sup>th</sup> January 2017 to March 2017	21	21	3	860	-	-
April 2017 to March 2018	53	31	-	3,296	100	-
POI (October 2016 to December 2017)	74	138	23	2,922	100	-

**(ii) Normal Value**

The producer/exporter has sold \*\*\*MT of PUI during POI in the domestic market at a total value of \*\*\*BDT (Average price BDT \*\*\*per MT). The sales terms are ex-mills in cash. The total domestic sales value appears in the audited Profit & Loss account for POI. The price difference between PUC and PUI in the domestic market during POI reflects reasonable value addition. To compare normal value, Ordinary Course of Trade (OCT) test has been carried out. For the purpose of OCT test Ex-factory cost of production has been considered. On the basis of OCT test \*\*\*% sales are found to be profitable. Hence normal value based on profitable sales value is \*\*\*BDT/MT.

**(iii) Export Price**

The producer/exporter has exported PUI to India during POI to an extent \*\*\*MT at an invoice value of US\$ \*\*\*on CFR terms (US\$ \*\*\*per MT). The adjustments have been claimed on the basis of actual expenses incurred on inland freight (US\$\*\*\*per MT), Clearing & forwarding charges (US\$\*\*\*per MT), and bank charges (US\$\*\*\*per MT) and CC to an extent of \*\*\*\$/MT totalling to an extent of US\$ \*\*\*per MT. The EX-factory export price is considered as US\$ \*\*\*per MT.

**(iv) Dumping Margin**

For the purpose of dumping margin comparison weighted average normal value and weighted average export price have been considered at same level of trade. The same is evaluated as under:

Normal Value (BDT/MT)	Net Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin (% range)
***	***	***	***	Negative

**6. Kurigram Jute Processing Works****(i) Pattern of trade for PUC and PUI :**

The pattern of trade depicts the change towards PUI post levy of ADD on PUC.

Period	Domestic sales (Indexed)		Sales to India (Indexed)		Sales to 3 <sup>rd</sup> Countries (Indexed)	
	PUC	PUI	PUC	PUI	PUC	PUI
April 2014 to March 2015	100	-	100	100	-	-
April 2015 to March 2016	94	-	-	-	-	-
April 2016 to 4 <sup>th</sup> January 2017	49	-	-	125	-	-
5 <sup>th</sup> January 2017 to March 2017	24	-	-	-	-	-
April 2017 to March 2018	18	-	-	3,234	-	-
POI (October 2016 to December 2017)	69	-	-	3,234	-	-

**(ii) Normal Value**

The producer/exporter has neither sold PUI in the domestic market nor exported to countries other than India during POI. Hence normal value cannot be derived either based on domestic selling price or export to countries other than India. Therefore Ex-factory COP plus reasonable profit is to be adopted for evaluating normal value. The overall profit of the company considered as \*\*\*%. Hence normal value is BDT \*\*\*per MT.

**(iii) Export Price**

The producer/exporter has exported PUI to India during POI to an extent \*\*\*MT at an invoice value of US\$ \*\*\*on CFR terms (US\$ \*\*\*per MT). The adjustments have been claimed on the basis of actual expenses incurred on inland freight only to an extent of US\$ \*\*\*per MT. Since the exporter had not claimed C&F charges and bank charges, average C&F charges of \*\*\*% and bank charges of \*\*\*% of invoice value(CFR) has been adopted and USD \*\*\*per MT has been excluded on notional basis to arrive at the Net export price. The EX-factory export price is US\$ \*\*\*per MT.

**(iv) Dumping Margin**

However for the purpose of dumping margin comparison, weighted average normal value and weighted average export price as mentioned above have been considered at same level of trade. The same is evaluated as under:

Normal Value (BDT/MT)	Net Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin (% range)
***	***	***	***	10-20

The above dumping margin has been recomputed in the later paras based on the post disclosure comments.

**7. Sarah Composite Mills Ltd.****(i) Pattern of trade for PUC and PUI:**

The pattern of trade depicts the change towards PUI post levy of ADD on PUC.

Period	Domestic sales (Indexed)		Sales to India (Indexed)		Sales to 3 <sup>rd</sup> Countries (Indexed)	
	PUC	PUI	PUC	PUI	PUC	PUI
April 2014 to March 2015	-	-	100	-	100	100
April 2015 to March 2016	-	-	186	100	61	802
April 2016 to 4 <sup>th</sup> January 2017	-	-	49	5	98	592
5 <sup>th</sup> January 2017 to March 2017	-	-	-	10	32	-
April 2017 to March 2018	-	-	-	118	99	196
POI (October 2016 to December 2017)	-	-	1	96	180	232

**(ii) Normal Value**

The producer/exporter has not sold PUI in the domestic market during POI. However, they have sold \*\*\*MT of PUI to three countries i.e China PR, South Africa & Jordan during POI. The producers/exporters cost of production could not be verified/authenticated and even though there are sales of PUI to countries other than India, the appropriate approach for evaluating normal value is to adopt highest cost of production amongst the cooperating producers/exporters and a weighted average profit of such producers/exporters for company as a whole, i.e @ \*\*\*%. The normal value is constructed as \*\*\* BDT/MT.

**(iii) Export Price**

The producer/exporter has exported PUI to India during POI to an extent \*\*\*MT at an invoice value of US\$ \*\*\*on Ex-factory terms (US\$ \*\*\*per MT). The adjustments have been claimed on the basis of actual expenses incurred on inspection charges for few invoices only to an extent of US\$ \*\*\*per MT. Since the exporter had not claimed bank charges, average bank charges of \*\*\*% of invoice value has been adopted and US\$ \*\*\*per MT has been excluded on notional basis to arrive at the Net export price. The EX-factory export price is US\$ \*\*\*per MT.

**(iv) Dumping Margin**

For the purpose of dumping margin comparison of weighted average normal value and weighted average export price have been considered at the same level of trade. The same is evaluated as under:

Normal Value (BDT/MT)	Net Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin (% range)
***	***	***	***	20-30

The above dumping margin has been recomputed in the later paras based on the post disclosure comments.

**8. M/s Purabi Trading:**

M/s Purabi trading is only a trader and therefore the extension of applicable AD measure is linked to the associated producer.

- c) **The shift of pattern of trade and dumping margin evaluation of the producers/exporters represented by M/s Price Waterhouse Coopers Private Limited is as under:**

**1. M/s Afil Jute Weaving Mills Ltd.:**

**(i) Trade Pattern:**

The Authority notes that the pattern of trade of PUC and PUI as under depicts shift in trade pattern towards PUI from PUC due to levy of ADD on PUC:

<b>Trade Pattern - Non-Confidential (Indexed)</b>						
Period	Domestic Sales		Export to India		Other Countries	
	PUC (MT)	PUI (MT)	PUC (MT)	PUI (MT)	PUC (MT)	PUI (MT)
1 April 2014 to 31 March 2015	0	0	100	100	100	100
1 April 2015 to 31 March 2016	100	0	93	173	4	7
1 April 2016 to 4 January 2017	399	0	58	52	5	0
5 January 2017 to 31 March 2017	149	0	0	137	8	0
1 April 2017 to 31 March 2018	473	0	0	520	17	0
POI - Before Duty	166	0	19	4	4	0
POI - After Duty	534	0	0	476	25	0
POI (October 2016 to December 2017)	701	0	19	480	29	0

**(ii) Normal Value:**

The Authority notes that the producer/exporter has not sold PUI in the domestic market. The Producer has provided audited statement of profit and loss for POI for substantiating the data provided in Appendix 7 and 8. The Authority has referenced Normal Value on the basis of the Cost of Production with overall profit of the company i.e. \*\*\*% since the audited accounts do not mention separate profitability for PUI during POI. This is also reasonable as the profit is on the same category of goods. The Normal Value is \*\*\* BDT/MT.

**(iii) Export Price:**

The Producer/Exporter has claimed total exports of \*\*\* MT of PUI to India and Nil to Countries other than India. It was understood during the on-spot verification that an EXP form has to be obtained by the exporter from their Bank before an export shipment. All EXP forms issued during POI by the concerned Bank/Banks certifying total EXP forms issued during POI has been provided by the producer/exporter. The total exports of PUI to India during POI is noted as \*\*\* MT at an invoice value of \*\*\* \$ (CFR) (\*\*\*/MT). The adjustments on export price have been claimed on Inland Freight, Bank Charges and Commission to an extent of \*\*\*/MT, \*\*\*/MT and \*\*\*/MT on the basis of actual expenses which were verified during the on spot verification. On the basis of the above, the Ex-factory Export Price for PUI during POI is \*\*\*/MT.

**(iv) Dumping Margin Computation:**

The Dumping margin evaluated by comparing Normal Value computed above with export price at same level of trade, i.e inclusive of only credit cost and disclosed the same in the disclosure statement dated 7.3.2019.

Normal Value (BDT/MT)	Ex-Factory Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin (% Range)
***	***	***	***	10-20

The above dumping margin has been recomputed in the later paras based on the post disclosure comments.

**2. M/s Jobaida Karim Jute Mills Ltd.:****(i) Trade Pattern:**

The Authority notes that the pattern of trade of PUC and PUI is as under depicts shift in trade pattern towards PUI from PUC due to levy of ADD on PUC:

<b>Trade Pattern - Non-Confidential (Indexed)</b>						
Period	Domestic Sales		Export to India		Other Countries	
	PUC (MT)	PUI (MT)	PUC (MT)	PUI (MT)	PUC (MT)	PUI (MT)
1 April 2014 to 31 March 2015	0	0	0	0	0	0
1 April 2015 to 31 March 2016	100	0	100	0	100	0
1 April 2016 to 4 January 2017	218	0	89	0	1691	100
5 January 2017 to 31 March 2017	192	0	12	100	822	0
1 April 2017 to 31 March 2018	49	0	0	0	0	1468
POI - Before Duty	99	0	0	0	1691	100
POI - After Duty	227	0	12	100	822	944
POI (October 2016 to December 2017)	326	0	12	100	2513	1044

**(ii) Normal Value:**

The Authority notes that the producer/exporter has not sold PUI in the domestic market. The Producer has provided audited statement of profit and loss for POI for substantiating the data provided in Appendix 7 and 8. The Authority has referenced Normal Value on the basis of the Cost of Production with overall profit of the company i.e. \*\*\*% since the audited accounts do not mention separate profitability for PUI during POI. This is also reasonable as the profit is on the same category of goods. The Normal Value is \*\*\* BDT/MT.

**(iii) Export Price:**

The Producer/Exporter has claimed total exports of \*\*\*MT of PUI to India and \*\*\* MT to Countries other than India. It was understood during the on-spot verification that an EXP form has to be obtained by the exporter from their Bank before an export shipment. All EXP forms issued during POI by the concerned Bank/Banks certifying total EXP forms issued during POI has been provided by the producer/exporter. The total exports of PUI to India during POI is noted as \*\*\* MT at an invoice value of \*\*\*\$ (CFR) (\*\*\*/MT). The adjustments on export price have been claimed on Inland Transportation and Bank Charges to an extent of \*\*\*\$/MT and \*\*\*\$/MT on the basis of actual expenses which were verified during the on spot verification. On the basis of the above, the Ex-factory Export Price for PUI during POI is \*\*\* \$/MT.

**(iv) Dumping Margin Computation:**

The Dumping margin evaluated by comparing Normal Value computed above with export price at the same level of trade and disclosed the same in the disclosure statement dated 7.3.2019.

Normal Value (BDT/MT)	Ex-Factory Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin (% Range)
***	***	***	***	10-20

The above dumping margin has been recomputed in the later paras based on the post disclosure comments.

- d) The shift of pattern of trade and dumping margin evaluation of the producers/exporters represented by M/s Traco Legal –Advocates & Consultants is as under:

**1. M/s Jute Textile Mills Limited:**

**(i) Pattern of Trade of PUC and PUI:**

The pattern of trade depicts the change towards PUI post levy of ADD on PUC.

**Trade Pattern – Non-Confidential (indexed)**

Period	Domestic Sales		Export to India		Other Countries	
	PUC (MT)	PUI (MT)	PUC (MT)	PUI (MT)	PUC (MT)	PUI (MT)
1 April 2014 to 31 March 2015	0	0	100	0	0	0
1 April 2015 to 31 March 2016	0	0	388.08	0	0	0
1 April 2016 to 4 January 2017	0	0	143.00	0	100	0
5 January 2017 to 31 March 2017	0	0	0	0	109.53	100
1 April 2017 to 31 March 2018	0	0	0	100.00	198.93	1365.38
POI (October 2016 to December 2017)	0	0	46.98	59.65	356.34	1176.10

**(ii) Normal Value:**

The producer/exporter has not sold PUI during POI in the domestic market. However the producer/exporter has sold PUI to countries other than India during POI. The normal value is computed on the basis of the cost of production with a reasonable profit. The Authority has adopted higher of the profit margin of notional \*\*\*% or company's overall profit whichever is higher. The normal value is \*\*\*BDT/MT.

**(iii) Export Price:**

The producer/exporter has exported \*\*\*MT of PUC during POI to India at a Gross invoice value of \*\*\* BDT/MT. The Gross export price considered as appropriate for comparison with normal value is \*\*\* BDT/MT.

**(iv) Dumping Margin:**

The Authority evaluated dumping margin by comparing normal value and export price at same level of trade as under and disclosed the same in the disclosure statement dated 7.3.2019.

Normal Value (BDT/MT)	Net Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin (BDT/MT)	Dumping Margin (%)	Dumping Margin (% Range)
***	***	***	***	10-20

The above dumping margin has been recomputed in the later paras based on the post disclosure comments.

**B. NON-COOPERATING PRODUCER/EXPORTER/OTHER CATEGORY**

**1. Jute Mills under Bangladesh Jute Mill Corporation (BJMC), Ministry of Textiles**

M/s Jatio Jute Mills Ltd., M/s Latif Bawany Jute Mills Ltd. and M/s Hafiz Jute Mills Ltd. who filed Questionnaires responses but did not file supporting and additional data post on-spot verification in which none of these Mills had cooperated. From perusal of responses it is noted that these three mills have exported PUI to India during POI and a shift in trade pattern from PUC to PUI post levy of ADD is also witnessed. M/s Eastern Jute Mills Ltd. also a BJMC mill filed incomplete response with conflicting data on PUI exports to India through Email with no hard signed copy. The Authority has applied rule 6(8) referencing best available information keeping in view the data of highest Normal value/Dumping margin amongst the cooperating producers/exporters for these producers/exporters.

**2. M/s Alijan Jute Mills Ltd. and M/s Sonali Aansh Industries Ltd. (Related entities)**

The aforesaid producers/exporters has not provided the backup documents for assessment of normal value. M/s Sonali Aansh did not export PUI to India but is related to M/s Alijan Jute Mills Ltd. and therefore considered as a single entity. The Authority has applied rule 6(8) referencing best available information keeping in view the data available on highest Normal value/Dumping margin amongst the cooperating producer/exporter for the aforesaid producers/exporters. Further, since the export price of PUI during POI has been provided, the dumping margin is evaluated by comparing the adopted normal value with the export price at a gross level ensuring comparison at the same level of trade. The Gross export price for PUI to India during POI is to be considered as \*\*\*/MT (\*\*\*/BDT/MT). The dumping margin is worked out in the range of (20-30) %.

**3. M/s Mirza Jute Mills Ltd. and M/s Glory Jute Ltd.**

The aforesaid producers/exporters has not provided the backup documents for assessment of normal value. The Authority has applied rule 6(8) referencing best available information keeping in view the data available on highest Normal value/Dumping margin amongst the cooperating producer/exporter for these producers/exporters. However as the gross export price of PUI during POI was provided, the dumping margin is evaluated by comparing the adopted normal value with the export price at a gross level ensuring comparison at the same level of trade. The gross export price of PUI to India is considered as \*\*\*/MT (\*\*\*/BDT/MT) for M/s Mirza Jute Mills Ltd. and \*\*\*/MT (\*\*\*/BDT/MT) for M/s Glory Jute Ltd. The dumping margin is evaluated in the range of 30-40% for both M/s Mirza Jute Mills Ltd. and M/s Glory Jute Ltd.

**4. M/s Ahvan Jute Mills Ltd., M/s Rajbari Jute Mills Ltd., M/s Northern Jute Manufacturing Company Ltd., M/s Interlink International, M/s South Trade International and M/s R.M. Jute**

The aforesaid producers/exporters have not exported PUI during the POI in this investigation. Nevertheless export of PUC by these entities (producer or exporter as the case may be) entails a specific ADD under relevant category as imposed in the original investigation or if specifically evaluated through a new shipper review if applicable. As specific dumping margin cannot be evaluated, the Authority keeping in view the fact that circumvention is witnessed at a country level had considered such producers/exporters under residual category and further holds that such entities as regards PUI may approach the Authority for review under Rule 28 for appropriate assessment of exports of their PUI to India, if they so desire. The Authority notes that it has been submitted by M/s R.M. Jute that they have not exported PUI during POI and that there is no trade pattern shift in their case. The Authority holds that the trade pattern shift is observed at the country level and if exports of PUI are not there in POI, review provision is available. Further any exports made for bonafide usage in non-sacking bag conversion application are exempted from extension of existing measure if so considered.

M/s Sonali Jute Mills Ltd. did not participate in the on-spot verification. and is treated as non-cooperative.

41. In accordance with the provisions of rule 6(8), the Authority has adopted highest normal value/highest Dumping margin amongst the cooperating exporters for non-cooperating category of producers/exporters.

**H. Assessment of effect of circumvention on existing Anti-dumping measures and Domestic Industry.****H.1 Submissions by Exporters, Importers and Other Interested Parties/Other Parties**

42. Following submissions have been made by other interested parties with regard to effect of circumvention on Anti-dumping measures are as follows-
- The petitioner has given incorrect statement in the written submissions that the import price being reported for sacking cloth is significantly lower than the import price for sacking bag. The import price for product under investigation (Jute Sacking Cloth) is higher than the import price stated by the petitioner in the written submission as shown below:

Period	Sacking Bag Rate Rs./MT	Sacking Cloth Rate Rs./MT
POI	59,616	61,362

- ii. **In the case of** *Circumvention of Anti-Dumping Duty existing on Diclofenac Sodium (DFS) by imports of “Indolinone”, an unfinished form of “DFS”, originating in or exported from China PR dated 15 February, 2017*, Authority has analysed the injury parameters before recommending that the circumventing product (Indolinone) has rendered the duty imposed on the circumvented product (Diclofenac Sodium) ineffective.
- iii. The applicant has not provided any details in the original application to substantiate their claim that circumvention has rendered the duty ineffective. The applicant has also not provided any data on price undercutting. The applicant has just made a hollow claim on para 4.2 of the revised application.
- iv. Without prejudice to our submission that the revised application filed by the application at the belated stage cannot be taken into account, the respondent submits that the alleged circumvention has not rendered the duty imposed on the product under consideration ineffective. In order to substantiate our claim, attention of the Authority is invited to the following facts relating to the product under consideration (Annexure A – Part II of the revised application) which substantiates our claim that the alleged circumvention has not rendered the duty imposed on the product under consideration ineffective:
  - a) The capacity has been increased from 100 (Indexed) during 2014-15 to 102 (Indexed) during POI-A.
  - b) There has been a significant increase in the production from 100 (Indexed) during 2014-15 to 122 (Indexed) during POI-A.
  - c) The capacity utilisation has been increased significantly from 100 (Indexed) during 2014-15 to 119 (Indexed) during POI-A.
  - d) The sales quantity increased significantly from 100 (Indexed) during 2014-15 to 116 (Indexed) during POI-A.
  - e) There has been a significant increase in the domestic sales from 100 (Indexed) during 2014-15 to 114 (Indexed) during POI-A.
  - f) The productivity per day has been increased significantly from 100 (Indexed) during 2014-15 to 121 (Indexed) during POI-A.
  - g) The PBT per unit – Domestic Sales improved from negative 100 (Indexed) during 2014-15 to negative 90 (Indexed) during POI-A.
  - h) The PBIT has been increased significantly from 100 (Indexed) during 2014-15 to 693 (Indexed) during POI-A.
  - i) The cash profit increased significantly from negative 100 (Indexed) during 2014-15 to 2,207 (Indexed) during POI-A.
  - j) There has been a significant increase in the PBIT as % of Avg CE from 100 (Indexed) during 2014-15 to 646 (Indexed) during POI-A.
- v. In order to further substantiate our claim that it is mandatory to establish in all cases including the case of product circumvention that the remedial effects of the anti-dumping duties imposed are undermined or rendered the duty ineffective, kind attention of the Authority is invited to the product circumvention investigation regarding “*Circumvention of Anti-Dumping Duty existing on Diclofenac Sodium (DFS) by imports of “Indolinone”, an unfinished form of “DFS”, originating in or exported from China PR (Final Findings No. 14/22/2014-DGAD dated 15 February, 2017)*”. In this investigation Authority has analysed the injury parameters before recommending that the circumventing product (Indolinone) has rendered the duty imposed on the circumvented product (Diclofenac Sodium) ineffective.
- vi. The injury data submitted by the DI shows that performance of DI on both bags and cloth has been good over the years and alleged claims of injury are unfounded. This further shows that the remedial effects of duty were not vitiated.
- vii. The performance of DI in sacking bags shows that i) Parameters such as Capacity, Capacity Utilization, Production, Sales and Exports have shown significant increases over the injury period

which shows the healthy position of the domestic industry. Such performance in fact demolishes the allegations of injury on account of imports made by the applicant, ii) In terms of price parameters, the increase in selling price was higher than the increase in cost ruling out any price suppression effect on the DI. In fact the profitability improved during the quarters of POI as presented by the DI, iii) Even parameters of profit such as cash profit, PBIT, ROCE showed excellent improvement by the POI which rules out any injury allegedly being suffered by the DI even after imposition of ADD, iv) It is to be noted that there is substantial increase in interest cost of DI and any distress on account of high interest cost cannot be attributed to imports and v) Also, imports of sacking bags have declined with consequent decline in market share and the prices also have substantially increased. Thus, imports of sacking bags have not been creating any pressure on the DI.

- viii. The performance of DI in Sacking Cloth shows that i) Import of sacking cloth continued and increased along with a substantial increase in price. Increase in import along with considerable increase in price cannot be called as having any injurious effect on the DI. Users were ready to pay more and more which shows pick up of demand for sacking cloths in India. Had it been a case of exporters trying to off load more goods, the prices would have come down significantly, ii) Volume parameters of DI concerning sacking cloths showed some declines by the POI. However, this needs to be seen in view of the fact that volume of sacking bags at the end of DI has shown tremendous growth with improved profitability. It has to be believed that the DI concentrated more on sacking bags. Since these types are not independent products, though the DI chose to exclude sacking cloths from PUC in the original case, expectation of same growth on all types may not be a realistic one, and iii) The profitability situation in sacking cloth improved by the POI as can be seen from the data submitted by the DI. Highest losses were not during the POI and situation in POI showed improvements over the injury period.
- ix. Extension of duty is not warranted as the DI is not suffering because of imports and there are apparent other reasons impacting the DI. The points below show that the cause of distress, if any, of the DI is something other than import of PUI and any extension of duty on bags to cloth is highly unjustified;
  - a. DI manufactures 50 KG bags where as imports are of 100 KG bags. Raw Material cost per KG differs as 50 kg bags use finer and costlier RM as compared to 100 KG bag. This fact needs to be considered in case of any comparison to determine injury from imports.
  - b. As per Indian Sugar Mills Association (ISMA) all sugar bags need to be packed only on 50 KG bags. Sugar sector is catered by only Indian producers as imports are only in 100 kg bags. This shows the DI do not face any direct competition from imported product in this significant sector which itself shows the allegation of injury has no nexus to the imports.
  - c. Indian DI unable to full fill Government orders, some of the companies are black listed for not fulfilling Govt. order. The DI should explain the reasons for the same. Any injury on account of DI's failure to supply the goods cannot be put on imports.
  - d. Jute commission fixes the price for DI and they cannot sell above the price fixed by Jute commission. Almost all sales of DI are to jute commission. Hence any injury to the DI is due to the price fixing mechanism through Jute commission and not due to alleged dumped imports, be it bags or cloths.
  - e. DI caters to only 10% of the free market demand. Hence, any injury to the DI need to be calculated based on the sales of DI to the free market and not on total sales.
  - f. As per jute commission notification, 80% of food grains need to be packed in Jute bags. However, private companies are not implementing this order. Hence, this market is being taken over by Plastic bags. DI is not pushing Government to implement this order.
  - g. Cloths to bag following process are involved i.e Cutting, Stitching, Belling and Packing. Such a manufacturing process have been prevalent for many years and started even prior to imposition of ADD. Rather, such process has no connection to the ADD. It is understood that this industry in India employs more than 2000 employee. These workers will be unemployed if duty on bags are extended to cloth wherein cloth was clearly excluded from the scope of PUC earlier by adopting circumvention route.

- x. The contention of injury on account of imports of cloths is baseless and there is no causal link between imports of PUI and also any alleged distress of the DI.
- xi. **From the information provided above, the following facts emerges:**
  - a) **Jute Sacking bags were imported in significant quantities during the POI. Imports of Jute Sacking bags from other countries accounts for 69% of the total imports of Jute Sacking Bags.**
  - b) **The imports of Jute Sacking Bags from other countries accounts for around 70% of the imports of Jute Sacking Cloth from Bangladesh.**
  - c) **The CIF price of the imports of Jute Sacking Bags (Value added product) from other countries is significantly lower (around 8%) than the CIF price of the imports of Jute Sacking Cloth from Bangladesh.**
- xii. Circumvention has not led to undermining remedial effect of ADD. Production, sales, capacity utilization, selling price, PBIT and ROI have all improved.
- xiii. Undermining remedial effects of ADD by way of circumvention needs to be shown in every circumvention case. Reference is made to Indolinone Case.
- xiv. No evidence has been given on the undermining of the remedial effects of the anti-dumping duty. No information has been presented in the petition on the prices of the like articles as well as on the quality of the like products.

## **H.2. Submissions by Domestic Industry**

43. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to effect of circumvention on Anti-dumping measures are as follows-
- i. The requirement in is only to examine whether ADD so imposed is rendered ineffective.
  - ii. Duty is being eroded by exporting Jute cloth in place of Jute Bag and the quantum of duty eroded is around \*\*\* Rs./MT. Landed price of jute sacking bags along with the ADD has been compared with the derived prices of Jute sacking bag if imported in the form of Jute Sacking cloth and the subsequent value addition is considered.
  - iii. Since imposition of duty, imports of sacking cloth intensified and took over the imports of sacking bag. Prior to imposition duty, imports of sacking cloth were marginal. Imports of sacking cloth in POI of the original case were almost 3000 MT and in present POI are around 39000 MT. Imports of sacking bag were around 35,000 MT in 2014-15 which rose to 60,000 MT in 2015-16, went down to 13,000 MT in POI of the present case. There has been a complete shift from Jute bag to Jute cloth.
  - iv. Upon initiation of the present investigation, imports of Jute sacking bag suddenly revived and imports of cloth slightly declined. The percentage of imports of sacking bags was 5% in March 2018, which has shot-up to 48% in April 2018 upon initiation.
  - v. The landed value of the PUC derived from the prices of the PUI is much below the landed prices of the imported PUC even with the ADD. In fact, the landed value of the PUC derived from the PUI is much below the levels of PUC being imported prior to the imposition of the duty. This has rendered the duty ineffective.
  - vi. The derived PUC is undercutting the selling prices of the PUC by a significant margin.
  - vii. The dumping margin is significant and above de minimis levels.
  - viii. International Labour Organisation (ILO) recommends that manual loading and unloading operation should be restricted to 50 kg keeping in view the safety and health of workers involved. Loading above 50 kg has been recommended for handling through mechanised process. Keeping this in view, procurements made by Government and State Procurement Agencies is for 50 kg bags. For private sector the use of 50 kg bags is advisory only and they are free to use 100 kg bags based on their choice. Thus sales made to Government are only of 50 kgs and sales made to open market include largely 100 kg bags. Thus, the contention that there is a segregation of market in terms of weight is incorrect.

### H.3 Examination by the Authority

44. *Explanation to Rule 25 provides as follows:*

*Explanation. - For the purposes of this sub-rule, it shall be established that there has been a change in trade practice, pattern of trade or channels of sales if the following conditions are satisfied, namely: -*

*(a) absence of a justification, economic or otherwise, other than imposition of anti-dumping duty;*

*(b) evidence that the remedial effects of the anti-dumping duties are undermined in terms of the price and or the quality of like products.*

45. As regards price of PUI, the Authority has examined whether PUI is dumped based on the data of the producers/exporters as verified. Further, the DGCI&S data for overall trade of PUC and PUI is referenced besides the producer/exporter specific data.
46. An essential aspect in an anti-circumvention investigation is the establishment of the undermining of the remedial effects of the anti-dumping duty imposed. The manner in which and to the extent the circumvented product is undermining the duty imposed and thereby rendering such duty as redundant is important to be analyzed. The authority has examined whether the remedial effects of anti-dumping duties are undermined in terms of market share and price suppression due to impact of shift in trade by increased imports of PUI from the subject country.
47. As regards the argument that the DI produces only 50kg bags whereas imports are of 100 kg bags, the Authority notes that domestic industry supplies both to Government orders and in open market of 50 kg and 100 kg specs. The undermining of remedial effect is considered for open market.
48. As regards the argument of the interested parties that injury examination needs to be conducted for the domestic industry in circumvention investigation as has been done in the matter of DFS, the Authority notes that detailed injury examination has been done in the original investigation and that in a circumvention investigation the undermining effect of anti-dumping imposed needs to be assessed. Even in the cited anti circumvention case of DFS, the Authority had collected information on various parameters, and in particular examined price undercutting and market share for examining the undermining effect of AD duties imposed on PUC by way of circumvention.

#### **H.3 (a) Change in market share of PUC in open market due to PUI imports**

##### **Market share of Indian Industry as a whole and also petitioner DI**

49. The petitioner has argued that significant increase in imports of Sacking Cloth has impacted the market share of PUC of the Indian industry in the open market. In order to analyze the shift in the domestic market, changes in the share of market of PUC and PUI for Indian Industry and subject country has been examined since the POI considered in the original investigation. The petitioner has provided sales of PUC by the Indian producers as a whole since 2011-12 in the Government market and also in the open market as per the IJMA's monthly bulletin. As the usage of PUI is primarily for PUC, the Authority has examined the market share of the domestic industry considering sacking bag and sacking cloth in totality as shown in the table below:
50. Authority has also analyzed market share of the applicant domestic industry and notes that the movement of market share of the applicant domestic industry shows a similar trend to that of the Indian Industry as depicted in the table below:

SN		2014-15	2015-16	2016-17	POI Oct 16 -Dec 17	POI Annualised
1	Indian Industry	1,69,000	1,11,000	82,000	1,13,000	90,400
2	Domestic Industry	74,083	37,277	24,396	33,660	26,928
3	Subject Country	48,064	70,575	45,238	52,296	41,814
4	Other Countries	28,411	21,646	15,190	27,936	22,349
5	Total Demand	2,45,475	2,03,221	1,42,428	1,93,232	1,54,563

<b>Market share in demand</b>						
6	Indian Industry	69%	55%	58%	58%	58%
7	Domestic Industry	30%	18%	17%	17%	17%
8	Subject Country	20%	35%	32%	27%	27%
9	Other Countries	12%	11%	11%	14%	14%
10	Total	100%	100%	100%	100%	100%

51. It is seen from the table above that the demand has declined by 37% from 2014-15, however market share of imports of PUC and PUI combined have increased in the POI as compared to the base year. The market share of the domestic industry was 30% in 2014-15 (POI of the original case) which remained at 17% in the POI of the present case despite imposition of ADD. The market share of imports of PUC and PUI was 20% in 2014-15 which thereafter increased to 27% in the POI. Thus, market share of imports have increased and the domestic industry has declined in open market after imposition of anti-dumping duty.

### **H.3 (b) Erosion of Efficacy of existing AD Duty on PUC during POI**

52. The Authority has examined that the impact of circumventing product i.e., dumped PUI from the subject country by comparing the landed values of imports of PUC (with ADD) and PUI (with no measure) during POI from the subject country with its price depressing effect after conversion to PUC on:

- (i) the net sales realization of PUC of Domestic Industry and
- (ii) Erosion of efficacy of ADD on PUC.

The following Tables depicts the erosion of efficacy of existing anti-dumping measures on PUC.

<b>SN</b>	<b>Parameters</b>	<b>Magnitude</b>
1	Imports-Quantity of PUC (MT)	12,828
2	Landed Price of PUC (Rs./MT)	65,150
3	Anti-Dumping Duty (Average) on (Rs./MT)	8,477
4	Landed Price of PUC with ADD (Rs./MT)	73,628
5	Landed Value of Sacking Cloth (PUI) (Rs./MT)	56,063
6	Value Addition (%)	5.00%
7	Value Addition (Rs /MT)	2,803
8	Constructed Landed Price of Sacking Bag from imported PUI (Rs./MT)	58,866
9	Erosion of AD Duty (Rs./MT) (Gain thereof)	14,762

### **H.3 (c) Effect of circumvention on Net Sales Realization of PUC of DI during POI**

53. The following tables depicts the price impact of circumventing product on net sales realization of PUC of Domestic Industry.

<b>Price undercutting of Sacking Bag with ADD</b>		
<b>SN</b>	<b>Particulars</b>	<b>Value</b>
1	Landed Value of Sacking Bag with ADD (PUC) (Rs /MT)	73,628
2	Net Sales Realization of Sacking Bag (PUC) (Rs /MT)	***
3	Price Undercutting (Rs /MT)	***
4	Price Undercutting (% range)	0-(5)%

Price Undercutting by PUI of PUC		
SN	Particulars	Value
1	Constructed Landed Price of Sacking Bag (Rs /MT)	58,866
2	Net Sales Realization of Sacking Bag (Rs /MT)	***
3	Price Undercutting (Rs /MT)	***
4	Price Undercutting (% Range)	15-20

54. It is noted that price undercutting by landed value of PUC with average anti-dumping duty is negative whereas landed price of imports of PUC as constructed from the landed price of imports of PUI is significantly lower than the net selling price of the Authority. The Authority holds that the above price undercutting of PUC through circumvention phenomena has in fact adversely impacted the market share of PUC of the applicant domestic industry in the open market which was not rectified as envisaged through the imposition of original AD measure on PUC.
55. As regards PUI being sold at higher price than PUC, the Authority notes that in a situation of circumstances wherein Value addition of conversion is much lower than the imposed measure on PUC, the Producer/exporter have incentive to realize more value in PUI as compared to PUC which entails AD measure. Therefore undermining remedial effect and erosion of efficacy of AD has been examined comprehensively. The Authority also in later paras has reiterated that for producers/exporters whose dumping margin is above de minimis, the commercial gain due to erosion of AD duty on PUC has benefitted such producers/exporters. The Authority nevertheless has established that PUI is dumped as per the relevant provision of AD rules.

#### I. Post Disclosure Comments

##### I. 1(a) The Bangladesh High Commission has enclosed submissions to them by Rahman Jute Mills Ltd. and Mouna Jute Mills Ltd. and submitted the following:

##### - Dumping margin

55. Notional profit margin for respective producer has been adopted by adding abnormally high profit including the impact of subsidies. This has increased the normal value and in case of number of producers it has resulted into positive Dumping Margin (DM) (more than 2%). This practice is in deviation from the original investigation in which the Authority has considered 5% profit margin as reasonable profit to construct the Normal value.
56. Further, since the impact of subsidy has not been considered in cost of production (COP) or sales realization, the profit margin should be the difference between sales realization and cost of production (COP) only. No impact of subsidy should be added for the reasons given below:
- Past Practice of the Designated Authority shows that it has adopted 5% profit margin to construct the Normal Value. Profit margin were taken 5% in the original Investigation.
  - Profit is the difference between Selling Price and Cost.
  - Subsidy is neither considered as part of Selling Price not deducted from cost of production, not even in the original investigation.
  - No subsidy is receivable in case of domestic sales. It is submitted that subsidy is received in respect of export sales and not in respect of domestic sales. Hence while working out Normal Value based cost of production in domestic market, impact of subsidy shall not be taken.
  - Actual profit earned in respect of PUC for the PUI for the period of investigation not including subsidy should be adopted. Profit earned in respect of other products shall not be considered.
  - In most of the cases subsidy is not related to POI as the same is based on cash basis and not accrual basis. There is a difference between applications of subsidy claim and receipt and recorded of the same period. The subsidy is recorded only when the same is received in bank. For the POI the subsidy is recovered almost one year after the documents are filed.

In view of the reasons given above, it is submitted that the Authority shall consider average profit margin earned in respect of PUC and PUI and not include profit of other products which are not under investigation without the impact of subsidy being added to the same.

57. Violation of Article 2.2.1.1.

The authority has revised the cost of production (COP) of numbers of participating companies based on some hypothetical assumptions. This is a clear violation of Article 2.2.1.1. of the AGREEMENT ON IMPLEMENTATION OF ARTICLE VI OF THE GENERAL AGREEMENT ON TARIFFS AND TRADE 1994. This article requires the investigation Authority to accept the cost of production (COP) of participating exporters, if the records of companies are maintained in accordance with Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) of the exporting countries.

58. The participating producers/exporters have provided audited accounts duly certified by the Auditor for the Year 2016-17, 2017-18 and for the POI 1<sup>st</sup> October 2016-31<sup>st</sup> December 2017. The participating producers/exporters have also provided the cost of production (COP) details duly certified by the auditor along with the certificates that the accounts of the company are maintained as per Bangladesh Financial Report System (BFRS) and Bangladesh Accounting system (BAS).

59. Modification of input cost

In case of some of the participating companies, the Authority has not considered the claims of raw material cost used for manufacture of Sacking Bags/cloth. It is submitted that sacking is produced out of waste, cutting and lowest grade of Raw Jute. In a multiple product manufacturing company different grades of raw jute are used for different products. For instance, to produce Hessian Cloth and Yarn the highest grades of raw jute are used whereas for Sacking Cloth and Bags lowest grade along with cuttings and wastage generated in manufacture of Hessian Cloth and Yarn are used. This aspect was clearly demonstrated in the petition filed by the Domestic Industry in the original investigation and was recognized by the Designated Authority in determination of Non-Injurious Price and other parameters.

In view of the forgoing it is submitted that raw material cost as claimed by the Producers/exporters must be accepted without any modifications.

**I. 1(b) M/s Tracolegal representing M/s Jute Textile Mills Ltd. have provided following comments:**

60. In Para 12 of the disclosure statement, it has been recorded that circumvention of anti-dumping duties in the form of a product type (PUI) does not mean that the product type (PUI) should be a new product. The Rule 25 (1) (a) provides that circumvention exists when imports of PUI starts or increases after imposition of measure on PUC. This indicates that the PUI could be in existence and imported even prior to imposition of AD duties on PUC. In this regard, it is submitted that the submissions related to the analysis and reasons for the exclusion of PUI from the original investigation and the rule of estoppel have not been examined in the disclosure statement and only a fact has been recorded that the product under investigation need not be a new product. It is therefore requested that the Authority to examine and analyse the submissions relating to the specific exclusion of PUI and rule of estoppel. It will indicate that the present investigation is fit for its termination.
61. With regard to the facts recoded in the disclosure statement in the same Para that the final finding dated 15.02.2017 in the case of Diclofenac Sodium DFS wherein the penultimate stage product was investigated for circumvention even though the same was being manufactured by domestic industry for producing PUC, it is submitted that the facts in that investigation and the current investigation are different. Further, the recoding of the aforesaid case in the disclosure statement is in a different context but not with respect to our submissions for reasons and analysis of exclusion of Jute Sacking Cloth from the original investigation and the rule of estoppel.
62. It is also reiterated that in the original investigation, the domestic industry, with its conscious decision, did not include Jute Sacking Cloth and categorically mentioned that other types of the jute goods are beyond the scope of the present investigation. The relevant excerpts from the final findings in the original investigation with regard to submissions of the domestic industry are reproduced in the submissions.

63. It is therefore clear that the domestic industry in its submissions in the previous investigation has categorically mentioned in its submissions which have been recorded in para 24(a) in the final findings of the original investigation that **other types of jute goods are beyond the scope of the present investigation**. The domestic industry in the original investigation has itself admitted and acknowledged that the process of manufacturing the next stage products i.e. Hessian, Fabric, Jute Sacking Cloth, Jute Sacking Bags etc. from Jute Yarn are a result of slight incremental process. There was no point for the domestic industry to exclude the Jute Sacking Cloth from the product under consideration in the previous investigation more so when it was an intermediate product between Jute Yarn and Jute Sacking Bags and a necessary product for Jute Sacking Bags. However, Jute Sacking Cloth was specifically and consciously excluded from the purview of the original investigation by the domestic industry and it included only the next stage product i.e. Jute Sacking Bags. Therefore, it is not right and appropriate to allege circumvention on the product which was consciously excluded from the original investigation and the continuation of the current investigation is beyond imagination. It may also be seen that the current investigation is also hit by the Rule of Estoppel as when the domestic industry has consciously excluded the product Jute Sacking Cloth from the purview of the original investigation, the domestic industry is now stopped from alleging circumvention of the product Jute Sacking Cloth in the current investigation. Attention of the Authority is drawn to the Section 115 of the Indian Evidence Act, 1872 with regard to Estoppel.
64. The domestic industry has intentionally omitted Jute Sacking Cloth from the purview of the original anti-dumping investigation, the domestic industry has been estopped from taking action against Jute Sacking Cloth on the pretext of circumvention as the exporters from Bangladesh have exported Jute Sacking Cloth in good faith believing that Jute Sacking Cloth is not subject to anti-dumping duties as it was intentionally and specifically excluded from the purview of the original investigation. This is in itself a sufficient ground for the termination of the current investigation.
65. From the above, it can be concluded that there was no case against the Jute Sacking Cloth including absence of dumping and injury in the original investigation. The domestic industry at the time of oral hearing stated that the activity of Jute Sacking Cloth was very small, therefore, the same was not included as part of the original anti-dumping investigation. It is submitted that this submission of the domestic industry is misleading and incorrect. It may be seen that the Jute Sacking Cloth is a penultimate and necessary product for the manufacture of Jute Sacking Bags as without the production of Jute Sacking Cloth, Jute Sacking Bags cannot be manufactured. Therefore, the activity of the Jute Sacking Cloth was at par and significant with the activity of Jute Sacking Bags.
66. The domestic industry in their submissions have stated that PUI is not a different product than the PUC. It is clear that the PUI could have been included in the original investigation and that the PUI cannot be made subject to anti-circumvention investigation.
67. The domestic industry is trying to get the scope of the product under consideration extended and to get the anti-dumping duties imposed on Jute Sacking Cloth by getting the current circumvention investigation initiated on Jute Sacking Cloth.
68. The Authority in the original investigation carried out separate analysis of dumping and injury for each type/class of the Jute products and also recommended separate duty for each type/class of Jute Products. It is therefore submitted that within the framework and rational or reasons for defending the definition of the product under consideration in the original investigation, there was no reason for not including the Jute Sacking Cloth in the original investigation as it is an intermediate product and involves a small incremental cost from Jute Yarn even less than the incremental cost in manufacturing the Jute Sacking Bags from Jute Yarn.
69. With regard to the standing of the domestic industry in the current investigation, it is submitted that the initiation of the current investigation is not in accordance with the anti-dumping law in India. The Rule 26 specifically lays down that the application for circumvention investigation has to be by or on behalf of the domestic industry whereas from the facts and evidence available on record, it is clear that the application submitted by the applicant Association was not on behalf of the domestic industry. Only an authorization from Indian Jute Mills Association and the list of the 35-member mills of the association has been provided. It is submitted that the applicant association has nowhere in the application has identified the total number of domestic producers of product under consideration and how many of them are the members of the association. They have also not provided the details of the

total domestic production of product under consideration and also the details of the production of the member mills of the association have not been provided. Therefore, the present investigation is required to be terminated on this ground alone.

70. The applicant association on page 7 of the petition has itself stated and admitted that the petition has been filed by Indian Jute Mills Association (IJMA), on behalf of the producers of subject goods, thus, it must be deemed that the all the members of the applicant association have supported the petition. We are not able to appreciate as to how come in the absence of the specific resolution of the Association for authorizing the filing of the current application or in the absence of the authorization from the members of the association, it can reasonably be concluded that the application for the current investigation was on behalf of the domestic industry. Therefore, in the absence of such details on record, it clearly indicates that the application for initiation of the current investigation was not on behalf of the domestic industry and is required to be terminated forthwith and may not be continued.
71. The submissions concerning the initiation of the current investigation have been included in the disclosure statement, however the same have not been analysed and examined. It is requested from the Authority to analyse & examine the same in the final findings. It is reiterated that the initiation of the current investigation on the basis of the selected POI i.e. 1st October 2016 to 30th September 2017 is fundamentally and the Rule 25 (1) of the Anti-dumping Rules is referred in the submissions. Therefore, it is submitted that a product will be subject to circumvention investigation only when the anti-dumping duty has been imposed on a particular article. In case, the duties have not been imposed on that article, it cannot be made subject to the circumvention investigation. The anti-dumping duties on the Jute products was imposed on 05th January 2017 vide Customs Notification No. 01/2017-Customs (ADD) and the POI selected covers the period from 1st October 2016 to 30th September 2017 and includes the period from 1st October 2016 to 04th January 2017 for which there was no anti-dumping duty in existence on the Jute products. Therefore, there is no legal sanctity for examination of allegation of circumvention for the aforesaid period i.e. 1st October 2016 to 04th January 2017 (more than 3 months) being an integral part of the POI.
72. With regard to the pattern of trade, it is submitted that the PUI is not only exported to India but also it is being exported to other countries. The export of PUI was made to other countries even prior to the exports to India and that the exports of PUI to other countries were always higher than the exports to India. Therefore the change in trade pattern concerning the exports of Jute Sacking Cloth has been taking place at the same time for India and as well as for the other countries. Had the exports of PUI were only to India and not to other countries then it could have been concluded the change in trade pattern as a result of levy of the anti-dumping duties in the original investigation but not under the case of our client M/s Jute Textile Mills Pvt. Ltd. With respect to the determination of normal value for the exporter represented by us, we request the Hon'ble Authority for the consideration of WIP as part of the cost of production.
73. With regard to imports provided by the domestic industry from time to time is submitted that there are significant differences. It clearly indicates that the initiation of the current investigation was made on the basis of the wrong information and the domestic industry changed the import data at their will to suit the needs of the case.
74. With regard to undermining of remedial effects, it is submitted that the case of the domestic industry with regard to current investigation concerning the Jute Sacking Cloth is not tenable and the same may please be terminated in the interest of justice as the allegation of undermining of measures has been depicted on the basis of landed value which is based on changed figures than the figures already available on record.
75. In Para 48 of the disclosure statement, it has been recorded that as the usage of PUI is primarily for PUC, it is proposed to examine the market share of the domestic industry considering sacking bag and sacking cloth in totality. It is submitted that there are no reasons recorded in the disclosure statement for carrying out the analysis of market share on the basis of combined figures of sacking bag and sacking cloth apart from the use. It is submitted that the analysis of market share may please be carried out on the basis of jute sacking cloth only with a view to examine the undermining effect of measures and not on the basis of combined figures of the two as it will depict different picture than the actual one. With respect to duty erosion and price undercutting, it is submitted that there is no duty erosion and price undercutting on the basis of exports by our client.

**I. 1(c) M/s M.S. Pothal & Associates Chartered Accountants representing (i) M/s Partex Jute Mills Limited, (ii) M/s Sarah Composite Mills Limited, (iii) M/s Kurigram Jute Processing Works, (iv) M/s Nawhata Jute Mills Limited, (v) M/s Sidlaw Textiles (Bangladesh) Limited, (vi) M/s Mymensingh Jute Mills Limited, (vii) M/s Asha Jute Industries Limited and (viii) M/s Purabi Trading have provided the following comments:**

76. The Disclosure statement at Para 12 states that “The Rule 25 (1) (a) provides that circumvention exists when imports of PUI *starts or increases* after imposition of measure on PUC. This indicates that the PUI could be in existence and imported even prior to imposition of AD duties on PUC”. We respectfully it is submitted that this view needs reconsideration. The dispute in the present case is not merely that the import was taking place in the original matter still it was not covered under the duty. The dispute is that the PUI was getting imported and the PUI was excluded calling them “Non PUC” which is apparent in the import segregation submitted by the DI. Thus, a Non PUC has now become PUC. The question is how a product type which was found as Non PUC now become a like product?. The DI ought to have filed a petition for fresh investigation concerning the PUI here which was found as Non PUC in the original case. The PUI was earlier excluded from the scope of PUC not because its import was negligible but clearly because the PUI was identified as a Non PUC item. The Authority should not permit this sort of a back door entry to a Non PUC item to the PUC bracket.
77. The Disclosure statement at Para 12 also says that “the Authority in this regard also recalls the final finding dated 15.02.2017 in the case of Diclofenac Sodium DFS wherein the penultimate stage product was investigated for circumvention even though the same was being manufactured by domestic industry for producing PUC. It is respectfully submitted that the reference to the DFS case is absolutely not in context. In DFS case even though the penultimate stage product was being manufactured, the same was not termed specifically as Non PUC item. Anti-circumvention Rule is not to convert a Non PUC into PUC the way in which it is proposed the Disclosure statement.

**78. Exporter Specific Comments**

**(i) M/s Sarah Composite Mills Limited**

- a) The Disclosure statement states that the Company’s cost of production could not be verified/authenticated and it is also said that even though there are sales of PUI to countries other than India, the appropriate approach for evaluating normal value is to adopt highest cost of production amongst the cooperating producers/exporters.
- b) In this regard, it is submitted that the company has provided the following details to authenticate its cost;
  - Cost of production and Profit & Loss account for POI duly certified by the Auditors,
  - Certificate from management as well as Auditors with regards to Audited Accounts for POI, Accounts/Financial Records are maintained and reported as per applicable BFRS & BAS of Bangladesh, was also provided which was asked by the department vide mail dated 28.2.2019.
  - In the verification report, the Company was asked to provide raw material invoices which were provided along with comments on verification report.
  - COP should be calculated based on audited data.
  - Also, there is no justification for rejection of 3<sup>rd</sup> country sales data for the purpose of calculation of NV. The approach of adopting highest cost of production among the cooperating producer when Sarah Composite Mills Limited was fully cooperating with the Authority is highly unjustified and is against the WTO AD Agreement and Laws.
  - The duly authenticated COP of Sarah Composite Mills Limited alone be considered for working out the NV and as an alternative method 3<sup>rd</sup> country price of exports of Sarah Composite Mills Limited is also provided to the Authority which should alone form the basis of NV of Sarah Composite Mills Limited.

**(ii) M/s Kurigram Jute Processing Works**

- a) The Disclosure statement says with regard to Normal Value of Kurigram Jute Processing Works that Ex-factory COP plus reasonable profit is proposed to be adopted for evaluating normal value wherein the overall profit of the company is considered.

- b) In this regard submitted in this regard that the profit percentage as proposed includes impact of subsidy which is not a correct methodology. It was clarified to the verification Team of DGTR that to encourage exports, a subsidy is granted by Government by way of payment through Bank after due process in respect of exports of Jute products. The same is reported as a separate income head in the Income Statement. All documents pertaining to subsidy were provided to the verification team. As per the Final Findings issued in the original investigation also, the impact of subsidy was neither considered in cost nor was the same added to the sales realization to work out the dumping margin by the Authority. In view of the past methodology also, the proposed methodology of adding subsidy to profit margin is incorrect. Further, since the impact of subsidy has not been considered in cost of production (COP) or sales realization, the profit margin should be the difference between sales realization and cost of production (COP) only.

**I. 1(d) M/s Sagar Jute Spinning Mills Ltd. have provided the following comments:**

79. As per the disclosure statement issued by the Authority, it is found that the COP calculated for Sacking cloth is BDT 72,346 per MT. The normal value needs to be calculated at Ex-factory level, however this COP is not the Ex-factory cost. It is requested to deduct BDT 2,532 per MT as post factory expenses. It is submitted that all costs are post factory cost hence needs to be deducted while calculating COP.
80. The profit percentage is calculated after taking into consideration Export subsidy. It is requested not to take that in to consideration for the following reason:
- (i) Subsidy income is not included while calculating net export price,
  - (ii) Subsidy income is not excluded while calculating COP
  - (iii) If it is neither taken on sales realization nor taken on COP it should not be taken in to consideration while calculating profit margin.
  - (iv) During the original investigation the same was also not taken in to consideration.
  - (v) Subsidy is received on exports, whereas COP is being worked out for normal value which is in Lieu of domestic selling price, hence should be part of profit margin.
81. The adjustments calculated by the Authority are Inland freight, credit cost and bank charges. However the amount of credit cost and bank charges are incorrect.
82. The Authority calculates dumping margin weighted average for all related companies. In this regard, it is submitted that M/s Sagar Jute Spinning Mills Ltd., has related company namely M/s Sidlaw Textiles (Bangladesh) Ltd., Bangladesh, who is also involved in production and sales of PUC, PUI and other jute products. M/s Sidlaw Textiles (Bangladesh) Ltd., Bangladesh, has separately filed Exporters Questionnaire responses with DGTR. The same has also been mentioned in the response filed by M/s Sidlaw Textiles (Bangladesh) Ltd.
83. Referring to the Trade notice No. 9/2018 dated 10.05.2018, it is submitted that both Sagar and Sidlaw are related company hence the dumping margin needs to be calculated on weighted average basis. The same approach was also followed in the original investigation by the Authority.

**I. 1(e) M/s PWC representing M/s Afil Jute Mills Ltd., M/s Jobaida Jute Mills Ltd. and M/s RM Jute Diversification Mills Ltd. have provided the following comments:**

**84. Exporter Specific Comments:**

**1. M/s Jobaida Jute Mills Ltd. and Afil Jute Mills Ltd.**

**-Trade Pattern Shift:**

- (i) The Authority has not analyzed the shift in the pattern of trade or circumvention for its company. The Authority has merely mentioned a statement that the pattern of trade of PUC and PUI depicts shift in trade pattern towards PUI from PUC due to levy of ADD on PUC. It is reiterated that the respondent has exported the PUI to India purely on the basis of demand and fair business principles without any intent to circumvent the anti-dumping duty imposed on the imports of Jute Sacking Bags from Bangladesh.

- (ii) It is further submits that exports made to the third countries is a relevant parameter while carrying out the shift in the pattern of trade or circumvention analysis. The Authority has completely ignored the fact that the respondent has exported significant quantities of PUI to other countries during POI as well as post POI. In order to substantiate our claim that third country sales is an important parameter for shift in the pattern of trade or circumvention analysis. Emphasis was laid on first para on page no 68 of Final Findings in the case of Anti-Circumvention investigations concerning imports of Cold-Rolled Flat Products of Stainless Steel originating in or Exported from China PR, Korea, European Union, South Africa, Taiwan, Thailand and USA (F. No. 14/1/2014-DGAD dated 18th August, 2017).
- (iii) It is therefore important to note that exports to third countries is a relevant parameter while carrying out the shift in trade pattern or circumvention analysis. So, the respondent requests the Authority to consider its exports to third countries while carrying out its circumvention analysis.

#### **-Dumping Margin**

- (iv) It is submitted that the methodology proposed for the determination of the normal value and proposed normal value is flawed on account of the following reasons:
- a) The Application of overall profitability for the calculation of the normal value is wrong and against the consistent practice of the Authority to consider 5% as reasonable profit as:
- Overall profit is not related to the same category of goods. It is submitted that Yarn and Cloth or Bag are not the same category of products. Further, Sacking quality of products and Hessian or other premium quality of products are also not the same category of products as premium quality of products are made from the highest quality of raw jute which can be substantiated by referring to the original investigation of 'Jute products' viz- Jute Yarn/Twine (multiple folded/cabled and single), Hessian fabric, and Jute sacking bags from Bangladesh and Nepal (F.No. 14/19/2015-DGAD dated 20<sup>th</sup> October, 2016) in which Authority had categorically noted that the products type consisting of Yarn/Twine, Sacking Bags and Hessian Fabric is diversified and not same product type.
  - Considering 5% as the reasonable profit for the construction of normal value is the consistent practice of the Authority. The respondent submits that the Authority has considered 5% as a reasonable profit in plethora of cases including the original investigation of Jute, SDH Equipment, Phthalic Anhydride, Solar Cells, Resorcinol, USB Flash Drives, Sodium Tripoly Phosphate, etc.
  - With specific reference to M/s Jobaida Jute Mills Ltd. it is submitted that Comparison of normal value including subsidy with export price excluding subsidy is not a fair comparison in terms of the provisions of the AD Rules, 1995 and WTO Agreement as it is in gross violation of the Para 6 of Annexure-I of the AD Rules, 1995 and Para 2.4 of the WTO Agreement which advocates that due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sale, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which affect price comparability.
- b) Calculation of normal value considering average rate of raw jute is baseless – It is evident from the costing details shared by the Authority that average rate of raw jute inflated by a normal loss of \*\*\*% has been used for the calculation of the raw jute cost per MT. It has been also noted that the Authority has considered the purchase value and not the consumption value for the calculation of the average rate of raw jute. It is reiterated that the respondent used cutting of raw jute in significant proportion for the manufacture of PUI during the POI. The details of the batch composition used for the manufacture of PUI have been already provided to the Authority which can be substantiated a web research from Tax Learner website. It is submitted that the respondent regularly uses cutting of raw jute, wastage and low quality of raw jute for the manufacture of PUI as it is a downgraded product. Accordingly, it is requested from the Authority to consider the average rate of the low quality of raw jute of BDT 36,254 per MT for the calculation of the normal value. In the original case, the applicants had claimed the raw material cost for Hessian Fabric 76% higher as compared to the raw material cost for sacking bag. It is therefore submitted that the respondent has provided the complete details of the production and consumption value of raw jute, which has been also acknowledged in the verification report. The consumption and production quantity are as per the Audit Report of the respondent for the POI. So, we request the Authority to

calculate the total consumption of raw jute in MT by inflating the total production by 2% for normal waste and calculate the average rate of raw jute based on the total consumption value of raw jute

- c) With reference to M/s Jobaida Jute Mills Ltd. It is requested to adopt production value as the basis of allocation in line with the practice followed for Afil Jute Mills Ltd and other cooperating exporters to allocate total cost of Consumables, Utilities, Manufacturing Overhead, Direct Labor, Depreciation on PUI.
- d) With reference to M/s Jobaida Jute Mills Ltd. it is submitted that Freight cost considered for the calculation of normal value is flawed. The Factory Cash Payment Voucher along with details of dispatch to substantiate the inland freight cost incurred for exports of PUI to India. This fact has been also recorded in the verification report. The exports to India were made through Beanpole land port. So, no overseas freight cost was incurred. The breakup of the Freight Cost and Transport & Handling Bill (Export) was provided in the ledger dump submitted as sl. no. 6 of the verification documents.
- e) With Specific reference to M/s Afil Jute Mills Ltd., it is requested to adopt production value as the basis of allocation for Other Raw Material (Nature of Consumables / Spares) as applied for Consumable, Labor, Depreciation, Utilities, Repairs & Maintenance, Agriculture Expense and Other Miscellaneous Expenses – It has been noticed that the Authority has used the production quantity ratio for the allocation of total Other Raw Material Cost to PUI while production value method has been used to allocated total cost of Consumable, Labor, Depreciation, Utilities, Repairs & Maintenance, Agriculture Expense and Other Miscellaneous Expenses to PUI. Further, the other raw materials includes expenses in the nature of consumable / spares and not a raw material. The details of the other raw material have been already filed in sl. no 14 of the verification documents
- f) There is a typographical error in the bank charge for exports price to India of PUI.

## 2. M/s R.M. Jute Diversification Mills Ltd.

### - Trade Pattern shift

- (i) The Authority has neither recorded the submissions made by the respondent regarding circumvention nor examined its pattern of trade despite being a fully cooperative exporter. The Authority has proposed in Para 4 on page 59 of the disclosure statement to consider the respondent under the residual category since it had not exported the PUI during the POI and circumvention is witnessed at a country level. In this context, it is submitted that the respondent has fully cooperated with the investigation and provided all the information and requested data to the Authority within the prescribed time frame.
- (ii) The Authority has proposed in Para 26 of the disclosure statement to consider the trade pattern shift in PUI from PUC on the basis of data provided by the cooperating producers/exporters. However, despite cooperating fully with the investigation, Authority has not undertaken the pattern of trade analysis for the exporter in contradiction to the methodology proposed in para 26 of the Disclosure statement.
- (iii) It is further submitted that the first condition enunciated in the law is that there should be circumvention of the duty imposed on the product under consideration in the form of altering the description or name or composition of the article subject to such anti-dumping duty or by import of such article in an unassembled or disassembled form or by changing the country of its origin or export or in any other manner. The relevant provisions of i.e. Section 9A(1A) of CTA and Rule 25 of AD Rules is referenced.
- (iv) Fact that as per Rule 26(4) of the AD Rules, Authority needs to prove dumping to initiate an anti-circumvention investigation. However, no discretion has been provided under the AD Rules to not undertake the pattern of trade or circumvention analysis for a cooperative exporter in case it is not possible to calculate its dumping margin on accounts of no exports of PUI to India during the POI or circumvention is witnessed at a country level.

- **Dumping Margin**

- (v) It is reiterated that the exporter has not circumvented the anti-dumping duty imposed on the imports of Jute Sacking Bags from Bangladesh.
- (vi) The company has neither circumvented the anti-dumping duty imposed on the imports of Jute Sacking Bags from Bangladesh nor has any intent to circumvent it. The company has fully cooperated with the investigation. Therefore, the Authority is requested to not extend the anti-dumping duties against the exports of Jute Sacking Cloth by the company to India.
- (vii) Without prejudice to above submissions, the respondent submits that it has neither exported PUC nor PUI in the POI of the original investigation or in the POI of the ongoing investigation. So, the respondent requests the Authority to note or confirm in the final findings that it is eligible to file an application for new shipper review for PUC and PUI under Rule 22 of the AD Rules.

**85. Comments on other issues:**

**a) Scope of Domestic Industry and Standing**

- (i) The Authority has noted in para 17 & 18 of the Disclosure Statement holds that the domestic producers constitutes a major proportions of the total Indian production and considered them as an eligible domestic industry in terms of Rule 2 (b). Further, it has been stated that the test of 25% and 50% are not *per se* applicable for an investigation initiated under Rule 26. In this regard, the Authority has held that the test of 25% and 50% are not *per se* applicable for an investigation initiated under Rule 26 as not in accordance with the provisions of the law. It is understood that the Authority has reached to this conclusion based on the following basis.
  - Rule 26(5) of the AD Rules only mentions that the provisions regarding evidence and procedures under Rule 6 shall apply *mutatis mutandis* to any investigation carried out under this Rule. Nothing is mentioned about the applicability of Rule 5 and other Rules of the AD Rules.
  - The applicant companies participating in the present investigation had also participated in the original investigation. The present investigation is for the extension of duties.
- (ii) However, attention of the Authority was invited to Rule 5(1), Rule 26(1), Rule 5(3) and Rule 26(5) of AD Rules. From the perusal of these rules the following facts emerges:
  - The legislator has used the word '*by or on behalf of the domestic industry*' in Rule 26(1), Rule 5(1) and Rule 5(3) (a) of AD Rules.
  - The meaning of the term '*by or on behalf of the domestic industry*' is defined only in explanation to Rule 5(3) of AD Rules.
  - Rule 26(5) does not specifically mentions that Rule 5 is not applicable.
- (iii) Therefore, Rule 5 is also applicable *mutatis mutandis* to a circumvention investigation as the liberal interpretation taken by the Authority will render the usage of the word '*by or on behalf of the domestic industry*' in Rule 26(1) infructuous and meaningless. Accordingly, test of 25% and 50% is applicable to an investigation initiated under Rule 26. Also, the Authority has issued the disclosure statement under Rule 16 as evidenced from the disclosure statement while there is no mention of Rule 16 or other Rules in Rule 25 to Rules 28 related to circumvention
- (iv) Referring to the observation of the Authority that the applicant companies participating in the present investigation had also participated in the original investigation, it is submitted that the share of applicants including supporters was 59.02% of the total Indian production in the original investigation while in the present investigation the share of the applicants is only 36%. The Authority has carried out both 50% and 25% test in the case of the original investigation. Reference was drawn to the relevant excerpts of the original investigation i.e., Anti-dumping investigation concerning imports of "Jute products" viz- Jute Yarn/ Twine (multiple folded/cabled and single), Hessian fabric, and Jute sacking bags from Bangladesh and Nepal (F No. 14/19/2015-DGAD dated 20 October, 2016).
- (v) It is therefore clear that the Authority has carried out both 50% plus and 25% test while undertaking standing test in the original investigation. Further, it may also be noted that the Authority carried out

the 50% plus test on the total production of the country. However, in the present investigation, the applicant failed to pass the 50% plus test as its share is only 36% of the total Indian production.

- (vi) It is reiterated that the applicant has not provided the following basic documents & information with their original application of December 2017 to establish their standing in terms of Rule 2(b) and 5(3) of the Anti-dumping Rules, 1995:
- Names of the applicant Mills along with their production details;
  - Names of the supporting Mills along with their production details;
  - Names of Mills other than applicants and supporters;
  - A copy of the board resolution of the Association in which decision regarding filing of the anti-circumvention investigation has been taken;
  - A copy of the authorization letters provided by the Mills in favor of the applicant to file the application.
- (vii) Attention of the Authority is invited to para 42 to para 47 of the original investigation wherein names as well as production details of the applicants, supporters and others were disclosed to substantiate the claims of standing made by the applicant. However, in this case no such information has been provided. The applicant has conveniently assumed in the original application that all the members of the applicant association have supported the petition while only 13 Mills have supported the application as evidence from the revised application and para 15 of the disclosure statement.
- (viii) The respondent requests the Authority to terminate the investigation immediately as the initiation is without jurisdiction and bad in law as the applicant does not qualify the standing criteria enunciated in Rule 5(3) of the Anti-dumping Rules, 1995.
- (ix) The questionnaire response filed by the applicant clearly shows that the applicant had filed a deficient application since very basic information like name of the applicant mills, production, sales etc. has been filed first time in the questionnaire response.

**b) Injury and Causal Link**

- (i) The Authority in Para 21 (i) of the disclosure statement stated that the primary factors considered by the Authority for arriving at a *prima facie* satisfaction of existence of the circumvention have been listed in the initiation notification. In this regard, it is reiterated that-
- The applicant has not provided details of production, sales, capacity, profit etc. in the original application to substantiate their claim that the alleged circumvention has rendered the duty ineffective. The applicant has also not provided any data on price undercutting and price underselling. Accordingly, the application filed by the applicant is deficient and incomplete.
  - The initiation notification of the present investigation does not contain summary of the factors like production, sales, capacity, profit based on which it has been alleged or concluded that the anti-dumping duty so imposed has been rendered ineffective. The respondent submits that it is mandatory to establish in all cases, including the case of product circumvention, that the remedial effects of the anti-dumping duties imposed are undermined or rendered the duty ineffective. In support of our claim, kind Attention of the Authority is invited to Section 9A(1A) of the CTA which mandates that duty may be extended only when circumvention has rendered the duty ineffective and Rule 26 (5) and Rules 6(1)(iv) of AD rules.
- (ii) From the perusal of these Rules, it is clear that the initiation shall contain a summary of the factors on which the allegation of injury is based. However, since Rule 6(1)(iv) is applicable *mutatis mutandis* to a circumvention investigation the Rule 6(1)(iv) should be read as “a summary of the factors based on which it has been alleged or concluded that the anti-dumping duty so imposed has been rendered ineffective”.
- (iii) It has been proposed in Para 21 (ii) to analyse the undermining effect of anti-dumping duty in the disclosure considering erosion of duty, impact on market share of domestic industry & Indian industry as a whole and price undercutting effect on domestic industry’s prices. The respondent submits that it is submitted that the methodology proposed by the Authority is not in line with the

practice followed by the Authority in the case of DFS Anti-circumvention investigation. In DFS investigation Authority has analyzed all injury parameters before recommending that the circumventing product (Indolinone) has rendered the duty imposed on the circumvented product (Diclofenac Sodium) ineffective.

- (iv) It is therefore clear that the Authority has analyzed all injury parameters including production, exports, stock, underselling, injury margin etc. in the DFS anti-circumvention investigation. So, it is requested that analyze all factors of injury to examine whether the alleged circumvention has undermined the remedial effects of the anti-dumping duty imposed against imports of PUC from Bangladesh.
- (v) Respondent has received the transaction wise data in pdf format at a very belated stage, which has curtailed its right to offer its meaningful comments on the issue of imports of PUC from other countries.
- (vi) It is submitted that the request for providing the transaction wise import data had been made by the respondent vide its letter dated on 27th August, 2018. However, the data has been received on 7th March, 2019 in pdf format which runs over 700 pages. The respondent got only four working days to prepare comment on the disclosure statement and analyze the 700 pages import data in pdf format. The respondent submits that it didn't get enough time to analyze the import data. Accordingly, the respondent is constrained to file its meaningful comments on this issue. The respondent requests it is requested from the Authority to disclose the imports quantity and value of PUC & PUI from Bangladesh, Nepal and other countries in the Final Findings since this matter goes to the root of the investigation.
- (vii) Orders issued by the office of the Jute Commissioner clearly shows that the domestic producers do not have the capacity to cater the demand and capacity constraint is the reason for injury, if any, in any form to the so-called domestic industry.
- (viii) Jute Commissioner vide its order no. Jute (Mktg)/2/2003 dated 14<sup>th</sup> February, 2018 directed all jute mills to obtain prior permission from his office before selling any jute sacking cloth or bag to any agency. On 24<sup>th</sup> October, 2018 office of the Jute Commissioner issued a letter (No. Jute (Mktg)/11/2004-V) to the jute mills warning them to supply B-Twill Jute Bags (PUC) and clear the backlog against the Production Control-cum-Supply Order (PCSO). B-Twill bags are bags of sacking quality. Therefore, it is clear that the Indian Jute Mills have suffered injury, if any, on account of their internal inefficiencies & the orders issued by the Office of the Jute Commissioner and not on account of the imports of the Jute Sacking Bags from Bangladesh.

**c) Excessive confidentiality has been claimed by the applicant producers**

- (i) The applicant has claimed excessive confidentiality, which has prevented the respondent from offering its purposeful comments. Illustrative list of the information on which applicant has claimed excessive confidentiality are as under.
  - Production, Domestic Sales, Demand, Market share of domestic industry in demand, Basis for the calculation of normal value and export price etc.
- (ii) The confidentiality claims made by the applicant are not in accordance with Anti-dumping Rules, 1995. Further, it is submitted that the non-confidential version of the application is grossly inadequate and meaningless.
- (iii) It is submitted that confidentiality provision under the Anti-dumping Rules, 1995 is not a tool merely to deny disclosure of information during the investigation in order to kill transparency and create a handicap for the opposing parties.
- (iv) Reference was drawn to WTO's and report on *Guatemala — Cement II*, and CESTAT decisions in the case of *Essar Steel Ltd vs UOI* 2008 (222) ELT 161 (Del) and *H. R. Johnson vs Designated Authority* 2005.
- (v) It is reiterated that the Anti-dumping Rules, 1995 also confer discretion upon the Authority to consider the request for confidentiality made by a party and if it is satisfied that the same is not warranted or that the supplier of the information is unwilling to make information public or to authorize its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.

**d) Assessment of effect of circumvention on existing Anti-dumping measure and Domestic Industry**

- (i) The methodology proposed by the Authority to examine whether remedial effects of the anti-dumping duties are undermined or not in this investigation is contrary to the methodology followed by the Authority in the case of DFS Anti-circumvention investigation. In DFS investigation, the Authority has analyzed all injury parameters before recommending that the circumventing product (Indolinone) has rendered the duty imposed on the circumvented product (Diclofenac Sodium) ineffective. So, it is requested from the Authority to follow the same methodology in this case.
- (ii) Injury information on various parameters had been recorded and analyzed in DFS while there is no mention of those parameters in the disclosure statement issued in this investigation. The Authority has calculated the injury in DFS case for the applicant & producer separately and noted that it is positive. Further, Authority had also calculated the undercutting and underselling for the entire period of injury in DFS case while undercutting has been calculated only for the POI in the present investigation.
- (iii) Imports of PUI from Bangladesh has not undermined the remedial effects of the anti-dumping duty imposed on imports of PUC from Bangladesh. Therefore, the alleged circumvention has not rendered the duty imposed on the PUC ineffective. In this regards facts relating to the product under consideration (Annexure A – Part II of the questionnaire response) is referenced. Facts related to capacity, significant increase in the production, capacity utilization, sales quantity, domestic sales, productivity per day, PBT per unit – Domestic Sales, PBIT, cash profit etc. was reproduced in the submissions to substantiate the claim.
- (iv) It is reiterated that the so-called domestic industry has suffered the injury, if any, on account of the significant increase in their interest / finance and depreciation cost. Facts relating to Jute Sacking Bags (Annexure A – Part II) of the questionnaire response is referred.
- (v) It may be noted that the capacity of the applicant remained almost constant in the POI-A as compared to the 2014-15. In such case, we fail to understand the reason for significant increase in the interest and depreciation cost. Accordingly, it is clear that the applicant has suffered the injury on account of internal inefficiencies & mismanagement and not on account of the alleged circumvention of anti-dumping duty imposed on the imports of Jute Sacking Bags from Bangladesh.
- (vi) In addition, it is also submitted that the orders of the Jute Commissioner are the reason for injury, if any, suffered by the applicant since jute mills cannot freely sell their goods in the open market based on the demand and supply.

**I. 1(f) M/s World Trade Consultants and Advocates representing Ranu Agro Industries Limited, Mouna Jute Mills Ltd., Arnu Jute Mills Ltd., Jamuna Jute Industries Ltd., Nabarun Jute Mills Limited, Rabeya Jute Mills and Rahman Jute Mills (Pvt.) Ltd. have submitted the following comments:**

**86. Adoption of profit percentage including impact of subsidy is not correct:**

- (i) It was clarified to the verification team that to encourage exports, a subsidy is granted by Government by way of payment through Bank after due process in respect of exports of Jute products. The same is reported as a separate income head in the Income Statement. All documents pertaining to subsidy were provided to the verification team. As per the Final Findings issued in the original investigation, the impact of subsidy was neither considered in cost nor the same was added to the sales realization to work out the dumping margin by the Authority in the original investigation as well as in the workings of the present investigation. However, in the present investigation, while adding the profit margin to the cost of production to arrive at the normal value, the Authority has added the impact of subsidy. This methodology of adding subsidy to profit margin is incorrect. Further, since the impact of subsidy has not been considered in cost of production (COP) or sales realization, the profit margin should be the difference between sales realization and cost of production (COP) only. No impact of subsidy should be added as:
  - The Profit is the difference between Selling Price and Cost. The Authority has neither considered subsidy as part of Selling Price nor deducted it from cost of production neither in the current investigation nor in the original investigation, to work out the Export Price and Dumping Margin.

- No subsidy is receivable in case of domestic sales. Subsidy is received in respect of export sales only and not in respect of domestic sales. Details of subsidy received along with all supporting documents was provided to the verification team. Hence, while working out Normal Value based cost of production in domestic market, impact of subsidy shall not be taken.
- Past Practice of the Authority in the original investigation shows that it has adopted 5% profit margin to construct Normal Value in respect of all participating producers/exporters.

**87. Modification of Conversion Cost :**

- (i) The Authority has modified the conversion cost claimed by the exporters. As per confidential disclosure statement issued by DGTR, the Authority has not accepted the claims with regard to conversion cost. The cost of labour, consumables, utilities, depreciation and manufacturing overheads are allocated to the product concerned on the basis of estimated labour hour.
- (ii) The Authority has adopted production value as the basis of allocation for (a) Labour Cost and (b) Deprecation
- (iii) The above expenses have direct correlation with the man/machine/labour hours. Lower the count, higher the conversion cost. In sacking cloth, courser count of yarn is used, hence, production per hour is more appropriate basis for allocation of the above expenses as compared to hessian fabric and normal yarn.
- (iv) The Authority has linked the conversion cost to prices of different products. Linking the conversion cost to prices is not correct when output varies significantly for different types of products. It is submitted that prices vary from one market segment to another. Same product has different prices when exported to India and sold in Bangladesh as explained above.

**88. Modification of claims of cost duly certified by the Auditors is against the spirit of Anti-Dumping Agreement and Rules:**

- (i) Any modification in cost claimed by the producer/exporters is in violation of the Article 2.2.1.1 of the Anti-Dumping Agreement and Para-1 of the Annexure I of the AD Rules.
- (ii) Article VI of The General Agreement on Tariffs and Trade 1994, read as under:  
*“2.2.1.1 For the purpose of paragraph 2, costs shall normally be calculated on the basis of records kept by the exporter or producer under investigation, provided that such records are in accordance with the Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) of the exporting country and reasonably reflect the costs associated with the production and sale of the product under consideration. Authorities shall consider all available evidence on the proper allocation of costs, including that which is made available by the exporter or producer in the course of the investigation provided that such allocations have been historically utilized by the exporter or producer, in particular in relation to establishing appropriate amortization and depreciation periods and allowances for capital expenditures and other development costs. Unless already reflected in the cost allocations under this sub-paragraph, costs shall be adjusted appropriately for those non-recurring items of cost which benefit future and/ or current production, or for circumstances in which costs during the period of investigation are affected by start-up operations.”*
- (iii) The above article requires that the Investigation Authority accepts the cost of production (COP) of participating exporters, if the records of companies are maintained in accordance with Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) of the exporting countries.
- (iv) The Authority has revised the cost of production (COP) of numbers of participating companies based on some hypothetical assumptions which is a clear violation of Article 2.2.1.1 of the AGREEMENT ON IMPLEMENTATION OF ARTICLE VI OF THE GENERAL AGREEMENT ON TARIFFS AND TRADE 1994. This article requires that the Investigation Authority accepts the cost of production (COP) of participating exporters, if the records of companies are maintained in accordance with Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) of the exporting countries.
- (v) The company has provided audited accounts duly certified by the Auditor for the year 2016-17, 2017-18 and for the POI, 1st October 2016 to 31st December 2017 and the cost of production (COP) details duly certified by the auditor along with the certificates that the accounts of the company are maintained as per Bangladesh Financial Report System (BFRS) and Bangladesh Accounting system (BAS)

**89. With reference to M/s Mouna Jute Mills Ltd., following is submitted:**

- (i) Adoption of profit margin to construct Normal Value based on all products sold by the exporter is incorrect.
- (ii) During the course of verification, it was shown that exporter has sold PUC, PUI and other Speciality products. PUC is sold in domestic market as well as exported to other countries. PUI has been exported only to India. Other products are sold in the domestic market as well as exported to other countries. Other Speciality products are made and customised on order and need basis and are expensive. This is the reason that the sales realisation per unit for other speciality products is almost double as compared to the sales realisation per unit of PUC/PUI.
- (iii) The sales realization of PUC, PUI in domestic market, export to other countries as well as India is not significantly different, and variation is in the range of 10% only. Speciality products sold in domestic market are almost double the price of PUC and PUI whereas the same is exported at 50% higher price to other countries. Sales realisation of other products is much higher than the sales realization of PUC/PUI. T by T sales of other products along with EXP form no. (already submitted) are enclosed with the submissions. The difference in the speciality products, PUC and PUI may be seen from the pictures provided in the submissions.
- (iv) The other products are clearly different from PUC and PUI. Other products yield higher rate of profit as compared to PUC and PUI and other normal Jute Products. Higher price has yielded high rate of profit. Hence, adoption of profit margin for the company as a whole on the cost of production of PUC/PUI is not reasonable and shall not be adopted to construct Normal Value. It is submitted that for constructing fair and reasonable normal value, weighted average profitability of PUC/ PUI may be considered.

**90. (a) Rejection of cost data does not meet the requirement laid down under Article 6.8**

- (i) The inputs submitted by the cooperating producer/exporter can be rejected only if the requirements laid under Article 6.8 of the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 which is to be read along with para 5 of Annex II of the Agreement.
- (ii) The following facts show that the exporter has fully co-operated with the Authority and provided all the required information to the best of abilities:
  - The company met all the deadlines set by the Authority for filing the required response as per prescribed Questionnaires;
  - The Audit Report was especially submitted for the period of investigation although the period of investigation is entirely different from the normal accounting year for which regular Audit is made. In the Audit Report extensive Trading Account and Profit & Loss accounts was prepared separately. Since all information was given in detail in these Accounts, the Auditor has not prepared separate schedules/tables for items of various heads.
  - It has provided audited accounts duly certified by the Auditor for the year 2016-17, 2017-18 and for the POI, i.e., 1<sup>st</sup> October 2016 to 31<sup>st</sup> December 2017 and also provided the cost of production (COP) details duly certified by the auditor along with the certificates that the accounts of the company are maintained as per Bangladesh Financial Report System (BFRS) and Bangladesh Accounting system (BAS)
  - All the accounts and records of the Company are in Bangla language. However, in order to assist the Authority, all main records were submitted after due translation in English in excel form along with copies of original records at the time of verification carried out at Dhaka.
  - Records of Information about Installed Capacity; Production Records/Register; Sales Ledger along with supporting documents; Raw Jute Purchase and issue register along with all supporting purchase invoices; JBO Purchase ledger with supporting purchase invoices; Wages Register; Salary Register; Electricity/Power Register along with English

Translations was made available to the verification team after due verification, the same were considered and duly recorded in the verification report issued by the Authority.

(iii) In the verification Report of M/s Ranu Agro, issued by the Authority only two adverse noting were observed:

- The quantitative records related to opening stock, closing stock and consumption were not provided at the time of verification and could not be verified.
- Cost of depreciation and interest cost is much lower than other cooperating producers/exporter.

(iv) With regard to the observation of the Authority that, *Producer has not provided evidences of opening and closing stock of raw jute*, it is submitted that scanned copy of raw jute inventory ledger was provided and the same reflects the opening and closing stock of raw jute at the time of verification. This was personally explained to the officer after issuance of the verification report.

(v) With regard to *lower cost of depreciation*, it is submitted that Ranu Agro is producing Sacking Bags, Sacking cloth and Rope only which is of very low quality. Both Sacking bags and rope manufactured by Ranu Agro is sold in domestic market at very low price due to its low quality. The same can be seen from our response. For manufacture of same they have purchased second hand looms from junk yards. This resulted in very low cost of machines resulting into low depreciation. Details of depreciation duly certified by the Auditors were enclosed to the Audit Report submitted. It is submitted that Ranu incurred *low interest cost* as it has established its factory in a backward area with lower investment due to old plant and machines and low land cost. This has resulted into less loan and interest burden. This also resulted into lower labour and other costs as compared to producers located in or around Dhaka.

**(b) Violation of principle of Natural Justice**

(i) As per para 39(4)(ii) of the Disclosure Statement in respect of Normal Value, whereby it has been stated that *“The company has not sold PUI either in domestic market or in exports to other countries. The COP for the PUI during POI could not be verified/authenticated and therefore highest normal value of cooperating producer/exporters and average profit of cooperating producer/exporter i.e., 10.88% has been adopted. The Normal value is proposed as 94523 BDT/MT”*, The cost data of the cooperating exporter has been rejected and the Authority has considered the data of other cooperating producers/exporters. The Authority should have provided an opportunity to them before rejecting its data. Non-acceptance of information by the Authority without providing a reasonable opportunity to the producer/exporter is in violation of the principle of natural justice.

**(c) Adoption of Normal Value as determined for a factory located in Dhaka is unjustified:**

91. The Authority has adopted a very high Normal Value based on cost data of a factory which is located in Dhaka. This is not reasonable when the actual cost data is made available to the Authority with all sincerity by the company.

**I. 2 The domestic industry has provided the following comments on the disclosure statement:**

**a) Dumping Margin**

92. The rule recognize three kind of circumvention:-

- a. Assembly operation- export of prior stage product or subsequent stage product
- b. Alteration- in description, name or composition-
- c. Country Circumvention

93. In product type circumvention case, the exporters are exporting the prior stage of the product. Whether the exporters are exporting prior stage or subsequent stage, it cannot certainly be a case that the product form constitute circumvention in case the dumping margin is positive and product form shall not constitute circumvention if the dumping margin is negative. For the purpose of establishing circumvention, existence of dumping is not even necessary/mandatory. The product form either constitutes circumvention or does not constitute circumvention. Further, for the purpose of

establishing circumvention, the relevant parameters are (a) the operation should start or increase after, or just prior to, the anti-dumping investigations (b) the value consequent to assembly, finishing or completion operation is less than thirty-five percent of the cost of assembled, finished or complete article. (c) there has been a change in trade practice, (c.1) absence of a justification, economic or otherwise, other than imposition of anti-dumping duty; (c.2) evidence that the remedial effects of the anti-dumping duties are undermined in terms of the price and or the quality of like products. The fact of dumping is not even a relevant parameter. Such being the case, establishing dumping margin for individual exporters is of no relevance.

94. In the present investigation, almost every producer has shown that there is a change in pattern of trade evidencing the practise of circumvention. Moreover, the producers who have been accorded with negative dumping margin have shown significant change in the trade pattern.
95. The rules provide for determination of circumvention only at the stage of initiation. The rule do not provide determination of dumping at the stage of final findings. This is quite evident from the plain reading of the rule. Rule 26 (4).
96. It is additionally evident that the aspect of dumping is not required to be examined separately for each producer. At the stage of initiation, the Designated Authority determines dumping margin on country wide basis. Therefore, additionally for this reason, dumping margin is not required to be established for individual producer.
97. Once is it established that the PUI constitutes circumvention of PUC, it follows that the normal value is required to be determined by considering both PUI and PUC as like article. It cannot certainly be the case that PUI constitutes circumvention of PUC but PUC does not constitute like article to PUI. Further, under the rules, the authority is required to determine normal value for like article. Since PUC and PUI are one like article, normal value is required to be determined by considering the PUC and PUI.
98. The Authority in the disclosure statement, first determined whether circumvention exists and then determined whether the price is a dumped price. The anticircumvention investigation is not an investigation to determine existence of dumping by individual exporters.
99. Thus, normal value is to be determined for the like article. The duty being extended in a circumvention investigation is that of PUC, thus as a natural consequence the normal value should also be considered for the PUC. It is for this reason that the Dunkel Draft<sup>1</sup> prepared in the course of the Uruguay Round negotiations specifically provided for consideration of normal value of the original product. This has been adopted by various countries such as EU, Australia as the law of these countries specifically provide that normal value needs to be established for the product under consideration.
100. It is also relevant to note that the normal value under the rules is required to be determined in respect of product as originally defined. The PUC is not Jute Sacking bag. Sacking bag, jute yarn and hessian fabric were not individual product under consideration in the original investigations. Sacking bag, jute yarn and hessian fabric were considered merely three different forms of PUC.
101. The Designated Authority in the original investigation has done separate analysis for the three types – yarn, bag and fabric. This clearly shows that the separate analysis was done only where price issue was involved. Wherever volume issue is involved, cumulative analysis has been undertaken. As regards price, once it is held that circumvention is taking place, the price of bag duly adjusted or price of cloth duly adjusted becomes the price of other product.
102. Further, the finding of the authority on this aspect was challenged before CESTAT. The CESTAT however held that there is only one product in the present investigation and sacking bag, jute yarn and hessian fabric merely constitutes three different forms of the product.
103. Since profit is required to be determined by considering profitable sales of jute products, the exporters have not fully cooperated with the authority in as much as the exporters have not provided transactions wise details of all kinds of jute products attracting ADD. Thus, the authority does not

have sufficient information for determination of profit in accordance with Para 4 of Annexure I of the rules. This is because of insufficient cooperation of the exporters. Such being the case, the authority is required to adopt best available information for determination of profit.

104. It is submitted that the dumping margin is not established afresh in a circumvention investigation as the duties originally determined in the investigation is extended in a circumvention investigation. The purpose of determining dumping margin for each exporter and country is to impose duties; however, in a circumvention investigation, the purpose is not to impose duties afresh, but to extend the duties onto product under investigation which is circumventing the duty already imposed.
105. Thus, the Authority is requested to take the normal value for the product under consideration in the original investigation making necessary changes for fair comparison and compare the normal value with the weighted average export price.

**b) Other issues**

106. Antidumping law in each WTO contracting countries is based on the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994, i.e., the parent agreement. Thus the laws in these countries are in consonance with the parent agreement and all the legal provisions formulated by these countries and practise followed is subject to the WTO scrutiny. Thus the practise of other countries provides a fair guidance to the principles involved and methodologies that may be followed in the anti-dumping investigation. Thus laws and practise of other countries becomes directly relevant in the present case, more so when the WTO has not provided any specific provision on circumvention.
107. The disclosure statements states as follows:  
*The Authority in the disclosure statement states that there were sales of PUI in 2014-15 though in small quantity and that there could be some sales of PUI in open market for use in some non PUC application areas i.e. for usage in non sacking bag conversion applications. Therefore Authority proposes to exempt such bonafide imports of PUI subject to appropriate administrative monitoring and control by port Authorities.*
108. The above observation gives an impression that jute cloth has some requirement other than for the purpose of making jute bags. However, there is no information, document and evidence on record to suggest that there is some genuine requirement of the jute cloth for a purpose other than for making jute bags. Even when industry is in operation for decades, industry is unaware of any import of jute cloth from Bangladesh for the purpose other than making bags. If jute cloth was earlier being imported, even before imposition of ADD on jute bags, the same was not for a purpose other than for making jute bags. Therefore, the petitioner is deeply concerned, not on exemption, but on possible abuse of the proposed relaxation. It may also be noted that the petitioner has maintained since the beginning of the investigation that there is no other use of sacking cloth other than being used for sacking bag. One importer and several exporters have responded in the present investigation and none of the interested parties have been able to provide evidence on the usage and application of sacking cloth. There were no imports of sacking cloth until 2014-15. The imports of sacking bag started increasing after the initiation of the original investigation in October 2015. In fact, the Authority has itself noted that there are imports of sacking Cloth is only from Bangladesh. Other major country which exports subject goods and is also subjected to ADD, i.e., Nepal has never exported Sacking Cloth to India. This indicates that there is practically no market for sacking cloth. The petitioner does not have any concern if the sacking cloth is exempted for a purpose other than for making jute bags. However, there should be some such consumption in the country. Since this requirement itself is not even established, it would not be appropriate to grant any exemption in the present case.
109. The petitioner has requested disclosure of following facts, in order to enable them to come to a meaningful conclusion.
  - a. Copy of the Communications sent by the Authority and copy the replies filed by the interested parties: the Authority may kindly make available a copy of all the communications sent via mail or letter, to the opposing interested parties and replies filed by the interested parties. The applicants are not requesting any confidential information but only the NCV of such information.

- b. Submissions by interested parties: a copy of all the communications filed by the interested parties. In case there is anything confidential, petitioners request non confidential version of the same.
- c. Copy of the rejoinder submissions: petitioners request a copy of the rejoinder submissions filed by other interested parties. In case there is anything confidential, petitioners request non confidential version of the same.
- d. Verification Report: the Authority may kindly disclose the non-confidential version of the verification report of the exporters/producers from subject country to offer meaningful comments on the dumping margin calculated.

### **I.3 Examination by the Authority**

#### **110. Dumping Margin evaluation**

The Authority notes the comments on dumping margin viz normal value, and export price of PUI during POI by the Bangladesh High Commission and various producers/exporters and holds as under:

- (i) Issue have been raised on quantum of reasonable profit, inclusion of income of subsidy on exports while considering profitability, referencing overall profitability which includes PUC, PUI and other non-PUC/PUI for the producer/exporter and that the Authority had in the original investigation considered 5% markup on the Cost of Production as per its consistent practice in similar cases in past and has adopted a different methodology this time.
- (ii) The petitioner i.e domestic industry have stated that profitability should be for the PUC of the original investigation i.e. all product types.
- (iii) The Authority after considering all the aforesaid submissions, has applied a profit margin of 5% on the COP determined for PUI during POI. This approach therefore addresses the issue of Subsidy income's exemption and also not considering profitability of non PUI product types for Normal Value evaluation. The methodology is further in line with that considered in the original investigation.
- (iv) As regards the Normal Value, the Authority notes that besides the reasonable profit, submissions have been made by various producers/exporters on the cost of production of PUI during POI computed by the Authority and disclosed individually to the concerned cooperating producers/exporters confidentially in the disclosure statement. The Authority in this regard notes that post on-spot verification of the cooperating producers/exporters, verification report was issued to such cooperating producers/exporters. The comments to the verification report where ever filed were appropriately considered in the disclosure statement. The post disclosure submissions by various producers/exporters on COP pertains to adoption of average raw material jute price and methodology adopted for allocation of expenditure either on production or sales value on different elements of cost. It has further been stated that Authority cannot change /reject the COP of the producer/exporter as the same is inconsistent with Article 2.2.1.1. Further the producers/exporters have argued that the records kept by them are in accordance with Bangladesh Financial Report System (BFRS) and Bangladesh Accounting system (BAS). It has further been argued that the aforesaid article requires the authority to accept the COP of participating exporter if the record of such cooperating producer are maintained in accordance with GAAP of the exporting country. The producers/exporters have further stated that rejection/modification of the cost data of participating exporter is in violation of Article 2.2.1.1.

The petitioner (DI) have argued that dumping margin should not be producer/exporter wise and that original PUC's normal value be considered for evaluating Normal value in this case and that a weighted average normal value be then considered and applied.

- (v) The Authority noting the above submissions holds that the producers/exporters have amplified the above stated Article not in entirety but only argued on some partial elements of the aforesaid article as convenient to them. The Article clearly states that the records maintained as per GAAP need to reasonably reflect the costs associated with the production and Sales of the PUC. Further the Authority has to consider all available evidence on the proper allocation of costs, including that which is made available by the exporter or producer in the course of the investigation provided that such allocations have been historically utilized by the exporter or producer, in particular in relation

to establishing appropriate amortization and depreciation periods and allowances for capital expenditures and other development costs.....

Therefore the Authority is not to simply accept the claim of the producer/exporter if the records are in accordance with GAPP but to ensure that they reasonably reflect the cost and has to take note of evidence made available. If the arguments of the producers/exporters were to be accepted, there would be no need for any verification of exporters data, its reconciliation and analysis to evaluate whether the records reasonably reflect the costs. The Authority holds that it provided sufficient opportunity to producers/exporters to file Questionnaire response by granting two extensions. During verification, the producers/exporters were granted ample opportunity to provide back-up data and evidence pertaining to Cost break up of PUC and PUI and of requisite export sales. Even post the on-spot verification, the producers/exporters supplemented the gaps in information provided by them earlier, which the Authority considered appropriately both during issuance of Verification report's and thereafter in the disclosure.

- (vi) The Authority notes that almost all cooperating producers/exporters provided audited accounts for POI for the company as a whole. The Authority clearly observed in the Verification report /disclosure that the producers/exporters did not maintain grade-wise consumption records of raw jute and element wise cost records for PUC and PUI. It was also noted that some of the producers/exporters in Bangladesh considered production quantity, production value and sales value as basis of allocation for different elements of cost.
- (vii) The Authority therefore reiterates that even though the Cost and Sales records were maintained by most of the producers/exporters as per GAAP, non-availability of break-up of cost elements specifically for the PUI and PUC still obligates the Authority to ensure the reasonable reflection of cost of PUI as per Article 2.2.1.1. This therefore require appropriate consideration of evidence/data/relevant records which could obviously lead to variations in certain cases with the cost claimed by the producer/exporter as per merits of the case. The Authority in such a situation did not resort to rejecting the cost but rather computed the cost of PUI as per the evidence and records available to ensure reasonable reflection of the PUI's cost.
- (viii) The Authority therefore reiterates that only keeping in view the capacity of the Producers/exporters, their keenness to cooperate, in certain cases had to resort to appropriate methodology considering the data/evidence made available which led to change in the cost claimed by the producer/exporter. The Authority therefore holds that the approach adopted is rather liberal and accommodative and in no way violates provisions of Article 2.2.1.1
- (ix) Besides the broad issues on profit and cost allocation, the producers/exporter have also given specific comments on the evaluation of cost of production for PUI. These are tabulated below with appropriate consideration by the Authority.

S.No.	Name of Producer/ Exporter	Consultant	Comments on Normal Value in response to the Disclosure Statement by interested parties	Examination by Authority
1	Rabeya Jute Mills	WTC	The cost of labour, consumables, utilities, depreciation and manufacturing overheads to the products concerned has been allocated by company on the basis of estimated labour hour as these expenses have direct correlation with the man/machine/labour hours and the same is to be adopted.	The allocation basis adopted by the company is estimated labour hours which cannot be verified from the records. Therefore, the Authority has adopted production value as the basis of allocation.
2	Nabarun Jute Mills	WTC	The cost of labour, consumables, utilities, depreciation and manufacturing overheads to the products concerned has been allocated by company on the basis of estimated labour hour as these expenses have direct correlation with the man/machine/labour hours and the same is to be adopted.	The allocation basis adopted by the company is estimated labour hours which cannot be verified from the records. Therefore, the Authority has adopted production value as the basis of allocation.

3	Mouna Jute Mills	WTC	The cost of labour, consumables, utilities, depreciation and manufacturing overheads to the products concerned has been allocated by company on the basis of estimated labour hour as these expenses have direct correlation with the man/machine/labour hours and the same is to be adopted.	Company has not maintained separate records for PUC, PUI etc. The allocation basis adopted by the company is estimated labour hours which cannot be verified from the records. Therefore, the Authority has adopted production value as the basis of allocation.
4	Rahman Jute Mills	WTC	The cost of labour, consumables, utilities, depreciation and manufacturing overheads to the products concerned has been allocated by company on the basis of estimated labour hour as these expenses have direct correlation with the man/machine/labour hours and the same is to be adopted. Rahman and Jamuna are related companies and both the companies should be granted combined rate of duty.	The allocation basis adopted by the company is estimated labour hours which cannot be verified from the records. Therefore, the Authority has adopted production value as the basis of allocation. The Authority has considered the weighted average dumping margin for both the companies.
5	Jamuna Jute Mills	WTC	The cost of labour, consumables, utilities, depreciation and manufacturing overheads to the products concerned has been allocated by company on the basis of estimated labour hour as these expenses have direct correlation with the man/machine/labour hours and the same is to be adopted. Rahman and Jamuna are related companies and both the companies should be granted combined rate of duty.	The allocation basis adopted by the company is estimated labour hours which cannot be verified from the records. Therefore, the Authority has adopted production value as the basis of allocation. The Authority has considered the weighted average dumping margin for both the companies.
6	Ranu Agro	WTC	Cost of Production data of company should be accepted. Authority should have given the opportunity before rejecting the data. Adoption of Normal Value as determined for a factory located in Dhakka is unjustified.	The Audited Accounts of the company for the POI is not in accordance with the BFRSs. Though in the financial statements of POI it has been stated that Fixed Assets are as per schedule, but the schedule is not enclosed with it. As a result, there is no break-up of Fixed Assets, Average rate of Depreciation is only 1.15%. The quantitative records related to opening stock, closing stock and consumption of raw-jute were not provided and could not be verified. The Depreciation, Financial and other expenses claimed in the Audited Accounts for POI is very low as compared to other companies in Bangladesh. Therefore, Cost of Production could not be verified/authenticated.
7	Sagar Jute		Sagar and Sidlaw are related companies. Hence dumping margin to be calculated on weighted average basis.	The Authority has considered the weighted average dumping margin for both the companies.
8	Sarah	M.S.Pothal	Request to consider the COP of Sarah for working out the NV. Alternatively, 3 <sup>rd</sup> country price of exports should alone form the basis of NV.	The company at the time of verification stated that fire broke out on 24 <sup>th</sup> December, 2014 and therefore they could not get a chance to finalize the necessary documents that was suppose to submit to the team during verification. 7 days time was given to them on their request. The company has

				submitted some data but unable to provide the basic records maintained by them related to raw-material consumption, conversion cost etc. Therefore, company's cost of production could be verified/authenticated.
9	Afil Jute Mills	PWC	<p>Company revised the costing of PUC and PUI considering the lowest quality of raw jute in line with the recommendation of the investigating team during verification.</p> <p>Requested to consider the average rate of lowest quality of raw jute.</p> <p>Requested to adopt production value instead of production quantity as the basis of allocation for other raw-material as it includes expenses in the nature of consumable/spares.</p> <p>Requested to consider other income in the cost of production.</p>	<p>The Statement is factually incorrect. The Revised certified Appendixes 7 &amp; 8 is given by the company at the time of verification and the same has been considered based on Audited Accounts for POI.</p> <p>Company is unable to provide grade-wise consumption records. Also it has been observed that lowest quality of raw jute alone cannot meet the consumption requirements of PUC and PUI, therefore, average rate adopted.</p> <p>The company itself in the certified Appendix 7 claimed the basis of allocation as production quantity ratio and the same basis has been followed consistently in all other companies. The separate accounting/costing records for PUC and PUI has not been maintained by the company.</p> <p>As per the Audited POI Accounts, the other income includes Shoppingmol Sales, Agriculture Income and Miscellaneous Income. The Agriculture Expenses as claimed by company has not been considered in Cost of Production and therefore its income is also not considered. Miscellaneous Income break-up has not been provided at the time of verification, now after disclosure company has further provided the details of misc. Income, which cannot be verified at this stage and hence not considered.</p>
10	Jobaida Karim Jute Mills	PWC	<p>Company revised the costing of PUC and PUI considering the lowest quality of raw jute in line with the recommendation of the investigating team during verification.</p> <p>Average rate of raw jute purchase considered instead of consumption.</p> <p>Requested to consider the average rate of lowest quality of raw jute.</p> <p>Requested to adopt production value as the basis of allocation for allocation of consumables, utilities, manufacturing overheads, direct labour and depreciation</p> <p>The total freight cost (including exports) has been allocated on sales value basis and considered in cost of production.</p>	<p>The Statement is factually incorrect. The Revised certified Appendixes 7 &amp; 8 is given by the company at the time of verification and the same has been considered based on Audited Accounts for POI.</p> <p>Company is unable to provide the opening stock and closing stock quantity during verification and therefore consumption quantity of raw-jute cannot be verified. Also, company is unable to provided grade-wise consumption records, therefore, average rate of raw jute purchased considered.</p> <p>The company itself in the certified Appendix 7 claimed the basis of allocation as production quantity ratio for consumables and utilities and weighted production quantity ratio for manufacturing overheads, direct labour and depreciation and the same has been considered. The other sales break-up has not been provided at the time of verification, therefore, the basis of allocation for consumables, direct</p>

				labour, manufacturing overheads, depreciation has been considered as per the claims of the company. Now after disclosure company has provided the details of sales which cannot be verified at this stage and hence not considered. The separate accounting/costing records for PUC and PUI has not been maintained by the company. The Authority has excluded the freight cost pertaining to exports to countries other than India from the cost of production computed for PUI.
--	--	--	--	--

- (x) The Authority notes the submissions by M/s Sagar Jute Mills Ltd. that it is related to M/s Sidlaw was also recorded in the Original finding. The Authority has therefore computed weighted Average dumping margin for the two related companies. M/s WTC representing M/s Rahman Jute Mills Ltd. and M/s Jamuna Jute Industries Ltd. has also submitted that as the two companies are related as also submitted in the Questionnaire response and weighted average dumping margin be accorded to them. The Authority notes that CEO of Rahman Jute mills Ltd and M/s Jamuna Jute Industries Ltd. is same. Accordingly Weighted Average Dumping margin for M/s Rahman and M/s Jamuna has been accorded.
- (xi) The Authority notes the submissions of Domestic industry that there should be one Average Dumping Margin for all producers/exporters and holds that like dumping, circumvention is also an exporter specific phenomena and therefore requirement of PUI to be determined as dumped as required under relevant AD rules needs to be evaluated for a specific producer/exporter and not on an average basis. Further, the Authority notes that though there could be history of evolution of approaches to cope with Anti-circumvention issues and different practices of various countries, the Authority has evaluated various aspect of Anti-circumvention phenomena as per the relevant national AD rules.
- (xii) In view of the aforesaid, the Dumping Margin for the cooperating producers/exporters is determined as under:

**Dumping Margin of PUI during POI after considering Post disclosure Comments**

S.No.	Name of Producer/ Exporter	Normal Value (BDT/MT)	Net Export Price (BDT/MT)	Dumping Margin %	Dumping Margin % Range
1	Rabeya Jute Mills	***	***	***	0-10
2	Arnu Jute Mills	***	***	Negative	Negative
3	Nabarun Jute Mills	***	***	***	0-10
4	Mouna Jute Mills	***	***	Negative	Less than 2%
5	Rahman Jute Mills	***	***	Negative	Negative
6	Jamuna Jute Mills	***	***	***	0-10
<b>Weighted Average of (5) and (6) above</b>		***	***	Negative	Negative
7	Uttara Jute	***	***	***	0-10
8	Aba Jute	***	***	***	40-50
9	Ranu Agro	***	***	***	20-30
10	Sagar Jute	***	***	***	0-10
11	Sidlaw	***	***	Negative	Negative
<b>Weighted Average of (10) and (11)</b>		***	***	Negative	Negative
12	Partex	***	***	Negative	Negative
13	Mymensingh	***	***	Negative	Negative

14	Kurigram	***	***	***	10-20
15	Sarah	***	***	***	10-20
16	Asha	***	***	Negative	Negative
17	Nawhata	***	***	Negative	Negative
18	Jute Textile Mills	***	***	***	10-20
19	Afil Jute Mills	***	***	***	0-10
20	Jobaida	***	***	***	0-10
21	Alijan	***	***	***	20-30
22	Mirza	***	***	***	20-30
23	Glory	***	***	***	20-30

(xiii) Other producers/exporters (non-cooperative/residual) and those who have not exported PUI during POI to India.

- The Authority notes that responses to the disclosure were filed by M/s Alijan/ M/s Sonali Aansh Industries Limited and M/s A.N International, Bangladesh.
- M/s Alijan Jute Mills Limited filed certain data on raw jute cost which at such a stage cannot be considered by Authority as the same cannot be verified. M/s A.N. International, trader the dumping margin evaluation can not be done as the same requires their associated producer to file the response. Through M/s A.N. International has now stated names of their 3 suppliers i.e. M/s Mohini Nabil Jute Mills Ltd. Bogra, M/s Salim Agro Industries Ltd. and M/s Nishong Jute Mills Ltd., the Authority holds that these producers need to have cooperated. Further the Authority has evaluated all cooperating producers/exporters and recommendation for such cooperating producers/exporters would address the concerns of their associated exporters/traders as applicable. Further the some holds for other traders viz M/s G.Traders, M/s South Trade International and M/s Purabi Trading as well, who participated in this investigation.
- The Authority notes that M/s R. M. Jute Diversification Mills Ltd. has stated that as they have not exported during POI and that their trade pattern post POI has not been acknowledged and that this pattern of trade does not indicate circumvention. The Authority notes that the producer/exporter has also submitted that Authority should specifically state about NSR for them in the final finding.
- The Authority holds that even in an original investigation a producer/exporter who has not exported during the POI can later came for New Shipper Review under relevant provisions of rules or else is governed by under the residual category of producers/exporters.

(xiv) In the instant case, the Authority notes the submissions by the producer/exporter that in the period beyond the POI in 2018-19 they do not evidence any circumvention. Authority holds that this cannot lead to conferment of non circumventing behaviour as exports by the producer/exporter of PUI started only the post levy of ADD on PUC and that with no exports of PUI during POI, the condition of PUI being dumped cannot be established. Further the rule 28 provides for a review in Anti-circumvention cases which can be availed by any producer/exporter including M/s R.M.Jute Diversification Mills Ltd. and other producers/exporters who so desire. In this regard, the Authority notes that M/s Ahyar Jute Mills Ltd., M/s Nothern Jute Manufacturing Company Limited and M/s Rajbari Jute Mills Ltd. have also not exported PUI during POI to India and hence may seek review under rule 28.

(xv) For all following non-cooperative producers/exporters, the Authority accords the dumping margin as tabulated below as stated in the earlier paras in the finding.

	Dumping Margin (Range) %
M/s Mirza Jute Mills Ltd.	20-30
M/s Glory Jute Ltd.	20-30
M/s Alijan Jute Mills Limited and M/s Sonali Aansh Industries Limited	20-30

M/s Jatio Jute Mills Ltd., M/s Latif Bawany Jute Mills Limited, M/s Hafiz Jute Mills Ltd., M/s Eastern Jute Mills Ltd., M/s Sonali Jute Mills Limited, M/s Gem Jute Ltd., M/s Hasen Jute Industries Ltd., M/s Bangla Jute Mills Ltd., M/s Motahar Hossain Chowdhury Jute Mills Ltd. and M/s Mohini Nabil Jute Mills Ltd.	40-50 (Highest dumping margin)
All producers/exporters other than those listed above and under cooperative producers/exporters category	40-50 (Highest dumping margin)

#### 111. **Undermining of remedial effect**

- (i) The Authority notes the submissions made by various producers/exporters regarding not having followed the practice of anti-circumvention case of DFS in stating and evaluating all parameters of injury assessment of domestic industry in this case. Further it has been submitted that the orders by Jute commissioner directing that permission of Jute Commissioner is required to sell Sacking Bags in the open market implies that injury is on account of such orders. The Authority noting the submissions holds that an Anti-circumvention enquiry requires establishment of the fact whether remedial effects of the applied measure are undermined. The original investigation had established injury to the domestic industry on PUC when all required parameters for establishment of injury were evaluated. The case requires establishing whether the remedial effects have been undermined. Therefore for this purpose the Authority has evaluated erosion of efficacy of the existing measure which entails consideration of quantum of value addition applicable for converting PUI to PUC. The Authority in the instant case has examined as to whether there has been an impact of such circumvention phenomena on undermining of remedial effect in the open market where the PUI essentially competes with the PUC i.e Sacking Bag being sold by domestic industry which undermines the protection accorded to Sacking Bags.
- (ii) The Authority recalls the Anti-circumvention Final Finding dated 18.08.2017 regarding imports of Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel wherein submissions on price undercutting by PUI were examined and the Authority had underscored the erosion of efficacy of existing AD measure through Circumvention. The Authority further holds that in the instant case, efficacy of existing AD on PUC i.e. Sacking Bags has been eroded by circumvention through PUI i.e. Sacking Cloth by the Cooperating producers/exporters as well who have been evaluated for a positive dumping margin of PUI during POI and being recommended for extension of measure on PUI Coterminous with PUC.
- (iii) In view of the above specifics of this investigation are different than the DFS case cited by the producers/exporters. The Authority has in the earlier paragraphs analysed the adverse impact on market share of PUC of domestic industry in the open market. The price undercutting by dumped PUI on the Net Sales Realisation of PUC of domestic industry have also been highlighted. The Authority notes that the instant case is not of review of an existing measure which would entail recomputation of both dumping margin and injury margin for suggesting a modified AD measure but is only limited to examination as to whether PUI is dumped, whether trade pattern shift has happened from PUC to PUI post levy of measure not because of any economic rationale and whether the remedial effect of existing measure is undermined. The Authority therefore holds that rather than performance in terms of overall capacity production and profitability, the impact on domestic industry's performance of Sacking Bags sales in the open market is the relevant consideration for evaluating undermining of remedial effects through circumvention. The specific facts of the investigation warrant examination of undermining of remedial measure in open market for which relevant parameters of market share and price undercutting have been examined. The examination in this case can therefore not be compared with that of the earlier case of DFS. Further the Authority notes that sales by domestic industry in open market are not prohibited by the Jute Commissioner throughout but are regulated for time to time. It is also important to note that there are Jute Mills in the country who are not in the supply domain of the Jute Commissioner and are therefore not regulated by Jute Commissioner's orders.

- (iv) The Authority however notes there were sales of PUI i.e. Sacking Cloth even prior to levy of ADD on Sacking Bag. Sacking Cloth can therefore be used for application other than its conversion to a Sacking Bag. The Authority in this regard notes that no interested party has stated any other use of Sacking cloth other than making Sacking Bags and that the proviso of exemption may not be desirable. The Authority holds that though the most significant use of Sacking Cloth is for making Sacking Bag, it can not be presumed that it is the only use. The Authority therefore holds that bonafide use of Sacking Cloth for applications other than Sacking Bag conversion should not be covered under extension of the existing AD measure. The Authority has therefore recommended the same under the para titled recommendations in this finding.

## 112. **Other Issues**

- (i) As regards excessive confidentiality claimed by interested parties including petitioners, the Authority holds that confidentiality claimed and so considered by the Authority for all interested parties including domestic industry is in accordance with its consistent practice and relevant rules. Further, The Authority notes that with regard to confidentiality of information, Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

*Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.*

*(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.*

*(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.*

- (ii) Submissions made by the domestic industry and other opposing interested parties with regard to confidentiality to the extent considered relevant were examined by the Authority and addressed accordingly. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file. The Authority also notes that all interested parties have claimed their business related information as confidential, which has been kept confidential as per Rule and consistent practice of the Authority.
- (iii) It has been contested that Sacking Cloth was earlier also exported to India and domestic industry did not include this in the PUC earlier and that this is a back door entry and that they should file a fresh petition for Sacking Cloth. The Authority holds that pattern of significant shift in trade pattern of PUC and PUI post levy of ADD on PUC is indicative to the fact that AD levy on Sacking Bag has triggered this shift and therefore the Authority under this investigation has evaluated stipulated parameters required to be established under the AD rules for appropriate recommendations in this case. It is also noted that none of the interested parties have established that shift of PUC and PUI in their export profile to India post ADD is based on any other economic reasons other than the AD measure on Sacking Bag. Nevertheless, the Authority has recommended exclusion of PUI from extension of the existing measure if the PUI is not for converting to PUC.

- (iv) The Authority notes the submissions by M/s PWC representing certain producers/exporters regarding transaction wise import data adopted by domestic industry and provided to them/other interested parties at a much later date which they could not analyse, and offer comments. The Authority in this regards notes that M/s PWC was also entitled to take authorisation from DGTR to obtain transaction wise import data from DGCIS, under the same notification, which they did not apply for. In the instant case, a large number of producers/exporters cooperated. The data filed by the petitioner has been reconciled with the import data obtained from DGCIS. The trade pattern data of PUC and PUI was disclosed in the disclosure statement. The Authority has further stated the overall trade pattern shift reported by the cooperating producers/exporters which account for almost 50% of total exports of PUC and PUI during POI to India and the trade pattern on the basis of the cooperating producers/exporter also broadly correlates with the overall DGCIS data as has been included in the para on trade pattern examination in this finding. No other interested party has raised the issue of import data. The request of the producer/exporter to provide both quantity and value has been considered. The Authority holds that trade pattern shift has already been provided in disclosure and further supplemented with overall data of cooperating producers/exporters. The landed value of PUC and PUI during POI has also been stated while evaluating erosion of efficacy of existing measure and undermining of remedial effect. M/s PWC though had the opportunity to take Authorisation from DGTR to obtain transaction wise data from DGCIS, they did not avail this option. The issue raised by them therefore does not seem to underscore any prejudice caused to them.
- (v) The Authority notes the submissions by the domestic industry regarding providing various communication/replies/rejoinder submissions/ Verification report to them. The Authority holds that it has placed various relevant documents in public file as per its consistent practice with no departure in this case.

#### **J. Conclusions**

113. Having examined the contentions of the domestic industry and various interested parties and on the basis of the analysis as above, the Authority concludes that:
- i. The Authority notes that imports of PUI i.e. Sacking Cloth have increased post levy of Anti-dumping duty.
  - ii. The value addition in converting PUI (Sacking Cloth) to PUC (Sacking Bag) is much less than the prescribed threshold in the AD Rules.
  - iii. Individual dumping margin have been evaluated for cooperating producers/exporters and for certain producers/exporters dumping margin of PUI during POI is found to be de minimis/negative.
  - iv. The import of PUI has undermined the remedial effect of existing AD measure on PUC imposed vide Custom Notification No. 01/2017-Customs (ADD) dated 5/1/2017 and later amended through Custom Notification No. 11/2017-Customs (ADD) dated 3/4/2017.

#### **K. Recommendations**

114. The Authority keeping in view the aforesaid, recommends extension of the existing Anti-dumping duty on Sacking Bags imposed vide Custom Notification No. 01/2017-Customs (ADD) dated 5/1/2017 and Custom Notification No. 11/2017-Customs (ADD) dated 3/4/2017 on PUI i.e. Jute Sacking Cloth as well as tabulated in the duty table in the Custom Notification No. 11/2017-Customs (ADD) dated 3/4/2017 as enclosed at Annexure 1, subject to following:
- i. The Anti-dumping duty on PUI will be applicable from the date of its notification by the Ministry of Finance i.e. Central Government.
  - ii. The validity of the Anti-dumping duty on PUI would be co-terminus with the duty on PUC i.e. Sacking Bag levied through Customs Notification No. 11/2017-Customs (ADD) dated 3/4/2017.

- iii. The following producers whose dumping margin of PUI during POI is evaluated as de minimis /negative are exempted from extension of measure on PUI i.e. Sacking Cloth.
- M/s Mouna Jute Mills Ltd.
  - M/s Arnu Jute Mills Limited
  - M/s Rahman Jute Mills (Pvt.) Ltd.
  - M/s Jamuna Jute Industries Limited
  - M/s Sagar Jute Spinning Mills Limited
  - M/s Sidlaw Textiles (Bangladesh) Limited
  - M/s Partex Jute Mills Limited Bangladesh
  - M/s Asha Jute Industries Limited
  - M/s Nawhata Jute Mills Ltd.
  - M/s Mymensingh Jute Mills Ltd.
- iv. The PUI which is imported by an importer for use in application other than conversion to Sacking Bag will not be liable for payment of the applicable AD Duty as per Custom Notification No. 11/2017-Customs (ADD) dated 3/4/2017.
- v. For the cases falling under (iv) above, the importer will give a legally enforceable undertaking to the concerned Custom Authorities.
- vi. The Ministry of Finance may put in place an appropriate monitoring mechanism to monitor the genuineness of the usage of the PUI so imported for category falling under (iv) above without payment of AD duty on the basis of aforesaid undertaking by its appropriate agencies.

#### **L. Further Procedure**

115. An appeal against the order of the Central Government that may arise out of this Final Finding Notification shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

SUNIL KUMAR, Addl. Secy. & Designated Authority

**Annexure**

### **MINISTRY OF FINANCE**

**(Department of Revenue)**

### **NOTIFICATION**

New Delhi, the 03<sup>rd</sup> April, 2017

**No. 11/2017-Customs (ADD)**

**G.S.R. ....(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (5) of section 9A of the Customs Tariff Act, read with rules 18 and 20 of the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 01/2017-Customs (ADD), dated the 5<sup>th</sup> of January, 2017 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), *vide* number G.S.R. 11(E) dated the 5<sup>th</sup> of January, 2017, namely:-

In the said notification, for the Table, the following Table shall be substituted, namely:-

“Table

Sl No.	Heading	Description of goods *	Specifications	Country of Origin	Country of Exports	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1.	5307, 5310, 5607 or 6305	Jute Yarn/ Twine	In all forms and specifications	Bangladesh	Bangladesh	Pride Jute Mill	Pride Jute Mill	104.16	US\$/MT
2.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Asha Jute Industries Ltd	Asha Jute Industries Ltd	19.30	US\$/MT
3.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Sonali Ansh Industries Ltd	Sonali Ansh Industries Ltd	20.35	US\$/MT
4.	-do-	Jute Yarn/Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Alijan Jute Mills Ltd	Alijan Jute Mills Ltd	20.35	US\$/MT
5.	-do-	Jute Yarn/Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Sharif Jute Mills Ltd	Sharif Jute Mills Ltd	152.85	US\$/MT
6.	-do-	Jute Yarn/Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Anwar Jute Spinning Mills Ltd	Anwar Jute Spinning Mills Ltd	109.59	US\$/MT
7.	-do-	Jute Yarn/Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Hasan Jute Mills Ltd	Hasan Jute Mills Ltd	Nil	US\$/MT
8.	-do-	Sacking	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Hasan	Hasan	Nil	US\$/
		Bags				Jute Mills Ltd	Jute Mills Ltd		MT
9.	-do-	Jute Yarn/Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Janata Jute Mills Ltd	Janata Jute Mills Ltd	20.68	US\$/MT
10.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Janata Jute Mills Ltd	Janata Jute Mills Ltd	Nil	US\$/MT
11.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Sidlaw Textiles Ltd.	Sidlaw Textiles Ltd.	102.93	US\$/MT
12.	-do-	Sacking Bags	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Sidlaw Textiles Ltd.	Sidlaw Textiles Ltd.	127.48	US\$/MT
13.	-do-	Jute Yarn/Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Sagar Jute Spinning Mills Ltd	Sagar Jute Spinning Mills Ltd	102.93	US\$/MT
14.	-do-	Jute Yarn/Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Non Sampled Producers/ exporters as per list **		97.19	US\$/MT
15.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Non Sampled Producers/ exporters as per list **		351.72	US\$/MT
16.	-do-	Sacking Bags	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Non Sampled Producers/ exporters as per list **		125.21	US\$/MT
17.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Any combination other than mentioned in Sl. Nos. 1 to 16 above		162.45	US\$/MT
18.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Any combination other than mentioned in Sl. Nos. 1 to 16 above		351.72	US\$/MT
19.	-do-	Sacking Bags	-do-	Bangladesh	Bangladesh	Any combination other than mentioned in Sl. Nos. 1 to 16 Above		138.97	US\$/MT
20.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Bangladesh	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Any	Any	162.45	US\$/MT
21.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Bangladesh	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Any	Any	351.72	US\$/MT
22.	-do-	Sacking Bags	-do-	Bangladesh	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Any	Any	138.97	US\$/MT

23.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Any country other than Those subject to Anti-dumping duty	Bangladesh	Any	Any	162.45	US\$/MT
24.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Bangladesh	Any	Any	351.72	US\$/MT
25.	-do-	Sacking Bags	-do-	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Bangladesh	Any	Any	138.97	US\$/MT
26.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Nepal	Nepal	Arihant Multi-Fibres Ltd	Arihant Multi-Fibres Ltd	24.61	US\$/MT
27.	-do-	Sacking Bags	-do-	Nepal	Nepal	Arihant Multi-Fibres Ltd	Arihant Multi-Fibres Ltd	35.25	US\$/MT
28.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Nepal	Nepal	Arihant Multi-Fibres Ltd	Arihant Multi-Fibres Ltd	Nil	US\$/MT
29.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Nepal	Nepal	Shree Raghupati Jute Mills Ltd	Shree Raghupati Jute Mills Ltd	24.61	US\$/MT
30.	-do-	Sacking Bags	-do-	Nepal	Nepal	Shree Raghupati Jute Mills Ltd	Shree Raghupati Jute Mills Ltd	35.25	US\$/MT
31.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Nepal	Nepal	Shree Raghupati Jute Mills Ltd	Shree Raghupati Jute Mills Ltd	Nil	US\$/MT
32.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Nepal	Nepal	Swastik Jute Mills Pvt. Ltd	Swastik Jute Mills Pvt. Ltd	15.36	US\$/MT
33.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Nepal	Nepal	Swastik Jute Mills Pvt. Ltd	Swastik Jute Mills Pvt. Ltd	8.18	US\$/MT
34.	-do-	Sacking Bags	-do-	Nepal	Nepal	Swastik Jute Mills Pvt. Ltd	Swastik Jute Mills Pvt. Ltd	34.20	US\$/MT
35.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Nepal	Nepal	Baba Jute Mills Pvt. Ltd	Baba Jute Mills Pvt. Ltd	26.07	US\$/MT
36.	-do-	Sacking Bags	-do-	Nepal	Nepal	Baba Jute Mills Pvt. Ltd	Baba Jute Mills Pvt. Ltd	33.73	US\$/MT
37.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Nepal	Nepal	Baba Jute Mills Pvt. Ltd	Baba Jute Mills Pvt. Ltd	6.30	US\$/MT
38.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Nepal	Nepal	Any combination other than mentioned in Sl. Nos. 26 to 37 above		28.72	US\$/MT
39.	-do-	Sacking Bags	-do-	Nepal	Nepal	Any combination other than mentioned in Sl. Nos. 26 to 37 above		38.90	US\$/MT
40.	-do-	Hessian	-do-	Nepal	Nepal	Any combination		8.18	US\$/
		Fabric				other than mentioned in Sl. Nos. 26 to 37 above			MT
41.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Nepal	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Any	Any	28.72	US\$/MT
42.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Nepal	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Any	Any	8.18	US\$/MT
43.	-do-	Sacking Bags	-do-	Nepal	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Any	Any	38.90	US\$/MT

44.	-do-	Jute Yarn/ Twine	-do-	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Nepal	Any	Any	28.72	US\$/MT
45.	-do-	Hessian Fabric	-do-	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Nepal	Any	Any	8.18	US\$/MT
46.	-do-	Sacking Bags	-do-	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Nepal	Any	Any	38.90	US\$/MT

\* “Jute Products” comprising of Jute Yarn/twine (multiple folded/cabled and single), Hessian Fabrics and Jute Sacking bags.

\*\* List of non-sampled producers/exporters:

- (1) Rahman Jute Mills (Pvt.) Ltd.
- (2) Shamsher Jute Mills Ltd.
- (3) Golden Jute Industries Ltd.
- (4) Purabi Trading
- (5) Sonali Aansh Trading (Pvt.) Ltd.
- (6) Rajbari Jute Mills Ltd.
- (7) Nowapara Packaging Industries Ltd.
- (8) Nowapara Jute Mills Ltd.
- (9) Usha jute Spinners Ltd.
- (10) B.S. Jute Spinners Ltd. (BSJSL)
- (11) Madina Jute Industries Ltd.
- (12) Northern Jute Manufacturing Company Limited
- (13) Jute Spinners Ltd.
- (14) M/s Nawab Abdul Malek Jute Mills (BD) Ltd.”

[F. No. 354/211/2016-TRU]

MOHIT TIWARI, Under Secy.

**Note :** The principal notification No. 01/2017-Customs (ADD), dated the 5th January, 2017 was published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i), vide number G.S.R. 11(E), dated the 5th January, 2017.